नई दिल्ली, सोमवार
24 जून, 2024
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

आकाश आनंद 47 दिन में 'परिपक्व', मायावती ने बनाया उत्तराधिकारी 9
अफगान लड़ाकों ने आस्ट्रेलिया को हराकर किया बड़ा उलटफेर, नईब ने झटके चार विकेट 10

SAMSUNG

Galaxy S24 Ultra

Galaxy AI is here

Now in Titanium Yellow

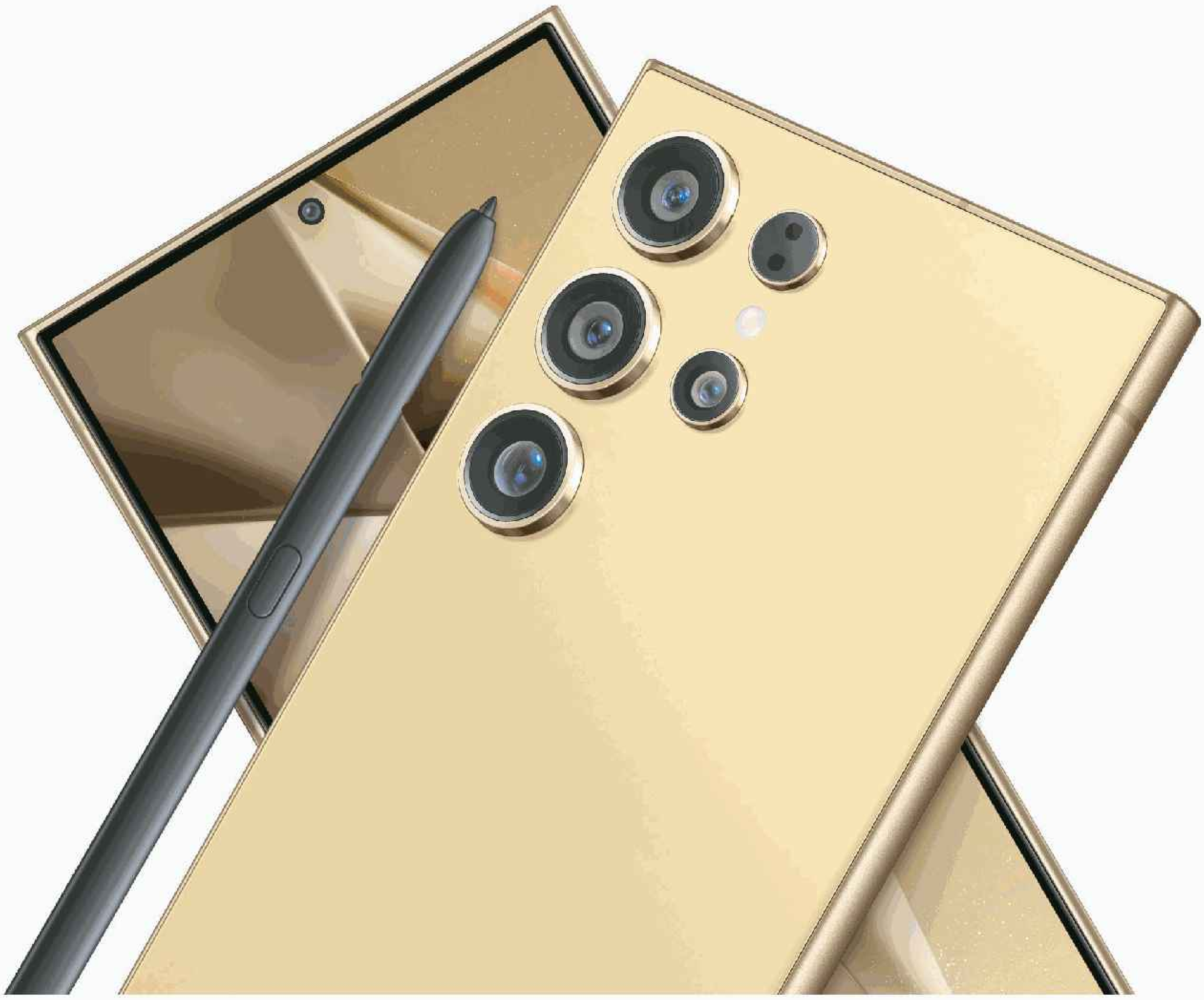

Own Galaxy S24 Ultra at ₹ 54999*

Retail price	₹ 129999#
Exchange value of old device	₹ 63000~
Additional upgrade bonus	₹ 12000^
Own now at	₹ 54999*

Zero down payment | 24 months no cost EMI**

Samsung Upgrade | HDFC BANK | BAJAJ FINSERV | Samsung Finance+

samsung.com

Scan and experience Galaxy AI
Or WhatsApp "Hi" to 9870 494949 to buy at Samsung Exclusive Store

Please dispose of e-waste and plastic waste responsibly. Customers can WhatsApp on 180057267864 for information on e-waste/plastic waste.

Image simulated for representational purpose, actual may vary. S Pen embedded in Galaxy S24 Ultra. Works on compatible apps and surfaces. Samsung account login is required for certain AI features. T&C apply. *Offer price shown for 1 unit of Galaxy S24 Ultra 12 GB | 256 GB inclusive of exchange value of old device and additional upgrade bonus. Final pricing subject to dealer discretion. #Retail price of 1 Unit of Galaxy S24 Ultra 12GB | 256GB. Price inclusive of taxes. ~Approximate value on exchange of 1 Unit of Galaxy S23 Ultra 12GB | 256GB. Exchange value varies basis model & condition of old device. Exchange at the sole discretion of dealer. ^Upgrade bonus as per Samsung Upgrade program, provided by brand/dealer at their sole discretion upon exchange of select devices. Upgrade Bonus varies model wise and EMI offer taken by the customer. Up to ₹ 12000 upgrade bonus is applicable only where customer does not avail the 24 months no cost EMI offer. The Upgrade Bonus shall be upto ₹ 6000 only when availed with 24 months no cost EMI offer. **Eligibility for EMI at the sole discretion of the financiers including those listed on Samsung Finance+ (Financier T&C applies). Samsung disclaims any liabilities with the same. Offers may be revised or withdrawn without prior notice. All third party logos/brands are trademarks/registered trademarks of the respective brand/company. Samsung promotes responsible use of Artificial Intelligence (AI) features.

Cheil-20994/24

****

SAMSUNG

Galaxy S24

Galaxy AI is here

Own Galaxy S24 at ₹ 29999*

Retail price	₹ 74999#
Exchange value of old device	₹ 32000~
Additional upgrade bonus	₹ 13000^
Own now at	₹ 29999*

Zero down payment | 24 months no cost EMI**

Samsung Upgrade | HDFC BANK | BAJAJ FINSERV | Samsung Finance+™

samsung.com

Please dispose of e-waste and plastic waste responsibly. Customers can WhatsApp on 180057267864 for information on e-waste/plastic waste.

Image simulated for representational purpose, actual may vary. Samsung account login is required for certain AI features. T&C apply. *Offer price shown for 1 unit of Galaxy S24 8 GB | 128 GB inclusive of exchange value of old device and additional upgrade bonus. Final pricing subject to dealer discretion. #Retail price of 1 Unit of Galaxy S24 8 GB | 128 GB. Price inclusive of taxes. ~Approximate value on exchange of 1 Unit of Galaxy S23 8 GB | 128 GB. Exchange value varies basis model & condition of old device. Exchange at the sole discretion of dealer. ^Upgrade bonus as per Samsung Upgrade program, provided by brand/dealer at their sole discretion upon exchange of select devices. Upgrade Bonus varies model wise and EMI offer taken by the customer. Up to ₹ 13000 upgrade bonus is applicable only where customer does not avail the 24 months no cost EMI offer. The Upgrade Bonus shall be upto ₹ 8000 only when availed with 24 months no cost EMI offer. **Eligibility for EMI at the sole discretion of the financiers including those listed on Samsung Finance+ (Financier T&C applies). Samsung disclaims any liabilities with the same. Offers may be revised or withdrawn without prior notice. All third party logos/brands are trademarks/registered trademarks of the respective brand/company. Samsung promotes responsible use of Artificial Intelligence (AI) features.

Scan and experience Galaxy AI

Or WhatsApp "Hi" to 9870 494949 to buy at Samsung Exclusive Store

Chell-20994/24

****

नई दिल्ली, सोमवार
24 जून, 2024
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

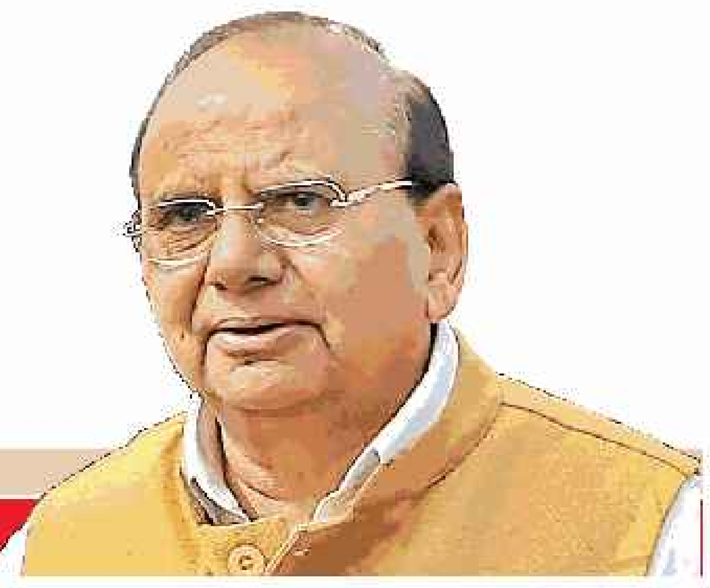

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

एनडीएमसी कर्मी देरी से आए तो आधे दिन की हो जाएगी छुट्टी 2
पानी पर एलजी ने की बात तो हरियाणा के मुख्यमंत्री ने दिया मदद का आश्वासन 2

इसरो ने फिर किया कमाल, 'पुष्पक' की लगातार तीसरी सफल लैंडिंग

- आरएलवी एलईएक्स-03 की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन
- दोबारा प्रयोग वाले स्वदेशी स्पेस शटल की दिशा में बड़ी उपलब्धि

« कर्नाटक के चित्रदुर्ग में रविवार को इसरो ने रीयूजेबल लांच व्हीकल 'पुष्पक' का तीसरा और अंतिम परीक्षण किया ● प्रेट्र

बेंगलुरु, प्रेट्र : भारत ने दोबारा प्रयोग वाले स्पेस शटल को साकार करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर कमाल करते हुए पुनः प्रयोग योग्य प्रक्षेपण यान (आरएलवी) 'पुष्पक' की लगातार तीसरी बार सफल लैंडिंग कराई। इस मिशन में आरएलवी को तेज हवा के बीच उतारने का अभ्यास किया गया। इसरो ने अधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रक्षेपण यान की स्वचालित लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन किया। इसरो ने कहा कि लैंडिंग प्रयोग की श्रृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण (एलईएक्स-03) कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एयरोनाटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में सुबह 07:10 बजे किया गया।

हौसला बढ़ाएगा यह मिशन » पेज 11

इस तरह किया गया परीक्षण

पंख वाले यान 'पुष्पक' को वायुसेना का चिनूक हेलीकाप्टर ऊपर लेकर गया और इसे 4.5 किमी की ऊंचाई से छोड़ा। रनवे से 4.5 किमी दूर स्थित रिलीज प्वाइंट से छोड़े जाने के बाद 'पुष्पक' स्वायत्त तरीके से 'क्रास-रेंज' में सुधार करते हुए रनवे पर पहुंचा और रनवे सटीक तरीके से क्षैतिज लैंडिंग की। इस वाहन का लैंडिंग वेग 320 किमी प्रति घंटे से अधिक था, जबकि वाणिज्यिक विमान के लिए यह 260 किमी प्रति घंटे और सामान्य लड़ाकू विमान के लिए 280 किमी प्रति घंटे होता है। लैंडिंग के बाद ब्रेक पैराशूट का उपयोग कर वाहन की गति को 100 किमी तक कम कर दिया गया। रनवे पर गति कम करने और रुकने के लिए लैंडिंग गियर ब्रेक का उपयोग किया। ग्राउंड रोल चरण के दौरान पुष्पक ने रनवे पर स्वायत्त तरीके से संतुलन बनाए रखने के लिए नोज व्हील स्टीयरिंग प्रणाली का उपयोग किया।

संपादकीय

विवेक देबराय | आदित्य सिन्हा

जीएसटी के दायरे में आएं पेट्रोलियम उत्पाद : इस परिवर्तन की राह में कुछ तात्कालिक चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन इसके बड़े दूरगामी लाभ होंगे। लोगों को सस्ते पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता के साथ ही राजस्व व्यवस्था भी बेहतर होगी। **विवेक देबराय** और **आदित्य सिन्हा** का सुझाव।

देशहित में एक राष्ट्र-एक चुनाव : लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन यह समय की मांग है। **केसी त्यागी** का आकलन। ● पेज 6

जागरण विशेष

आतंकग्रस्त कुलगाम में अब लहसुन से समृद्धि की बयार ● पेज 8

सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

बंकिम ने दिया देशभक्ति को नया आयाम
अध्यात्म में रचा-बसा बनारस घराना
● जागरण सिटी

विश्व कप 2024

आज के मैच (सुपर-8)
वेस्टइंडीज vs दक्षिण अफ्रीका
सुबह 6 बजे | स्थान : एंटीगुआ
भारत vs आस्ट्रेलिया
रात 8 बजे | स्थान : सेंट लूसिया
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

सीबीआइ ने संभाली नीट-यूजी की जांच, दर्ज किया नया केस

परीक्षा में अनियमितताओं के मामले की जांच करेगी एजेंसी

आर्थिक अपराध शाखा द्वारा गिरफ्तार आरोपितों का पटना के अस्पताल में मेडिकल कराया गया ● प्रेट्र

- सरकार ने सीबीआइ को सौंपी है मेडिकल प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी की जांच
- जांच एजेंसी ने विशेष टीमें गठित कीं, पटना और गोधरा भेजी गई टीमें
- परीक्षा के आयोजन से जुड़े लोकसेवकों की भूमिका भी जांच के दायरे में

पेपर लीक की जांच को बिहार पहुंची सीबीआइ टीम पर हमला » पेज 11
ग्रेस मार्क्स पाने वाले 52% अभ्यर्थी ही दोबारा परीक्षा देने पहुंचे » पेज 11

नई दिल्ली, प्रेट्र : मेडिकल कोर्सों में प्रवेश के लिए पांच मई को आयोजित किए गए नीट-यूजी 2024 में कथित अनियमितताओं के मामले की जांच सीबीआइ को सौंपे जाने के बाद जांच एजेंसी ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर सीबीआइ ने रविवार को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का एक नया मामला दर्ज किया है। पेपर लीक के दावों की जांच के लिए छात्रों द्वारा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और अदालतों में याचिकाएं दायर किए जाने के बीच यह कदम उठाया गया है। छात्रों के विरोध को देखते हुए ही शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी थी और एनटीए के महानिदेशक (डीजी) सुबोध कुमार को हटा दिया था। इस परीक्षा में लगभग 24 लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया था।

अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच के लिए सीबीआइ ने विशेष टीमें बनाई हैं। ये टीमें गोधरा और पटना गई हैं। वहां पुलिस ने प्रश्नपत्र लीक होने के मामले दर्ज किए हैं। इस बीच, बिहार व गुजरात सरकार ने भी पुलिस द्वारा दर्ज नीट-यूजी पेपर लीक के मामलों को सीबीआइ को स्थानांतरित करने की अधिसूचना जारी कर दी, जिससे केंद्रीय एजेंसी के लिए जांच का रास्ता साफ हो गया। गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके राकेश ने आठ मई को गोधरा थाने में पेपर लीक से संबंधित दर्ज मामले को सीबीआइ को सौंपने की अधिसूचना जारी की।

सीबीआइ के एक प्रवक्ता ने कहा- 'शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआइ से अभ्यर्थियों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच का अनुरोध किया है, जिसमें षड्यंत्र, धोखाधड़ी, अभ्यर्थी की जगह किसी और के परीक्षा में बैठने, विश्वासघात और साक्ष्यों को नष्ट करना शामिल है।' अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा के आयोजन से जुड़े लोकसेवकों की संभावित भूमिका भी जांच के दायरे में होगी।

महाराष्ट्र एटीएस ने कोचिंग सेंटर संचालकों से की पूछताछ : महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने नीट-यूजी, 2024 में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में लातूर जिले में एक निजी कोचिंग सेंटर चलाने वाले दो शिक्षकों से पूछताछ की।

संबंधित » पेज 11

जमानत पर रोक के विरुद्ध केजरीवाल गए सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : नई आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर दिल्ली हाई कोर्ट की अंतरिम रोक के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निचली अदालत ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दी थी। ● पेज 3

सुकमा में आइईडी विस्फोट में दो जवान बलिदान

रायपुर : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों की बिछाई गई आइईडी के विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान बलिदान हो गए। मृतकों में वाहन चालक विष्णु आर केरल के त्रिवेंद्रम व आरक्षक शैलेंद्र उत्तर प्रदेश के कानपुर के निवासी थे। ● पेज 12

हज के दौरान गर्मी से अब तक 1,301 जायरीन की मौत

काहिरा : इस साल सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से मरने वालों की संख्या 1,301 हो गई है। इस दौरान 98 भारतीयों की भी मौत हुई है। मरने वालों में अधिकतर मिस्र के नागरिक थे। ● पेज 12

jagran.com
वेबसाइट पर पढ़ें
स्पीकर का चुनाव
स्पीकर का चुनाव, सरकार का बहुमत परीक्षण, जानें-लोकसभा के पहले सत्र में क्या होगा?

लोकसभा सत्र आज से, सरकार और विपक्ष के बीच टकराव होने के आसार

18वीं लोकसभा के पहले सत्र से पूर्व रविवार को विजय चौक पर राष्ट्रपति के घुड़सवार दस्ते ने रिहर्सल की ●एएनआइ

- पहले दो दिन नवनिर्वाचित सदस्यों को दिलाई जाएगी शपथ
- परीक्षाओं में गड़बड़ी और प्रोटेम स्पीकर के मुद्दे पर आक्रामक है विपक्ष का रवैया

सदन में दिखेगा बदलाव : 18वीं लोकसभा में सदन का नजारा भी इस बार बदला हुआ दिखेगा। अब तक सदन में कुछ बेंचों तक सिमटा रहने वाला विपक्ष इस बार लोकसभा में काफी मजबूत स्थिति में दिखेगा, जहां उसकी कुल संख्या 234 होगी। इनमें 99 सदस्य अकेले कांग्रेस के हैं। वहीं, सदन में सत्ता पक्ष की संख्या 293 की होगी। इनमें अकेले भाजपा के 240 सदस्य होंगे।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : परीक्षाओं में गड़बड़ी और प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति सहित कई मुद्दों पर विपक्षी दलों की नाखुशी के बीच 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। यह सत्र तीन जुलाई तक चलेगा। सत्र के पहले दो दिन प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब और उनके सहयोगी पीठासीन अधिकारियों द्वारा लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। हालांकि, इससे पहले लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शपथ दिलाएंगी। विपक्षी दलों ने प्रोटेम स्पीकर पद पर सत्ता पक्ष के सदस्य की नियुक्ति को लेकर विरोध किया है और कहा है कि सदन में और भी वरिष्ठ सदस्य थे, जिन्हें नियमों के तहत यह जिम्मेदारी दी जानी थी।

10 दिन चलने वाले लोकसभा के इस पहले सत्र में 26 जून को स्पीकर पद के लिए चुनाव होगा। 27 जून को राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। 28 जून से दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो या तीन जुलाई को चर्चा पर जवाब दे सकते हैं। लोकसभा सचिवालय के मुताबिक सत्र की शुरुआत सोमवार से 18वीं लोकसभा के सदस्यों के शपथ ग्रहण से होगी। प्रोटेम स्पीकर सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सदन के सदस्य की शपथ दिलाएंगे।

इसके बाद चेयर के सहयोगी सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी, फिर मंत्रियों व बाकी सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। सत्र के पहले दिन करीब 280 सदस्यों और दूसरे दिन बाकी सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। शपथ नाम के आधार पर राज्य के अनुसार दिलाई जाती है। यानी अ से शुरू होने वाले राज्य के सांसदों को पहले शपथ दिलाई जाती है। सोमवार से शुरू हो रहे लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का अहसास कराने से नहीं चूकेगा। परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर विपक्ष आक्रामक रुख दिखा सकता है। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिश कर सकता है। वैसे भी वह पहले से ही सत्ता पक्ष के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है।

संबंधित » पेज 11
नई उम्मीदों का सत्र » संपादकीय

FENA
FENA (P) LIMITED
BETTER PRODUCTS, CLEANER WORLD
48 साल के परीक्षण के बाद, जीता है यह विश्वास

48+
YEARS OF RESEARCH IN THE SCIENCE OF WASHING

फेना, विश्वास भारत का
चार दशकों से भी ज़्यादा से, फेना ने असली 'क्वालिटी टेस्ट' दिए हैं, जो होतें है हर रोज़, हर भारतीय के घर में। जहाँ इसे जम के परखा और इस्तेमाल किया जाता है - और 48 वर्षों से, फेना सबकी उम्मीदों पर खरा उतरा है। फैब्रिक केयर, होम केयर हो या फेना की पर्सनल केयर रेंज, हमने भारत को हमेशा श्रेष्ठ क्वालिटी ब्रांड्स दियें है जिनमें फेना डिटर्जेंट, इम्पैक्ट प्रीमियमवॉश, निप डिशवॉश, कॉप टॉयलेट एवं फ्लोर क्लीनर्स, फेमस ब्यूटी सोप्स और फेमस हैंडवॉश शामिल हैं। हमें अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए, धन्यवाद भारत। फेना ही लेना

*Images are for representation purpose only.

वितरक बनने के लिए : Sandeep Abrol - 9896369053, Kishan Dangwal (South Delhi) - 9999978566, Rajeev Bakshi (East Delhi) - 9873625814, Ravi (West Delhi)- 9582128845, +91 11 69057100, Email: enquiry@fena.com
^BASED ON LAB TEST AND CONSUMER SURVEY OF DETERGENT POWDER BRANDS UPTO MRP ₹85/- PER kg BY INDEPENDENT MARKET RESEARCH AGENCY i3RC INSIGHTS IN FEBRUARY 2024.

****

जल समझौते में दिल्ली को अधिक हिस्सा पाने के लिए करना होगा प्रयास

संतोष कुमार सिंह ● जागरण

नई दिल्ली: 29 वर्ष पहले यमुना के जल बंटवारे के लिए पांच राज्यों बीच समझौता हुआ था। उसके अनुरूप यमुना का जल विभिन्न राज्यों को पेयजल, सिंचाई व अन्य कार्य के लिए मिलता है, परंतु इसे लेकर विवाद बना हुआ है। 30 वर्षों के लिए हुए समझौते की अवधि अगले वर्ष समाप्त हो रही है।

हथिनी कुंड बैराज ● जागरण

एनजीटी ने की यमुना में अधिक पानी छोड़ने की सिफारिश

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) द्वारा नियुक्त यमुना निगरानी समिति ने राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की द्वारा तैयार रिपोर्ट के अनुसार पूरे वर्ष नदी में पर्यावरणीय प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के बीच 1994 के जल बंटवारे के समझौते पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की है। वर्तमान समय में यमुना से हथनी कुंड बैराज में 78 .5 प्रतिशत और पश्चिमी व पूर्वी यमुना नहर में 13 प्रतिशत पानी जाता है। यमुना नदी में मात्र आठ प्रतिशत पानी रह जाता है। इसे बढ़ाने की बात कही गई है। पश्चिमी यमुना नहर के माध्यम से दिल्ली में पानी पहुंचता है। यदि इसमें कटौती हुई तो दिल्ली को परेशानी होगी।

1994 के समझौते के अनुसार दिल्ली को पानी मिलता है। उस समय दिल्ली की आबादी 1.1 करोड़ थी। उसके बाद से तीन गुना आबादी बढ़ गई है। हरियाणा को तीन करोड़ की आबादी के लिए 6500 एमजीडी पानी मिलता है और दिल्ली को मात्र 1005 एमजीडी। दिल्ली पिछले कई वर्षों से समझौते पर पुनर्विचार की मांग कर रहा है, परंतु केंद्र सरकार इन्कार करता रहा है।
- आतिशी, दिल्ली की जल मंत्री

दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के बीच लंबे विवाद के बाद 12 फरवरी, 1994 को यमुना के जल बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था। अब एक बार फिर से हथनी कुंड बैराज से पानी के बंटवारे के लिए नए सिरे से समझौता होगा। अगले कुछ माह में इसकी प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। दिल्ली के साथ ही राजस्थान, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश अधिक पानी की मांग कर रहे हैं। बताते हैं कि इसके लिए कई राज्यों ने जल शक्ति मंत्रालय को पत्र भी लिखा है। अभी तक पांच राज्यों के बीच पानी का बंटवारा होता है। उत्तर प्रदेश अपने हिस्से से उत्तराखंड को पानी देता है। हरियाणा के जल एवं सिंचाई राज्य मंत्री डा. अभय सिंह यादव का कहना है कि हरियाणा वर्ष 1994 के समझौते की समीक्षा के लिए तैयार है। इससे सही तरह से जल वितरण हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मिल रहा है 1049 क्यूसेक पानी: पर्यावरणविद कमोडोर सुरेश्वर धारी सिन्हा ने वर्ष 1995 में जनहित याचिका दायर कर यमुना में पानी का प्रवाह बनाये रखने की मांग की थी। उनकी याचिका पर 1996 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में पेयजल को प्राथमिकता दी थी। इसके आधार पर दिल्ली को अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा को निर्देश दिया गया था जिससे कि वजीराबाद और हैदरपुर जलाशय में सामान्य स्तर बना रहे। इस निर्णय के आधार पर दिल्ली को हरियाणा से 1049 क्यूसेक पानी मिलने लगा। इसके साथ ही नहर में रिसाव से पानी की बर्बादी को रोकने की दिशा में काम शुरू हुआ। 1996 में 102 किमी लंबी पक्की कैरियर लाइन नहर (सीएलसी) के निर्माण पर सहमति बनी। इसके लिए दिल्ली सरकार ने हरियाणा को लगभग साढ़े चार सौ करोड़ रुपये दिए थे, परंतु सीएलसी बनने के बाद रिसाव से बचने वाले इस पानी पर हरियाणा ने अपना अधिकार बताते हुए देने से इन्कार कर दिया। बाद में दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर वर्ष 2014 से इस नहर से पूरा पानी दिल्ली को मिलना शुरू हुआ।

जल मंत्री सत्याग्रह पर बैठ कोरी राजनीति कर रही हैं : कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बना बेमेल गठबंधन चुनाव खत्म होने के साथ ही बिखरता नजर आ रहा है।

देवेंद्र यादव ●

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछले डेढ़ महीने से भीषण गर्मी झेल रहे दिल्ली वासियों की जल संकट की परेशानी का मानवता और नैतिकता के आधार पर निपटारा करने के बजाय जल मंत्री आतिशी भोगल में जल सत्याग्रह पर बैठकर सिर्फ कोरी राजनीति कर रही हैं और स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज गर्मी से मरने वालों के आंकड़ों पर नियंत्रण करने को अस्पतालों में पर्याप्त संसाधन मुहैया कराने की जगह पानी पर बयानबाजी कर रहे हैं। यादव ने कहा कि आप सरकार पूरी पंगु हो गई है। यादव ने कहा कि दिल्ली की दो करोड़ जनता जल संकट झेल रही है और जल मंत्री यह आंकड़ा सिर्फ 28 लाख बता रही हैं। जब पूरी दिल्ली जल संकट से जूझ रही है तो सिर्फ 28 लाख लोग पानी की समस्या से कैसे प्रभावित हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि एयर कंडीशंड जल सत्याग्रह में बैठ जल मंत्री लोगों को जलापूर्ति करने के बजाय स्वयं पानी पी रही हैं। उन्होंने भाजपा को भी कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि दिल्ली से भाजपा के सांसद पानी पर राजनीति करने के बजाय अधिक पानी दिलाने के लिए काम करें।

एक नजर में

कोर्ट ने अब तक काटी गई सजा पर दोषी को किया रिहा

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने हत्या के प्रयास के मामले में दोषी करार दिए व्यक्ति को अब तक काटी गई सजा के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने नोट किया कि वर्ष 2007 में हुई घटना के दौरान अपीलकर्ता की उम्र 37 वर्ष थी और सजा के विरुद्ध अपीलकर्ता की अपील 15 साल से लंबित थी। अदालत ने अपीलकर्ता को 10 हजार का जुर्माना लगाकर राहत देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। कोर्ट ने कहा अपीलकर्ता अनिल कुमार शर्मा का जेल में रहने के दौरान आचरण अच्छा था और मामले के तथ्यों को देखते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया जाता है। (जासं)

नौकरी के नाम पर ठगने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा : कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने एविएशन सेक्टर में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगारों को ठगने वाले दो आरोपितों को रविवार को गिरफ्तार किया है। ये लोग वर्ष 2021 से लेकर अब तक एक हजार से अधिक लोगों को ठग चुके हैं। आरोपितों के पास से चार लैपटाप, सात मोबाइल, 14 एयरपोर्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेट, दो मेट्रो मैनेजमेंट सर्टिफिकेट, एक डिप्लोमा इन मेट्रो मैनेजमेंट सर्टिफिकेट, 8 खाली सर्टिफिकेट आफ एचीवमेंट भारतीय एयरवेज, 178 हास्पिटेलिटी सर्टिफिकेट, 6 मोहर, 13 मोबाइल सिम, 94 मोबाइल सिम के रैपर, बेरोजगार लोगों का डाटा, 142 विज्ञापन पंफलेट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ के कार्य की जानकारी का पर्चा, एक नियुक्ति पत्र, 46 नोटबुक बरामद हुई हैं। सेंट्रल जोन की डीसीपी सुनीति ने बताया कि आरोपितों की पहचान राजस्थान भरतपुर के भगवंता सिंह और दिल्ली प्रेम नगर के हर्ष परिहार के रूप में हुई है। (जासं)

पानी पर एलजी ने की बात तो हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने दिया मदद का आश्वासन

जल संकट से शीघ्र मिल सकती है राहत

राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली: दिल्ली को जल संकट से उबारने के लिए रविवार शाम एलजी वीके सक्सेना ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बात की। राजनिवास के मुताबिक मुख्यमंत्री सैनी ने मामले को गंभीरता से देखने और स्थिति से निपटने में यथासंभव मदद का आश्वासन दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि एलजी के प्रयास से दिल्ली में जल संकट में शीघ्र राहत मिल सकती है।

वीके सक्सेना

इससे पूर्व, रविवार दिन में आप के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने एलजी से मुलाकात की। बैठक में आप सांसदों और विधायकों ने एलजी से अनुरोध किया कि वे बारिश/मानसून आने तक कुछ दिनों के लिए हरियाणा सरकार से अतिरिक्त पानी के लिए अनुरोध कर दें। प्रतिनिधियों की बात सुनने के बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस मसले पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों के बीच यमुना जल का हिस्सा ऊपरी यमुना नदी बोर्ड द्वारा तय किया गया था. जिसका 2025 में नवीनीकरण किया जाना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इसे बार-बार बरकरार रखा गया है। हाल ही में एक सप्ताह पहले भी न्यायालय ने इसे बरकरार रखा है।

एलजी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की सलाह थी दिल्ली मानवीय आधार पर अतिरिक्त पानी के लिए हरियाणा से संपर्क कर सकती है, मगर इसमें केवल सहयोग और सौहार्दपूर्ण बातचीत के माहौल में ही सफलता मिल सकती है। मीडिया और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आरोप-प्रत्यारोप, दुर्व्यवहार और दोषारोपण में शामिल होकर इसमें सफलता नहीं मिल सकती है। न केवल दिल्ली बल्कि सभी राज्यों की आबादी आनुपातिक रूप से बढ़ी है और सभी राज्य गर्मी की लहर से समान रूप से प्रभावित हैं। एलजी ने आश्वासन दिया कि वह आप प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध के अनुसार मानवीय आधार पर पानी छोड़ने का मामला हरियाणा के मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे।

दिल्ली सरकार ने फिर हरियाणा को घेरा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : एलजी वीके सक्सेना से हरियाणा से पानी दिलाने का अनुरोध करने के साथ ही दिल्ली की आप सरकार ने पानी को लेकर हरियाणा सरकार पर करारा हमला भी बोला। दिल्ली सरकार ने कहा कि भाजपा शासित हरियाणा सरकार लगातार झूठ बोल रही है। प्रेस वार्ता में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, गर्मी में पानी की मांग बढ़ती है और इस बढ़ती मांग के बीच भाजपा शासित हरियाणा सरकार द्वारा की जा रही गंदी राजनीति बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारा साफ तौर पर यह कहना है कि हरियाणा की ओर से लगातार जो पानी जो आता है, उसमें कटौती की जा रही है। उन्होंने बताया कि हमारे पास फ्लो मीटर लगे हुए हैं, जो यह बताते हैं कि पीछे राज्यों से जो पानी आता है, वह कितनी मात्रा में आया है।

आप प्रतिनिधिमंडल ने जल संकट पर एलजी से की मुलाकात

- **संजय सिंह ने कहा, मिलकर काम करने पर सहमति बनी**
- **कहा, एलजी के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई बातचीत**

राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली: दिल्ली में जल संकट के लिए शनिवार को एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया था और सरकार ने एलजी की बात को गलत बताया था। दोनों ओर से तीखी पत्रबाजी हुई। मगर इसी बीच दिल्ली में जल संकट को लेकर आप नेता रविवार को एलजी से मिले। बैठक में विवादित मुद्दों पर चर्चा नहीं हुई और बातचीत सौहार्द पूर्ण माहौल में हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने एलजी को हरियाणा से दिल्ली के हक का 100 एमजीडी पानी कम मिलने की जानकारी दी। एलजी ने आप नेताओं को भरोसा दिया कि वो हरियाणा सरकार से दिल्ली के हक का पानी दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में आप सांसद संजय सिंह व एनडी गुप्ता, पार्टी सचिव पंकज गुप्ता, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और विधायक दिलीप पांडेय, सोमनाथ भारती, राजेश गुप्ता रितुराज समेत 10 सदस्य शामिल थे। एलजी के साथ हुई बैठक के बारे में संजय सिंह ने बताया कि हमने एलजी से कहा कि 1994 में दिल्ली के लिए जितना पानी का आवंटन किया गया था, आज भी उतना ही पानी दिल्ली को मिल रहा है। जबकि 1994 से अब तक 30 साल में दिल्ली की आबादी तीन गुना बढ़ गई है। हमने बताया कि नहरों के लीकेज को खत्म करने पर 500 करोड़ रुपये खर्च किया है। दिल्ली के अंदर 12 हजार किलोमीटर पाइप लाइन बिछवाने का काम किया। दिल्ली सरकार ने अपने स्तर पर बहुत सारे प्रयास किए हैं। इस दौरान एलजी साहब ने भी कुछ सुझाव दिए हैं, जिस पर मिलकर काम करने की सहमति बनी।

रोजाना 100 एमजीडी पानी कम दे रहा हरियाणा: 1994 के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली को 1005 एमजीडी पानी की जरूरत है। इसमें से 613 एमजीडी पानी हरियाणा से आता है। लेकिन पिछले 2 हफ्तों से लगातार हरियाणा दिल्ली को कम पानी दे रहा है। फिलहाल हरियाणा सरकार से दिल्ली को 613 एमजीडी के बजाय 500-513 एमजीडी पानी मिल पा रहा है। इस तरह रोजाना करीब 100 एमजीडी कम पानी मिल रहा है।

हरियाणा से दिल्ली को लगातार मिल रहे कम पानी की वजह से दिल्लीवाले को पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पा रही है, क्योंकि पानी की आपूर्ति कम हो रही है। एक एमजीडी पानी से 28,500 लोगों को पानी मिलता है, यानी हरियाणा सरकार द्वारा 100 एमजीडी पानी रोकने से दिल्ली के 28 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। दिल्लीवाले घंटों पानी का इंतजार कर रहे है। महिलाएं इस तपती गर्मी में खड़ी होकर टैंकरों का इंतजार करती हैं। आप ने कहा है कि हरियाणा की आबादी तीन करोड़ है और दिल्ली की भी करीब इतनी ही आबादी है, मगर दिल्ली को 1,005 एमजीडी और हरियाणा को 6,500 एमजीडी पानी मिलता है।

पानी दिलाने तक जारी रहेगा अनशन

भोगल में जंगपुरा रोड स्थित शिव मंदिर के पास अनिश्चिकालीन अनशन पर बैठी दिल्ली की जल मंत्री आतिशी के स्वास्थ्य की जांच करते डाक्टर ● जागरण

राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली : दिल्ली को हरियाणा से पानी दिलवाने की मांग को लेकर जलमंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन रविवार को तीसरे दिन जारी रहा। आतिशी ने कहा कि जब तक हरियाणा सरकार दिल्लीवालों को उनके हक का पानी नहीं देगी और हथिनीकुंड बैराज के गेट नहीं खोलेगी, तब तक उनका अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। रविवार को अनशन में आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल, कैबिनेट मंत्री गोपाल राय, आप नेता जस्मिन शाह के साथ-साथ भोगल की आरडब्ल्यूए ने भी भाग लिया।

आतिशी ने कहा कि कि आज मेरे अनिश्चितकालीन अनशन का तीसरा दिन है। मैं इस अनशन पर इसलिए बैठी हूं क्योंकि दिल्ली में पानी का बहुत संकट है। दिल्ली में पानी की बहुत कमी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अपना पानी नहीं है, यहां सारा पानी पड़ोसी राज्यों से आता है। आतिशी ने कहा कि कि हरियाणा सरकार कहती है कि उनके पास पानी नहीं है तो वो दिल्ली को पानी कहां से दे दे। कल जब बहुत सारे पत्रकार हथिनीकुंड बैराज गए, जहां से दिल्ली के लिए पानी छोड़ा जाता है। वहां सभी ने फोटो ली, वीडियो बनाई जिसमें साफ-साफ दिख रहा है कि हथिनीकुंड बैराज में पानी भरा हुआ है। लेकिन जिस गेट से दिल्ली के लिए पानी छोड़ा जाता है, उस गेट को बंद किया गया है और पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। आतिशी ने कहा कि मेरी हरियाणा सरकार से हाथ जोड़ कर विनती है कि, वो हथिनीकुंड बैराज के दरवाजे खोल दिल्लीवालों का पानी छोड़ दे। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों को उनके हक का पानी मिलना चाहिए।

आप का दावा, आतिशी का कीटोन स्तर पाजिटिव हुआ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी जलमंत्री आतिशी के स्वास्थ्य की डाक्टरों की एक टीम द्वारा जांच की गई। आम आदमी पार्टी का दावा है कि अनशन के तीसरे दिन स्वास्थ्य जांच के दौरान डाक्टरों ने आतिशी के ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल में बड़ी गिरावट दर्ज की है। उनके वजन में भी कमी आई है। आप के अनुसार अनशन के पहले दिन की तुलना में तीसरे दिन जलमंत्री आतिशी के ब्लड शुगर लेवल में 26 यूनिट की गिरावट आई है। आतिशी का यूरिन कीटोन स्तर भी पाजिटिव हो गया है।

आतिशी का स्वास्थ्य स्टेटस	
ब्लड प्रेशर	125/ 56 एमएमएचजी
ब्लड शुगर	73 एमजी/डीएल
आक्सीजन स्तर	98

अनशन स्थल से गायब रहती हैं आतिशी : सचदेवा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली की जल मंत्री आतिशी के अनशन को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नाटक करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि दिल्ली में भीषण गर्मी से मृत्यु के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और केजरीवाल सरकार उनको रोकने के उपाय करने की जगह एयरकंडीशन सत्याग्रह के नाटक में मस्त है। सचदेवा ने कहा कि भीषण गर्मी व जलसंकट से त्रस्त दिल्ली वाले स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज व जल मंत्री आतिशी को ओछी राजनीतिक बयानबाजी करते देख स्तब्ध हैं। सचदेवा ने कहा कि यह भारतीय इतिहास का पहला सत्याग्रह आंदोलन है, जिसमें सत्याग्रही मीडिया के सामने सिर्फ फोटो खिंचाने के लिए आता है और फिर गायब हो जाता है। गर्मी से परेशान दिल्ली वालों के लिए इंतजाम करने के बजाय आतिशी के धरना स्थल पर चार टन के चार एसी चल रहे हैं और बीएसईएस ने इसके लिए दूसरे के घर पर विशेष मीटर लगा दिया है। सचदेवा ने कहा कि जलमंत्री होने के नाते आतिशी का फर्ज बनता है कि दिल्ली की पानी की किल्लत को दूर करने का प्रयास करतीं, लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी से भाग रही हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ●

पश्चिमी यमुना नहर से दिल्ली को दिया जा रहा है 761 क्यूसेक पानी

जागरण संवाददाता. यमुनानगर: यमुना नदी पर बने हथिनीकुंड बैराज में इन दिनों पानी का बहाव सामान्य से कम चल रहा है। रविवार को शाम छह बजे कुल बहाव 2266 क्यूसेक रहा। इसमें से पश्चिमी यमुना नहर (हरियाणा) में 1750 क्यूसेक, पूर्वी यमुना नहर (उप्र के सहारनपुर की ओर जाने वाली) में 165 क्यूसेक व यमुना नदी में 352 क्यूसेक बहाव है। पश्चिमी यमुना नहर के माध्यम से दिल्ली के लिए 761 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है।

सिंचाई विभाग के एक्सइएन विजय गर्ग ने बताया कि हथिनीकुंड बैराज पर इन दिनों पानी कम है। यह स्थिति गर्मी व सर्दी के मौसम में हर साल आती है। शाम छह बजे बैराज पर 2266 क्यूसेक का बहाव रहा। इसमें से हरियाणा, उप्र, दिल्ली व यमुना नदी में हिस्से के मुताबिक पानी की सप्लाई हो रही है। यहां से पानी को केवल डाइवर्ट किया गया है। बैराज के गेट बंद कर पानी रोका ही नहीं जा सकता। 70,000 क्यूसेक से अधिक पानी का बहाव होने पर बैराज के सभी गेट खोल दिए जाते हैं। इस स्थिति को मिनी फ्लड कहते हैं। दिल्ली के हिस्से के हिसाब से 761 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है।

एनडीएमसी कर्मी देरी से आए तो आधे दिन की हो जाएगी छुट्टी

बायोमीट्रिक से हाजिरी लगाने के दिए निर्देश, 9:15 बजे के बाद देरी से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों को आधे दिन की लगेगी हाजिरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार को एनडीएमसी के चेयरमैन का अतिरिक्त प्रभार मिलने के बाद लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्ती बढ़ रही है। अब एनडीएमसी ने आदेश जारी ऐसे कर्मचारियों को चेतावनी दी है जो देर से दफ्तर पहुंचते हैं। एनडीएमसी के आदेश के तहत सुबह 9:15 से ज्यादा देर कोई आएगा तो उसकी आधे दिन का हाजिरी लगाई जाएगी। इसमें पहले सीएल (आकस्मिक अवकाश) में से छुट्टी काटी जाएगी। सीएल उपलब्ध नहीं है तो फिर ईएल में से इसे काटा जाएगा। एनडीएमसी ने साथ ही सभी विभागाध्यक्षों को आदेश दिए हैं कि प्रतिदिन वह अपने विभाग के कर्मचारियों की हाजिरी को देखें, अगर कोई लापरवाही कर रहा है तो उस पर कार्रवाई करें। उल्लेखनीय है कि एनडीएमसी के 14 हजार के करीब कर्मचारी हैं।

नई राहें

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
खनिज भवन 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मासाब टैंक हैदराबाद- 500 028
सीआईएन : L13100TG1958GOI001674

अधिसूचना सं. : 02/2024 दिनांक : 19.06.2024

एनएमडीसी लिमिटेड, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक "नवरत्न" उपक्रम तथा बड़े टर्नओवर सहित बहु स्थानिक, बहु उत्पादक एवं निरंतर लाभ अर्जित करने वाला खनन तथा खनिज गवेषण संगठन है। एनएमडीसी भारत एवं विदेश में बड़े पैमाने पर विस्तार एवं विविधीकरण कर रहा है। एनएमडीसी आईसीएमएआई के माध्यम से निम्नलिखित पदों की भर्ती की प्रक्रिया में है।

क्र.सं.	पद	पदों की संख्या
1.	अधिशासी प्रशिक्षु (वित्त)	06
2.	अधिशासी प्रशिक्षु (वाणिज्य)	06

विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक उम्मीदवार आईसीएमएआई की वेबसाइट www.icmai.co.in देख सकते हैं।
उप महाप्रबंधक (कार्मिक)

****

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली झोंकेदार हवा के साथ गर्जन वाले बादल बनने और हल्की वर्षा होने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
24 जून	39.0	30.0
25 जून	41.0	31.0
नोएडा		
24 जून	43.0	30.0
25 जून	40.0	29.0
गुरुग्राम		
24 जून	40.0	29.0
25 जून	43.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

अरुण पिल्लई की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

जासं, नई दिल्ली: नई आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में बंद हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई को चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत देने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने कहा कि किसी भी मेडिकल रिपोर्ट में दूर-दूर तक यह नहीं कहा गया है कि पिल्लई किसी जानलेवा बीमारी से ग्रस्त हैं या ऐसी बीमारी का इलाज रेफरल अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अंतरिम जमानत देने का कोई औचित्य नहीं लगता है। कोर्ट ने दर्ज किया कि पिल्लई को जेल में पर्याप्त चिकित्सा उपचार मिल रहा है। ऐसे में आवेदन खारिज किया जाता है। जेल अधिकारी डाक्टर के अनुसार आरोपित की देखभाल जारी रखेंगे।

जमानत पर रोक के विरुद्ध केजरीवाल गए सुप्रीम कोर्ट

- आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में निचली अदालत ने दी थी जमानत
- हाई कोर्ट यदि अंतरिम रोक न लगाता तो दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल से आ जाते बाहर

नई दिल्ली, प्रेट्र: नई आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर दिल्ली हाई कोर्ट की अंतरिम रोक के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निचली अदालत ने 20 जून को अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर अंतरिम रोक लगा दी थी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ईडी को अंतरिम राहत नहीं दी होती तो केजरीवाल शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आ सकते थे।

हाई कोर्ट की एक अवकाशकालीन पीठ ने कहा था कि इस आदेश तक आक्षेपित आदेश का क्रियान्वयन स्थगित रहेगा। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों को 24 जून तक लिखित प्रतिवेदन दाखिल करने के लिए कहा था। उनकी ओर से कहा गया था कि दो-तीन दिन के लिए आदेश सुरक्षित रख जा रहा है, क्योंकि वे पूरे मामले के रिकार्ड का अवलोकन करना चाहते हैं।

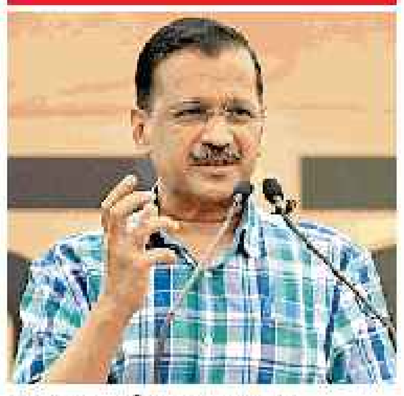

अरविंद केजरीवाल • आर्काइव

कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी कर ईडी की उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें निचली अदालत के 20 जून के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत उन्हें जमानत दी गई थी। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। अपने जमानत आदेश में ट्रायल कोर्ट ने माना था कि प्रथम दृष्टया केजरीवाल का अपराध अभी तक स्थापित नहीं हुआ है। मनी लांड्रिंग मामले में ईडी अपराध की आय से उन्हें जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सुबूत प्रस्तुत करने में विफल रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आप नेताओं को बताया पाखंडी

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को पाखंडी करार देते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही आप नेता ईडी और केंद्र सरकार की इस बात पर निंदा कर रहे थे कि बिना आर्डर के ही ईडी ने हाई कोर्ट का रुख किया। जबकि आप नेता ने स्वयं उसी रास्ते पर चलकर हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। जबकि अभी तक हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई ही पूरी नहीं हुई है।

वीरेंद्र सचदेवा •

दूसरे अस्पताल में बेड उपलब्ध होने पर ही डाक्टर मरीज को कर सकेंगे रेफर

डीजीएचएस की ओर से एनसीआर के अस्पतालों के लिए जारी हुई रेफरल नीति

रणविजय सिंह • जागरण

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल और मरीजों की सुविधा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने एक रेफरल नीति तैयार कर जारी की है। इसके तहत अब किसी अस्पताल के डाक्टर किसी गंभीर मरीज को ऐसे ही दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित कर उसे अपने हाल पर नहीं छोड़ सकते। पहले डाक्टरों को दूसरे अस्पताल के नोडल अधिकारी से बात करनी होगी। बेड की उपलब्धता होने पर ही दूसरे अस्पताल में मरीज को डाक्टर स्थानांतरित कर सकेंगे।

सफदरजंग अस्पताल के एक वरिष्ठ डाक्टर ने बताया कि पहली बार एनसीआर के अस्पतालों के बीच रेफरल सिस्टम की नीति तैयार कर दिशानिर्देश जारी हुआ है। इस रेफरल नीति के अनुसार, मेडिकल कालेज से जुड़े बड़े अस्पताल (तृतीय श्रेणी के अस्पताल) किसी मरीज को दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित नहीं कर सकते हैं। ऐसे अस्पताल मरीज को तभी स्थानांतरित करेंगे, जब उस अस्पताल में संबंधित बीमारी के इलाज की सुविधा नहीं होगी।

जिला स्तर के मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल अपनी क्षमता व दक्षता के अनुसार लिंक अस्पताल में ही मरीज को स्थानांतरित करेंगे। स्थानांतरित करने से पहले लिंक अस्पताल से बातचीत करनी होगी। अस्पताल में पहुंचे गंभीर मरीज को प्राथमिक उपचार देकर हालत स्थिर करनी होगी। इसके बाद ही कैट्स एंबुलेंस या अस्पताल की एंबुलेंस से सुरक्षित स्थानांतरित किया जा सकता है। सूचना देकर स्थानांतरित करने के बाद यदि दूसरा अस्पताल मरीज को भर्ती लेने व इलाज से मना करता है, तो एंबुलेंस के कर्मचारी या रेफर करने वाला अस्पताल संबंधित अस्पताल के नोडल अधिकारी से इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एक अस्पताल से रेफर करने और दूसरे में भर्ती के लिए मानक फार्म का इस्तेमाल हो, जिस पर रेफर करने वाले डाक्टर व भर्ती लेने वाले डाक्टर के हस्ताक्षर व मुहर जरूरी है। कोई अस्पताल ब्रेन डेड व असाध्य बीमारी से पीड़ित ऐसे मरीज को स्थानांतरित नहीं कर सकते, जिसका बच पाना संभव न हो।

इस रेफरल नीति के ठीक से लागू होने पर मरीज और उनके तीमारदारों को भटकना नहीं पड़ेगा, स्थानांतरित करने से पहले लिंक अस्पताल से करेंगे बात

एम्स करेगा मदद

एम्स इस रेफरल नीति को लागू करने और दूसरे अस्पतालों के दक्षता के विकास में मदद करेगा। रेफरल नीति में एक अहम सुझाव यह दिया गया है कि अस्पतालों में इस्तेमाल से अधिक एंबुलेंस होने पर अतिरिक्त एंबुलेंस को कैट्स एंबुलेंस सेवा के हवाले किया जा सकता है। इससे एंबुलेंस का नेटवर्क बेहतर होगा।

दिन में दो बार बेड की उपलब्धता होगी आनलाइन अपडेट

कोराना की तर्ज पर अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या, बेड उपलब्धता, आइसीयू, नियोनेटल आइसीयू, पीडियाट्रिक आइसीयू व लेबर रूम में बेड उपलब्धता की जानकारी आनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए। इसे प्रतिदिन दो बार सुबह 11 बजे और शाम को छह बजे अपडेट करना होगा। रेफर नीति में कहा गया है कि हर तीन महीने पर मरीजों को स्थानांतरित करने की इस नीति की समीक्षा होगी, ताकि व्यवस्था में यदि कोई खामी पाई जाती है, तो उसे दूर किया जा सके। डाक्टर बताते हैं कि अभी दिल्ली व एनसीआर के शहरों से सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज के कलावती सरन अस्पताल व एम्स में बिना अस्पताल से संपर्क किए मरीज को रेफर कर दिया जाता है, जो दूसरे अस्पताल में पहुंचने पर बेड के अभाव में इलाज के लिए भटकते रहते हैं। इस वजह से मरीजों को इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जवाबदेही जरूरी >> संपादकीय

डैशबोर्ड पर दिखेगी बेड व जांच की स्थिति

रणविजय सिंह • जागरण

- एम्स ने ई-अस्पताल डैशबोर्ड किया जारी, ओपीडी, आइपीडी में इलाज, जांच के आंकड़े हर रोज होंगे आनलाइन
- अभी इस डैशबोर्ड पर सीटी स्कैन, एमआरआइ जांच और रेडियोथेरेपी की वेटिंग की डाटा नहीं किया जा रहा अपलोड

एम्स में शुरू की गई है व्यवस्था • आर्काइव

नई दिल्ली: एम्स ने अपने सभी विभागों का ई-अस्पताल डैशबोर्ड जारी किया है। इस डैशबोर्ड पर आउट पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी), इन पेशेंट डिपार्टमेंट (आइपीडी) में देखे गए मरीज, लैब जांच और अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआइ जैसे रेडियोलाजी जांच कराने वाले मरीजों की जानकारी हर रोज अपडेट होगी। एम्स इस तरह का ई-अस्पताल डैशबोर्ड जारी करने वाला दिल्ली का पहला अस्पताल है। एम्स ने प्रयोग के तौर पर डेढ़ वर्ष पहले इमरजेंसी व ट्रामा सेंटर का डैशबोर्ड जारी किया था। जिस पर इमरजेंसी व ट्रामा सेंटर में उपलब्ध बेड, वेटिंग व खाली बेड की भी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। अब एम्स प्रशासन ने पूरे अस्पताल का एक डैशबोर्ड जारी किया है।

ई-अस्पताल डैशबोर्ड जारी करने का मकसद एम्स के कामकाज में पारदर्शिता लाना है, ताकि लोगों को एम्स में इलाज व जांच से संबंधित जानकारी मिल सके और अस्पताल पहुंचने से पहले यह जान सकेंगे कि अस्पताल में किस कदर भीड़ होगी, लेकिन एम्स ने अभी इस डैशबोर्ड को आधी-अधूरी तैयारी के साथ ही जारी किया है। अभी इस डैशबोर्ड पर अस्पताल में खाली बेड, प्रतिदिन होने वाले सीटी स्कैन, एमआरआइ इत्यादि रेडियोलाजी जांच व रेडियोथेरेपी की वेटिंग की जानकारी जारी नहीं की जा रही है। यह जानकारी उपलब्ध होने पर इस पहल का मरीजों को अधिकतम फायदा मिल जाएगा। अभी ई-अस्पताल डैशबोर्ड पर एक दिन पहले ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों, भर्ती मरीजों व एम्स के किस लैब में कितने सैंपल की जांच हुई यह जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अनुसार, सोमवार से शुक्रवार को प्रत्येक दिन 13 हजार से अधिक मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। 21 जून को ओपीडी में 13,044 हजार मरीज देखे गए और अस्पताल में 1,128 मरीज भर्ती हुए। 15 हजार से अधिक मरीजों के सैंपल लेकर एक लाख 61 हजार 280 तरह की जांचें की गईं। 22 जून को शनिवार के दिन मध्यावकाश होने के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या कम रही। शनिवार को ओपीडी में 7,845 मरीज देखे गए और 806 मरीज भर्ती हुए। इस डैशबोर्ड पर हर विभाग की ओपीडी व आइपीडी में पहुंचने वाले मरीजों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

एम्स में दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों से मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। भीड़ अधिक होने से मरीजों को जल्दी अस्पताल में दाखिला नहीं मिल पाता। इस वजह से इलाज व जांच में वेटिंग बड़ी समस्या है। एम्स प्रशासन ने अल्ट्रासाउंड, सिटी स्कैन, एमआरआइ जैसे रेडियोलाजी जांच व वेटिंग का डाटा डैशबोर्ड बनाकर आनलाइन जारी करने का निर्देश दिया था। संस्थान के एक वरिष्ठ डाक्टर ने बताया कि आगे चलकर खाली बेड व वेटिंग की जानकारी भी आनलाइन उपलब्ध होगी।

एयर क्वालिटी इंडेक्स

अलीपुर		
आज का अनुमान	173	मध्यम
रविवार	164	मध्यम
डीटीयू		
आज का अनुमान	164	मध्यम
रविवार	155	मध्यम
आइटीओ		
आज का अनुमान	103	मध्यम
रविवार	94	संतोषजनक
नरेला		
आज का अनुमान	181	मध्यम
रविवार	172	मध्यम
बवाना		
आज का अनुमान	180	मध्यम
रविवार	171	मध्यम
गुरुग्राम		
आज का अनुमान	107	मध्यम
रविवार	99	संतोषजनक
गाजियाबाद		
आज का अनुमान	151	मध्यम
रविवार	142	मध्यम
ग्रेटर नोएडा		
आज का अनुमान	200	मध्यम
रविवार	192	मध्यम
फरीदाबाद		
आज का अनुमान	159	मध्यम
रविवार	150	मध्यम
नोएडा		
आज का अनुमान	140	मध्यम
रविवार	131	मध्यम

0	50	अच्छा
51	100	संतोषजनक
101	200	मध्यम
201	300	खराब
301	400	बहुत खराब
401	500	गंभीर
501 से आगे		आपातकालीन

राजधानी में जल्द शुरू होगी मोहल्ला बस सेवा

मोहल्ला बस • सौजन्यः इंटरनेट मीडिया

राब्यू, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली में जल्द मोहल्ला बस सेवा शुरू होने जा रही है। अभी दो बसें सड़क पर उतारी जा रही हैं। एक माह तक इनके ट्रायल के बाद बसों की पहली खेप आनी शुरू हो जाएगी।

2023-24 के दिल्ली बजट में घोषित मोहल्ला बस सेवा का लक्ष्य कम चौड़ाई व भीड़भाड़ वाली सड़कों वाले क्षेत्रों में लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए नौ मीटर छोटी साइज की 2,080 लो फ्लोर एसी इलेक्ट्रिक बसों को चलाने की है। इसके लिए किए गए पहले टेंडर के तहत 1040 बसें आएंगी। इसके बाद दूसरे टेंडर में भी इतनी बसें आएंगी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने जनवरी 2024 से इस सेवा को शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन बसें आनी में देरी हुई है। इसमें एक डीटीसी और एक क्लस्टर सेवा के तहत है। अगले सप्ताह से इन्हें सड़कों पर उतार देने की सरकार की योजना है। इस बसों कर रंग हरा और पीला है। ये बसें जेबीएम कंपनी की हैं। बसों का साइज और ऊंचाई 12 मीटर बसों के समान ही है। इन बसों में भी महिलाओं के लिए यात्रा निश्शुल्क होगी।

स्कूलों में शिक्षकों के अनिवार्य स्थानांतरण की निंदा की

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: शिक्षा निदेशक के पूर्व प्रधान सलाहकार शैलेंद्र शर्मा ने रविवार को सरकारी स्कूलों में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के अनिवार्य और ऐच्छिक स्थानांतरण के निर्देश देने वाले हालिया आदेश के लिए दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह छात्रों के साथ शिक्षकों के जैविक संबंध में बाधा उत्पन्न करेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिशों के खिलाफ है।

दिल्ली शिक्षा निदेशालय के एक हालिया आदेश में स्थानांतरण के लिए सभी श्रेणियों के शिक्षकों से 26 जून तक आनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 11 जून के आदेश में कहा गया है, एक ही स्कूल में लगातार 10 साल पूरे करने वाले सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से पारस्परिक या सामान्य विकल्प के आधार पर अधिकतम स्कूलों की संख्या के आधार पर आनलाइन स्थानांतरण के लिए आवेदन करना होगा। इसमें कहा गया है, ऐसे शिक्षक जो आनलाइन आवेदन नहीं करते हैं, मुख्यालय स्वयं उन्हें आधिकारिक आवश्यकता के अनुसार किसी भी स्कूल में स्थानांतरित कर देगा।

जुड़वा नवजात बच्चियों की हत्या

बच्चियों की मां ने ससुराल पक्ष पर लगाया आरोप, ससुर गिरफ्तार

जासं, बाहरी दिल्ली: राजधानी में दो जुड़वा नवजात बच्चियों की हत्या कर शवों को दफनाने का मामला सामने आया है। मां की ओर से तीन दिन की नवजात बच्चियों को मारकर दफनाने के आरोप के बाद पुलिस ने श्मशान भूमि से शव बरामद किए हैं। मां का कहना है कि उन्हें बच्चियों की मौत के बारे में नहीं बताया गया। परिवार जुड़वा बच्चियों के जन्म से खुश नहीं था। पुलिस ने बाहरी दिल्ली के पूठकलां गांव के श्मशान घाट से शव निकालकर कब्जे में ले लिए हैं। पुलिस को महिला के पति पर शक है, लेकिन गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। पुलिस विसरा रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रविवार को पुलिस ने पूठकलां से महिला के ससुर को गिरफ्तार कर लिया।

हरियाणा के रोहतक जिले के इस्माइला गांव की रहने वाली पूजा की शादी दो साल पहले बाहरी दिल्ली के गांव पूठकलां के नीरज से हुई थी। 30 मई को रोहतक में सेक्टर-35 सनसिटी स्थित नांदल अस्पताल में पूजा ने जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया। रोहतक के अर्बन इस्टेट थाने में पूजा के भाई जुगनू खत्री की ओर से दर्ज कराई गई डीडी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि बच्चियों के जन्म के समय नीरज भी मौजूद था। वह जुड़वा बच्चियों से जन्म से खुश नहीं था। एक जून को नीरज अपनी मां चांद कौर, पिता विजेंद्र सोलंकी और बहन के साथ अस्पताल पहुंचे। इसी दिन अस्पताल से पूजा की छुट्टी के बाद इस्माइला के लिए रवानगी दौरान नीरज ने दोनों बच्चियों को मां चांद कौर को सौंप दिया। जुगनू खत्री के मुताबिक बच्चियां इस्माइला गांव नहीं पहुंचीं, तो नीरज को फोन किया, लेकिन काल रिसीव नहीं की गई। दो जून को पूजा ने पूठकलां गांव में पता किया तो पता चला कि बच्चियों को दफना दिया गया है। जुगनू ने शिकायत में कहा कि उन्हें शक है कि बच्चियों की हत्या की गई है है, क्योंकि दोनों बच्चियां रोहतक में पूरी तरह स्वस्थ थीं तो दिल्ली में अगले दिन उनके शरीर अकड़े कैसे मिल सकते हैं। इसके बाद पूजा के स्वजन ने रोहतक पुलिस से शिकायत की। रोहतक पुलिस ने घटनास्थल दिल्ली बताते हुए शिकायत को दिल्ली पुलिस के पास भेज दिया।

बाहरी दिल्ली जिला पुलिस ने बताया कि तीन जून को डीडी के माध्यम से पीसीआर काल प्राप्त हुई, जिसमें पूठकलां के श्मशान घाट पर दो बच्चियों को दफनाने के बारे में सूचित किया गया। इसके बाद पांच जून को रोहिणी जोन के एसडीएम की अनुमति के बाद श्मशान घाट से बच्चियों के शव निकाले गए। संजय गांधी अस्पताल में इनके पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

कब क्या हुआ

- 30 मई को रोहतक के नांदल अस्पताल में जुड़वा बच्चियों का जन्म हुआ था
- एक जून को दोपहर बाद प्रसूता और बच्चियों को अस्पताल से छुट्टी मिली
- एक जून को ही पूजा को रोहतक में छोड़कर बच्चियों को लेकर नीरज दिल्ली आ गया था
- दो जून को बच्चियों की मौत के बाद पूठकलां श्मशान भूमि में दफनाया गया
- तीन जून को पूजा के भाई ने रोहतक अर्बन इस्टेट थाने में शिकायत दर्ज कराई
- पांच जून को ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिसकर्मियों ने पूठकलां श्मशान भूमि में दफनाई गई बच्चियों के शव को बाहर निकाला
- 21 जून को सुल्तानपुरी पुलिस थाने में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज हुआ

पूठ कलां स्थित श्मशान भूमि ● जागरण

- एसडीएम की मौजूदगी में पुलिस ने दफनाए गए बच्चियों के शव को बाहर निकाला
- मां का आरोप, जुड़वा बच्चियों के जन्म से खुश नहीं था पति और ससुराल वाले

परिवारों में था मनमुटाव, छह माह से मायके में रही थी पूजा

पूजा और नीरज के परिवारों में मनमुटाव था, जिसके चलते पूजा छह माह से मायके में रह रही हैं। आशंका है कि इसी के चलते ही नीरज अपनी बच्चियों को मां से दूर दिल्ली ले आया। पूजा के भाई ने दहेज मांगने और मारपीट का आरोप भी लगाया था। बीएससी पास पूजा की शादी 20 फरवरी 2022 को नीरज के साथ हुई थी। पूजा के भाई जुगनू खत्री ने बताया कि शादी में खासा खर्च किया था, फिर भी कार के लिए रकम की मांग की जा रही थी। पैसा देने के बाद भी बहन को परेशान किया जा रहा था। नीरज ही पूजा को इस्माइला गांव छोड़ने आया था।

बच्चियों की हत्या के बाद दो सप्ताह में इस्माइला गांव में हो चुकी हैं तीन पंचायत

तीन दिन की जुड़वा बच्चियों की हत्या का मामला बेशक 24 घंटे पहले सुर्खियों में आया, लेकिन इस मसले पर विगत दो सप्ताह के दौरान इस्माइला गांव में तीन पंचायत हो चुकी हैं, जिसमें दिल्ली और हरियाणा की खाप पंचायतों से लोग शामिल हुए थे, लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका।

श्मशान भूमि में तीन लोग आए थे दफनाने

पूठकलां स्थित श्मशान भूमि में जुड़वा बच्चियों को दफनाने के लिए तीन लोग आए थे। श्मशान भूमि के प्रबंधन का काम देखने वाले बुजुर्ग ने बताया कि दो जून को बच्चियों के दादा, पिता और ताऊ आए थे। श्मशान भूमि में जांच के लिए पुलिस भी गई थी। उन्होंने बताया कि यहां छोटे बच्चों की मृत्यु की एंट्री नहीं होती थी, पुलिस ने एंट्री का निर्देश दिया है।

नीट पीजी स्थगित होने से रेजिडेंट डाक्टरों में नाराजगी

राब्यू, जागरण ● नई दिल्ली: नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा)- स्नातक पेपर लीक मामले के बाद नीट-पीजी (स्नातकोत्तर) की रविवार को होने वाली परीक्षा स्थगित होने से मेडिकल के छात्रों और रेजिडेंट डाक्टरों में नाराजगी है। एफएआइएमए डाक्टर्स एसोसिएशन व फोर्डा (फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन) इंडिया के पदाधिकारियों ने परीक्षा स्थगित किए जाने पर नाराजगी जताते इसे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। साथ परीक्षा जल्द कराने की मांग की है।

एफएआइएमए डाक्टर्स एसोसिएशन के सलाहकार डा. मनीष जांगड़ा ने कहा कि नीट पीजी स्थगित होने से लाखों छात्रों को परेशानी उठानी पड़ी है। छात्र मानसिक तनाव में हैं।

कार्यालय-अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, मेरठ परिमण्डल मेरठ
अपर आयुक्त उद्योग परिसर, सूरजकुण्ड रोड, मेरठ

पत्रांक— 303 / आर०ई०वि० / निविदा—पत्र 0-00—02 / 2024—25. दिनांक 11.06.2024

—:: ई—प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना ::—

1— महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग मेरठ परिमण्डल मेरठ के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में 'ए' श्रेणी भवन में कार्य की लागत सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई—टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी०एस०टी० के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं, जी०एस०टी० का भुगतान शासन के दिशानिर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र में अंकित [illegible] के अन्तर्गत न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तों का भली भांति अध्ययन कर लें।

2— कार्य से संबंधित विवरण निम्नवत् है :—

क्र० सं०	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) जी.एस.टी. सहित	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क + स्टेशनरी + जी०एस०टी० रूपये में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गाजियाबाद	मोदीनगर में सिखेड़ा रोड पर प्राईमरी स्कूल चॉकलेट फैक्ट्री से सी०एस०पी०एल० होते हुये सिखेड़ा रोड नाले तक इन्टरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य।	78.83	1.58	2714.00	04 माह	श्रेणी 'ए' एवं 'बी' (मार्ग)
2	गाजियाबाद	ग्राम जोया में सचिवालय से सुखवीर के मकान तक इन्टरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य।	46.35	0.93	2714.00	04 माह	श्रेणी 'ए' 'बी' एवं 'सी' (मार्ग)

3— वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि :— 26.06.2024
4 वेबसाईट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि एवं समय :— 01.07.2024 प्रातः 10:00 बजे से।
5— वेबसाईट पर बिड डाक्यूमेन्ट/ई—निविदा समर्पित करने की तिथि एवं समय :— 05.07.2024 प्रातः 10:00 बजे से।
5 प्री बिड मीटिंग की तिथि एवं समय :— दिनांक 05.07.2024 प्रातः 11:00 बजे।
 बैठक हेतु स्थल :— कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, मेरठ परिमण्डल, मेरठ।
7— वेबसाईट पर ई—निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय :— 11.07.2024 अपरान्ह 04:00 बजे तक।
8 ई निविदा के माध्यम से प्राप्त तकनीकी निविदाऐं खोलने की तिथि एवं समय :— 12.07.2024 दोपहर 12.30 बजे
9 टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
10 निविदा आनलाइन वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी एवं इसी साईट पर डाली जायेगी
11— निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज—10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

(निविदाकर्ता)
अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
मेरठ परिमण्डल मेरठ।

UP-216505 दिनांक 22.06.2024 विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, गौतमबुद्धनगर

पत्रांक— 1554 / 7८ दिनांक—12.06.2024

अल्पकालीन ई—प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाइन निविदायें http://etender.up.nic.in के माध्यम से अर्हताप्राप्त रजिस्टर्ड फर्मों से दिनांक 26.06.2024 से दिनांक 03.07.2024 तक दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की बिड दिनांक 03.07.2024 को अपराह्न 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाइड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेंशियल बिड की तिथि अलग से सूचित की जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड/फाइनेंशियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

कार्यो का विवरण निम्नवत है:—

क्र० सं०	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू० में)	जमानत धनराशि (लाख रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य + 18 प्रतिशत जी०एस०टी० सहित	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2024—25 में दादरी—सिकन्द्राबाद—बुलंदशहर मार्ग के कि०मी० 38 से 44 पर थर्मोप्लास्टिक का कार्य।	20.46	2.05	2 माह	500+300 18%GST= 944.00	ए रोड साईनेज
2	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2024—25 में जरचा खेरली हाफिजपुर चपुरा नहर की पटरी मार्ग के कि०मी० 1 से 26 पर थर्मोप्लास्टिक का कार्य।	24.20	2.42	2 माह	500+300 18%GST= 944.00	ए रोड साईनेज
3	जनपद गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023 24 में तहसील जेवर के अनावासीय (सम्पूर्ण समाधान तहसील मीटिंग हॉल) में फॉलसीलिंग एवं रंगाई पुताई का कार्य।	2.50	0.25	1 माह	500+225 18%GST= 767.00	[illegible]
4	जनपद गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023 24 में तहसील जेवर के आवासी भवन की रंगाई पुताई का कार्य।	2.50	0.25	1 माह	500+225 18%GST= 767.00	[illegible]

1. कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं०-5 में वर्षाकाल सहित अंकित है।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
3. [illegible] ठेकेदार द्वारा पिछले 5 वर्षों के [illegible] से सम्बन्धित है, वह पिछले 5 वर्षों में सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण वांछित सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा। ई—निविदा, जो कि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ०प्र० के वांछित सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
5. लोक निर्माण विभाग में ठेकेदारों का उनकी गुणवत्ता [illegible] सॉफ्टवेयर के माध्यम से होता है। प्रहरी का यू०आर०एल० http://wms.upowd.gov.in/Prahari/ है।

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०,
गौतमबुद्धनगर।

UP-216467 दिनांक 22.06.2024 विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है

Latest Jobs — Jagran Josh www.jagranjosh.com

RRC NER: 1104 अप्रेंटिस पद

- अंतिम तिथि: 11 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड /संस्थान से 10वीं/ ITI एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: ner.indianrailways.gov.in

North Eastern Railway

NFL: 97 इंजीनियर एवं अन्य पद

- अंतिम तिथि: 01 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /संस्थान से बीई/ बीटेक एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: nationalfertilizers.com

एन एफ एल NFL A Navratna Company

TNPSC: 2300+ ग्रुप 2 पद

- अंतिम तिथि: 19 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /संस्थान से डिग्री एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: tnpscexams.in

Tamil Nadu Public Service Commission

BSF: 162 कॉन्स्टेबल एवं अन्य पद

- अंतिम तिथि: 01 जुलाई 2024
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड /संस्थान से 10वीं/12वीं एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: rectt.bsf.gov.in

करेंट अफेयर्स संक्षेप में

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का थीम क्या है - 'स्वयं और समाज के लिए योग' (Yoga for Self and Society)
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वधावन बंदरगाह को मंजूरी दे दी, यह किस राज्य में बनाया जायेगा - महाराष्ट्र
- टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज कौन बने है - संदीप लामिछाने
- किसे हाल ही में दिल्ली एमसीडी कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किया गया है - अश्विनी कुमार
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में किन फसलों के लिए MSP में वृद्धि की है - खरीफ

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें www.jagranjosh.com या डाउनलोड करें Jagran Josh Sarkari Naukri App

Classifieds दैनिक जागरण

YOU CAN BOOK CLASSIFIED ADVT. OVER PHONE In Delhi-NCR

For More Details Contact

- Delhi : Pawan Kapoor- 9717002904
- Noida & Gr. Noida : Vijay Kumar- 9717002904, Prince Pandey 9711000709
- Ghaziabad : Vijay-7030002223
- Gurugram : Chandan- 9015000306
- Faridabad : Manish Jha- 9000320028

विमान में बम होने का फर्जी ईमेल भेजने वाला नाबालिग पकड़ा गया

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: उत्तराखंड के नौवीं कक्षा के छात्र ने महज मनोरंजन के लिए दिल्ली से दुबई जा रहे विमान में बम होने की सूचना का ईमेल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट स्टाफ को भेज दिया। ईमेल मिलते ही पुलिस और अन्य एजेंसी हरकत में आ गईं, विमान की जांच करने पर विस्फोटक सामग्री नहीं मिलने पर राहत की सांस ली थी। डिजिटल सबूतों की कड़ी मिलाते हुए पुलिस आरोप नाबालिग तक पहुंची और उसे पकड़ लिया। हालांकि बाद में उसे स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि उसने इंटरनेट मीडिया पर एक खबर को देखने के बाद विमान में बम होने का ईमेल भेजा था। आइजीआइ एयरपोर्ट जिला पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि 18 जून को आइजीआइ एयरपोर्ट थाने के कर्मियों को दिल्ली से दुबई जा रहे विमान में बम होने का ईमेल मिलने की जानकारी दी गई थी। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। एयरपोर्ट को हाई अलर्ट पर रखा गया और पूरी तरह आपात घोषित कर दिया गया। विमान की जांच में कोई बम बरामद नहीं हुआ। ईमेल में दी गई बम की सूचना फर्जी पाई गई। पुलिस टीम ने जांच की तो पता चला कि ईमेल भेजने के बाद ईमेल आइडी डिलीट कर दी गई है। ईमेल उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से भेजा गया था। टीम वहां पहुंची तो पता चला कि ईमेल नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने भेजा था, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान छात्र ने बताया कि कुछ दिन पहले एक बच्चे की ओर से विमान में बम होने की सूचना देने की खबर को देखा था।

DEFENCE SERVICES OFFICERS INSTITUTE (DSOI)
H-Block, Palam Vihar, Gurgaon-122017

SPLIT AC VRF/VRV SUPPLY AND INSTALLATION WORK

Cassette Split ACs VRF/VRV Supply and Installation work will be carried out at Rezangla, URC, DSOI, PV, Gurgaon - 122017. The same can be inspected from 26 Jun 2024 to 05 Jul 2024. Tenders are invited in two bid system (Technical and Commercial Bid) from reputed firms to carry out the above works. Application Forms (RFP) indicating terms & conditions will be available at the DSOI Office on all working days except Tuesdays between 1000 to 1600 hrs on payment of Rs 1,000/- + GST from 26 Jun 2024 to 05 Jul 2024.

Application form duly completed in all respect should reach DSOI Office by 05 Jul 2024 latest by 5:00 PM. Pay Order/Demand Draft of Rs 50,000/- on account of Earnest Money Deposit (EMD) for above work of any Scheduled Bank to be raised in favour of DSOI, Gurgaon.

For any query contact 0124-4554700 & 2365228

पहचान के लिए अपील

सुनील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका नामः सुनील पुत्रः अज्ञात पताः मकान नं. 7/8, नियर गौशाला, किशन गढ़, नई दिल्ली। जो कि दिनांकः 17.06.2024 को रात्रिः 11.38 बजे, एस. जे. अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस सन्दर्भ में DD No.: 90A, दिनांक 19.06.2024 पुलिस थाना, किशन गढ़, नई दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे अज्ञात मृत व्यक्ति की पहचान दी गई है:

लिंगः पुरुष, उम्रः 45 वर्ष, कदः करीब 6'6", शरीरः मोटा, रंगः साफ, चेहराः गोल, पहनावाः क्रीम रंग की लाईनदार शर्ट और काले रंग की पैंट। मृतक के शव को पहचान के लिए एस. जे. अस्पताल में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अगर किसी को इस मृत पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

मोः 7065036264 & 9818326066
थाना प्रभारी, किशन गढ़, जिला दक्षिण पश्चिम, नई दिल्ली
DP/7931/SW/2024

नशीला स्प्रे छिड़ककर युवक से 25 हजार लूटे

जासं, नोएडा : कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-62 स्थित एक आइटी कंपनी में काम करने वाले एक युवक के चेहरे पर नशीला स्प्रे छिड़ककर बाइक सवार दो बदमाश उससे 25 हजार रुपये और घड़ी लूट करके फरार हो गए। पुलिस जांच में जुटी है।

अभिषेक कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मूलरूप से बिहार के हैं। वर्तमान में वह सेक्टर-62 में रहते हैं। इसके साथ ही एक आइटी कंपनी में नौकरी करते हैं। 13 जून की सुबह साढ़े आठ बजे वह उनके घर पास स्थित एटीएम से 25 हजार रुपये निकाल कर जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में बाइक सवार दो युवकों ने उनके चेहरे पर एक नशीला स्प्रे छिड़क दिया। जिसकी वजह से वह अचेत होकर गिर गए। इस दौरान दोनों बदमाश उनकी जेब से 25 हजार रुपये और उनकी घड़ी लेकर फरार हो गए। जब उनको थोड़ा सा होश आया तो वह पास के प्राइवेट अस्पताल में गए। इलाज के बाद अब उनकी तबीयत ठीक हो गई है। पीड़ित ने बताया कि जब उनको होश आया तो उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को दी थी। आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज करने में आनाकानी कर रही थी।

कार्यालय - अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-गाजियाबाद।

पत्रांकः- 376/ग्रा0अ0वि0/निविदा-01/2024-25 दिनांक 12.06.2024

निविदा सूचना-01 (द्वितीय कॉल)

1. महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड गाजियाबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों की प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यों के लिये ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में क्लास "ए, बी, सी व डी" मार्ग/भवन श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार ही निविदा डालने योग्य होंगे। निविदादाता किसी एक अथवा समस्त कार्य की निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है, कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र के क्लॉज सं0-3 में अंकित न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तों का भली-भाँति अध्ययन कर लें।
2. कार्य का विवरण निम्नवत है-

क्र0सं0	विधान सभा क्षेत्र / जनपद	योजना का नाम	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में) जी0एस0टी0 सहित	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में) EMD	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मुरादनगर / गाजियाबाद	मा0 विधायक श्री अजीत पाल त्यागी जी द्वारा प्रस्तावित	ग्राम रावली में मोदीपुर नहर रोड से सन्तोष चन्द अग्रवाल के चक तक खड़ंजा निर्माण कार्य।	10.33	0.21	854.00	4 माह
2	साहिबाबाद / गाजियाबाद	मा0 विधायक एवं कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा जी द्वारा प्रस्तावित	वार्ड नं0-29 डिफेंस कॉलोनी व लूटी में खेमराज चंदेला के मकान से लेकर ओमकार पाल के मकान तक एवं सुभाष चंदेल के मकान से लेकर मुल्क राज चंदेल के मकान तक एवं अमर सिंह जाटव के मकान से लेकर मुकेश के मकान तक नाली एवं इन्टरलॉकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	16.00	0.32	854.00	4 माह

1. ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदाये प्रकाशित होने की तिथि 04.07.2024 से पूर्व।
2. ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदाये प्रारम्भ होने की तिथि 04.07.2024 प्रातः 10.00 बजे से।
3. ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि 11.07.2024 अपरान्ह 12.00 बजे तक।
4. ई-निविदा खोलने की तिथि 12.07.2024 को अपरान्ह 12.30 बजे।
5. नियोक्ता को आईटीबी क्लॉज 10 ऑनलाइन के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित बोली दाताओं को सलाह दी जाती है कि नियमित रूप से निगरानी रखें और नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर जाए।

विस्तृत विवरण देखने हेतु http://etender.up.nic.in को खोले तथा बिड डाउनलोड करें।

(आलोक कुमार श्रीवास्तव)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड-गाजियाबाद।

UP-216431 दिनाँक 22.06.2024 विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
हैड वर्क्स खण्ड आगरा नहर, ओखला नई दिल्ली-25

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-02/ई0डी0/2024-2025

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 01.07.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा की प्री-क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में निविदा ओपनिंग हेतु गठित समिति के सदस्यों द्वारा दिनांक 01.07.2024 को ही अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी। प्री-क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड में क्वालिफाइड पाये गये ठेकेदारों की ही फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में यह निविदायें अगले कार्यदिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा दिनांक 25.06.2024 से दिनांक 01.07.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक पंजाब नेशनल बैंक सैक्टर-18 नोएडा अथवा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निर्धारित निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं जी0एस0टी0 की धनराशि जमा कर प्राप्त की जा सकती है। कार्यो का विवरण निम्नवत् है:-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य + 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 (रुपये में)	पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1.	यमुना नदी के बायें किनारे पर ग्राम कंटासानी के निकट एक अदद पूर्व निर्मित स्टड E-2 की मरम्मत का कार्य।	8.36	0.17	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर
2.	यमुना नदी के बायें किनारे पर जेवर-टप्पल तटबन्ध के किमी0 12.750 तथा 17.530 पर रिवर साइड क्षतिग्रस्त एप्रोच रोड की मरम्मत का कार्य।	7.95	0.16	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर
3.	यमुना नदी के बायें किनारे पर जेवर टप्पल तटबन्ध के किमी0 11.430 पर ग्राम झुप्पा के निकट स्थित स्पर के एप्रन की मरम्मत का कार्य।	8.17	0.17	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर
4.	यमुना नदी के बायें किनारे पर ग्राम अमर सिंह का नगला के निकट एक अदद पूर्व निर्मित स्टड E-4 की मरम्मत का कार्य।	8.04	0.17	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर
5.	यमुना नदी के बायें किनारे पर ग्राम शमशमनगर के निकट एक अदद पूर्व निर्मित स्टड E-1 की मरम्मत का कार्य।	7.90	0.16	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर
6.	यमुना नदी के बायें किनारे पर अट्टा तटबन्ध के किमी0 13.600 पर ग्राम अट्टा नौरंगपुर के निकट स्पर के एप्रन की मरम्मत का कार्य।	8.20	0.17	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर
7.	यमुना नदी के बायें किनारे पर जेवर-टप्पल तटबन्ध के किमी0 6.620 से किमी0 7.050 तक क्षतिग्रस्त एप्रन की बोल्डर पिचिंग मरम्मत का कार्य।	8.28	0.17	10 दिवस	Rs. 225+41 =266	"सी" एवं उच्चतर

विस्तृत निविदा सूचना का विवरण एवं नियम व शर्तें उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट (http//:upgovt.up.nic/infotech) तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट (http//:www.idup.upgovt.in), पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
हैड वर्क्स खंड, आगरा नहर
ओखला, नई दिल्ली-25

UP-216444 दिनाँक 22.06.2024 विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना :अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दो भागों (प्रथम एवं द्वितीय) में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। अधोलिखित आमन्त्रित ई-निविदा में प्रतिभाग करने की अन्तिम तिथि 09.07.2024 एवं समय 17:00 बजे तक होगी एवं निविदा के प्रथम भाग खोलने की तिथि 10.07.2024 एवं समय 15:00 बजे निर्धारित है। (1) ई - निविदा सूचना संख्या : - 01 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25 : ओ.एण्ड.एम. मद 2024-25 के अन्तर्गत उपखण्ड अधिकारी, विद्युत जनपद वितरण उपखण्ड, बिजनौर के कार्यालय प्रयोगार्थ हेतु 01 नग डीजल चालित वाहनमय ड्राईवर उपलब्ध कराने का कार्य । कार्य अवधि :- 09 माह । निविदा मूल्य रू. 1,180.00 धरोहर धनराशि रू. 4,000.00 | (2) ई-निविदा सूचना संख्या :- 02 /वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25 : बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र पटेलनगर, गाजियाबाद पर टूटी हुई बाउन्ड्रीवाल का पुनः निर्माण कार्य । कार्य अवधि :- 03 माह । निविदा मूल्य रू. 1,180.00 धरोहर धनराशि रू. 18,000.00 | (3) ई - निविदा सूचना संख्या : - 03 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत हाईडिल कालोनी, कविनगर गाजियाबाद में स्थित जर्जर हो चुके 06 अदद टाईप - प्रथम एवं 04 अदद टाईप - द्वितीय आवासो की विशेष मरम्मत एवं रिनोवेशन का कार्य । कार्य अवधि - 06 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 60,000.00 |(4) ई - निविदा सूचना संख्या : - 04/वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25 : बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत हाईडिल कालोनी बुलन्दशहर पर विद्युत वितरण मण्डल कार्यालय के विस्तारीकरण का कार्य । कार्य अवधि.- 04 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 35,000.00 | (5) ई - निविदा सूचना संख्या : - 05 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र सेक्टर-20 नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर पर नियंत्रण कक्ष के विस्तारीकरण सम्बन्धी जनपदीय कार्य । कार्य अवधि :- 04 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 28,200.00 | (6) ई - निविदा सूचना संख्या : - 06/ वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र 108 ओल्ड नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर पर निर्मित नियंत्रण कक्ष भवन का रूफ ट्रीटमेन्ट एवं अन्य मरम्मत सम्बन्धी जनपदीय कार्य । कार्य अवधि: - 03 माह । निविदा मूल्य रू. 1,180.00 धरोहर धनराशि रू. 14,000.00 | (7) ई - निविदा सूचना संख्या : - 07/वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. उपकेन्द्र दलपतपुर - द्वितीय जिला मुरादाबाद के नियंत्रण कक्ष भवन का निर्माण एवं अन्य जनपदीय कार्य । कार्य अवधि:- 06 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 1,18,000.00 | (8) ई - निविदा सूचना संख्या : - 08 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25 : बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. उपकेन्द्र शाहबाद गेट जिला रामपुर पर क्षतिग्रस्त बाउन्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य । कार्य अवधि - 03 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 41,000.00 | (9) ई-निविदा सूचना संख्या :- 09 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत विद्युत भण्डार केन्द्र जनपद रामपुर पर 02 नग 16 x 8 मी. के शैड का निर्माण एवं अन्य आवश्यक जनपदीय कार्य । कार्य अवधि: - 4 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 92,000.00 | (10) ई - निविदा सूचना संख्या :- 10 / वि0जा0वि0मं0/गा0बाद / 2024 - 25 : बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत विद्युत भण्डार केन्द्र - जोया जिला अमरोहा पर 01 नग शेड (18x8 मी.) का जनपदीय निर्माण कार्य । कार्य अवधि:- 04 माह | निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 27,500.00 | (11) ई - निविदा सूचना संख्या : - 11 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत विद्युत वितरण उपखण्ड कार्यालय, जहांगीरपुर जिला गौतमबुद्धनगर के कार्यालय भवन का निर्माण । कार्य अवधि - 05 माह | निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 51,000.00 | (12) ई - निविदा सूचना संख्या : - 12 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र सेक्टर - 23, नोएडा पर उपखण्ड कार्यालय भवन की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई से सम्बन्धित मरम्मत कार्य । कार्य अवधि :- 03 माह | निविदा मूल्य रू. 3540.00 धरोहर धनराशि रू. 22,000.00 | (13) ई - निविदा सूचना संख्या :- 13 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024-25: अतिरिक्त बिजनेस प्लान 2023-24 के अन्तर्गत विद्युत परिवर्तक मरम्मत कार्यशाला, रामपुर पर 5 एम.टी. की ई.ओ.टी. क्रेन की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य । कार्य अवधि: 03 माह । निविदा मूल्य रू. 3540.00 धरोहर धनराशि रू. 40000.00 | (14) ई - निविदा सूचना संख्या : - 14/ वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद में 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र भीतखेड़ा की नई 33/11 के.वी. लाईन मार्ग में आ रही रामगंगा नदी को क्रास करने हेतु 05 नग डबल पोल हेतु फाउन्डेशन का निर्माण कार्य । कार्य अवधि - 03 माह । निविदा मूल्य रू. 5,900.00 धरोहर धनराशि रू. 2,06,000.00 | (15) ई - निविदा सूचना संख्या :- 15 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत विद्युत भण्डार केन्द्र, जोया जिला अमरोहा पर फॉयर सैफ्टी ऑडिट की अनुशंसा के अनुसार फॉयर फाईटिंग सिस्टम लगाने सम्बन्धी कार्य । कार्य अवधि:- 4 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 1,00,000.00 | (16) ई - निविदा सूचना संख्या :- 16 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25 : बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र बलराम नगर, लोनी पर विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय लोनी गाजियाबाद के कार्यालय का नव निर्माण कार्य अवधि :- 06 माह । निविदा मूल्य रू. 3,540.00 धरोहर धनराशि रू. 62,000.00 | (17) ई - निविदा सूचना संख्या :- 17 / वि.जा.वि.मं./गा.बाद / 2024 - 25: बिजनेस प्लान 2024-25 के तहत प.वि.वि.नि.लि. के अन्तर्गत विभिन्न जनपदो में क्रियाशील विद्युत भण्डार केन्द्रो पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था हेतु 19 नग High Mast Light With Fire Resistant Wire (with stand fire for 3 hours) का निर्माण कार्य। कार्य अवधि - 05 माह । निविदा मूल्य रू. 5,900.00 धरोहर धनराशि रू. 2,12,000.00 | कृपया विस्तृत जानकारी, डाउनलोड, अन्य संशोधन, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि एवं विस्तारीकरण / शुद्धिकरण आदि सम्बन्धी सूचनाओं हेतु www.pvvnl.org एवं E-Tendering website www.etender.up.nic.in पर लॉग ऑन करें। अधीक्षण अभियन्ता (जनपद) गाजियाबाद, हाइडिल कालोनी, कविनगर, गाजियाबाद "राष्ट्र हित में बिजली बचायें" विद्युत हेल्पलाईन 1800-180-3002 (मेरठ), 1800-180-8752 (लखनऊ) " पत्रांक : 440, दिनांक 23.06.2024

****

एक नजर में

पुलिस से बात के बाद एल्विश को विदेश जाने की दी अनुमति

नोएडा : रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के आरोपों से घिरे यूट्यूबर एल्विश यादव को शनिवार देर शाम दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोक लिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने नोएडा पुलिस का वांछित बताते हुए एल्विश को थाइलैंड जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद एल्विश ने डीसीपी नोएडा से देर रात मोबाइल पर बात की और पूरा वाक्या बताया। नोएडा पुलिस द्वारा एयरपोर्ट पर तैनात पुलिसकर्मियों को बताया गया कि एल्विश इस समय जमानत पर बाहर है और नोएडा पुलिस का फिलहाल वांछित नहीं है। इसके बाद एल्विश को विदेश जाने की अनुमति दी गई। (जासं)

वीजा लगाने के नाम पर 1.81 लाख रुपये ठगे

फरीदाबाद : कनाडा में नौकरी दिलाने के लिए वीजा लगाने के नाम पर 1.81 लाख की ठगी हो गई। साइबर थाना सेंट्रल में शिव एन्क्लेव पार्ट एक इस्माइलपुर में रहने वाले कल्याण कुमार गुप्ता ने दी शिकायत में बताया कि वह निजी कंपनी में नौकरी करता है। उसने फेसबुक पर कनाडा में नौकरी दिलाने बारे विज्ञापन देखा था। इसमें वाट्सएप नंबर दिया हुआ था। उसने उस पर चैट किया। चैट के माध्यम से एंजेल एंडरसन नामक महिला ने बताया कि कनाडा में नौकरी करने के लिए वीजा और टिकट लेने होंगे। उसने उसकी मेल आइडी पर वीजा लगाने के लिए पैसों भेजने को एजेंट की डिटेल भेजी। (जासं)

अब लू खत्म, पूरे सप्ताह बना रहेगा वर्षा का मौसम

सप्ताहांत से पहले औपचारिक रूप से हो सकती है दिल्ली में मानसून की घोषणा, पारा 39 से 42 डिग्री के बीच रहेगा

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली : इस बार रिकार्ड गर्मी झेल रही दिल्ली से लू की अब विदाई हो गई है। पहले मौसम विभाग का अनुमान था कि सोमवार और मंगलवार को फिर लू लौटेगी, लेकिन नए पूर्वानुमान में इस पूरे सप्ताह ही बादलों की आवाजाही और वर्षा का दौर बना रह सकता है। तापमान 39 से 42 डिग्री के बीच ही रहेगा। सप्ताहांत से पहले दिल्ली में मानसून की दस्तक भी हो जाएगी।

रविवार को दूसरे दिन भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे यानी सामान्य से एक डिग्री अधिक 39.8 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 29.6 डिग्री सेल्सियस रहा। कुछ इलाकों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर भी रहा। हवा में नमी का स्तर 73 से 49 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। 40 डिग्री तापमान होते ही उमस बढ़ गई और हीट इंडेक्स 53 डिग्री दर्ज किया गया। यानी लोगों ने 53 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान महसूस किया। दोपहर के समय कई इलाकों में हल्की वर्षा भी हुई। शाम साढ़े पांच बजे तक वर्षा का आंकड़ा सफदरजंग पर 0.6 मिमी, पालम में 6.9 मिमी, रिज में 0.8 मिमी, आयानगर में 1.2 मिमी और पूसा में 0.5 मिमी रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को दिन भर बादल रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के साथ हल्की वर्षा होगी।

नई दिल्ली में तपती धूप और भीषण गर्मी से बचने के लिए सिर पर अंगोछा ओढ़कर जाते युवा • जागरण आर्काइव

सफदरजंग अस्पताल में लू से पीड़ित एक और मरीज की जान गई

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली : राजधानी में भीषण लू का दौर निकल चुका है। इसलिए अस्पतालों में लू से पीड़ित मरीज नहीं पहुंच रहे हैं। गर्मी से हीट एक्जर्शन से पीड़ित होकर एक-दो मरीज अस्पतालों में जरूर पहुंच रहे हैं। अस्पतालों में पहले से लू लगने से कई मरीज भर्ती हैं। इस बीच सफदरजंग अस्पताल में लू से पीड़ित एक और मरीज की मौत हो गई। इस वजह से सफदरजंग अस्पताल में लू के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अस्पताल में एक महीने में लू से पीड़ित कुल 90 मरीज भर्ती कराए जा चुके हैं, जिसमें से 67 मरीज 16 जून के बाद भर्ती कराए गए। इस तरह करीब तीन-चौथाई मरीज आठ दिन के अंदर अस्पताल में भर्ती हुए। मौजूदा समय में इस अस्पताल में लू से पीड़ित 15 मरीज भर्ती हैं। जिसमें से 10 मरीज आइसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। इस वजह से उन मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके अलावा पांच अन्य मरीज जनरल वार्ड में हैं। उनकी हालत स्थिर है। आरएमएल अस्पताल में भी लू से पीड़ित अभी कई मरीज भर्ती हैं।

दिल्ली में भीषण लू ने बिगाड़ी पटरी दुकानदारों की आर्थिकी

संजीव गुप्ता • जागरण

नई दिल्ली : लू और अधिक तापमान का कहर किस हद तक घातक है, इसका अंदाजा ग्रीनपीस इंडिया की ओर से जारी नई रिपोर्ट 'हीटवेव हैवक : इन्वेस्टिगेटिंग द इंपैक्ट आन स्ट्रीट वेंडर्स' से लगता है। हाल ही में जारी रिपोर्ट दिल्ली में पटरी दुकानदारों की आजीविका पर अत्यधिक गर्मी के प्रभाव को उजागर करती है। इनमें 700 से अधिक पटरी दुकानदारों के अनुभव शामिल किए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार 49.27 प्रतिशत पटरी दुकानदारों की आय में लू चलने की अवधि में कमी आई। जिसमें से 80.08 प्रतिशत ने ग्राहकों कमी की बात रखी। 50.86 प्रतिशत ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के दौरान अतिरिक्त खर्च औसतन 4896.52 रुपये तक बढ़ गया। महिलाएं और हाशिये पर रहने वाले अन्य समूह भी प्रभावित हुए हैं। आठ में से सात महिला पटरी दुकानदारों ने उच्च रक्तचाप का अनुभव किया और मासिक धर्म चक्र में रुकावट की बात बताई। रिपोर्ट के अनुसार 82.74 प्रतिशत पटरी दुकानदारों को लू से निपटने के बारे में जागरूक नहीं किया गया, 71.05 प्रतिशत को आपात स्थिति में चिकित्सा मिलने में दिक्कत पेश आई। इन समस्याओं के हल के लिए रिपोर्ट में विक्रेताओं की जरूरतों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की गई है, जैसे पेयजल और शौचालय की सुविधा देना। दिल्ली हीट एक्शन प्लान प्राधिकरण से आग्रह किया गया कि वह विक्रेताओं और श्रमिकों की परेशानी को प्रभावी ढंग से संबोधित करें। ग्रीनपीस इंडिया की कैंपेनर सेलोमी गरनाइक ने कहा कि छांव की तुलना में धूप में काम करने वाले श्रमिक स्वास्थ्य जोखिमों का अधिक सामना करते हैं। ऐसे में लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें, जिससे अनुकूलन, शमन और राहत के लिए धन मिले। इसके साथ ही कानूनी जवाबदेही भी हो।

लू से देश में 23 वर्षों के दौरान 24,223 लोगों की मौत

यह रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1992 और 2015 के बीच यानी 23 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार लू और अत्यधिक तापमान की घटनाओं के कारण पूरे देश में 24,223 मौत हुईं। यही नहीं, देश के सबसे गर्म शहरों में से एक दिल्ली अपनी बड़ी आबादी और निम्न-आय समूहों की बड़ी संख्या के कारण लू के असर के प्रति अधिक संवेदनशील है।

सिलिंडर में रिसाव से लगी आग, मां-दो बेटियों की मौत

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद: टीला मोड़ थाना क्षेत्र के भोपुरा की डिफेंस कालोनी में रविवार को निर्माणाधीन मकान के कमरे में खाना बनाने के दौरान सिलिंडर में गैस रिसाव से आग लग गई। आग में जलकर मां व दो बेटियों की मौत हो गई। वहीं, पिता, पुत्र व घर में काम कर रहे कारपेंटर का दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

डिफेंस कालोनी में नत्थूलाल का मकान बन रहा है। मकान में पांच कमरे बन चुके हैं। अब पत्थर लगवाने का काम चल रहा था। नत्थूलाल ने अपने साले मुकेश को इस मकान में किराये पर कमरा दे रखा था। कमरे में मुकेश पत्नी भगवती, 15 वर्षीय बेटे अंकित, 16 वर्षीय बेटी प्रियंका व 17 वर्षीय बेटी हिमानी के संग रहते थे। मुकेश सब्जी बेचते हैं। भगवती कुकर बनाने की फैक्ट्री में काम करती थीं। रविवार को उनकी छुट्टी थी। सभी कमरे में मौजूद थे। कमरे में अंदर से कुंडी लगी थी। भगवती कमरे में गैस चूल्हे पर खाना बना रही थीं। सुबह करीब 11:30 बजे कमरे में सिलिंडर में गैस रिसाव से आग लग गई। इसकी चपेट में आकर सभी झुलस गए। लोगों ने गेट तोड़कर सभी को कमरे से बाहर निकाला गया। लोग निजी वाहन से सभी झुलसे लोगों को दिल्ली के जीटीबी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने भगवती, प्रियंका व हिमानी को मृत घोषित कर दिया।

भगवती की फाइल फोटो • सौ. स्वजन

प्रियंका की फाइल फोटो •

गैस लीक हादसे में परिवार के अंतिम सदस्य की भी मौत

संस, जागरण • महेंद्रगढ़: उपमंडल के गांव खुड़ानाबास की ढाणी खड़गवान में चार दिन पहले घरेलू गैस के लीक होने से हुई आगजनी में झुलसे परिवार के चारों सदस्यों की मौत हो गई। रविवार को गमगीन माहौल में गांव के श्मशान भूमि में अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद से ही गांव में गमगीन माहौल था जो सभी की मौत की सूचना मिलने के बाद गांव और आसपास शोक की लहर दौड़ गई। 19 जून को घर के रसोईघर में गैस लीक होने के कारण आगजनी के दौरान परिवार के सदस्य झुलस गए थे। सभी घायलों का पीजीआई रोहतक में उपचार चल रहा था जहां शनिवार रात और रविवार को सभी ने दम तोड़ दिया। रविवार को मृतकों का पीजीआई रोहतक में पोस्टमार्टम करने के बाद शव स्वजन को सौंप दिया।

कोर्ट ने पुलिस के आइओ को पेश होने का दिया निर्देश

- जीपीआइ के कार्यकारी निदेशक समीर मोदी पर हमले का मामला
- मां के पीएसओ पर लगाया है हमला करने का आरोप

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: बोर्ड बैठक के दौरान सिगरेट निर्माता गाडफ्रे फिलिप्स इंडिया (जीपीआइ) के कार्यकारी निदेशक समीर मोदी पर हमले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज के संरक्षण की मांग को लेकर वाद पर साकेत कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के एक जांच अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट अरिदम सिंह चीमा ने उक्त आदेश समीर मोदी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। समीर ने सरिता विहार पुलिस स्टेशन में कराई गई प्राथमिकी की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है।

याचिका के अनुसार जसोला प्रधान कार्यालय में कंपनी की बोर्ड बैठक के दौरान समीर की मां बीना मोदी के एक निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) द्वारा हमला करने के सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने का पुलिस को निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि निष्पक्ष जांच के लिए यह जरूरी है। अदालत ने कहा कि घटना 30 मई, 2024 की है। ऐसी परिस्थितियां हो सकती हैं कि यदि सीसीटीवी फुटेज को समय पर संरक्षित न किया गया हो तो ये अब उपलब्ध न हों। वाद में जीपीआइ हेडक्वाटर के प्रवेश द्वार का फुटेज सुबह 10 से शाम छह बजे तक के लिए संरक्षित करने की मांग की गई है। अदालत ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखते हुए जांच अधिकारी को समन जारी किया और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जांच अधिकारी द्वारा सीसीटीवी फुटेज के संरक्षण के संबंध में एक स्थिति रिपोर्ट दायर कर पुलिस ने सूचित किया था कि मूल डिजिटल व नेटवर्क वीडियो रिकार्डर जब्त कर लिया गया था। इसमें 8 मई से 12 जून तक 34 कैमरों के फुटेज थे। इस पर कोर्ट ने एसएचओ के माध्यम से आइओ इंस्पेक्टर नीरज को 27 जून को सुनवाई पर पेश होने को कहा।

50 लाख रुपये की घूस मांगने पर सहायक लेखाधिकारी निलंबित

जासं, साहिबाबाद : आवास विकास परिषद के व्यावसायिक भूखंड आवंटन करने के लिए 50 लाख की घूस मांगने के मामले में अपर आवास आयुक्त एवं सचिव डा. नीरज शुक्ला ने सहायक लेखाधिकारी राजकुमार को निलंबित कर दिया है। जबकि संपत्ति अधिकारी आनंद गौतम को उनके पद से हटाकर लखनऊ संबद्ध कर दिया गया है। हालांकि आनंद गौतम का दावा है कि उन्हें पद से नहीं हटाया गया है। केवल लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध किया गया है।

घूस लेने से संबंधित एक वीडियो सामने आया है। हालांकि यह वीडियो का आधा हिस्सा या पूरा, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया कि वीडियो में सहायक लेखाधिकारी सिद्धार्थ विहार योजना में व्यावसायिक भूखंड के आवंटित की एवज में 50 लाख की मांग कर रहे हैं। इसकी शिकायत आयुक्त डा. बलकार सिंह से की गई। इसके बाद वीडियो की प्रारंभिक जांच हुई। वीडियो में सहायक लेखाधिकारी राजकुमार और संपत्ति प्रबंधक आनंद कुमार गौतम दिख रहे हैं। आनंद गौतम उनका समर्थन कर रहे हैं। जिसके बाद दोनों अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। मेरठ के जोनल आयुक्त को जांच सौंपी गई है।

सरकार को 15 हजार करोड़ का चूना लगाने में महिला धरी

जागरण संवाददाता, नोएडा : फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनी बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) लेकर सरकार को 15 हजार करोड़ के राजस्व का चूना लगाने के मामले में पुलिस ने 25 हजार की इनामी महिला आरोपित को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। इससे पूर्व पुलिस 47 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि 33 आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की जा चुकी है। गिरफ्तार महिला की पहचान तमिलनाडु के कोयंबटूर की सुगन्या प्रभु के रूप में हुई है।

अपराध शाखा के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पिछले दिनों गिरफ्त में आए आरोपितों से सैकड़ों फर्जी कंपनियों के बारे में जानकारी मिली थी। जांच में पता चला कि कोयंबटूर की महिला कारोबारी सुगन्या प्रभु समेत अन्य लोगों द्वारा इन कंपनियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बाद कोयंबटूर के रेस कोर्स रोड पर स्थित वेंकट रथना अपार्टमेंट की सुगन्या प्रभु की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। टीम के सदस्यों ने कोयंबटूर में डेरा डाला और सुगन्या प्रभु को गिरफ्तार कर नोएडा ले आई। इस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

पुलिस गिरफ्त में आरोपित • सौ. पुलिस

इस तरह लगाते थे सरकार को चूना : डीसीपी ने बताया कि आरोपित देश के विभिन्न जगह पर रहने वाले लाखों लोगों के दस्तावेज प्राप्त कर उसके आधार पर फर्जी कंपनी खोलते थे। इन कंपनियों और फर्मों का अस्तित्व सिर्फ कागजों पर होता था। इसके बाद जीएसटी नंबर लेकर और फर्जी बिल बनाकर रिफंड ले लेते थे।

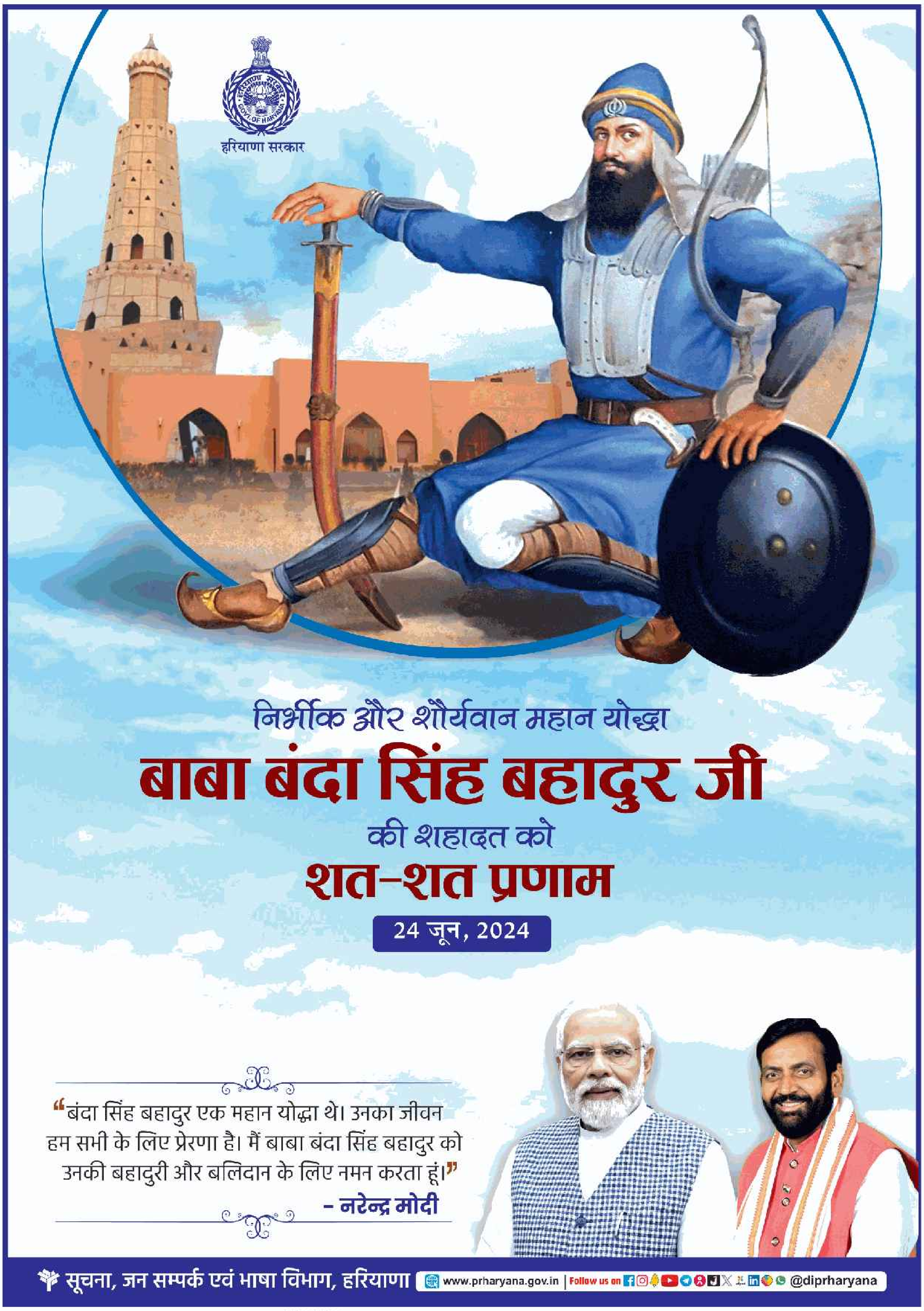

****

संपादकीय जागरण

सोमवार, 24 जून, 2024 : आषाढ़ कृष्ण 3 वि. 2081

धैर्य की नैया से कठिन स्थितियों में भी बेड़ा पार लग जाता है

नई उम्मीदों का सत्र

नई लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों को ही नहीं, बल्कि आम जनता को भी होगी। इसलिए होगी, क्योंकि यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। हालांकि प्रोटेम स्पीकर के सहयोगियों के रूप में विपक्ष के वरिष्ठ सांसदों के नाम तय किए गए हैं, लेकिन कुछ विपक्षी दल ऐसे संकेत दे रहे हैं कि वे इस आधार पर प्रोटेम स्पीकर का असहयोग कर सकते हैं कि इस पद के लिए सबसे वरिष्ठ सदस्य का चयन क्यों नहीं किया गया। वैसे तो ऐसा कोई नियम नहीं है कि सबसे वरिष्ठ सांसद को ही प्रोटेम स्पीकर के रूप में नियुक्त किया जाए, लेकिन परंपरा यही रही है। अच्छा होता कि इसी परंपरा का पालन किया जाता। जो भी हो, यह कोई ऐसा विषय नहीं जिस पर पक्ष और विपक्ष में तकरार हो। प्रोटेम स्पीकर चंद दिनों के लिए बनाई गई अस्थायी व्यवस्था ही है।

बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए, क्योंकि इससे कुल मिलाकर संसद की गरिमा ही गिरती है। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं, बल्कि इसमें है कि उन पर धीर-गंभीर तरीके से चर्चा हो। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान की राह खोजी जा सके। उचित यह होगा कि दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें।

जवाबदेही जरूरी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय द्वारा मरीजों के स्थानांतरण को लेकर नीति जारी किया जाना सराहनीय कदम है। इस नीति के तहत एनसीआर के अस्पताल किसी भी मरीज को अब ऐसे ही दूसरे अस्पताल में रेफर नहीं कर सकेंगे। मरीज को तभी स्थानांतरित किया जा सकेगा, जब उस अस्पताल में संबंधित बीमारी के इलाज की सुविधा नहीं होगी। इतना ही नहीं, स्थानांतरित करने से पहले उस अस्पताल के नोडल अधिकारी अथवा एचओडी स्थानांतरित किए जाने वाले अस्पताल से भी बात करेंगे। वहां पर बिस्तर उपलब्ध है या नहीं और उस मरीज को उपचार मिल पाएगा या नहीं। स्थानांतरित मरीजों का डाटा रखना भी अनिवार्य होगा। हर तीन महीने पर इसकी समीक्षा होगी।

> अब मरीज को तभी स्थानांतरित किया जा सकेगा, जब उस अस्पताल में संबंधित बीमारी के इलाज की सुविधा नहीं होगी

एम्स सहित केंद्र के अस्पतालों की इमरजेंसी में मरीजों के बढ़ते दबाव के मद्देनजर ही महानिदेशालय ने यह कदम उठाया है। इस नीति के तहत कोविड की तर्ज पर अस्पतालों में आइसीयू, नियोनेटल आइसीयू, पीडियाट्रिक आइसीयू के बेड की आनलाइन जानकारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश हैं। निस्संदेह मरीजों को रेफर करना बड़ी समस्या है। हैरानी की बात यह कि ऐसा मरीज की बेहतरी के लिए कम और निजी अस्पताल अपनी बला टालने को अधिक करते हैं। रेफर करने से पहले नहीं देखा जाता कि जिस अस्पताल में मरीज को स्थानांतरित कर रहे हैं, वहां बेड खाली है या नहीं। कई बार ऐसा देखा गया है कि समय पर इलाज न मिलने से बहुत से मरीज दम भी तोड़ देते हैं।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या जम्मू-कश्मीर को विधानसभा चुनाव से पहले पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए?

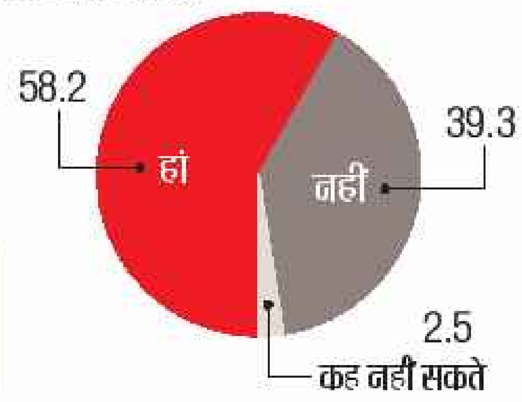

आज का सवाल
क्या आपको भरोसा है कि सीबीआइ नीट के आयोजन में हुई गड़बड़ियों की तह तक जा सकेगी?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

जीएसटी के दायरे में आएं पेट्रोलियम उत्पाद

विवेक देवराय   आदित्य सिन्हा

इस परिवर्तन की राह में कुछ तात्कालिक चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन इसके बड़े दूरगामी लाभ होंगे। लोगों को सस्ते पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता के साथ ही राजस्व व्यवस्था भी बेहतर होगी

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू हुए सप्ताह भर बाद पूरे सात साल हो जाएंगे। एक लंबी कशमकश के बाद ही इस कर व्यवस्था ने आकार लिया था। जीएसटी जैसी व्यवस्था का सुझाव पहली बार वर्ष 2000 में विजय केलकर टास्क फोर्स की अनुशंसा के बाद सामने आया था, लेकिन चूंकि यह एक अत्यंत जटिल मुद्दा था तो इस पर व्यापक सहमति बनाना टेढ़ी खीर साबित हुआ। इसी कारण जीएसटी को साकार रूप लेने में लगभग सत्रह वर्ष लग गए। अपने पहले कार्यकाल में इस पर राजनीतिक सहमति बनाना मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि रही। इसने कई प्रकार के केंद्रीय एवं राज्यों के करों को एकीकृत करके टैक्स व्यवस्था को सुगम एवं सहज बनाने का काम किया। अभी जीएसटी की 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत दरों की चार श्रेणियां हैं। कुछ आवश्यक वस्तुएं इसके दायरे से मुक्त हैं। इस एकीकृत कर व्यवस्था ने कई पड़ावों पर लगने वाले विभिन्न करों की जगह एकबारगी कर भुगतान को सुनिश्चित किया। इससे समग्र कर बोझ घटने के साथ ही आर्थिक सक्षमता बढ़ी है। इसके माध्यम से कर संग्रह भी निरंतर बढ़ रहा है। इस साल मई में 1.73 लाख करोड़ रुपये जीएसटी के जरिये प्राप्त हुए। यह राशि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक रही। चूंकि जीएसटी के मूल स्वरूप में कई प्रविधानों को इसके आरंभ में शामिल नहीं किया गया था तो इस कर व्यवस्था में सुधारों की भी रह-रहकर चर्चा जोर पकड़ती रहती है। इसी सिलसिले में जीएसटी परिषद की हालिया बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के पक्ष पर चर्चा की। जिस समय जीएसटी लागू हुआ था तब वित्त मंत्री रहे अरुण जेटली ने भी ऐसे प्रस्ताव की वकालत की थी। अब इस मुद्दे ने नए सिरे से जोर पकड़ा है। जीएसटी के व्यापक स्वरूप को देखा जाए तो ऐसी कोई भी पहल बहुत सार्थक एवं उपयोगी सिद्ध होगी।

पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लेने के मुद्दे पर राज्यों में आरंभ से ही हिचक दिखाई है। इसकी वजह भी बहुत सीधी है कि उन्हें इन उत्पादों से भारी राजस्व की प्राप्ति होती है। अलग-अलग राज्यों ने पेट्रोलियम उत्पादों पर अपनी सहूलियत के हिसाब से वैट लगाया है। वहीं केंद्र सरकार प्रति लीटर के आधार पर उत्पाद शुल्क लगाती है, जिसकी दरें पूरे देश के लिए एकसमान होती हैं। केंद्र और राज्यों के सम्मिलित करों-ड्यूटी से उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की कीमत बहुत ऊंची हो जाती है। यदि पेट्रोलियम उत्पाद जीएसटी के दायरे में आएं तो आवश्यक रेवेन्यू न्यूट्रल रेट के चलते देश भर में एकसमान कीमतें संभव हो सकती हैं। इससे जिन राज्यों में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें कम हैं, वहां उनमें बढ़ोतरी की आशंका होगी, जिसके अपने राजनीतिक जोखिम होंगे। साथ ही साथ जिन राज्यों में कीमत अत्यधिक ऊंची है, वहां दाम गिर जाएंगे।

पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति शृंखला को भी बेहतर बनाएंगी एकसमान दरें ● फाइल

यदि पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी का हिस्सा बनाया जाए तो इसके कई फायदे देखने को मिलेंगे। इससे जहां आर्थिक सक्षमता बढ़ेगी, वहीं उपभोक्ताओं का भी भला होगा। वर्तमान में पेट्रोलियम उत्पादों पर केंद्र और राज्यों के स्तर पर बहुस्तरीय कर व्यवस्था लागू है। इससे कीमतों का एक जटिल एवं मनमाना ढांचा बन गया है। इन उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने से देश भर में मानक दरें लागू होंगी और कीमतों के स्तर पर विसंगतियां समाप्त होंगी। जीएसटी में आने से करों का स्तर घटने से कीमतें नरम होने की संभावना है। इससे आम लोगों से लेकर व्यापारिक उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। एकसमान जीएसटी दर से कीमतों के मोर्चे पर पारदर्शिता भी बढ़ेगी। जब सभी राज्यों में एकसमान कर व्यवस्था लागू होगी तो एक निर्बाध राष्ट्रीय बाजार का विकास होगा, जो कि जीएसटी के मूलभूत उद्देश्यों में से एक रहा है। इससे राज्यों के बीच पेट्रोलियम उत्पादों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित होगी। ढुलाई की लागत घटेगी और आपूर्ति शृंखला में भी सुधार होगा। राज्यों की सीमा पर टैक्स बैरियर्स हटने से ढुलाई की गति एवं उसमें तेल की खपत भी कम होगी। इससे समग्र अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

जीएसटी से राज्यों को राजस्व के तत्काल नुकसान की आशंका सता सकती है, लेकिन व्यापक कर दायरे और उससे बढ़ने वाली सक्षमता से लाभान्वित होकर उसकी क्षतिपूर्ति संभव है। जीएसटी परिषद राज्यों के बीच कर राजस्व का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित कर सकती है। ऐसे भी किसी संभावित क्षति की पूर्ति की जा सकती है। समय के साथ इसके माध्यम से बढ़ने वाली सक्षमता एवं अनुपालन सुधार से भी समग्र कर संग्रह में बढ़ोतरी के आसार बनेंगे। पेट्रोलियम उत्पादों पर कर घटाने से उपभोक्ताओं को सस्ते ईंधन का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इससे महंगाई पर नियंत्रण में भी मदद मिलेगी, क्योंकि देश भर में तमाम वस्तुओं एवं सेवाओं की लागत का पेट्रोलियम उत्पादों की दरों से बड़ा सरोकार होता है। सस्ते परिवहन और उत्पादन लागत से तमाम वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ेगा, जिससे जनता को व्यापक रूप से लाभ मिलेगा।

इसलिए यह समय की मांग है कि राज्यों को एकीकृत टैक्स सुनिश्चित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और देश भर में करों के ढांचे को सुगम बनाने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार करना चाहिए। इससे जहां जीएसटी के व्यापक उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में कदम बढ़ेंगे, वहीं एक निर्बाध राष्ट्रीय बाजार के लिए आधार बनने के साथ ही आर्थिक सक्षमता की तस्वीर भी बेहतर होगी। इस परिवर्तन की राह में कुछ तात्कालिक चुनौतियां जरूर दस्तक देंगी, लेकिन इसके बड़े दूरगामी लाभ मिलेंगे। इससे जनता को सस्ते पेट्रोलियम उत्पादों का लाभ मिलेगा, वहीं राजस्व व्यवस्था सुसंगत बनेगी। इसलिए पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी ढांचे का हिस्सा बनाने में विलंब नहीं किया जाना चाहिए।

(देवराय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के प्रमुख एवं सिन्हा परिषद में ओएसडी-अनुसंधान हैं)

response@jagran.com

देशहित में एक राष्ट्र-एक चुनाव

देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे पर कुछ दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक ने इस बहस को नए सिरे से छेड़ दिया है। बैठक में इस पर विचार करने के लिए एक समिति बनाने की घोषणा जरूर हुई, लेकिन विमर्श और आम सहमति की राह बनती नहीं दिखी। इसे लेकर विपक्ष भी दोफाड़ दिखा। कांग्रेस, सपा, बसपा और डीएमके समेत 16 दलों का बैठक से दूर रहना इस मुद्दे को पूर्णतया खारिज करने जैसा है, जबकि बैठक में शामिल एनडीए के घटक दलों समेत 21 दलों का समर्थन इस विचार को तेज गति प्रदान करने की पहली सफल कोशिश है। सीपीआइ और सीपीएम ने इसके क्रियान्वयन को लेकर चिंताएं जाहिर की हैं, लेकिन वैचारिक रूप से ये एक साथ चुनाव के समर्थन में हैं। देश के किसी भी मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बहस लोकतंत्र की खूबसूरती है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इतने महत्वपूर्ण विषय पर आहूत किसी बैठक से कुछ दलों का दूरी बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना है। 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' के चुनावों को एक साथ कराए जाने के विचार को किसी पार्टी की पहल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

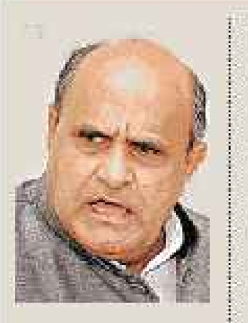

केसी त्यागी

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन यह समय की मांग है

देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हो सकते हैं या नहीं, यह पता लगाने के लिए भारत सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति ने 18,626 पृष्ठों की रिपोर्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव दिया है। यह रिपोर्ट इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनावों को भी एक साथ कराने की वकालत करती है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय विधि आयोग के समक्ष सरकार के इन विधायी प्रयासों का समर्थन किया था। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' अवधारणा भारत में संसदीय, राज्य और स्थानीय सहित सभी चुनावों को एक निश्चित अंतराल, आमतौर पर हर पांच साल में आयोजित करने की वकालत करती है। भारतीय राजनीति में एक साथ चुनाव कराने का यह विचार नया नहीं है। इससे पहले 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हो चुके हैं। 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने की वजह से पहली बार एक साथ चुनाव होने का चक्र बाधित हुआ था। वहीं चौथी लोकसभा भी समय से पहले भंग कर दी गई थी, जिसकी वजह से 1971 में नए चुनाव हुए। एक साथ चुनाव का विचार पहली बार औपचारिक रूप से भारत निर्वाचन आयोग ने अपनी 1983 की रिपोर्ट में प्रस्तावित किया था। बाद में भारत के विधि आयोग ने भी इसका समर्थन किया।

ऐतिहासिक पहल पर बने राजनीतिक सहमति ● फाइल

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के विचार को अमल में लाना देशहित में है। हालांकि यह चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि विपक्ष की चिंता है कि मौजूदा सरकार अपने प्रभाव और महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों के जरिये लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को प्रभावित करने में कामयाब हो सकती है। ऐसे में स्थानीय मुद्दे गौण हो सकते हैं, लेकिन यह भय व्यर्थ है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला था, लेकिन उसके तुरंत बाद कई विधानसभा चुनावों में उसे पराजय मिली। फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में ओडिशा में भाजपा को सात सीटों पर मिली बढ़त और विधानसभा में बीजद को बहुमत मिलना भी यही जाहिर करता है। दरअसल देश और प्रदेशों के अपने-अपने मुद्दे संबंधित चुनावों को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा इस बार के लोकसभा चुनाव में लगभग 60,000 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह राशि किसी दल की नहीं, बल्कि भारत सरकार के कोष में संचित देश के करदाताओं की है। एक साथ चुनाव से रैलियों, रोड शो, लोकलुभावन व्यय समेत बूथ और अन्य प्रबंधकीय खर्चों में कई गुना कमी आएगी। इससे करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल विकास कार्यों में हो पाएगा। बार-बार चुनाव होने से उम्मीदवारों द्वारा वहन किया गया अतिरिक्त खर्च भी देश में काले धन के प्रवाह को गति देता है। एडीआर के अनुसार राजनीतिक दलों के कुल चंदे का लगभग 70-80 प्रतिशत हिस्सा अज्ञात स्रोतों से आता है। मौजूदा चुनावी संरचना में हर साल देश का कोई न कोई राज्य चुनाव में व्यस्त रहता है। इसके चलते चुनावी आचार संहिता लागू हो जाने से सरकार और मतदाता दोनों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित होते हैं। इस दौरान न तो कोई नई नीतिगत घोषणा हो पाती है, न ही उसका क्रियान्वयन। मंत्रियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों की चुनावी प्रक्रिया में व्यस्तता की वजह से विकास और जनकल्याण के कार्य ठप रहते हैं।

हालांकि तमाम अनुशंसाओं के बावजूद एक साथ चुनाव की व्यवस्था करना आसान नहीं है। इस दिशा में एक सवाल यह है कि बहुमत की सरकार यदि अल्पमत में आ जाए तो उस स्थिति में विकल्प क्या होगा? इस स्थिति में निःसंदेह पुनः चुनाव की कवायद प्रचलन में है। एक साथ चुनाव कराने के लिए भंग लोकसभा या विधानसभा को शेष अवधि तक के लिए स्थगित रखना या फिर बहुमत खो चुकी सरकार का सत्ता में बने रहना भी लोकतांत्रिक जनादेश के लिए अपमानजनक होगा। संविधान के अनुच्छेद-356 के उपयोग तथा उसके बाद की दशा भी चिंता का विषय होगी। जहां तक संविधान में बदलाव कर इस नई व्यवस्था को गति देने का विषय है तो इसमें संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान परिदृश्य में चुनौतीपूर्ण है। इस क्रम में कई राज्य सरकारों की कुर्बानी पांच वर्ष के कार्यकाल से पहले देनी पड़ सकती है। इसलिए प्रस्तावित सिफारिशों के लिए आम सहमति अनिवार्य है। यह पहल ऐतिहासिक है। इसलिए इसकी दूरगामी चुनौतियों को भी ध्यान में रखना जरूरी होगा।

(लेखक जदयू के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

कर्म का महत्व

संसार में 84 लाख योनियां हैं, जिनमें ईश्वर जीव को मनुष्य योनि इस अभिप्राय से देता है कि वह विवेक द्वारा संसार के जीवन-मृत्यु के चक्र से मुक्त होकर परब्रह्म में विलीन होकर मोक्ष प्राप्त कर लेगा। संसार के सभी जीवों में विवेक केवल मनुष्य को ही प्राप्त है, जिसके द्वारा वह अपने कर्मों पर नियंत्रण कर सकता है। जीव की पहचान उसके कर्मों से होती है। मनुष्य संसार को अपनी इंद्रियों द्वारा अनुभव करता है। इंद्रियां अनुभव की हुई चेतना को व्यक्ति के मन तक पहुंचाती हैं। इसके बाद मन इंद्रिय तृप्ति के लिए उस वस्तु को कर्म द्वारा प्राप्त करने की कोशिश करता है। जब वह संबंधित वस्तु को प्राप्त करने में असफल होता है तब उसके अंदर क्रोध जागृत होता है, जिसके बाद उसका विवेक समाप्त हो जाता है। विवेक समाप्त होने पर उसका विनाश होना शुरू हो जाता है। इसलिए श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि यदि शरीर त्यागने से पूर्व कोई मनुष्य अपनी इंद्रियों के वेग को सहन करने तथा इच्छा एवं क्रोध के वेग को रोकने में समर्थ हो जाता है तो वह संसार में सुखी रहकर अंत में मोक्ष को प्राप्त कर लेता है।

इंद्रियों के वेग को रोकने के लिए योग के जरिये मन तथा कर्म पर निरंतर संयम का अभ्यास करना चाहिए। इस प्रकार नियंत्रित मन शुभ और निष्काम कर्म की तरफ प्रेरित होता है। इसके बाद ही मनुष्य समाधि द्वारा अपनी चेतना को परम चेतना में विलीन कर सकता है, जिसे मोक्ष कहा जाता है। जो लोग अपनी इंद्रियों को नियंत्रित कर शुभ कर्म करते हैं वे मानव जीवन के परम उद्देश्य को प्राप्त कर लेते हैं और जो बुरे कर्मों में लिप्त रहते हैं वे 84 लाख योनियों के फेर में फंसे रहते हैं।

इसको देखते हुए ही मानस में कहा गया है- 'सुभ अरु असुभ करम अनुहारी। ईसु देइ फलु हृदयं बिचारी॥' यानी शुभ और अशुभ कर्मों के अनुसार ईश्वर हृदय में विचारकर फल देता है, जो कर्म करता है, वही फल पाता है। यही वह मंत्र है, जिसे आत्मसात करके हम अपने जीवन को सुगम एवं सार्थक बना सकते हैं।

कर्नल शिवदान सिंह

पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

परीक्षा आयोजन में हो आवश्यक सुधार

'प्रश्नों के घेरे में परीक्षाएं' शीर्षक से लिखे आलेख में संजय गुप्त ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार के लिए जो सुझाव दिए हैं, उन पर अमल करने की जरूरत है। केवल कड़े कानून बना देने भर से पेपर लीक करने वाले अपराधियों के दुस्साहस को नहीं तोड़ा जा सकता। इस देश का कानून किस गति से काम करता है, यह जगजाहिर है? ऐसे में परीक्षा आयोजन में बेहतर आधुनिक तकनीक को अपनाकर ही उसमें सेंधमारी करने वाले अपराधियों के हौसले को पस्त किया जा सकता है। इसके लिए परीक्षा नियामक संस्थाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना होगा। पेपर लीक की आशंका तब और अधिक बढ़ जाती हैं जब एनटीए जैसी परीक्षा नियामक संस्थाएं परीक्षा आयोजन के लिए ठेके पर काम करने वाली बाहरी एजेंसियों पर निर्भर हो जाती हैं। केंद्र सरकार सहित सभी राज्य सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि उनके अधीनस्थ सभी परीक्षा नियामक संस्थाओं को किस तरह से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा सकता है। पेपर लीक या अन्य किसी अनियमितता की वजह से प्रतियोगी परीक्षा के निरस्त होने पर परीक्षा नियामक संस्था की साख पर तो बट्टा लगता ही है, इसके साथ ही परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले छात्रों की मनःस्थिति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। एनटीए द्वारा आयोजित नीट-यूजी में गड़बड़ी के बाद यूजीसी नेट की परीक्षा का पेपर लीक हो जाना बेहद शर्म की बात है। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर जो सवाल खड़े हो रहे हैं उससे विपक्षी दलों को सरकार पर हावी होने का अवसर मिल रहा है। सभी तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं को फूलप्रूफ बनाने के लिए परीक्षा आयोजन की वर्तमान पद्धति में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है।

डा. वीपी पांडेय, अलीगढ़

दोषियों पर हो सख्ती

यूजीसी-नेट परीक्षा अचानक रद होने से 24 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य चिंताजनक है। परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा नेट और नीट के बीच फंस गए हैं। नीट और यूजीसी-नेट परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर बड़े पैमाने पर विवाद के बीच नरेन्द्र मोदी सरकार का सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को अधिसूचित करने का निर्णय एक सराहनीय कदम है। संदर्भित कानून रोजगारोन्मुखी परीक्षाओं और संबंधित सामान्य प्रवेश परीक्षाओं जैसे नीट-यूजी और यूजीसी-नेट में 'अनुचित साधनों' के उपयोग को रोकने में मदद करेगा। हाल ही में आयोजित नीट-यूजी और यूजीसी-नेट परीक्षाओं के संबंध में चल रहे हंगामे के बीच एंटी-पेपर लीक कानून लागू हुआ। जाहिर तौर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अनियमितताओं को स्वीकार किया है। असली दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे होना चाहिए और किसी भी कीमत पर वे बचने नहीं चाहिए। एनटीए की स्थापना मेडिकल जांच की मौजूदा प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए की गई थी, लेकिन संस्था माफिया के चंगुल से बच नहीं पाई।

-युगल किशोर शर्मा, फरीदाबाद

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव

दैनक जागरण के 22 जून के अंक में प्रकाशित संपादकीय ''जम्मू-कश्मीर में चुनाव'' धारा 370 के समाप्त होने के बाद के राजनीतिक परिदृश्य में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों पर बहुत गंभीर चर्चा करता है। जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराना केंद्र सरकार, स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग के लिए बहुत बड़ी चुनौती है और इसमें सीमा पार से सरकार, सेना और आइएसआइ की ओर से आतंकवादी हमलों, रैलियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान हमलों का प्रयास किया जाएगा। लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के पश्चात हताश आतंकवादियों ने हिंदू तीर्थयात्रियों पर हमले किए और कई हत्याओं को अंजाम दिया। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और दिल्ली में भी विधानसभा चुनाव निकट हैं। इन सभी पांच राज्यों में एक साथ और एक ही चरण में चुनाव संपन्न होने चाहिए और यह चुनाव भी मंगलवार से बृहस्पतिवार के बीच होने चाहिए। जिससे अधिक से अधिक मतदाता चुनावों में भाग ले सकें। राजनीतिक दल इन चुनावों में अपराधियों, भ्रष्टाचारियों, माफियाओं और कारावासी प्रत्याशियों को चुनावों में न खड़ा करें। चुनावों में मतदान न करने वालों पर कुछ जुर्माना भी लगना चाहिए। लोकतंत्र में उनको अपने कर्तव्यों के प्रति भी संवेदनशीलता का संज्ञान रहे। जम्मू-कश्मीर सहित पांचों राज्यों में शांतिपूर्वक चुनाव देश के अनवरत विकास के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

-विनोद जौहरी, दिल्ली

पोस्ट

गेमिंग कंपनियों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगने के बाद उनका राजस्व घटकर करीब आधा रह गया है। यह इस बात की मिसाल है कि अत्यधिक ऊंचे कर से कैसे कोई उद्योग समाप्त होता है। नेहा नागर@nehanagarr

जिस दिन निचली अदालत से अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली तो आम आदमी पार्टी इसे न्याय की जीत बता रही थी। फिर हाई कोर्ट ने जमानत पर अंतरिम रोक लगा दी तो पार्टी उसी न्याय व्यवस्था पर सवाल उठा रही है। अमन चोपड़ा@AmanChopra_

आस्ट्रेलिया पर अफगानिस्तान की जीत को उलटफेर कहकर अफगानिस्तान का हक नहीं मारना चाहिए। अपने दिन पर यह टीम किसी को भी परास्त कर सकती है। उन्होंने दमदार प्रदर्शन से मजबूत आस्ट्रेलिया को मात दी। उनके प्रदर्शन की सराहना होनी चाहिए। बेहतरीन खेल के लिए उन्हें बधाई। वसीम जाफर@WasimJaffer14

एनटीए जिस प्रकार से काम कर रही है, उससे इस संस्था का नाम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के बजाय नेशनल टेंशन एजेंसी हो जाना चाहिए। इसकी वजह से लाखों छात्रों का भविष्य अंधकारमय एवं अनिश्चित हो गया है। उनके अभिभावकों की चिंता भी बढ़ गई है।
राजीव शुक्ला@ShuklaRajiv

जनपथ

लावारिस से हो गए अब चौधरी अधीर,
कोई तो पूछे जरा जाकर उनकी पीर।
जाकर उनकी पीर सगा समझे वे जिनको,
गए कौम के साथ हराकर वे ही उनको!
गदगद हुए पठान पाय वोटों की बारिश,
स्थानीय अधीर घूमते अब लावारिस!!
- ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, स्थानीय संपादक-प्रदीप कुमार शुक्ल*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 34 अंक 341

****

परीक्षाओं पर प्रश्न!

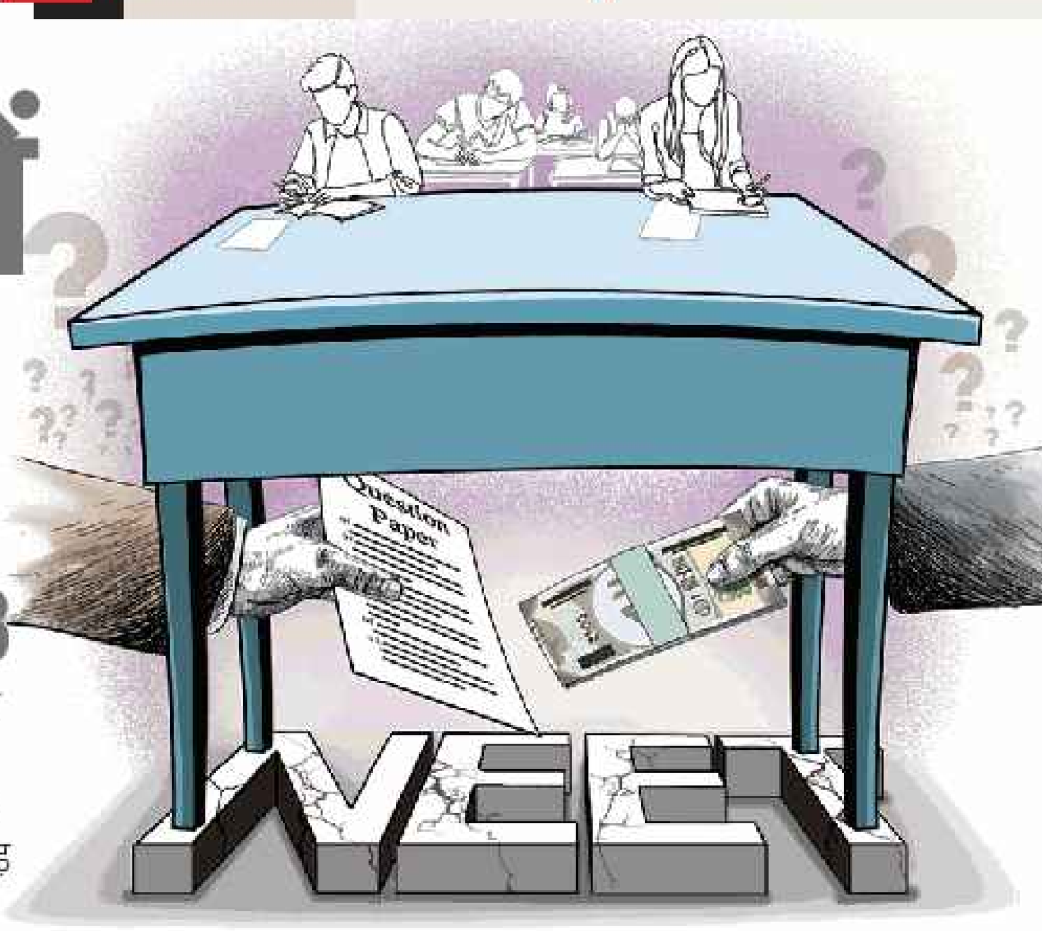

₹15,000 करोड़ का हो गया मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाला कोचिंग उद्योग, दोहरे अंक में है वार्षिक ग्रोथ

₹58,088 करोड़ से अधिक है कोचिंग उद्योग का राजस्व, 2028 तक राजस्व बढ़ कर पहुंच सकता है 1,33,995 करोड़ रुपये

मेडिकल कालेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली नीट-यूजी 2024 परीक्षा कथित अनियमितताओं को लेकर सवालों के घेरे में है। सरकारी नौकरी के लिए आयोजित की जाने वाली राज्य स्तर की भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के बढ़ते मामलों के बीच राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा की शुचिता पर शक पैदा होना गंभीर मामला है। प्रतिष्ठित परीक्षाएं पेपर लीक का पर्याय बनती जा रही हैं। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर प्रवेश परीक्षा रद किए जाने की मांग की गई है। नीट-यूजी परीक्षा में देशभर के करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक का मामला हो या राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा में अनियमितता का मुद्दा हो, यह लाखों अभ्यर्थियों और छात्रों के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। इससे न सिर्फ उनका समय और धन बर्बाद होता है बल्कि देश को भी राष्ट्रीय संसाधनों का नुकसान उठाना पड़ता है। इस बीच एंटी पेपर लीक कानून लागू हो गया है। कानून में परीक्षाओं में गडबड़ी करने वालों के लिए कड़े प्रविधान किए गए हैं। ऐसे में यह पड़ताल अहम मुद्दा है कि जिम्मेदार संस्थाएं इस स्तर की परीक्षाओं में पारदर्शिता और शुचिता कैसे सुनिश्चित कर सकती हैं?

बच्चों पर अपनी इच्छा न थोपें माता-पिता

डा. राजेन्द्र कुमार गुप्ता
नेशनल एजुकेशन पालिसी कमेटी के पूर्व सदस्य

माता-पिता को अपने बच्चों पर डाक्टर बनने के लिए दबाव डालने से बचना चाहिए। इसके अलावा कोचिंग सेंटरों को भी खत्म करना चाहिए। कोई भी बच्चा प्रश्नपत्र खरीदने के लिए लाखों-करोड़ों रुपये का भुगतान नहीं कर सकता है। माता-पिता ही पेपर लीक माफिया के साथ मिलकर ऐसा करते हैं। अगर माता-पिता इसमें न शामिल हों तो पेपर लीक पर काफी हद तक अंकुश लग जाएगा।

नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई अनियमितता छात्र और माता-पिता के लिए समान रूप से चर्चा का विषय है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि इस परीक्षा की शुरुआत क्यों की गई। नीट को 2016 में लागू किया गया था। उस समय मैं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के सलाहकार के रूप में कार्यरत था। मैं इसे मेडिकल शिक्षा में सुधार और छात्रों का समय और पैसा बचाने के लिए मोदी सरकार द्वारा उठाए गए सबसे बड़े कदमों में से एक के रूप में याद करता हूं। एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाले छात्र के रूप में, मैं कई मेडिकल परीक्षाओं में शामिल नहीं हो सका। इसकी वजह यह थी कि इन परीक्षाओं के लिए आवेदन करने और फिर अलग-अलग तारीखों पर अलग-अलग शहरों में परीक्षा देने के लिए यात्रा करने का खर्च काफी अधिक था। कुछ परीक्षाओं की तारीखें भी एक दूसरे के बहुत करीब थीं। इसलिए, मेरे जैसे छात्र विकल्पों से वंचित थे। नीट के साथ यह मेडिकल और डेंटल कालेजों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वालों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अवसर के लिए एक परीक्षा बन गई। यह सबसे बड़ा सुधार है। इसने प्रबंधन कोटा जैसी कई बुराइयों को दूर किया है। इसने मेडिकल कालेजों के कई मालिकों को परेशान किया। इनमें से ज्यादातर राजनेता हैं। उन्होंने मोटी रकम लेकर प्रबंधन सीटें बेचकर पैसा कमाने का साधन खो दिया था। मोदी सरकार ने प्रवेश प्रक्रिया में सुधार किया और पिछले दशक में सबसे अधिक मेडिकल सीटें भी बढ़ाईं। प्रवेश प्रक्रिया में सुधार और अधिक सीटें जोड़ने के इन दो चरणों के साथ, छात्रों के पास अब पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। मेडिसिन और डेंटल जैसे कोर्स की मांग काफी अधिक है। छात्र इन कोर्स में प्रवेश के लिए माता-पिता के भारी दबाव के बीच तैयारी करते हैं। इससे 15,000 करोड़ रुपये का कोचिंग उद्योग तैयार हुआ है और यह दोहरे अंक में बढ़ रहा है। जहां भी पैसा और प्रतिस्पर्धा आएगी, लोग सिस्टम को दरकिनार करने के लिए अनैतिक तरीके ढूंढ लेंगे। वैसे तो नीट परीक्षा माडल में कोई समस्या नहीं है, समस्या उन कोचिंग सेंटरों और अभिभावकों के साथ है, जो किसी भी कीमत पर अपने बच्चों को डाक्टर बनाना चाहते हैं और प्रवेश पाने के लिए करोड़ों खर्च करने को तैयार हैं।

पेपर लीक ने ऐसी परीक्षाओं की साख को नुकसान पहुंचाया है। इससे छात्रों, शैक्षिक संस्थानों, सिस्टम की विश्वसनीयता के लिए इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। पेपर लीक को रोकने के लिए, इसके कारणों को समझना और कठोर और गैर पारंपरिक कदम उठाना जरूरी है। हमें इन पेपर लीक को बढ़ावा देने वाले कारकों को समझना होगा और इसके बाद प्रक्रिया और व्यवस्था से जुड़ी कमियों को दूर करना होगा।

सबसे पहले, माता-पिता को अपने बच्चों पर डाक्टर बनने के लिए दबाव डालने से बचना चाहिए। उनको यह समझने के लिए एक साइकोमेट्रिक विश्लेषण करना चाहिए कि क्या उनके बच्चों में डाक्टर बनने की इच्छा और योग्यता है। यह शुरुआती बिंदु है, क्योंकि अक्सर बच्चे अपने माता-पिता की इच्छाओं के दबाव में आकर आधे-अधूरे मन से ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वे यह सुनिश्चित करने के लिए ये परीक्षाएं देते हैं कि वे अपने माता-पिता के अधूरे सपनों को पूरा कर सकें। यदि माता-पिता अपनी इच्छाएं अपने बच्चों पर न थोपें तो पेपर लीक की 50 प्रतिशत समस्या अपने आप हल हो जाएगी। कोई भी छात्र प्रश्नपत्र प्राप्त करने के लिए लाखों या करोड़ों का भुगतान नहीं कर सकता। उनके माता-पिता मिलीभगत करके ऐसा करते हैं। ऐसे पेपर लीक में दूसरा सबसे बड़ा योगदान कोचिंग सेंटरों का है। कोचिंग सेंटरों के बीच यह दिखाने को लेकर गलाकाट प्रतिस्पर्धा है कि उनके छात्रों की आल इंडिया रैंकिंग सबसे अच्छी है। दो वर्ष पहले एक मेडिकल कोचिंग सेंटर ने भारत में अपना बिजनेस एक अरब डालर यानी करीब 8,300 करोड़ रुपये में बेचा था। इससे आप समझ सकते हैं कि कोचिंग बिजनेस में दांव कितने ऊंचे हैं। जहां भी पैसा और प्रतिस्पर्धा आते हैं, वहां भ्रष्टाचार अपने आप आ जाता है और ऐसे पेपर लीक आम हो जाते हैं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के लिए पेशेवर कोचिंग केंद्रों को खत्म करके, हम दो लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। पहला, कोटा जैसे शहरों में होने वाली आत्महत्याओं को रोक सकते हैं। दूसरा, हम पेपर लीक के मुद्दे का समाधान कर सकते हैं। पेपर लीक होने का 50 प्रतिशत कारण कोचिंग सेंटर भी हैं। माता-पिता के दबाव और कोचिंग सेंटरों को खत्म करने से पेपर लीक की संभावना लगभग समाप्त हो जाती। मानवीय त्रुटि या तकनीकी गड़बड़ी शायद ही कभी पेपर लीक का कारण बनती है। कुछ लोग कहेंगे कि इसका कारण भ्रष्ट नौकरशाह हैं, लेकिन अगर भुगतान करने वाले ही नहीं होंगे, तो उनकी लालची मांगों को कौन पूरा करेगा? बेशक, परीक्षा से दो से चार घंटे पहले शहरों के केंद्रों पर प्रश्न और उत्तर पुस्तिकाओं को बदलने के लिए रैंडम तरीके से वितरण और रिकाल प्रणाली को अपनाया जा सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पेपर और उत्तर पुस्तिकाएं बनाने, प्रिंट करने और वितरित करने की पूरी प्रक्रिया सुरक्षित है, एन्क्रिप्शन, ब्लाकचेन और सुरक्षित प्रमाणीकरण विधियों का लाभ उठाया जा है। कुछ निहित स्वार्थी तत्व पेपर लीक के बाद नीट परीक्षा को रद करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन यह फूड पाइजनिंग के बाद खाना न खाने का फैसला करने जैसा है। नीट को बहुत सोच समझ कर शुरू किया गया था। पेपर लीक के एक प्रकरण से निराश होने की जरूरत नहीं है।

कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली होगी कारगर

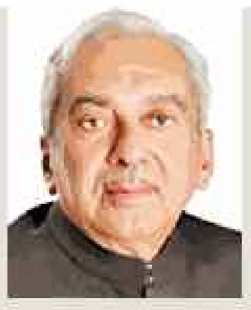

जगमोहन सिंह राजपूत
एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक

आज संचार तकनीक ने अनेक विकल्प प्रस्तुत किए हैं। ऐसी व्यवस्था बनाना संभव है, जिसमें परीक्षार्थी स्वयं कंप्यूटर से अपना प्रश्नपत्र डाउनलोड कर अपनी ओएमआर शीट जमा कर दे। इस व्यवस्था में एक ही दिन, एक ही समय पर सभी प्रतिभागियों का बैठना जरूरी नहीं होगा। इससे परीक्षाओं के लिए मजबूत व्यवस्था बनाई जा सकती है।

महत्वपूर्ण परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब किसी भी व्यावसायिक संस्थान की प्रवेश परीक्षा या भर्ती परीक्षा में ऐसा ना होना अपवाद माना जाने लगा है। परीक्षा लेनेवाली लगभग हर संस्था पर विद्यार्थियों का ही नहीं सामान्य जन का विश्वास भी डगमगा गया है। आज से पचास- साठ साल पहले ऐसा होना असंभव माना जाता था। स्कूल बोर्ड परीक्षाओं की साख इतनी सशक्त थी कि उन परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर बड़े-बड़े इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में प्रवेश मिल जाता था। समय के साथ संस्थानों की साख घट गई। इनके जो विकल्प तलाशे गए, वे भी समाज में नैतिकता के घोर ह्रास में कहीं खो गए। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की स्थापना 2017 में की गई थी। इसके लिए एक देश, एक परीक्षा' को आधार बनाया गया था। विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों के लिए अलग-अलग परीक्षा देने से बचाना इसका उद्देश्य था। एनटीए इस समय कठिन परस्थितियों का सामना कर रही है। वर्तमान स्थिति तो यही है कि कई परीक्षाओं मे धांधली रोक पाने में यह संस्था असफल रही है। जैसे-जैसे परीक्षा प्रणाली पर हर स्तर पर बोझ बढ़ता गया, जाटिलताएं भी बढ़ीं, जिनका समाधान असंभव नहीं था। लेकिन जब नैतिकता में आई शिथिलता हावी हो जाती है, तब सशक्त व्यवस्थाएं भी अपने को असहाय पाती हैं। वर्तमान स्थिति का विवेचन इसी परिप्रेक्ष्य में होना चाहिए। हमारे देश की परीक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता लगातार जताई जाती रही है, लेकिन प्रभावशाली परिवर्तन और सुधार अभी भी हो नहीं पाए हैं।

केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए अब सीयूईटी परीक्षा आयोजित करने का प्रविधान करना पड़ा क्योंकि विभिन्न राज्यों के स्कूल बोर्ड के मूल्यांकन स्तर आपस में कोई समन्वय स्थापित नहीं कर सके। बढ़ती जनसंख्या और बेरोजगारी के कारण सरकारी नौकारियों के लिए होनेवाली परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा में पेपर लीक हुआ। 48 लाख से अधिक परीक्षार्थी ठगे से रह गये। नीट में शामिल होने वाले 24 लाख विद्यार्थी कुछ अपराधियों की वजह से अत्यंत पीड़ादायक स्थिति में पहुंच गए। इस पर अंतिम निर्णय होने के पहले ही नेट-जेआरएफ में बैठनेवाले लगभग 11 लाख उच्च शिक्षित युवा परीक्षा देकर घर भी ना पहुंचे होंगे कि परीक्षा रद घोषित हो गई। देश के युवा वर्ग के समक्ष यह अत्यंत निराशाजनक स्थिति है और व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति का उत्तरदायित्व है कि इसका समाधान निकाले। इन परीक्षाओं में एक-एक अंक का महत्व होता है। अतः परीक्षा प्रणाली भी समय के साथ बदलनी चाहिए थी। देश के वे सभी बच्चे जो विदेश में शिक्षा पाना चाहते हैं, एसएटी / जीआरई/ टीओईएफईएल परीक्षाओं से परिचित हैं। यह परीक्षाएं वैश्विक स्तर पर आयोजित की जाती हैं और भारत में भी होती हैं। इनमें पेपर लीक नहीं होता है। आज संचार तकनीकी नें अनेक विकल्प प्रस्तुत कर दिए हैं। विश्व में अनेक संस्थाएं इनका सफलतापूर्वक उपयोग भी कर रहीं हैं।

भारत इनका अध्ययन कर अपनी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त प्रणाली विकसित कर सकता है। एआइ परीक्षा परिसर की ही नहीं, पूरी प्रणाली को व्यवस्थित और सुरक्षित करने में सहायक हो सकता है। कंप्युटर-आधारित-परीक्षा प्रणाली के सभी आयामों का अध्ययन कर ऐसी व्यवस्था बनाना संभव है, जिसमें परीक्षार्थी स्वयं कंप्यूटर के समक्ष बैठकर अपना प्रश्नपत्र डाउनलोड कर ले, और अपनी ओएमआर (आप्टिकल रिकाग्निशन शीट) जमा कर दें। ऐसी व्यवस्था संभव है, जिसमें एक ही दिन, एक ही समय पर सारे प्रतिभागियों का बैठना आवश्यक ना हो। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन लर्निंग ने लगभग बीस वर्ष पहले आन डिमांड एक्जामिनेशन का प्रारूप बनाकर व्यावहारिक रूप से उसका उपयोग किया था। उसका अध्ययन किया जा सकता है। युवावर्ग से सुझाव भी मांगे जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षाओं के साथ ही नियुक्ति परीक्षाओं में बड़े सुधार की आवश्यकता है।

आपकी आवाज

परीक्षाओं के पेपर लीक होना भ्रष्ट व्यवस्था का नतीजा है। कानून में खामियों के कारण ऐसा हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि व्यवस्था को सुधारने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं तथा सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो ताकि भविष्य में इस तरह के मामले दोबारा न सामने आएं।
मीना धानिया

भारत की परीक्षा प्रणाली आज संदेह के घेरे में है। न केवल प्रणाली पर सवाल उठे हैं बल्कि इससे प्रतिभावान, ईमानदार और मेहनती बच्चों का भविष्य भी खराब हो रहा हैं। इसके लिए व्यवस्था में भ्रष्टाचार के साथ ही माता-पिता भी दोषी हैं, जो अपने बच्चों का भविष्य संवारने के लिए भ्रष्टाचार से भी परहेज नहीं करते हैं और दूसरे प्रतिभावान बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करते हैं।
अमृतलाल मारू 'रवि'

15 राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के पेपर हुए लीक

भारत में पिछले सात वर्षों में 15 राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें भर्ती परीक्षाएं और बोर्ड परीक्षाएं शामिल हैं। पेपर लीक से 1.7 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। हाल में हुए नीट-यूजी 2024 पेपर लीक की जांच में जो साक्ष्य मिल रहे हैं, उससे लगता है कि भारत में परीक्षाओं पर पेपर लीक माफिया का नियंत्रण किस हद तक मजबूत है। अनियमितता की जानकारी मिलने के बाद यूजीसी-नेट 2024 परीक्षा भी रद कर दी गई है। नीट-यूजी पेपर लीक के बीच यूजीसी-नेट परीक्षा में अनियमितता की बात सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ईमानदारी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सही तरीके से परीक्षाएं कराना निश्चित रूप से एक चुनौती बन गई है।

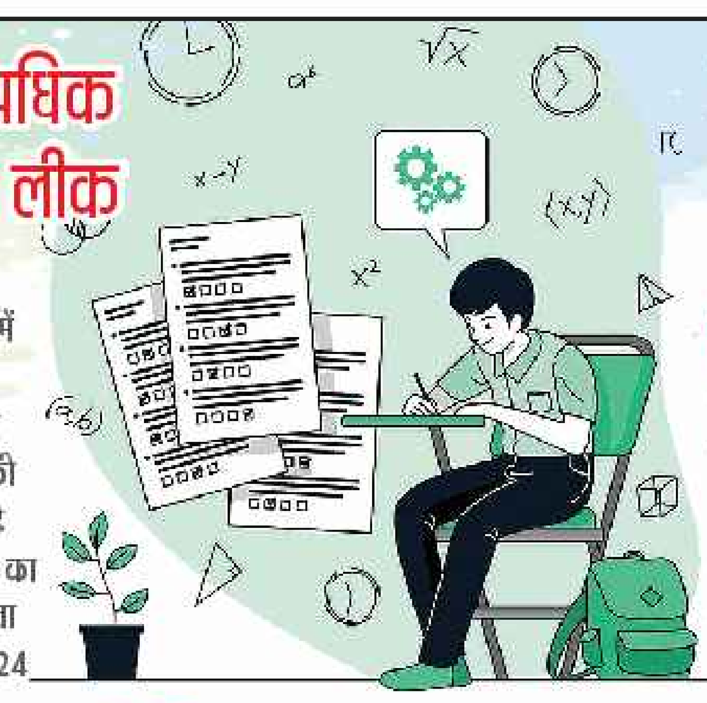

1.7 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं पिछले सात वर्षों के दौरान 70 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक होने की वजह से

₹1 करोड़ जुर्माना और 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है एंटी पेपर लीक कानून के तहत दोषी पाए जाने पर

राज्यों में पेपर लीक के मामले

बड़े राज्य जैसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और गुजरात बड़े पैमाने पर पेपर लीक से प्रभावित हैं। चुनावों में भी पेपर लीक का मुद्दा उठता है। लेकिन चुनाव खत्म होने के साथ ही यह मुद्दा गायब हो जाता है।

राजस्थान राजस्थान पिछले कुछ वर्षों से पेपर लीक के मामलों को लेकर कुख्यात है। राज्य में 2015 और 2023 के बीच विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की 14 घटनाएं सामने आईं। दिसंबर 2022 में सरकारी स्कूल शिक्षकों की भर्ती के लिए सामान्य ज्ञान परीक्षा का पेपर लीक हुआ। इसके बाद राजस्थान लोक सेवा आयोग को परीक्षा रद करनी पड़ी।

गुजरात गुजरात में भी पिछले सात वर्षों में 14 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें जीपीएससी चीफ आफिसर परीक्षा, तलाती परीक्षा, टीचर्स एप्टीट्यूड टेस्ट और मुख्य सेविका, नायब चिटनिस जैसी अन्य परीक्षाएं शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश में 2017 से 2024 के बीच नौ परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें इंस्पेक्टर्स आनलाइन रिक्रूटमेंट टेस्ट, यूपीटीईटी, बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा, नीट- यूजी जैसी परीक्षाएं शामिल हैं। 2024 में कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के पेपर लीक से 48 लाख से अधिक आवेदक प्रभावित हुए। बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, बिहार में भी पेपर लीक के ऐसे ही मामले सामने आए हैं।

एंटी नकल कानून में है कड़ी सजा का प्रविधान

नीट-यूजी और यूजीसी- नेट परीक्षा में हुई अनियमितताओं की जांच के बीच देश में एंटी पेपर लीक कानून लागू हो गया है। पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ ये कानून इसी साल फरवरी में पारित हुआ था। इस कानून में परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले व्यक्तियों के लिए कड़ी सजा का प्रविधान है।

- कानून के तहत परीक्षा में नकल करने वाले छात्रों से लेकर पेपर लीक में शामिल अधिकारियों या धांधली में शामिल समूहों के खिलाफ तीन से लेकर 10 वर्ष तक की सजा और एक करोड़ रुपये तक के जुर्मानि का प्रविधान है।
- इस नए कानून के तहत, परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम तीन वर्ष की कैद की सजा हो सकती है। इस सजा को बढ़ाकर पांच वर्ष तक किया जा सकता है, साथ ही 10 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।
- नकल कराने का दोषी पाए जाने वाले सेवाप्रदाताओं पर एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा, परीक्षा संचालन का खर्च भी उनको भरना पड़ेगा। ऐसे सेवाप्रदाता अगले चार वर्ष तक किसी भी परीक्षा का संचालन नहीं कर पाएंगे।
- यदि जांच में पता चलता है कि परीक्षा में धांधली या गड़बड़ी, किसी डायरेक्टर, सीनियर मैनेजमेंट या सेवाप्रदाता फर्म के प्रभारी व्यक्ति की मिलीभगत से की गई है तो ऐसे व्यक्तियों को तीन से 10 वर्ष की कैद हो सकती है और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।
- ये कानून उन लोगों को सुरक्षा भी देता है, जो ये साबित कर पाएंगे कि धांधली उनकी जानकारी के बिना हुई है और उन्होंने गड़बड़ी रोकने के लिए पर्याप्त जरूरी सावधानियां बरती थीं।

तहसीलदार ने उठाया हाथ तो किसान ने जड़ दिया थप्पड़

जागरण संवाददाता, फिरोजाबाद : उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में जमीन का विवाद सुलझाने गए तहसीलदार के साथ किसान ने अभद्रता कर दी। तकरार के दौरान तहसीलदार ने हाथ उठाया तो किसान ने थप्पड़ जड़ दिया। तहसीलदार जमीन पर गिर पड़े। साथ में चल रही पुलिस ने किसान और उसके सहयोगी को हिरासत में ले लिया। लेखपाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया।

जिले के गांव नगला तुर्सी सलेमपुर में जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। एक पक्ष के प्रवीन कुमार द्वारा अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने की शिकायत कुछ दिन पहले की गई थी। विवाद को सुलझाने के लिए जसराना के तहसीलदार लालता प्रसाद राजस्व और पुलिस टीम के साथ शनिवार दोपहर गांव में पहुंचे। इस दौरान दूसरे पक्ष के धर्मेंद्र एवं वीरेश्वर मौके पर आ गए और हंगामा करने लगे। प्रसारित वीडियो में तहसीलदार और वीरेश्वर में बहस होती दिख रही है। इसी बीच तहसीलदार ने किसान पर हाथ उठाया तो वीरेश्वर उत्तेजित हो गया। कोई कुछ समझ पाता इससे

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित तहसीलदार लालता प्रसाद का वीडियो ● वीडियो ग्रेब

पहले उसने तहसीलदार के गाल पर थप्पड़ मार दिया, जिससे वह सड़क पर गिर पड़े और उनका चश्मा भी गिर गया। पुलिसकर्मी तुरंत हरकत में आए और वीरेश्वर के साथ धर्मेंद्र को भी थाने ले आए। वहां उनका शांति भंग में चालान किया गया। एसडीएम सतेंद्र सिंह ने उन्हें जेल भेज दिया। रात में लेखपाल जगत प्रकाश ने दोनों के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने, तहसीलदार से हाथापाई और गाली-गलौज करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। एडीएम विशु राजा का कहना है कि एक ही जमीन के दो बैनामे हैं। जांच को तहसीलदार गए थे, जिनके साथ घटना हुई है।

पुलिस की मिलीभगत से हुआ था बरेली में बवाल, सात पुलिसकर्मी निलंबित, नौ आरोपितों को जेल

जागरण संवाददाता, बरेली : बरेली में प्लाट पर कब्जे को लेकर गैंगवार के पीछे पुलिस की मिलीभगत थी, जिसके बूते कानून-व्यवस्था की धज्जियां उधेड़ दी गईं। शनिवार को बवाल के बाद इज्जतनगर थाने के इंस्पेक्टर जयशंकर समेत सात पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध मानकर निलंबित किया गया था। रविवार को मुख्य आरोपित प्रापर्टी डीलर राजीव राणा के बयान ने भी पुलिस से दोस्ती की पोल खोली। उसने वीडियो जारी कर स्वीकारा कि इंस्पेक्टर के आश्वासन के बाद प्लाट पर कब्जा लेने गया था। राजीव ने उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य के पति एवं भाजपा नेता पप्पू गिरधारी का नाम भी उछाला कि उन्हीं की शह पर दूसरे पक्ष का आदित्य हमलावर हुआ था। उसके आरोप का पप्पू गिरधारी ने खंडन किया। बोले, उसने झूठा आरोप लगाया इसलिए प्राथमिकी पंजीकृत कराएंगे। बता दें कि इस मामले में भाजपा के पूर्व विधायक राजेश मिश्र उर्फ पप्पू भरतौल को भी नामजद किया जा चुका है। दूसरी ओर, रविवार को पुलिस ने नौ आरोपितों को जेल भेज दिया, जबकि उपचार के कारण तीन को अस्पताल

इंस्पेक्टर की सहमति से प्लाट पर काबिज होने गया था प्रापर्टी डीलर का गिरोह, बयान का वीडियो प्रसारित

> मेरा इस विवाद से कोई वास्ता नहीं। बेवजह मेरा नाम प्राथमिकी में लिखवाया गया है। पुलिस कैमरे चेक करा ले। मैं शनिवार को मथुरा आया था, वहां से महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचा।
> **-पप्पू भरतौल,** भाजपा के पूर्व विधायक

> मैं आदित्य को नहीं जानता। आरोप लगाने वाला राजीव राणा तो भाजपा के पूर्व विधायक पप्पू भरतौल से जुड़ा है। मेरा इस मामले में किसी भी पक्ष से कोई संबंध या संपर्क नहीं है। झूठा आरोप लगाने वाले पर प्राथमिकी कराएंगे। साथ ही लखनऊ से किसी एजेंसी की जांच की मांग भी करेंगे। **-पप्पू गिरधारी,** उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य के पति एवं भाजपा नेता

में अभिरक्षा में रखा गया है। शाम को छह अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ संख्या 18 हो गई।

पीलीभीत रोड पर 850 गज प्लाट को अपना बताकर आदित्य उपाध्याय ने टाइल्स शोरूम खोल लिया। इस पर राजीव राणा भी दावा करता है। शनिवार सुबह राजीव के अनेक गुर्गे कब्जा लेने गए तो आदित्य गुट से विवाद हो गया। बीच सड़क पर दोनों पक्षों में 100 गोलियां चलीं, आगजनी हुई थी। इस मामले में पुलिस की ओर से दोनों पक्षों पर प्राथमिकी हुई। एक अन्य प्राथमिकी आदित्य के कर्मचारी रोहित ने लिखाई, जिसमें भाजपा के पूर्व विधायक राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, राजीव राणा समेत 12 को नामजद किया गया था।

पुलिस चाहती तो कर सकती थी बल प्रयोग: शनिवार को दोनों पक्षों में विवाद होने पर सबसे पहले डायल 112 पहुंची, उसके बाद चीता मोबाइल, फिर थाने की फोर्स। फिर भी दोनों पक्ष भिड़ते रहे और पुलिस निष्प्रभावी दिखी। पुलिस अधिकारी स्वीकारते हैं कि ऐसी स्थिति में बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ना चाहिए था। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

लुटेरी दुल्हन निकली एचआइवी संक्रमित, मच गया हड़कंप

जासं, मुजफ्फरनगर : उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में लुटेरी दुल्हन के एचआइवी संक्रमित निकलने से हड़कंप मच गया है। हालांकि, जिस परिवार में यह महिला दुल्हन बनकर आई थी, उस परिवार ने दावा किया है कि लुटेरी दुल्हन बेटे के संपर्क में नहीं आई थी, क्योंकि सुहागरात वाली रात में ही वह परिवार को बेहोश कर माल समेट कर भाग गई थी। अभी तक महिला के संपर्क में आए तीन लोगों में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। वर्तमान में लुटेरी दुल्हन जिला कारागार में बंद है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

छह मई को जिले के तितावी थाने की पुलिस ने लुटेरी दुल्हन व उसकी मां समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया था। जेल जाने के बाद लुटेरी दुल्हन को जब बुखार हुआ तो उसे मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। जांच के दौरान उसने स्वास्थ्य कर्मचारियों को बताया था कि वह एचआइवी संक्रमित है। पुष्टि के लिए जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने एआरटी सेंटर की मदद से जानकारी की तो पता चला कि दिसंबर में उत्तराखंड के रुद्रपुर में मेडिकल परीक्षण हुआ था, जिसमें वह एचआइवी संक्रमित निकली थी।

118 वर्ष पुरानी उर्दू की मतदाता सूची एशिया बुक आफ रिकाड्‌र्स में दर्ज

जागरण संवाददाता, गाजीपुर : ऐतिहासिक दुर्लभ दस्तावेज-वस्तुओं का 20 वर्षों से संग्रह कर रहे नसीम रजा खां का श्रम आखिरकार रंग लाया। उनके संग्रह में शामिल 118 वर्ष पुरानी उर्दू की मतदाता सूची एशिया को इंडिया बुक आफ रिकाड्‌र्स में दर्ज किया गया है। नसीम ने 1904 से अब तक की मतदाता सूची धरोहर के रूप में संरक्षित की है, लेकिन शुरुआती दो साल के पेज ठीक से समझ में नहीं आने के कारण 120 वर्ष के बजाय 118 वर्ष पूर्व की सूची को ही मान्यता प्रदान की गई है।

अल दीनदार शम्सी म्यूजियम एंड रिसर्च सेंटर के संस्थापक एवं संग्रहकर्ता नसीम रजा खां ने बताया कि एशिया बुक आफ रिकाड्‌र्स की ओर से कोरियर के माध्यम से शनिवार को सर्टिफिकेट, मेडल, बैज, पेन और गाड़ी स्टिकर मिला। 118 वर्ष पूर्व की उर्दू भाषा की मतदाता सूची, जो वर्ष 1904 से 1905, 1906 से 1907 और 1918 से 1919 तक की है। इसके अलावा वर्ष 1954 की हिंदी और उर्दू भाषा की भी मतदाता सूची है, जिसमें केवल 26 मुस्लिम मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। हिंदू सहित अन्य समुदाय की

एशिया बुक ऑफ रिकार्ड के प्रमाण पत्र के साथ संग्रहकर्ता नसीम रजा खां ● सौ. स्वयं

- नसीम रजा 20 वर्षों से कर रहे हैं ऐतिहासिक दुर्लभ दस्तावेज और कीमती वस्तुओं का संग्रह
- 120 वर्षों की सूची संग्रहित, लेकिन 118 वर्षों की सूची को मिली मान्यता

मतदाता सूची की खोज शोध के लिए जारी है। उर्दू मतदाता सूची ब्रिटिश शासन काल के वर्तमान विधानसभा क्षेत्र जमानियां की है। प्रत्येक वर्ष की सूची में सिर्फ 50 पुरुषों के नाम हैं। तब इस तहसील में कुल 50 मतदाता थे और उन्हीं में से चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरते थे और बाकी 46 सदस्य मतदान करते थे।

अर्थ जागरण

भारत के इलेक्ट्रिक व्हीकल इकोसिस्टम में हम अगले तीन वर्षों में 30 करोड़ डालर का अतिरिक्त निवेश करने की योजना बना रहे हैं। - **अभिनव सिन्हा**, प्रबंध निदेशक, ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट

एक नजर में

चालू वित्त वर्ष में 400 नई शाखाएं खोलेगा एसबीआइ

नई दिल्ली: नेटवर्क विस्तार योजना के तहत देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआइ चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 400 नई शाखाएं खोलेगा। बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कुल 137 नई शाखाएं खोली गई थीं। इसमें से 59 शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में खोली गईं। खारा ने कहा कि उभरते हुए नए क्षेत्रों में बैंक शाखाएं खोलने की आवश्यकता है। (प्रेट्र)

अप्रैल-जून 2024 के दौरान नए घरों की आपूर्ति घटी

नई दिल्ली: अप्रैल-जून 2024 के दौरान देश के नौ प्रमुख शहरों में नए घरों की आपूर्ति में 13 प्रतिशत की गिरावट रही है। रियल एस्टेट डाटा एनालिटिक फर्म प्रापइक्विटी के अनुसार, इस दौरान 97,331 नए घरों की आपूर्ति हुई है। 2023 में समान अवधि में 1,11,657 नए घरों की आपूर्ति हुई थी। प्रापइक्विटी का कहना है कि आम चुनावों के चलते कम परियोजनाएं लांच होने से नए घरों की आपूर्ति घटी है। (प्रेट्र)

ई-कामर्स निर्यात को बढ़ावा देने को लेकर कार्य जारी

कोलकाता: देश से ई-कामर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) राजस्व विभाग के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसके तहत देशभर में निर्दिष्ट ई-कामर्स केंद्र स्थापित किए जाएंगे जिससे आनलाइन निर्यात की प्रक्रिया को सुसंगत बनाया जा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि फिलहाल देश का ई-कामर्स निर्यात दो अरब डालर है, जबकि चीन का निर्यात 350 अरब डालर है। (राब्यू)

इलेक्ट्रानिक मैन्यूफैक्चरिंग में निकलेंगी 2.8 लाख नौकरियां

नई दिल्ली: उद्योग संगठन सीआइआइ की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक भारत के इलेक्ट्रानिक उपकरण मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का आकार बढ़कर 240 अरब डालर पर पहुंच जाएगा। इससे 500 अरब डालर के इलेक्ट्रानिक उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस क्षेत्र में 2026 तक 2.8 लाख नई नौकरियां सृजित होंगी। (प्रेट्र)

स्थायी समाधान से थमेगी खाद्य पदार्थों की महंगाई

केंद्र सरकार ने सभी सीजन की फसलों के भंडारण के साथ नए उत्पादन क्षेत्रों की तलाश शुरू की

अरविंद शर्मा • जागरण

- पैक्स स्तर पर बनाए जाएंगे तीन लाख गोदाम, पायलट प्रोजेक्ट के तहत 511 सहकारी समितियों का किया गया चयन
- मांग और आपूर्ति का अंतर मिटाने के लिए सरकार खेती के विविधीकरण के साथ समान वितरण पर बढ़ रही है आगे

वैकल्पिक सब्जियों को मिलना चाहिए बढ़ावा

आलू पर भी बिहार-उत्तर प्रदेश का एकाधिकार नहीं रहा। उत्तराखंड और हिमाचल भी आगे आए हैं। मेघालय में भी आलू उगाया जा रहा है। उपभोक्ता सचिव निधि खरे ने कृषि मंत्रालय को सुझाव दिया है कि खाद्य पदार्थों के उत्पादन में मैदानी इलाके के अलावा पूर्वोत्तर पर भी फोकस बढ़ाना चाहिए। वैकल्पिक सब्जियों को बढ़ावा मिलना चाहिए, जिन्हें आसानी से कहीं भी उगाया जा सकता है। रांची के एक किसान ने एक वर्ष में सात लाख रुपये का कुम्हड़ा की सब्जी बेची। ऐसे कई अन्य विकल्प भी हो सकते हैं।

बागवानी फसलों का उत्पादन 32.51 लाख टन कम होने का अनुमान

चालू वर्ष के दूसरे अनुमान में बागवानी फसलों का उत्पादन 3522.30 लाख टन है, जो पिछली बार से लगभग 32.51 लाख टन कम है। इसी तरह प्याज 60 लाख टन और आलू का उत्पादन 34 लाख टन कम हो सकता है। दाल में अब तक किए गए प्रयासों से उत्पादन में 14.02 लाख टन की वृद्धि हुई है। फिर भी मांग बढ़ने के चलते आयात पर निर्भरता कम नहीं हुई है। सरकार ने अगले तीन वर्षों के दौरान दाल उत्पादन में पूरी तरह निर्भरता का लक्ष्य तय किया है। दलहन की फसल के लिए नए-नए क्षेत्र तलाशे जा रहे हैं।

नई दिल्ली : महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सरकार का सबसे ज्यादा जोर उत्पादन और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर है। स्टाक जितना बड़ा होगा, जमाखोरी उतनी ही कम होगी। अभी देश में उत्पादित अनाज के सिर्फ 47 प्रतिशत के भंडारण की ही सुविधा है। इसलिए, पैक्स (प्राथमिक सहकारी समितियां) स्तर पर गोदाम बनाए जा रहे हैं। तैयारी तीन लाख गोदाम की है, जो विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत 511 पैक्सों का चयन किया गया है। दरअसल, बागवानी फसलों के बारे में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान ने खाद्यान्न पदार्थों के आने वाले संकट की ओर संकेत किया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बागवानी उत्पादन लगभग 32.51 लाख टन कम हो सकता है। इनमें सर्वाधिक कमी प्याज, आलू, बैंगन समेत अन्य सब्जियों की होनी है। आलू-प्याज के दाम तो अभी से सिरदर्द बनने लगे हैं। ऐसे में तात्कालिक उपायों पर फोकस के साथ स्थायी समाधान के रास्ते भी तलाशे जाने लगे हैं।

खाद्य पदार्थों की महंगाई से निपटने के स्थायी समाधान के लिए सरकार खेती के विविधिकरण के साथ समान वितरण के माडल पर भी आगे बढ़ रही है, ताकि मांग-आपूर्ति का अंतर मिट सके। आमतौर पर दाल, आलू, प्याज और टमाटर के भाव में मौसम के हिसाब से उतार-चढ़ाव ज्यादा देखा जाता है। दाल की जमाखोरी रोकने के लिए तत्काल स्टाक लिमिट लगा दी गई है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। सरकार ने अगले तीन वर्षों में दाल के मामले में आत्मनिर्भर होने का लक्ष्य तय किया है। सब्जियों की महंगाई पर आयेदिन बवाल होता है। देश के एक हिस्से में मौसमी फसलें बाजार के अभाव में बर्बाद हो जाती हैं तो दूसरे हिस्से में वही फसल गायब रहती है। इसलिए, भंडारण पर जोर है। प्याज के भंडारण सीमा को एक लाख टन से बढ़ाकर पांच लाख टन किया गया है। खेती के दायरे का विस्तार किया जा रहा है। प्याज और दाल उपजाने में अभी महाराष्ट्र का दबदबा है और चावल-गेहूं में पंजाब-हरियाणा का। खेती भी सब जगह समान नहीं होती है, किंतु उपभोक्ता मंत्रालय का मानना है कि प्रारंभिक सफलता मिलने लगी है। प्याज की खेती में महाराष्ट्र का वर्चस्व टूटने लगा है। गुजरात और राजस्थान में इसकी खेती ने जोर पकड़ा है। नए क्षेत्रों में दलहन की खेती की संभावना तलाशी जा रही है।

भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में चीन से बेहतर : मार्गन स्टेनली

- बीते दशक में भारत ने बुनियादी ढांचे के खर्च में काफी वृद्धि की
- अगले पांच सालों में आधाभूत ढांचे पर खर्च होंगे 1.45 ट्रिलियन डालर

नई दिल्ली, एएनआइ: मार्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जीडीपी के सापेक्ष इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचा विकास की तुलना करें तो भारत चीन से बेहतर स्थिति में है। यह स्थिति तब है जब चीन को बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास के एक बेंचमार्क के तौर पर देखा जाता है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के दीर्घकालिक और क्षेत्र विशिष्ट बुनियादी ढांचा योजनाएं शुरू की हैं। इनमें सड़क विकास के लिए भारतमाला, बंदरगाह संपर्क के लिए सागरमाला सहित सभी के लिए बिजली और जलमार्ग विकास कार्यक्रम शामिल है।

बुनियादी ढांचे में निवेश की बात करें तो यह वित्त वर्ष 2023-24 के सकल घरेलू उत्पाद के 5.3 प्रतिशत से बढ़कर इसके वित्त वर्ष 2029 तक 6.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह वृद्धि 15.3 प्रतिशत की मजबूत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाती है। इसके परिणामस्वरूप अगले पांच वर्षों में 1.45 ट्रिलियन डालर का संचयी खर्च होगा। चालू वित्त वर्ष की बात करें तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चीन की जीडीपी का 19 प्रतिशत है। चीन को लंबे समय से बुनियादी ढांचे में भारी निवेश करने के लिए जाना जाता है। हालांकि रिपोर्ट से इस बात का संकेत मिलता है कि भारत का भौतिक बुनियादी ढांचा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के आकार को देखते हुए चीन से बहुत पीछे नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की प्रगति खराब बुनियादी ढांचे के चलते बाधित रही है, लेकिन हाल के वर्षों में भारत के बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक दशक के दौरान भारत ने अपने बुनियादी ढांचे पर खर्च में काफी वृद्धि की है और उसने भौतिक संपत्तियों को बढ़ाने और आधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया है।

458 इन्फ्रा परियोजनाओं की लागत 5.71 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र: इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 458 परियोजनाओं की लागत इस साल मई तक तय अनुमान से 5.71 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है।

मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,817 परियोजनाओं में से 458 की लागत बढ़ गई है, जबकि 831 अन्य देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन 1,817 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 27,58,567.23 करोड़ रुपये थी लेकिन अब इसके बढ़कर 33,29,647.99 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है।

पिछले वित्त वर्ष में गौतम अदाणी को मिला 9.26 करोड़ का वेतन

गौतम अदाणी •

सूचीबद्ध 10 कंपनियां में से सिर्फ दो से लिया वेतन, अदाणी का वेतन उनकी ही कंपनी में कार्यरत कई बड़े अधिकारियों से भी कम

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अदाणी को पिछले वित्त वर्ष में कुल 9.26 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला। अदाणी का पारिश्रमिक दिग्गज कारोबारी सुनील भारती मित्तल (2022-23 में 16.7 करोड़ रुपये), राजीव बजाज (53.7 करोड़ रुपये), पवन मुंजाल (80 करोड़ रुपये), एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यम और इन्फोसिस के सीईओ सलिल एस पारेख से काफी कम है। खास बात यह है कि अदाणी का वेतन उनकी ही कंपनी में कार्यरत बड़े अधिकारियों से भी कम है।

अदाणी समूह की 10 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और उन्होंने केवल दो से ही वेतन लिया। समूह की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) से 2023-24 उन्हें 2.19 करोड़ रुपये का वेतन और 27 लाख रुपये के भत्ते और अन्य लाभ प्राप्त हुए। इसके अलावा, अदाणी ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) से 6.8 करोड़ रुपये का वेतन लिया। अदाणी का वेतन देश के सभी पारिवारिक कारोबारी घराने वाले समूहों के प्रमुखों से कम है।

जीएसटी रिटर्न में संशोधन कर सकेंगे कारोबारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: जीएसटी करदाताओं को अब मासिक या तिमाही कर भुगतान से पहले बिक्री रिटर्न फार्म जीएसटीआर-1 में संशोधन का विकल्प मिलेगा। जीएसटी परिषद की शनिवार को हुई बैठक में करदाताओं को जीएसटीआर-1 में विवरण संशोधित करने या अतिरिक्त विवरण जोड़ने की सुविधा के लिए फार्म जीएसटीआर-1ए के माध्यम से नई वैकल्पिक सुविधा देने की सिफारिश की थी। हालांकि, करदाताओं को उक्त कर अवधि के लिए जीएसटीआर-3बी में रिटर्न दाखिल करने से पहले जीएसटीआर-1ए दाखिल करना होगा।

वर्तमान में जीएसटी करदाता अगले महीने के 11वें दिन तक बिक्री रिटर्न फार्म जीएसटीआर-1 दाखिल करते हैं। वहीं, पांच करोड़ रुपये तक के वार्षिक कारोबार वाले करदाता तिमाही खत्म होने के 13 दिन पहले जीएसटीआर-1 दाखिल कर सकते हैं।

जून में 12,170 करोड़ हुआ एफपीआइ निवेश

- नीतिगत सुधारों के जारी रहने की उम्मीदों से विदेशी निवेशक एक बार फिर बने खरीदार
- इसी वर्ष मई में एफपीआइ ने इक्विटी बाजारों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली, प्रेट्र: इस महीने की शुरुआत में बड़ी बिकवाली करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआइ) घरेलू शेयर बाजारों में अब शुद्ध खरीदार बन गए हैं। नीतिगत सुधारों के जारी रहने और आर्थिक वृद्धि के बने रहने की उम्मीदों के बीच एफपीआइ घरेलू इक्विटी बाजारों में 21 जून तक 12,170 करोड़ रुपये का शुद्ध रूप से निवेश कर चुके हैं।

डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, चुनावी अनिश्चितता के चलते एफपीआइ ने मई में इक्विटी बाजारों से 25,586 करोड़ रुपये और अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इसके अलावा मारीशस के साथ कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बांड यील्ड में वृद्धि के कारण भी पिछले कुछ महीनों से एफपीआइ ने निकासी की थी। ताजा निवेश के साथ कैलेंडर वर्ष 2024 में एफपीआइ की इक्विटी से कुल निकासी घटकर 11,194 करोड़ रुपये रह गई है। मोजोपीएमएस के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील दमानिया का कहना है कि उच्च मूल्यांकन के कारण आने वाले समय में भी इक्विटी बाजारों में एफपीआइ का निवेश सीमित दायरे में रहेगा। 2024 में एफपीआइ मार्च को छोड़कर अब तक निकासी ही कर रहे हैं।

डेट बाजारों में 10 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू बांड बाजारों में लगातार खरीदार बने हुए हैं। एफपीआइ जून में अब तक 10,575 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। 2024 में बांड बाजार में एफपीआइ का निवेश 64,244 करोड़ रुपये हो गया है।

तीन कंपनियों का एमकैप बढ़ा

बीते सप्ताह बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से केवल तीन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.06 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 52,091 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। आइसीआइसीआइ बैंक में 36,118.99 करोड़ और इन्फोसिस के पूंजीकरण में 17,915.43 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।

राष्ट्रीय जागरण

उप्र भाजपा प्रवक्ता से अभद्रता, दारोगा निलंबित

जागरण संवाददाता, लखनऊ : वाहन चेकिंग के नाम पर उप्र भाजपा के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी से अभद्रता करने के आरोप में ट्रैफिक दारोगा आशुतोष त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया। दारोगा ने वाहन में हूटर और काली फिल्म के चेकिंग अभियान के नाम पर राकेश त्रिपाठी की गाड़ी रोकी थी। प्रवक्ता का आरोप है कि परिवार के साथ शनिवार शाम श्रीनगर से लौटे थे। एयरपोर्ट तिराहे पर 6:30 बजे यातायात पुलिस के दारोगा आशुतोष त्रिपाठी और तीन सिपाहियों ने उनकी कार रोकी। परिचय देने के बाद भी दारोगा ने अभद्र व्यवहार करते हुए वीडियो बनाया। इससे आहत होकर उन्होंने विरोध स्वरूप अपने वाहन से पार्टी का झंडा उतार दिया।

पीजी से जीएसटी हटाने के फैसले का स्वागत

नई दिल्ली, आइएएनएस : पूरे देश में छात्रों का समुदाय पेइंग गेस्ट (पीजी) में रहने पर जीएसटी माफ करने के मोदी सरकार के फैसले को लेकर उत्साहित है। उन्होंने इसके लिए पीएम मोदी के प्रति आभार जताया है। अकादमिक क्षेत्र के लोग और विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस फैसले से उच्च शिक्षा के लिए जेब पर पड़ने वाला बोझ कुछ कम होगा। इसके साथ ही उच्च शिक्षा सबकी पहुंच में लाने में मदद मिलेगी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के चांसलर व राज्यसभा सदस्य डा. अशोक कुमार मित्तल ने कहा कि इससे छात्रों और उनके परिवारों से बोझ कम होगा।

रोपवे से कनेक्ट होगा श्रीकृष्ण जन्मस्थान

जागरण संवाददाता, मथुरा : उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ठाकुर बांकेबिहारी, श्रीकृष्ण जन्मस्थान और द्वारकाधीश मंदिर के सफर को भी आसान करने जा रहा है। इसके लिए रोपवे सुविधा की योजना तैयार की जा रही है। रोपवे का प्लान तीन चरण में पूरा होगा। प्रथम चरण में छटीकरा मार्ग पर वैष्णो देवी मंदिर से शुरू होकर बांकेबिहारी जी मंदिर और दारुक पार्किंग तक रोपवे बनेगा। द्वितीय चरण में रामताल पार्किंग और वृंदावन बाइपास तक विस्तार किया जाएगा। तृतीय चरण में इसे मथुरा तक विस्तारित किया जाएगा।

अवैध लाइव स्ट्रीमिंग गैंग का पर्दाफाश, पाक से जुड़े तार

गुजरात पुलिस ने दो आरोपितों को किया गिरफ्तार, जांच जारी, पाकिस्तानी नागरिक अजहर अमीन से जुड़े थे सभी आरोपित

अहमदाबाद, प्रेट्र: सट्टेबाजी के लिए तैयार की गई डमी वेबसाइट पर टी-20 क्रिकेट विश्व कप के मैच का सीधा प्रसारण करने के आरोप में गुजरात पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इस अवैध स्ट्रीमिंग के तार पाकिस्तान और अन्य देशों से जुड़े हैं। गुजरात पुलिस ने रविवार को इस गैंग का पर्दाफाश किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद अपराध शाखा को कुछ वेबसाइटों के बारे में शिकायतें मिलीं कि वे इन मैचों का अवैध प्रसारण, पुनः प्रसारण, प्रसारण, डाउनलोड और स्ट्रीमिंग कर रही हैं। इससे स्ट्रीमिंग अधिकार रखने वाली स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को वित्तीय नुकसान हो रहा है। शिकायत मिलने के बाद शाखा ने जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल किए गए सर्वर को साइबर अपराध कर्मियों ने ट्रैक किया। इसके तहत हमने मेहसाणा जिले के उंझा निवासी दिव्यांशु पटेल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया 'हमने तीन कंप्यूटर सीपीयू, चार मानिटर, एक लैपटाप, एक आईपैड, छह राउटर, अंतरराष्ट्रीय डेबिट कार्ड और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

पुलिस की पूछताछ में दिव्यांशु पटेल ने बताया कि उसने वेब डोमेन एसएस247 डाट लाइफ खरीदा था। इस डोमेन का इस्तेमाल वह अपने सह आरोपित मुकेश पटेल की मदद से विभिन्न डमी वेबसाइटों पर क्रिकेट मैच अपलोड करने के लिए करता था। एक अन्य आरोपित शुभम पटेल, जो अब कनाडा में बस गया है, वह वीडियो की आगे की प्रक्रिया का ध्यान रखता था। दिव्यांशु, मुकेश और शुभव, तीनों अजहर अमीन नामक एक पाकिस्तानी नागरिक से खेलों की लाइव स्ट्रीमिंग प्राप्त करते थे। यही नहीं उन्होंने मैजिकविन 366डाट नेट जैसी वेबसाइटों पर भी स्ट्रीमिंग की। इनका उपयोग अवैध क्रिकेट सट्टेबाजी के लिए किया गया था। वेबसाइट से जुड़े बैंक खाते भी फर्जी थे। प्राइवेट बैंक कर्मचारी आकाश गोस्वामी द्वारा अहमदाबाद के विभिन्न निवासियों के नाम पर खोले गए थे। जांच के दौरान बैंक कर्मचारी आकाश को भी गिरफ्तार किया गया है।

सोनाक्षी के जीवन में इकबाल

सोनाक्षी सिन्हा ने रविवार को अपने आवास पर ब्वायफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ विशेष विवाह अधिनियम के अंतर्गत विवाह किया। इस मौके पर उनके पिता शत्रुघ्न और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे • प्रेट्र

मुंबई में रविवार को शादी के बाद अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा व उनके पति जहीर इकबाल • प्रेट्र

- माता-पिता और कुछ करीबियों की उपस्थिति में की सिविल मैरिज, रिसेप्शन पार्टी में उमड़ा सितारों का हुजूम
- तस्वीरें साझा कर सोनाक्षी ने अपने वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने की जानकारी की सार्वजनिक

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल की शादी रविवार को संपन्न हुई। दोनों ने मुंबई के बांद्रा क्षेत्र में स्थित सोनाक्षी के घर में अपने माता-पिता और कुछ करीबियों की उपस्थिति में सिविल मैरिज रजिस्टर की। सोनाक्षी ने जहीर के साथ शादी रजिस्टर करते वक्त की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर अपने वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने की जानकारी सार्वजनिक की।

इन तस्वीरों में सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा भी बेटी सोनाक्षी के हाथों में हाथ डाले प्रसन्न नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ सोनाक्षी ने लिखा, 'सात साल पहले आज ही के दिन (23 जून, 2017) एक दूसरे की आंखों में हमने प्यार को महसूस किया और उसे थामे रखने का फैसला किया। उस प्यार ने सभी चुनौतियों और जीत के दौरान हमारा मार्गदर्शन किया और आज हमें इस पल तक ले आया। हम दोनों ईश्वर के आशीर्वाद से अब पति और पत्नी हैं।' मुंबई में हो रही वर्षा के बीच रात में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के मुंबई स्थित रेस्त्रां बैस्टियन में रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया गया। इस पार्टी में सोनाक्षी और जहीर के करीबी दोस्तों में शामिल गायक और रैपर हनी सिंह, अभिनेता गुलशन देवैया, आयुष शर्मा, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, अदिति राव हैदरी, रवीना टंडन, काजोल, रेखा, सायरा बानो, विद्या बालन, अभिनेता अनिल कपूर, चंकी पांडे और अरबाज खान, फिल्म डायरेक्टर संजय लीला भंसाली, प्रोड्यूसर आनंद एल राय समेत सिनेमा जगत से जुड़ी कई हस्तियां पहुंचीं। शादी के बाद रिसेप्शन में सोनाक्षी लाल रंग की साड़ी में जहीर के साथ नजर आईं। उन्होंने सिंदूर भी लगा रखा था।

गौरतलब है कि सोनाक्षी और जहीर दोनों अलग-अलग धर्म से हैं। ऐसे में जहीर के पिता इकबाल रतनसी ने शनिवार को ही स्पष्ट कर दिया था कि शादी के बाद सोनाक्षी धर्म परिवर्तन नहीं करेंगी। दोनों 2022 में प्रदर्शित फिल्म डबल एक्सएल में साथ काम भी कर चुके हैं।

आइपीएस की पत्नी की कंपनी को दी गई थी रिश्वत

मुंबई होर्डिंग हादसा

मुंबई, प्रेट्र: भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मुंबई होर्डिंग हादसा मामले में नया दावा कर हड़कंप मचा दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्डिंग लगाने वाली कंपनी के निदेशक भावेश भिंडे ने तत्कालीन राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) आयुक्त की पत्नी की कंपनी को 46 लाख रुपये की रिश्वत दी थी। आयुक्त ने ही उस होर्डिंग को लगाने की अनुमति दी थी।

सोमैया ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर यह भी दावा किया है कि भावेश भिंडे के नेतृत्व वाली इगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के घाटकोपर और दादर इलाकों में दो दर्जन अवैध होर्डिंग लगाने के लिए विभिन्न रेलवे पुलिस और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों को पांच करोड़ रुपये दिए थे। पूर्व भाजपा सांसद ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर उनसे तत्कालीन राजकीय पुलिस आयुक्त कैसर खालिद को 'घाटकोपर होर्डिंग घोटाले' के लिए निलंबित करने का अनुरोध किया था। होर्डिंग हादसा मामले की जांच के लिए एक विशेष दल गठित किया गया है। इसमें अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जागरण विशेष

आतंकग्रस्त रहे दक्षिणी कश्मीर में अब लहसुन से बह रही समृद्धि की बयार

कुलगाम जिला अब लहसुन की क्रांति के लिए हो रहा प्रसिद्ध, प्रशासन एक जिला एक उत्पाद के रूप में कर रहा प्रोत्साहित, पिछले वर्ष हुई सात करोड़ की आमदनी

नवीन नवाज • जागरण

श्रीनगर: एक समय था जब कश्मीर सिर्फ दो बातों के लिए जाना जाता था। एक आतंकवाद और दूसरा वहां उत्पादित होने वाला विश्व विख्यात उच्च कोटि का केसर। मगर अब कश्मीर बदल गया है, क्योंकि कभी आतंक का गढ़ रहा दक्षिण कश्मीर का कुलगाम जिला आजकल लहसुन की खेती को लेकर चर्चा में है। पिछले वर्ष कुलगाम से 10 क्विंटल लहसुन दिल्ली पहुंचा था। ऐसे में प्रदेश प्रशासन ने भी इसे एक जिला एक उत्पाद के तौर पर प्रोत्साहित करना शुरू कर दिया है। क्योंकि कुलगाम में पैदा होने वाला सुनहरे छिलके वाला लहसुन अब स्थानीय किसानों को समृद्ध कर रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में ही कुलगाम के किसानों को सात करोड़ रुपये अधिक की आमदनी लहसुन से हुई है। इससे स्थानीय किसानों में इसकी खेती को लेकर रुझान बढ़ने लगा है।

कुलगाम की आबोहवा लहसुन की खेती के लिए अनुकूल मानी जाती है और इसी कारण यहां इसका उत्पादन खूब होता था। मगर आतंकवाद के चलते बाजार तक पर्याप्त पहुंच न होने के कारण किसानों को इसका सही दाम नहीं मिलता था, जिसके कारण किसानों ने इसकी खेती से मुंह मोड़ लिया था। कृषि अधिकारी सरताज अहमद शाह ने कहा कि कुलगाम का लहसुन गुणवत्ता में दुनिया के अन्य भागों में पैदा होने वाली लहसुन की किस्म में सबसे बेहतर कहा जाएगा। लहसुन की स्थानीय किस्म का छिलका या भूसी हल्की सुनहरी या भूरे रंग की होती है। यह कम अम्लीय होता है। इसका बल्ब भी आकार में अन्य किस्मों के लहसुन से बेहतर होता है। यह देर से तैयार होता है। खास बात यह कि इस लहसुन को ज्यादा समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। यहां चीनी लहसुन भी उगाया जा रहा है, वह जल्दी तैयार होता है।

कुलगाम के लहसुन के बिना कश्मीरी मसाले अधूरे: किसान शब्बीर अहमद बाबा ने कहा कि कुलगाम के लहसुन की पूरे कश्मीर में बहुत मांग रहती है। कश्मीरी मसालों में जब तक कुलगाम का लहसुन न हो, मसालों को अधूरा माना जाता है। मगर इसके देरी से तैयार होने के कारण भी कई किसानों ने इसकी खेती बंद कर दी थी। इसके अलावा बाहर से आने वाले लहसुन से भी स्थानीय बाजार पर असर हुआ। मगर बीते कुछ वर्षों में जब आर्गेनिक उत्पादों की मांग बढ़ी तो कुलगाम के लहसुन की मांग भी बढ़ने लगी। एक जिला एक उत्पाद की योजना में भी इसे शामिल किया गया और बीते पांच वर्षों में ही इसकी खेती का दायरा बढ़ गया है।

तीन वर्षों में दोगुना होगा उत्पादन

फिलहाल कुलगाम में 166 हेक्टेयर में लहसुन की खेती हो रही है। वर्ष 2023-24 में 1826 टन उत्पादन हुआ। इससे कुलगाम को 7.30 करोड़ रुपये का राजस्व हुआ। वर्ष 2022-23 में 124 हेक्टेयर में 1364 टन लहसुन पैदा हुआ था। कृषि निदेशक चौधरी मोहम्मद इकबाल ने बताया कि हम कुलगाम के साथ सटे अन्य इलाकों में भी इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहे हैं। कुलगाम में इसकी खेती का दायरा अगले तीन वर्ष में दोगुना होने की पूरी उम्मीद है।

दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले में स्थित एक मंडी में रखे लहसुन से भरे बोरे और वहां खड़े व्यापारी और किसान • जागरण

हम लहसुन की खेती के साथ किसानों को इससे विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें खादी ग्रामोद्योग विभाग, सहकारिता विभाग व अन्य विभागों से ऋण भी दिलाने का प्रयास करते हैं। कुलगाम के लहसुन की आर्गेनिक वैल्यू अन्य जगहों में पैदा होने वाले लहसुन से ज्यादा है। इसके औषधीय प्रभाव, इसका स्वाद और इसकी सुगंध भी अन्य से बेहतर हैं।
चौधरी मोहम्मद इकबाल, कृषि निदेशक

ये हैं खासियात

- गुणवत्ता में अन्य लहसुन से कहीं बेहतर, छिलका या भूसी हल्की सुनहरी या भूरे रंग की
- तैयार होने में समय लेता है, लेकिन ज्यादा समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है
- इसका बल्ब भी आकार में अन्य किस्मों के लहसुन से बेहतर

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

****

राजनीतिक नवजीवन के उल्लास में चुनौतियों को ढकने से कांग्रेस को बचना होगा

संजय मिश्र
सहायक संपादक, दैनिक जागरण

- लोकसभा चुनाव के नतीजे ने पार्टी को उसकी खोई हुई मनोवैज्ञानिक ताकत वापस दिलाई है
- भाजपा को हराने के लिए जरूरी है कि कांग्रेस सामाजिक और वैचारिक आधार का विस्तार करे

चुनावी चिंतन

चुनाव चिंतन सीरीज में अब तक आपने उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में मतदाताओं के वोट देने के मूड-मिजाज को जाना समझा। अब हम ऐसी पार्टियों की खूबियों-खामियों का विश्लेषण कर रहे हैं जिन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में अप्रत्याशित सफलता अर्जित की। आज बारी है देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की।

चुनाव से पहले कांग्रेस बीते एक दशक से लगातार जिन चुनौतियों से रूबरू हो रही थी, उसे देखते हुए लोकसभा में लगभग सौ सीटों का आंकड़ा राजनीतिक नवजीवन जैसा है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें हासिल की हैं। पिछली लोकसभा में उसके पास सिर्फ 52 सीटें थीं। इसमें संदेह नहीं कि इस नतीजे ने पार्टी को मैदान में मुकाबला करने की उसकी खोई हुई मनोवैज्ञानिक ताकत वापस दिलाई है। यहां से अब वह राजनीतिक सत्ता के रोडमैप को नया तेवर दे सकती है। मगर इस लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए जरूरी है कि कांग्रेस उत्साह में संगठन के ढांचे में सभी स्तरों पर कमियों, पार्टी में जवाबदेही, हिंदी भाषी राज्यों में नए नेतृत्व के सामने नहीं आने के संकट, कार्यकर्ताओं से संवाद की दूरियां, नए सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में वोटरों के नए वर्ग को जोड़ने जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों की अनदेखी न करे।

देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरने के बाद जनादेश 2024 की पार्टी अपने हिसाब से सियासी व्याख्या चाहे जिस तरह करे मगर फिलहाल वास्तविकता यही है कि लोकसभा में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभानी है। इस भूमिका के निर्वाह में पार्टी के पास आइएनडीआइए के सभी घटक दलों का 234 का संख्या बल शामिल है। मगर कांग्रेस को यहां इस बात को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है कि सहयोगी दलों की साझी ताकत और पार्टी की जमीनी राजनीति से जुड़ी चुनौतियों में फर्क है।

विपक्षी खेमे की सदन में एकजुटता के सहारे पार्टी बेशक राजग सरकार को मजबूत चुनौती पेश करते हुए दो कदम पीछे हटने को बाध्य कर सकती है। लेकिन जब बात पार्टियों के आपसी राजनीतिक हित की आएगी तो हर दल अपनी जमीन बचाने को सर्वोपरि रखेगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, झारखंड और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की चुनौती से इस वास्तविकता का हमेशा सामना करना पड़ेगा।

कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष बनाकर 2022 में शीर्षस्थ नेतृत्व के गतिरोध का समाधान तो निकाल लिया था, लेकिन हकीकत यह भी है कि राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक ढांचे में पैनापन का अभाव है। पार्टी महासचिवों की जवाबदेही का न कोई तंत्र है और न कसौटी। राज्यों में खराब चुनावी प्रदर्शन की बात हो तो छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश में महासचिवों का उत्तरदायित्व तय नहीं होता। हरियाणा हो या दिल्ली, आपसी टकराव के ताजा उदाहरणों से साफ है कि राज्यों के संगठनात्मक मसले और गुटबाजी का हल निकालने में नाकाम रहने पर भी पार्टी महासचिवों या प्रभारियों की जवाबदेही तय नहीं होती।

कार्यकर्ताओं में फिलहाल जोश है और इसका राजनीतिक विस्तार में फायदा उठाने के लिए जरूरी है कि शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी संवाद की कमी को पार्टी दूर करे। राहुल गांधी यात्राओं और सभाओं के दौरान कार्यकर्ताओं से रूबरू तो होते हैं मगर दिल्ली में हाईकमान के दरवाजे को भेदना आम कांग्रेसियों के लिए आसान नहीं होता। मल्लिकार्जुन खरगे ने अध्यक्ष पद संभालने के बाद कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद का सिलसिला शुरू किया था, मगर इसे अब सांकेतिक रखने की जगह संस्थागत बनाए जाने की जरूरत है।

कांग्रेस इस चुनाव में युवाओं, किसानों, ओबीसी, एससी-एसटी के साथ उनके मुद्दों के सहारे जुड़ने की गंभीर कोशिश करती दिखी। लेकिन पार्टी का यह जुड़ाव चुनाव के लिहाज से तात्कालिक नजर आया। पार्टी अपने राजनीतिक वैचारिक आधार को बढ़ाने की किसी दीर्घकालिक रणनीति का अब तक कोई संकेत नहीं दे रही है।

आरएसएस जैसे बड़े संगठन से जुड़ी कैडर आधारित पार्टी भाजपा को परास्त करने के लिए कांग्रेस को भी जरूरत है कि वह अपने सामाजिक और वैचारिक आधार का विस्तार करते हुए इसे मजबूती दे। शहरी मध्यम वर्ग मतदाताओं का बहुत बड़ा वर्ग है, जो राजनीतिक नैरेटिव निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस शहरी मध्यमवर्ग के बीच पार्टी का आधार अब भी कमजोर है। कांग्रेस इस पहलू पर भी विचार करे कि कि जातीय जनगणना जैसे मुद्दे की राजनीतिक सीमा रेखा क्या होनी चाहिए।

जातीय जनगणना ने करीब साढ़े तीन दशक बाद एक बार फिर मंडल दौर की सियासत के विमर्श को तेज किया है तो इसकी प्रासंगिकता को परखने की जरूरत है। पिछली सदी के आखिरी दशक में उत्तर प्रदेश तथा बिहार जैसे बड़े राज्यों में मंडल राजनीति के उभार ने कांग्रेस के नीचे जाने की पटकथा तैयार की थी। मंडल दौर में उभरी क्षेत्रीय पार्टियों के वर्चस्व का ही नतीजा है कि हिंदी प्रदेशों में कांग्रेस का आधार कमजोर हुआ।

राष्ट्रीय सत्ता का लक्ष्य हासिल करने के लिहाज से कांग्रेस के लिए अहम यह भी है कि वह राज्यों के संगठनात्मक ढांचे पर ध्यान दे। लोकसभा चुनाव परिणामों की आड़ में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड जैसे हिंदी भाषी राज्य ही नहीं गुजरात, ओडिशा, बंगाल और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस का कमजोर संगठन पार्टी के बड़े लक्ष्य की राह में बड़ी चुनौती है। इन राज्यों में बड़ी समस्या यह है कि नया नेतृत्व सामने नहीं आ रहा है। बदलते परिवेश में जनता से पार्टी को जोड़ने में राज्य नेतृत्व की अहम भूमिका है। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी को आगे कर सत्ता हासिल करने वाली कांग्रेस इससे परिचित है। लेकिन बिहार-उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में इस दिशा में पार्टी कोई प्रयोग नहीं कर रही है।

राजनीति में योग्यता से ज्यादा वफादारी की अहमियत रही है और कांग्रेस में इसका प्रचलन ज्यादा ही रहा है। मगर ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह, सुष्मिता देव, मिलिंद देवड़ा, अशोक तंवर जैसे चेहरों के राजनीतिक निष्ठा बदलने को देखते हुए पार्टी को इस पर गौर करना चाहिए कि वफादारी की जगह जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे लाने का प्रयोग उसकी सियासी सूरत बेहतर बनाएगा।

एक नजर में

वायनाड के लोगों के प्यार ने मेरी रक्षा की : राहुल गांधी

वायनाड : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को वायनाड के लोगों को एक भावुक पत्र लिखा। उन्होंने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र को छोड़कर लोकसभा में रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें रोजाना दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता था, तो वायनाड के लोगों के बिना शर्त प्यार ने मेरी रक्षा की। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। (प्रेट्र)

राहुल गांधी

राजस्थान के विधायक को धमकी देने वाला गिरफ्तार

अहमदाबाद : राजस्थान के विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी वाले पोस्ट करने के आरोपित को अहमदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी अपराध शाखा के अधिकारियों ने राजस्थान के बालोतरा जिले से की। आरोपित का नाम किशनलाल जाट है। आरोपित के पास से एक पिस्टल और नौ कारतूस भी बरामद किए गए हैं। आरोपित ने विधायक को निशाना बनाने के लिए पिस्टल एमपी से खरीदा था। (प्रेट्र)

'बांग्लादेश से गंगा जल संधि पर बंगाल से राय नहीं ली'

नई दिल्ली : बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि उसने 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए बांग्लादेश के साथ बातचीत शुरू करने का निर्णय लेने से पहले राज्य से राय नहीं ली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के बीच संधि सहित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत के एक दिन बाद तृणमूल की यह टिप्पणी आई। राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि राज्य संधि का एक पक्ष है, लेकिन उससे राय नहीं ली गई। (प्रेट्र)

कोझिकोड भारत का पहला 'सिटी आफ लिटरेचर' घोषित

कोझिकोड : समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए मशहूर केरल के कोझिकोड को यूनेस्को ने रविवार को भारत का पहला 'सिटी आफ लिटरेचर' घोषित किया। अक्टूबर 2023 में कोझिकोड ने यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) की 'साहित्य' श्रेणी में स्थान बनाया था। राज्य के मंत्री एमबी राजेश ने कोझिकोड की उपलब्धि की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि कोझिकोड ने कोलकाता जैसे शहरों को पछाड़कर ये उपाधि हासिल की है। कोझिकोड में 500 से अधिक पुस्तकालय हैं। (प्रेट्र)

पूर्वोत्तर में बाढ़ के नियंत्रण के लिए बड़े तालाब बनाएं : शाह

गृह मंत्री ने इसरो से उपलब्ध उपग्रह चित्रों के प्रयोग पर जोर दिया

गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक में देश में बाढ़ प्रबंधन के लिए समग्र तैयारियों की समीक्षा की। गृह सचिव अजय भल्ला भी उपस्थित रहे • एएनआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बाढ़ से निपटने और कृषि, सिंचाई और पर्यटन को विकसित करने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ने की खातिर पूर्वोत्तर में कम-से-कम 50 बड़े तालाब बनाए जाने चाहिए। शाह ने मानसून के दौरान बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए बाढ़ और जल प्रबंधन के लिए इसरो द्वारा उपलब्ध कराए गए उपग्रह चित्रों के अधिकतम इस्तेमाल पर भी जोर दिया।

शाह ने कहा कि बाढ़ के बेहतर प्रबंधन के लिए नदियों के जलस्तर की पूर्वानुमान प्रणाली को उन्नत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में कम से कम 50 बड़े तालाब बनाए जाने चाहिए, ताकि ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़कर इन तालाबों में संग्रहीत किया जा सके। इससे उन क्षेत्रों में कम लागत पर कृषि, सिंचाई और पर्यटन को विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे बाढ़ से निपटने में भी मदद मिलेगी, जिससे अंततः स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

ब्रह्मपुत्र नदी में बार-बार आने वाली बाढ़ असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक बड़ी समस्या है, क्योंकि इससे हर साल कई लोगों की जान जाती है। गृह मंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण के डिजाइन में प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली को शामिल किया जाना चाहिए। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आपदा प्रबंधन 'शून्य हताहत दृष्टिकोण' के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभागों को सिक्किम और मणिपुर में हाल ही में आई बाढ़ का विस्तृत अध्ययन करने और गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्रीय जल आयोग का बाढ़ निगरानी केंद्र जरूरतों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। शाह ने विभिन्न विभागों द्वारा विकसित मौसम, वर्षा और बाढ़ चेतावनी संबंधी एप को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने देश में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए एक व्यापक और दूरगामी नीति तैयार करने के दीर्घकालिक उपायों की भी समीक्षा की। बैठक के दौरान गृह मंत्री ने पिछले वर्ष की बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की। एजेंसियों द्वारा अपनाई नई तकनीकों और बाढ़ प्रबंधन के लिए उनके नेटवर्क के विस्तार पर भी चर्चा की गई। शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बाढ़ प्रबंधन को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी परामर्शों को समय पर लागू करने की अपील की।

आकाश 47 दिन में 'परिपक्व', फिर बने उत्तराधिकारी

- बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव के दौरान नेशनल को-आर्डिनेटर पद से हटाने के बाद फिर दी जिम्मेदारी
- राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में सुनाया निर्णय, संगठन में बड़े बदलाव के संकेत

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : लोकसभा चुनाव के दौरान आक्रामक भाषण देने के बाद उठे विवाद पर भतीजे आकाश आनंद को अपरिपक्व बताकर अपने उत्तराधिकारी और नेशनल को-आर्डिनेटर पद से हटाने वाली बसपा प्रमुख मायावती ने 47 दिन में ही उन्हें 'परिपक्व' मान लिया है। रविवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में उन्होंने आकाश को पुनः उत्तराधिकारी घोषित करते हुए नेशनल को-आर्डिनेटर पद की फिर से जिम्मेदारी देने की घोषणा की। आकाश का कद भी बढ़ाया गया है। उन्हें उप्र और उत्तराखंड की जिम्मेदारी भी दी गई है।

मायावती ने आकाश को गत 10 दिसंबर को उत्तराधिकारी घोषित किया था। 28 अप्रैल को सीतापुर में आकाश ने आक्रामक अंदाज में भाषण दिया था, जिस पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। सात मई को मायावती ने उन्हें उत्तराधिकारी के साथ नेशनल को-आर्डिनेटर पद से भी हटा दिया था। रविवार को आकाश पिता बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार और महासचिव सतीश चंद्र मिश्र के साथ बैठक में शामिल होने मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने बुआ मायावती से आशीर्वाद लिया। मायावती ने कहा कि आकाश उनके उत्तराधिकारी के रूप में पार्टी को मजबूत करेंगे। बैठक में यह भी तय किया गया कि राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ पार्टी उपचुनाव भी लड़ेगी। यह निर्णय भी हुआ कि पार्टी के सदस्यता शुल्क को 200 से 50 रुपये किया जाए।

चंद दिनों बाद ही बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपना फैसला पलटते हुए रविवार को लखनऊ में भतीजे आकाश आनंद को आशीर्वाद देकर राष्ट्रीय संयोजक का दायित्व सौंप दिया • प्रेट्र

चुनाव में इसलिए हुआ बसपा को नुकसान

बैठक में केंद्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों, राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की भी समीक्षा की गई। इसमें कहा गया कि विपक्षी दलों ने संविधान बचाओ जैसे मुद्दों को लेकर गलत प्रचार कर लोगों को गुमराह किया है। इससे बसपा को नुकसान हुआ है। बैठक में इस बात के भी संकेत दिए गए कि जल्द ही संगठन में राज्य व जिला तथा बूथ स्तर पर बदलाव किया जाएगा। मायावती ने कहा कि पार्टी का जनाधार बढ़ाना है।

मायावती को आकाश से ही 'चमत्कार' की उम्मीद

अजय जायसवाल • जागरण

लखनऊ : ढलती उम्र के साथ ही पार्टी के खिसकते जनाधार को देखते हुए बसपा प्रमुख मायावती को अब युवा भतीजे आकाश आनंद से ही 'चमत्कार' की बड़ी उम्मीदें हैं। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में दो दशक पुराने '2007' के नतीजे दोहराने के लिए मायावती ने आकाश पर बड़ा दांव लगाया है। 2006 में कांशीराम के न रहने बाद 2007 के विस चुनाव में जिस बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोट और 206 विधायकों के साथ पहली बार राज्य में बहुमत की सरकार बनाई थी उसका इस समय न लोकसभा और न ही राज्यसभा में कोई सदस्य है।

विस में भी सिर्फ एक सदस्य है जबकि विधान परिषद में कोई सदस्य नहीं है। पार्टी के तेजी से खिसकते जनाधार का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 18वीं लोकसभा के चुनाव में इसको सिर्फ 9.39 प्रतिशत वोट हासिल हुए।

एक बात साफ है कि वंचित समाज में भी अब 'बहन जी' का पहले जैसा जादू नहीं रहा। इसका बड़ा कारण यह माना जाता है कि मायावती अब इंटरनेट मीडिया पर ही ज्यादा सक्रिय दिखाई देती है। जबकि दूसरी पार्टियों के नेता फील्ड में दिखाई देते हैं।

आइएनडीआइए से लोस चुनाव में पार्टी की करारी हार और सांसद बनने के बाद आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए मायावती ने मात्र 47 दिनों में ही आकाश को परिपक्व नेता के तौर पर उभरता मानकर उप्र और उत्तराखंड का दायित्व सौंप दिया है।

वित्त मंत्री ने किया पौधारोपण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। यह विश्व पर्यावरण दिवस का हिस्सा है • एएनआइ

प्रज्वल का भाई सूरज रेवन्ना कुकर्म के आरोप में गिरफ्तार

- 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया सूरज
- सीआइडी को सौंपी गई इस मामले की जांच

हासन, प्रेट्र : पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बड़े भाई और जदएस के विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना को कुकर्म के आरोप में रविवार को हासन से गिरफ्तार कर लिया गया। पार्टी कार्यकर्ता के साथ कुकर्म करने के आरोप में सूरज के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी से पहले सूरज से सीईएन पुलिस थाने में शनिवार रातभर पूछताछ की गई।

गिरफ्तारी के बाद सूरज को हासन से बेंगलुरु लाकर 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट (एसीएमएम) के जज के समक्ष पेश किया गया। जज ने उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस बीच मामले को जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआइडी) को सौंप दिया गया है। एएनआइ के अनुसार सूरज के वकील निखिल कामत ने कहा कि मामले में सुनवाई की अगली तारीख छह जुलाई है। सीआइडी सूरज की हिरासत की मांग के लिए सोमवार को अदालत का दरवाजा खटखटा सकती है। चेतन केएस नाम के युवक ने शिकायत की थी कि होलेनरसीपुरा के विधायक एचडी रेवन्ना के बड़े बेटे सूरज ने 16 जून की शाम होलेनरसीपुरा के अपने फार्महाउस में उसके साथ कुकर्म किया। हालांकि सूरज ने कहा कि चेतन ने उनसे पांच करोड़ रुपये वसूलने के लिए झूठी शिकायत दर्ज कराई है।

सूरज का पुलिस ने कर्नाटक हासन में मेडिकल चेकअप कराया (स्क्रीन शाट) • प्रेट्र

राजस्थान में उपचुनाव पर आइएनडीआइए में दिखने लगी दरार

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान में पांच विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उप चुनाव में प्रत्याशी उतारने को लेकर आइएनडीआइए में अभी से दरार नजर आने लगी है। गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और भारत आदिवासी पार्टी स्वतंत्र रूप से प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रही हैं। आरएलपी अध्यक्ष और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बिना गठबंधन तीन सीटें जीती थीं। उप चुनाव में दो सीटें आरएलपी को मिलेंगी तो ही गठबंधन रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को हराने के लिए हमने गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा था। अब गठबंधन की जरूरत नहीं है। उधर, डूंगरपुर-बांसवाड़ा लोस सीट से चुनाव जीतने वाले भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत ने भी स्वतंत्र रूप से उप चुनाव लड़ने की बात कही है। रोत की सीएम भजनलाल शर्मा व कृषि मंत्री मीणा से मुलाकात के बाद कांग्रेस से दूरी बढ़ने के कयास हैं।

नंदीग्राम सहकारी समिति चुनाव में भाजपा ने 12 में से 11 सीटें जीतीं

- भाजपा ने सभी 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, सत्तारूढ़ तृणमूल पार्टी की भारी हार हुई
- पुलिस ने जश्न मना रहे दो भाजपा कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल के नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निर्वाचन क्षेत्र नंदीग्राम में लोकसभा चुनाव के बाद सहकारी चुनावों में भाजपा का दबदबा कायम रहा है। सत्तारूढ़ तृणमूल पार्टी की भारी हार हुई है।

नंदीग्राम एक ब्लाक के हरिपुर में प्रियानगरी समवाय कृषि उन्नयन समिति लिमिटेड की प्रबंधन समिति के चुनाव में भाजपा ने 12 में से 11 सीटें जीतीं। यह सहकारी समिति 1963 में बनाई गई थी। सहकारिता में कुल मतदाताओं की संख्या 660 है। भाजपा ने सभी 12 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। तृणमूल ने 10 और वामो ने तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हुआ।

परिणाम के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जीत के जश्न में हिस्सा लिया। इसी बीच भाजपा के दो कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसे लेकर पुलिस की भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों से झड़प हो गई। भाजपा ने दावा किया कि पुलिस ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं को क्यों गिरफ्तार किया गया।

पिछले लोकसभा चुनाव में तमलुक निर्वाचन क्षेत्र के तहत नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा तृणमूल से आगे थी। वोटों का अंतर करीब नौ हजार था। 12 में से 11 सीटें जीतने से भाजपा समर्थकों में खुशी की लहर है।

'शेख अब्दुल्ला भेदभावपूर्ण फैसलों से जम्मू व लद्दाख के नेता नहीं बन सके'

कर्ण सिंह

जम्मू, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व सदर-ए-रियासत रहे डा. कर्ण सिंह ने कहा कि नेशनल कान्फ्रेंस के संस्थापक एवं उमर अब्दुल्ला के दादा शेख मोहम्मद अब्दुल्ला एक बड़े नेता थे, लेकिन अपने भेदभावपूर्ण फैसलों के कारण वह जम्मू और लद्दाख के नेता नहीं बन पाए। कश्मीर के लोग ऐसा नेता फिर नहीं देखेंगे। शेख ने कई भेदभावपूर्ण और कट्टर फैसले लिए, जिसमें भूमि सुधार का फैसला भी शामिल था। वह कश्मीरी नेता थे, लेकिन खुद को जम्मू या लद्दाख के नेता के रूप में बदल नहीं पाए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और जल्द विधानसभा चुनाव करवाने के लिए भी कहा। एक साक्षात्कार में कहा कि नेशनल कान्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बारामुला लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर गलती की।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से 56 मौतें हैं 'प्रायोजित हत्या' : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : तमिलनाडु के कल्लाकुरची में जहरीली शराब से हुई 56 लोगों की मृत्यु को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद डा. संबित पात्रा ने प्रायोजित हत्या करार देते हुए राज्य में सत्तासीन द्रमुक पर मिलीभगत का संदेह जताया है। 32 से अधिक दलितों की मृत्यु का उल्लेख कर पूछा है कि इस घटना पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेता चुप क्यों हैं? पात्रा ने तंज कसा- 'आशा है कि सोमवार को संसद सत्र के पहले दिन आइएनडीआइए के नेता काली पट्टी बांधकर महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने पश्चाताप करेंगे।' वहीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मामले की सीबीआइ जांच कराने की मांग की।

बिहार में एक और निर्माणाधीन पुल हुआ ध्वस्त

जागरण संवाददाता, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) : बिहार में पुल ध्वस्त होने का सिलसिला जारी है। पांच दिन पूर्व अररिया जिले में बकरा नदी पर बना पुल ध्वस्त हो गया था। इसके बाद शनिवार को सिवान में भी यही घटना हुई। अब शनिवार देर रात पूर्वी चंपारण जिले में निर्माणाधीन पुल के एक हिस्से की छत ध्वस्त हो गई। घटना के पीछे असामाजिक तत्वों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता से पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट मांगी गई है।

इस पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग ढाका के जिम्मे है। घोड़ासहन से कुंडवाचैनपुर सड़क पर अमवा गांव के पास स्थित इस पुल को बनाने का ठेका धीरेंद्र कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। 17.95 मीटर लंबे पुल के निर्माण पर एक करोड़ 59 लाख 21 हजार 602 रुपये खर्च किए जा रहे हैं। निर्माण कार्य एक मार्च 2024 को शुरू हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार शाम पुल की ढलाई हो रही थी। बाइक सवार एक युवक का निर्माण में लगे मजदूरों से विवाद हो गया। युवक ने पुल ध्वस्त करने की धमकी दी थी। आरोप है कि शनिवार देर रात छह से अधिक बाइक सवार युवक पुल के पास पहुंचे और घटना को अंजाम दिया। ढाका के विधायक पवन जायसवाल ने कहा कि ये सरकार को बदनाम करने के लिए किया गया है। धीरेंद्र कंस्ट्रक्शन के मैनेजर अमित ने प्राथमिकी कराई है।

बिहार के मोतीहारी जिले में गिरा निर्माणाधीन पुल • प्रेट्र

तेजस्वी का तंज- पुल गिरे, भ्रष्टाचार के गुल खिले

बिहार में पुल-पुलिया गिरने की बढ़ती घटनाओं पर पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा कि डबल इंजन की सरकार में पुल गिरे, भ्रष्टाचार के गुल खिले। 18 वर्षों के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बेचारे दो-दो उप मुख्यमंत्री तो इन सबके बारे में जानते ही नहीं हैं। डबल इंजनधारी लोग कह देंगे कि पुल खुदकशी कर रहे हैं या चूहे पुल कुतर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी कहेंगे, भाइयों-बहनों, चुपचाप पुल गिरते हुए देखो नहीं तो कथित जंगलराज आ जाएगा। कहा, सीएम कहेंगे कि उन लोगों ने यह सब किया है। ये लोग नदी और पानी के साथ मिलकर गड़बड़ करते रहते हैं। हम सबकी जांच कराएंगे।

खोदाई में मिली भगवान विष्णु की प्रतिमा

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के सिंदखेड़ राजा शहर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की नागपुर क्षेत्र की सर्वेक्षण टीम को खोदाई में शेषशायी भगवान विष्णु की प्राचीन प्रतिमा मिली है। इसकी लंबाई 1.70 मीटर है और यह क्लोराइट शिस्ट चट्टान से बनी है। आमतौर पर ऐसी प्रतिमाएं दक्षिण भारत में बनाई जाती थीं। आइकनोग्राफी विशेषज्ञ सैली पलांडे-दातार के अनुसार, क्लोराइट शिस्ट चट्टान स्थानीय बेसाल्ट चट्टान की तुलना में काफी नरम मानी जाती है • प्रेट्र

****

कंगारुओं से अफगानिस्तान ने लिया बदला, अब भारत की बारी

रोहित सेना की जीत से बाहर हो सकता है आस्ट्रेलिया

अभिषेक त्रिपाठी
सेंट लूसिया

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम सोमवार को जब टी-20 विश्व कप सुपर-8 के अंतिम मुकाबले में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध उतरेगी तो उसके जहन में 19 नवंबर 2023 की हार की टीस ताजा होगी। इसी दिन अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर छठी बार वनडे विश्व कप ट्राफी जीती थी। अफगानिस्तान से मिली अप्रत्याशित हार के बाद अब आस्ट्रेलिया के लिए सेमीफाइनल की राह बहुत मुश्किल हो गई है। अगर रोहित की सेना यहां जीत दर्ज कर लेती है तो आस्ट्रेलिया टी-20 विश्व कप से बाहर हो जाएगी। अफगानिस्तान ने तो वनडे विश्व कप ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया से मिली हार का हिसाब चुकता कर लिया और अब भारतीय टीम की बारी है कंगारुओं से हार का हिसाब बराबर करने की।

'अजेय' है भारत : इस टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम अब तक कोई मुकाबला नहीं हारी है। ग्रुप चरण में पाकिस्तान, आयरलैंड और अमेरिका को हराने के बाद सुपर-8 में उसने अफगानिस्तान और बांग्लादेश को हराया है। अफगानिस्तान के विरुद्ध भारतीय बल्लेबाज पूरे रंग में दिखे, हालांकि अच्छी शुरुआत के बाद वह बड़ी पारी नहीं खेल पाए। विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों ने रन बनाए, जबकि शिवम दुबे ने भी अहम पारी खेलकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। तीसरे नंबर पर उतरे रिषभ पंत रिवर्स हिट लगाने के चक्कर में अक्सर विकेट गंवा रहे हैं और उन्हें इस कमी से पार पाना होगा। इस टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे सकारात्मक बात हार्दिक पांड्या का आलराउंड प्रदर्शन रही है जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से दम दिखाया है। कुलदीप यादव की फिरकी भी कैरेबियाई पिचों पर असरदार साबित हो रही है। तीन सुपर आठ मैच एक-एक दिन के अंतर पर खेलने की दशा में टीम प्रबंधन खिलाड़ियों को रोटेट कर सकता था लेकिन इसकी संभावना नहीं दिख रही। शनिवार की रात यहां पहुंची भारतीय टीम ने अभ्यास नहीं किया। डेरेन सैमी स्टेडियम पर यह दूसरा दिन का मैच होगा। दिन रात के मैचों में बड़े स्कोर बने हैं, लेकिन पिछले मैच में इंग्लैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 164 रन के लक्ष्य पीछा नहीं कर सकी थी।

आस्ट्रेलिया के लिए मुश्किल : आस्ट्रेलिया के लिए भारत के विरुद्ध सुपर-8 मुकाबला इतना आसान नहीं होने वाला है। आस्ट्रेलियाई टीम ने अफगानिस्तान से रात के समय में मैच खेला है और अब उसे चार्टर फ्लाइट से सेंट लूसिया पहुंचना होगा। यहां से करीब डेढ़ घंटे का सफर कर होटल पहुंचेगी और उसे आराम करने के लिए काफी कम समय मिलेगा। फिर उसे सुबह का मैच खेलने के लिए खिलाड़ियों को जल्द उठना होगा। आस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान के विरुद्ध बल्लेबाजी के 'फ्लाप शो' के बाद काफी सुधार करना होगा। इस मुकाबले में आस्ट्रेलिया का क्षेत्ररक्षण में लचर प्रदर्शन भी हैरान करने वाला था। यह देखना रोचक होगा कि कोहली लेग स्पिनर एडम जांपा का सामना कैसे करते हैं।

रोहित शर्मा ● फाइल फोटो, एएफपी
मिशेल मार्श ● फाइल फोटो, एक्स

भारत
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, रिषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्रा सिंह चहल, अर्शदीप सिंह, बुमराह, सिराज।

ग्रुप-1 की सेमीफाइनल की दौड़ हुई रोमांचक
अफगानिस्तान की जीत ने सेमीफाइनल की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। ग्रुप-1 में भारतीय टीम चार अंकों और 2.425 के नेट रन रेट के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जो उन्हें सेमीफाइनल में प्रवेश करने का प्रमुख दावेदार बनाता है। सोमवार को सेंट लूसिया में आस्ट्रेलिया पर जीत उसे सेमीफाइनल में पहुंचा देगी। आस्ट्रेलिया की हालात बेहद खराब है क्योंकि वह दो अंक पर है और अफगानिस्तान से हार के बाद उसका नेट रन रेट +0.223 हो गया है। भारत के विरुद्ध जीत से आस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बन जाएगी। अगर आस्ट्रेलिया हारती है अफगानिस्तान अपने अंतिम मैच में बांग्लादेश को हरा देता है तो राशिद खान की टीम अंतिम चार में पहुंच जाएगी। अगर भारत दिन की शुरुआत में आस्ट्रेलिया को हरा देता है तो उनका काम आसान हो सकता है, जिससे उन्हें यह जानने में मदद मिलेगी कि सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें बांग्लादेश को कितने अंतर से हराना होगा। अगर बांग्लादेश अफगानिस्तान को हरा देती है तो आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के लिए भी अंतिम चार के द्वार खुले रहेंगे।

आस्ट्रेलिया
मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैरमन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जांपा।

अफगान लड़ाकों ने किया एक और बड़ा उलटफेर

किंग्सटाउन, प्रेट्र : सात नवंबर 2023 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ग्लेन मैक्सवेल ने घायल होने के बावजूद एक पैर पर खेलते हुए दोहरा शतक जड़ अफगानिस्तान की टीम के मुंह से जीत छीन ली थी। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने केवल 91 रन पर आस्ट्रेलिया के सात विकेट गिरा दिए थे, लेकिन मैक्सवेल ने ऐतिहासिक पारी खेलकर आस्ट्रेलिया को अहम जीत दिलाई थी। आठ महीने बाद रविवार को टी-20 विश्व कप सुपर-8 मुकाबले में में एक बार फिर से ये दोनों टीमें आमने-सामने थीं और इस बार अफगानिस्तान ने कंगारुओं को 21 रन से पराजित कर बड़ा उलटफेर कर उस हार का बदला ले लिया। अफगानिस्तान की आस्ट्रेलिया के विरुद्ध यह पहली जीत है। अफगानिस्तान ने टी-20 विश्व कप में इससे पहले न्यूजीलैंड को हराया था, जिससे उसे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था।

अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह गुरबाज (60) और इब्राहिम जादरान (51) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहले बल्लेबाजी करते हुए 148 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कंगारु टीम 127 रन पर आलआउट हो गई। अफगानिस्तान की इस जीत के सूत्रधार रहे आलराउंडर गुलबदीन नईब, जिन्होंने चार विकेट लेकर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। नईब ने एक बेहतरीन कैच भी लपका। आस्ट्रेलिया के लिए एक बार फिर ग्लेन मैक्सवेल (59) ने फिर संघर्ष किया, लेकिन इस बार वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। मुकाबले में बड़ा अंतर टीमों का क्षेत्ररक्षण रहा। एक तरफ आस्ट्रेलिया ने लचर क्षेत्ररक्षण किया तो अधिकतर अवसर पर अफगान क्षेत्ररक्षक मुस्तैद रहे।

प्लेयर आफ द मैच बने नईब टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने आठवें गेंदबाज के रूप में चार विकेट लिए हैं। इस मैच में अफगानिस्तान ने आठ गेंदबाजों का उपयोग किया और नईब उनके आठवें गेंदबाज थे। गुलबदीन नईब ने पहले स्टोइनिस और फिर डेविड का विकेट लिया। लेकिन मैक्सवेल एक छोर पर डटे हुए थे। उन्होंने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया था और एक बार फिर अफगानिस्तान और जीत के बीच वह अड़ गए थे। लेकिन नईब ने उन्हें आउट कर इस बार उनके इरादे पूरे नहीं होने दिए। पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी, ऐसे में आस्ट्रेलिया के लिए लक्ष्य का पीछा काफी मुश्किल रहने वाला है।आस्ट्रेलिया के लिए पावरप्ले अच्छा नहीं रहा। पहले नवीन ने दोहरे झटके तो दिए ही लेकिन पावरप्ले का अंतिम ओवर करने आए मोहम्मद नबी ने वार्नर का विकेट निकाल लिया।

मैक्सवेल को आउट करने के बाद गुरबाज और गुलबदीन नईब ● एपी

आस्ट्रेलियाई गेंदबाज कमिंस ने ली लगातार दूसरी हैट ट्रिक
आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी-20 विश्व कप में लगातार दो हैट ट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। बांग्लादेश के विरुद्ध हैट ट्रिक लेने के बाद कमिंस ने रविवार को अफगानिस्तान के विरुद्ध भी यह कारनामा किया। कमिंस ने 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर राशिद खान को आउट किया। इसके बाद 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर करीम जनत और गुलबदिन नईब के विकेट लिए। कमिंस ने बांग्लादेश के विरुद्ध पिछले मैच में भी 18वें और 20वें ओवर में महमूदुल्लाह, मेहदी हसन और तौहीद हदोय के विकेट लिए थे।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान : 148/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
गुरबाज का. वार्नर बो. स्टोइनिस	60	49	4/4
जादरान का. मार्श बो. जांपा	51	48	6/0
अजमतुल्लाह बो. जांपा	02	03	0/0
करीम का. टिम बो. कमिंस	13	09	0/1
राशिद का. टिम बो. कमिंस	02	05	0/0
मोहम्मद नबी अविजित	10	04	2/0
नईब का. मैक्सवेल बो. कमिंस	00	01	0/0
खरोटे अविजित	01	01	0/0

अतिरिक्त: 9 (बा-4, लेबा-1, वा-4)
विकेटपतन: 1-118 (गुरबाज, 15.5), 2-121 (अजमतुल्लाह, 16.3), 3-122 (जादरान, 16.6), 4-126 (राशिद, 17.6), 5-141 (जनत, 19.1), 6-141 (नईब, 19.2)
गेंदबाजी: एगर 4-1-17-0, हेजलवुड 4-0-39-0, कमिंस 4-0-28-3, जांपा 4-0-28-2, मैक्सवेल 2-0-12-0, स्टोइनिस 2-0-19-1

आस्ट्रेलिया : 127 (19.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
ट्रेविस हेड बो. नवीन	00	03	0/0
वार्नर का. नूर बो. नबी	03	08	0/0
मार्श का. नबी बो. नवीन	12	09	2/0
मैक्सवेल का. नूर बो. नईब	59	41	6/3
स्टोइनिस का. गुरबाज बो. नईब	11	17	1/0
डेविड एलबीडब्ल्यू बो. नईब	02	04	0/0
मैथ्यू वेड का. जनत बो. राशिद	05	07	0/0
पैट कमिंस बो. नईब	03	09	0/0
एगर का. नईब बो. नवीन	02	05	0/0
जांपा का. नबी बो. अजमतुल्लाह	09	07	1/0
हेजलवुड अविजित	05	07	0/0

अतिरिक्त: 16 (बा-2, लेबा-6, वा-7, नोबा-1)
विकेटपतन: 1-0 (हेड, 0.3), 2-16 (मार्श, 2.3), 3-32 (वार्नर, 5.1), 4-71 (स्टोइनिस, 10.3), 5-85 (डेविड, 12.2), 6-106 (मैक्सवेल, 14.4), 7-108 (वेड, 15.1), 8-111 (कमिंस, 16.3), 9-113 (एगर, 17.2)
गेंदबाजी: नवीन 4-0-20-3, फरूकी 3-0-21-0, अजमतुल्लाह 1.2-0-10-1, नबी 1-0-1-1, खरोटे 1-0-13-0, राशिद 4-0-23-1, नूर 1-0-11-0, नईब 4-0-20-4

जोर्डन की हैट ट्रिक के बाद अमेरिका पर बरसे बटलर

अमेरिका को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल में पहुंचा गत चैंपियन, जोस ने खेली 83 रन की पारी

क्रिस जोर्डन ● एपी

ब्रिजटाउन, प्रेट्र : वापसी कर रहे क्रिस जोर्डन (4/10) की हैट ट्रिक के बाद कप्तान जोस बटलर (83*) की तूफानी पारी के दम पर गत चैंपियन इंग्लैंड ने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में अमेरिक को 10 विकेट से रौंदकर टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली टीम है। जोर्डन की अगुआई में इंग्लिश गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे अमेरिकी बल्लेबाजों की सांसें फूल गईं और पूरी टीम केवल 115 रन पर आलआउट हो गई। इसके बाद जोस बटलर और फिल साल्ट की जोड़ी ने केवल 9.4 ओवर में ही 117 रन बनाकर टीम को बड़ी जीत दिलाई। इंग्लैंड की टीम तीन मैचों में दो जीत और बेहतर नेटरनरेट के साथनाकआउट चरण में पहुंच गई। अब ग्रुप-2 से अंतिम चार के लिए दक्षिण अफ्रीका और मेजबान वेस्टइंडीज के बीच टक्कर है।

जन्मभूमि पर जोर्डन ने रचा इतिहास: जोर्डन रविवार को अमेरिका के विरुद्ध टी-20 विश्व कप में अमेरिका के विरुद्ध हैट ट्रिक लेकर इतिहास रच डाला। जोर्डन टी-20 के इतिहास में यह उपलब्धि प्राप्त करने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज हैं। इस विश्व कप में कमिंस के बाद हैट ट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। वुड की जगह टीम में शामिल किए गए जोर्डन का जन्म बारबाडोस के क्राइस्टचर्च में हुआ था और उन्होंने बारबाडोस के ही केनसिंगटन ओवल पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रचा। जोर्डन ने 2.5 ओवर में केवल 10 रन दिए और चार बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने 19वें ओवर की पांच गेंदों में चार विकेट लिए, जिसमें हैट ट्रिक भी रही। 19वें ओवर की पहली गेंद पर जोर्डन ने एंडरसन को आउट किया। इसके बाद दूसरी गेंद पर उन्होंने कोई रन नहीं दिया। इसके बाद अगली तीन गेंदों पर उन्होंने अली खान, केंजिगे और नेत्रावालकर का विकेट लिया। 18वां ओवर खत्म होने तक अमेरिका का स्कोर छह विकेट पर 115 रन था और जोर्डन के ओवर में यह 115 पर आलआउट हो गया।

बटलर की कप्तानी पारी: इंग्लैंड की टीम को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए 18.4 ओवर में लक्ष्य प्राप्त करना था, लेकिन बटलर तो कुछ और ही सोचकर आए थे। बटलर ने आक्रामक रूप अपनाया और केवल 38 गेंदों पर 83 रन कूट डाले। उन्होंने सात छक्के और छह चौके जड़े। वहीं, उनके जोड़ीदार साल्ट ने 25 रन बनाए।

टी-20 विश्व कप में हैट ट्रिक लेने वाले गेंदबाज

गेंदबाज	विरुद्ध	स्थान	वर्ष
ब्रेट ली (आस्ट्रेलिया)	बांग्लादेश	केपटाउन	2007
कर्टिस कैंफर (आयरलैंड)	नीदरलैंड्स	अबु धाबी	2021
वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका)	द. अफ्रीका	शारजाह	2021
कैगिसो रबादा (द. अफ्रीका)	इंग्लैंड	शारजाह	2021
कार्तिक मय्यपन (यूएई)	श्रीलंका	गीलोंग	2022
जोशुआ लिटिल (आयरलैंड)	न्यूजीलैंड	एडिलेड	2022
पैट कमिंस (आस्ट्रेलिया)	बांग्लादेश	एंटीगुआ	2024
पैट कमिंस (आस्ट्रेलिया)	अफगानिस्तान	किंग्सटाउन	2024
क्रिस जोर्डन (इंग्लैंड)	अमेरिका	ब्रिजटाउन	2024

सुपर-8 चरण की अंक तालिका

ग्रुप 1	मैच	जीत	हार	रन रेट	अंक
भारत	2	2	0	+2.425	4
आस्ट्रेलिया	2	1	1	+0.223	2
अफगानिस्तान	2	1	1	-0.650	2
बांग्लादेश	2	0	2	-2.489	0
ग्रुप 2	**मैच**	**जीत**	**हार**	**रन रेट**	**अंक**
इंग्लैंड (Q)	3	2	1	+1.992	4
द. अफ्रीका	2	2	0	+0.625	4
वेस्टइंडीज	2	1	1	+1.814	2
अमेरिका	3	0	3	-3.906	0

स्कोर बोर्ड

अमेरिका : 115 (18.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
टेलर का. मोइन बो. कुर्रन	12	13	2/0
गौस का. साल्ट बो. टाप्ली	08	05	0/1
नीतीश बो. आदिल	30	24	1/2
जोंस बो. आदिल	10	16	2/0
एंडरसन का. ब्रूक बो. जोर्डन	29	28	0/1
मिलिंद का. बटलर बो. लिविंगस्टोन	04	06	0/0
हरमीत का. जोर्डन बो. कुर्रन	21	17	2/1
शाल्विक अविजित	00	00	0/0
अली बो. जोर्डन	00	02	0/0
केंजिगे एलबीडब्ल्यू बो. जोर्डन	00	01	0/0
नेत्रावालकर बो. जोर्डन	00	01	0/0

अतिरिक्त: 1 (वा-1)
कुल: 18.5 ओवर में 115 रन पर सभी आउट
गेंदबाजी: टाप्ली 3-0-29-1, आर्चर 3-0-16-0, कुर्रन 2-0-23-2, आदिल 4-0-13-2, लिविंगस्टोन 4-0-24-1, जोर्डन 2.5-0-10-4

इंग्लैंड : 117/0 (9.4 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
साल्ट अविजित	25	21	2/0
बटलर अविजित	83	38	6/7

अतिरिक्त : 9 (वा-8, नोबा-1)
कुल : 9.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 117 रन
गेंदबाजी: नेत्रावालकर 2-0-21-0, हरमीत 2-0-36-0, केंजिगे 2-0-19-0, अली 2-0-26-0, शाल्विक 1.4-0-15-0

मंधाना की पारी से भारतीय टीम ने किया क्लीन स्वीप

बेंगलुरु, प्रेट्र : स्मृति मंधाना (90) रविवार को लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गईं, लेकिन उनकी शानदार पारी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे मैच में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने पहले पल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 215 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारतीय टीम ने 40.4 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 42 रनों की पारी खेली।

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लौरा वोलवार्ट ने 57 गेंद की पारी में सात चौकों की मदद से 61 रन बनाने के साथ तेजमिन ब्रिट्स (38) के साथ पहले विकेट के लिए 119 गेंद में 102 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने के साथ रन बनाने के लिए संघर्ष करते रही । भारत की ओर से अरुंधति रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को लगातार दो मैचों में शतक लगाने वाली स्मृति और शेफाली वर्मा (25) ने सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। मंधाना ने अपनी पारी में 11 चौके जड़े और 82 गेंदों में 90 रन बनाकर आउट हुईं।

स्मृति मंधाना ● प्रेट्र

तीसरे वनडे में द. अफ्रीका को छह विकेट से हराया, 3-0 से जीती सीरीज, स्मृति ने बनाए 90 रन

नाडा ने बजरंग पूनिया को फिर निलंबित किया

खेल डायरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने रविवार को बजरंग पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया। इससे तीन सप्ताह पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद किया था कि नाडा ने पहलवान को आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी नहीं किया था। नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलिंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए मूत्र के नमूने नहीं दिए थे। खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित किया था।

बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के विरुद्ध अपील दायर की थी और नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पेनल (एडीडीपी) ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद कर दिया था। नाडा ने रविवार को पूनिया को नोटिस जारी किया। नाडा ने पूनिया को भेजे नोटिस में कहा, 'यह आपके लिए औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थायी रूप से निलंबित हैं।' पूनिया को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

बजरंग पूनिया ● फाइल फोटो, एक्स

पूर्व ओलिंपियनों के लिए स्वास्थ्य बीमा और पेंशन का प्रस्ताव
नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने रविवार को कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलिंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। प्रस्ताव के अनुसार आइओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा।

श्रीजा ने सिंगल्स में स्वर्ण जीतकर रचा इतिहास
लागोस, प्रेट्र : पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकीं टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला रविवार को फाइनल में चीन की झिंग यिजी को 4-1 से हराकर डब्ल्यूटीटी कंटेंडर सिंगल्स खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। श्रीजा ने अर्चना कामथ के साथ मिलकर महिला डबल्स में हमवतन दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े को 3-0 (11-9 11-6 12-10) से हराकर दूसरा स्वर्ण भी जीता। इस तरह भारत ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। भारत ने पुरुष डबल्स वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीता। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की जोड़ी ने अजीज सोलंके और ओलाजिदे ओमोटायो को 3-0 (11-8 11-9, 11-8) से हराया।

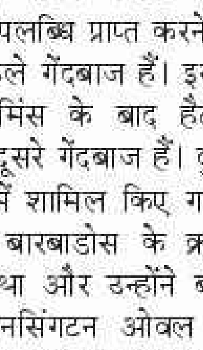
श्रीजा अकुला।

पिछड़ने के बाद कैडिज-बेलो के गोल से वेनेजुएला ने इक्वाडोर को हराया

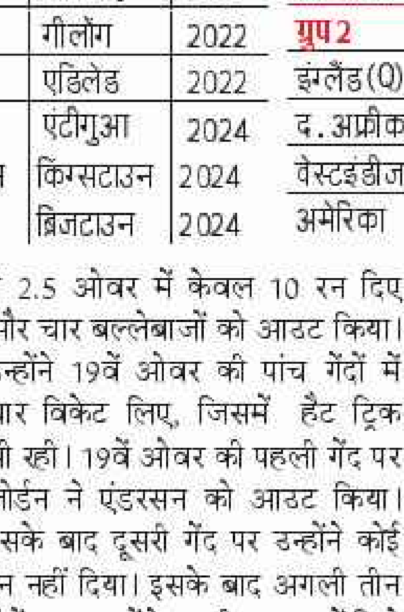
गोल दागने के बाद कैडिज ● यूएसए टुडे

आज के मैच

उरुग्वे vs पनामा	सुबह 6.30 बजे	स्थानः मियामी गार्डेंस
कोलोंबिया vs पराग्वे	रात 3.30 बजे	स्थानः ह्यूस्टन

कैलिफोर्निया, रायटर : वेनेजुएला ने पहले हाफ में पिछड़ने के बाद स्थानापन्न खिलाड़ियों के दम पर 10 मिनट के अंतराल में दो गोल दागकर इक्वाडोर को ग्रुप चरण के मैच में हराकर कोपा अमेरिका टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

इक्वाडोर के कप्तान एनर वैलेंसिया को 22वें मिनट में ही हाई बूट के कारण रेफरी ने रेड कार्ड दिखा दिया। इसके कारण टीम को लगभग पूरे मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। हालांकि, टीम को 40वें मिनट में जेरेमी सार्मिएंटो ने बढ़त दिला दी थी, परंतु दूसरे हाफ में वह इसे बरकरार नहीं रख सके। स्थानापन्न के रूप में आए झोंडर कैडिज ने 64वें मिनट में वेनेजुएला को बराबरी करा दी। इसके 10 मिनट के भीतर ही एडुअर्ड बेलो ने गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

मेक्सिको की विजयी शुरुआत: गेरार्डो आर्टिएगा के गोल के दम पर मेक्सिको ने कोपा अमेरिका के ग्रुप चरण में अपने अभियान की शुरुआत जमैका के विरुद्ध 1-0 से जीत के साथ की। 25वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे आर्टिएगा का यह दूसरा गोल था। मेक्सिको की टीम (एल ट्री) दक्षिण अमेरिकी चैंपियनशिप में 11वीं बार मेहमान के रूप में भाग ले रही है। मैच के दौरान उन्होंने 17वें शाट में सफलता प्राप्त की।

****

स्लोवाकिया से हार के बाद फीफा की विश्व नंबर दो टीम ने की वापसी

कप्तान डिब्रून के गोल से बेल्जियम जीता

केविन डिब्रून ● एपी

कोलोन, एपी: पहले मैच में स्लोवाकिया से हारने के सदमे से उबरते हुए बेल्जियम ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप के मैच में शनिवार को रोमानिया को 2-0 से हरा दिया। यूरी टियेलेमेंस ने दूसरे मिनट में पहला गोल किया जबकि केविन डिब्रून ने दूसरे हाफ में दूसरा गोल दागा। इससे पहले केविन डिब्रून के पास पर रोमेलु लुकाकू ने भी शानदार गोल दागा था, पर वीएआर में वह आफसाइड पाए गए। पिछले मैच में भी उनके दो गोल आफसाइड होने कारण खारिज हो गए थे।

बेल्जियम के राजा फिलीप और रानी मथिल्डे भी मैच देखने के लिए पहुंची थीं। विश्व की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम 2022 विश्व कप से ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। इस जीत के बाद अब ग्रुप ई की चारों टीमों के तीन-तीन अंक हैं और बुधवार को उन्हें अंतिम ग्रुप मैच खेलना है। बेल्जियम का सामना यूक्रेन से और रोमानिया का स्लोवाकिया से होगा।

रोनाल्डो के साथ 'सेल्फी' की घटना के बाद बढ़ाई सुरक्षा : यूरोपीय चैंपियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ाई जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबालर रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा ने रविवार को कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे, हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

आज के मैच

अल्बानिया vs स्पेन	रात 12.30 बजे	स्थानः डुसेलडोर्फ
क्रोएशिया vs इटली	रात 12.30 बजे	स्थानः लिपजिग

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

बड़ा सवाल : पेन और पेपर मोड में क्यों कराया गया यूजीसी नेट

कठघरे में एनटीए

तीसरी किस्त

अरविंद पांडेय • जागरण

नई दिल्ली: यूजीसी नेट 2018 से कंप्यूटर से कराया जा रहा था लेकिन इस बार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फैसला लिया कि परीक्षा पेन-पेपर मोड में होगी। परीक्षा हुई और उसी दिन रद भी करनी पड़ी क्योंकि प्रश्नपत्र पांच-पांच हजार रुपये में लीक हो चुका था। ऐसा नहीं है कि कंप्यूटर पूरी तरह सुरक्षित है, वहां भी गड़बड़ियों की शिकायतें आ रही हैं लेकिन एनटीए से विदा हो चुके पूर्व डीजी सुबोध कुमार व अन्य को इसका भी जवाब देना होगा कि पेन-पेपर मोड पर वापस आने का कारण क्या था? बताया जा रहा है कि पिछली बार कुछ हैकिंग की सूचनाएं आई थीं। लेकिन यह भी सच्चाई है कि पेन पेपर मोड में घुसपैठ और गड़बड़ी की ज्यादा आशंका होती है क्योंकि तब प्रश्नपत्र प्रिंटिंग, पैकिंग, ट्रांसपोर्टेशन से लेकर भंडारण तक कई स्तरों से गुजरता है।

- पेपर छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस से लेकर उनकी पैकिंग-परिवहन तक माफिया की मजबूत पकड़
- किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई तो नकल माफिया कर देता है पेपर लीक

पेन-पेपर मोड में पेपर सेटिंग से लेकर उसकी प्रिंटिंग, पैकेजिंग, परिवहन और फिर उसे अलग-अलग शहरों के सेंटरों पर सुरक्षित रखने जैसी कई चुनौतियां होती हैं। इनमें से जिस स्तर पर भी शिथिलता बरती गई, वहीं इनमें सेंध लग जाती है। नीट-यूजी में भी पेपर लीक की जो घटनाएं सामने आ रही हैं, उसमें पेपर को परिवहन के दौरान लीक सामने आ रहा है।

पेपर लीक करने माफिया का मकड़जाल पेपर सेट होने वाली जगह से लेकर उसको छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस तक फैला होता है। यदि इन स्तरों पर उसे सफलता नहीं मिलती तो उसके पास पेपर लीक कराने का अंतिम विकल्प अपने परीक्षा केंद्र होते हैं।

सेंटर की मिलीभगत से बदल दी जाती है ओएमआर सीट : परीक्षा कराने वाली निजी एजेंसी से जुड़े एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि पेन-पेपर वाली परीक्षा में गड़बड़ियों का एक और रास्ता ओएमआर सीट है, जिसे परीक्षा के बाद बदल दिया जाता है। इसे बहुत ही होशियारी से अंजाम दिया जाता है, जिसमें छात्र को परीक्षा के दौरान एक डुप्लीकेट ओएमआर सीट दे दी जाती है, जिसे वह परीक्षा के दौरान दिखाने के लिए भरता रहता है जबकि उसकी ओरिजनल सीट को कोई दूसरा भरता है। अंतिम समय में डुप्लीकेट सीट निकालकर वहां ओरिजनल सीट लगा दी जाती है। यह खेल भी केंद्रों पर मिलीभगत से अंजाम दिया जाता है।

कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं में सेंध लगाना थोड़ा कठिन

पेन-पेपर वाली परीक्षा की जगह अभी कंप्यूटर के जरिए होने वाली परीक्षाओं में सेंध लगाना थोड़ा कठिन है क्योंकि इस प्रक्रिया में परीक्षा शुरू होने के करीब आधा घंटा पहले ही पेपर अपलोड किया जाता है। ऐसे में उनके पास पेपर को पहले लीक करने का विकल्प नहीं रहता है। एनटीए की ओर से परीक्षा में किसी तरह की हैकिंग को रोकने के लिए सर्किट और जैमर आदि लगाए जाते हैं ताकि कंप्यूटरों के साथ कोई बाहरी छेड़छाड़ न हो सके। हालांकि सूत्रों का दावा है कि माफिया ने तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से इसमें भी सेंध लगाना शुरू कर दिया है। पिछले साल दिल्ली के एक होटल से एक विदेशी हैकर को पकड़ा गया था, जिसे परीक्षा में गड़बड़ी करने के लिए माफिया ने बुलाया था।

मनाली में बर्फबारी...

हिमाचल के प्रदेश मनाली में रविवार को रोहतांग दर्रे में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक • एएनआइ

एक नजर में

सीबीआइ ने कुशीनगर के छात्र को दिल्ली बुलाया

कुशीनगर: यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले की जांच करने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर आई सीबीआइ की टीम ने छात्र निखिल सोनी को समन जारी कर छह जुलाई को दिल्ली बुलाया है। दो दिन की जांच के बाद सीबीआइ की टीम रविवार को दिल्ली लौट गई। सीबीआइ निखिल का मोबाइल फोन और लैपटाप भी साथ ले गई है। निखिल को कुशीनगर छोड़ने से पहले सूचना देने का भी निर्देश दिया गया है। सीबीआइ की छह सदस्यीय टीम ने शुक्रवार की रात देर कुशीनगर में सिधुआ बाजार मिश्रौली के रहने वाले निखिल सोनी के घर में ही उसे हिरासत में ले लिया था। सीबीआइ के लौटने के बाद स्थानीय लोग रविवार को निखिल के घर पहुंचे, लेकिन स्वजन ने किसी से बात करने से मना कर दिया। दिन भर लोगों का आना-जाना लगा रहा। (जासं)

कनिष्क विमान हादसे की 39वीं बरसी मनाई

ओटावा : कनाडा की राजधानी ओटावा और टोरंटो शहर में भारतीय मिशनों ने रविवार को कनिष्क विमान हादसे की 39वीं बरसी मनाई। ठीक 39 वर्ष पहले यानी 23 जून 1985 को एअर इंडिया की मान्ट्रियल-नई दिल्ली फ्लाइट कनिष्क को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले खालिस्तानी आतंकियों ने बम से उड़ा दिया था जिसमें 329 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, इसमें 86 बच्चे थे। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने घटना की तस्वीरों की एक शृंखला के साथ एक्स पर पोस्ट किया- 'उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कायरतापूर्ण आतंकवादी बम विस्फोट की 39वीं वर्षगांठ पर एअर इंडिया की उड़ान 182 कनिष्क के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी।' वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कनिष्क विमान हादसे में मारे गए लोगों की याद में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। (प्रेट्र)

15 आवारा कुत्तों ने महिला पर किया हमला

हैदराबाद : हैदराबाद से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला पर सुबह टहलने के दौरान 15 कुत्तों ने हमला कर दिया। जिसमें उन्हें चोटें आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। राजेश्वरी नाम की महिला पर 21 जून की सुबह कुत्तों ने हमला किया था। पीड़िता ने बताया कि कि मैं हर रोज सुबह टहलने जाती हूं। उस दिन जब मैं टहल रही थी, तो वहां कई सारे कुत्ते आ गए। मैं गिर गई और कुत्तों ने मुझ पर हमला करना शुरू कर दिया। मैं उठी, इसी बीच एक कार और एक स्कूटर पर एक लड़का दूसरी तरफ से आया। कुत्ते उन्हें देखकर भाग गए। (एएनआइ)

जांच के लिए बिहार पहुंची सीबीआइ टीम पर हमला

मारपीट व अभद्रता के आरोप में चार गिरफ्तार

नेट पेपर लीक मामला

जागरण संवाददाता, नवादा : यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले की जांच के लिए बिहार के नवादा पहुंची सीबीआइ टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पुलिस ने एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। टीम ने पेपर लीक के संदिग्ध परिवार के सदस्यों से दो मोबाइल के साथ कुछ बैंक पासबुक व अन्य कागजात बरामद किए हैं। पुलिस ने एक्स पर पोस्ट कर गिरफ्तार युवती समेत चार लोगों की तस्वीर जारी की है। हालांकि, इसमें किसी का नाम नहीं दिया गया है।

सीबीआइ इंस्पेक्टर अंशुल शर्मा ने सरकारी कार्य में बाधा डालने व मारपीट का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें आठ नामजद व सात अज्ञात हैं। प्राथमिकी के अनुसार, सीबीआइ की टीम शनिवार अपराह्न लगभग साढ़े चार बजे रजौली थाना क्षेत्र की मुरहेना पंचायत के कसियाडीह गांव में फूलचंद प्रसाद की पत्नी बबिता देवी के घर जांच के लिए पहुंची थी। यहां बबिता की पुत्री राधा कुमारी से पूछताछ के बाद दो मोबाइल फोन व बैंक से जुड़े कागजात जब्त कर लौटने के क्रम में सीबीआइ टीम को दो-तीन सौ ग्रामीणों ने अचानक घेर लिया। उनके सिविल ड्रेस में होने को लेकर नकली होने का आरोप लगाने लगे। लोगों ने आरोप लगाया कि वे सभी फूलचंद के घर से आभूषण, डेबिट कार्ड, आधार कार्ड आदि लेकर जा रहे हैं और घर के सदस्यों को कार्रवाई का कारण भी नहीं बताया। सीबीआइ टीम के सदस्यों ने पहचान पत्र दिखाया, साथ में नवादा नगर थाने की महिला कांस्टेबल काजल कुमारी ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, फिर भी भीड़ में रहे उपद्रवियों ने उनकी एक न सुनी और उनके साथ बदतमीजी करने लगे। सीबीआइ टीम के वाहन चालक पटना के खगौल निवासी संजय सोनी की जमकर पिटाई कर दी। गाड़ी भी तोड़ दी गई। मौके पर पहुंची रजौली पुलिस सीबीआइ टीम को सुरक्षित थाने ले गई। रजौली थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि कसियाडीह गांव निवासी प्रिंस कुमार, अमरजीत कुमार, राधा कुमारी व एक अन्य को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बताया गया कि युवती के मोबाइल नंबर का संबंध यूजीसी पेपर लीक से है।

ग्रेस मार्क्स पाने वाले 52 प्रतिशत अभ्यर्थी ही दोबारा परीक्षा देने पहुंचे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: नीट-यूजी में ग्रेस मार्क्स पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए एनटीए ने रविवार को फिर से परीक्षा का आयोजन किया। इस दौरान 1563 में से सिर्फ 813 छात्र यानी 52 प्रतिशत ही इसमें बैठे। यह परीक्षा हरियाणा और छत्तीसगढ़ के दो-दो और गुजरात, मेघालय और चंडीगढ़ के एक-एक केंद्र पर कराई गई। इन सभी छात्रों का रिजल्ट अब 30 जून को घोषित होगा। परीक्षा शुरू होने में देरी के कारण छह केंद्रों पर समय की हानि की भरपाई के लिए इन उम्मीदवारों को ग्रेस अंक दिए गए थे। वहीं, एनटीए के अधिकारियों ने रविवार को दावा किया कि उनकी वेबसाइट तथा अन्य सभी पोर्टल पूरी तरह से सुरक्षित हैं और इनके हैक होने की खबरें गलत और भ्रामक हैं।

हजारीबाग के स्कूल से बाहर आया था पेपर

नीट पेपर लीक प्रकरण

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : नीट-यूजी परीक्षा का प्रश्नपत्र झारखंड के हजारीबाग के परीक्षा केंद्र ओएसिस स्कूल से बाहर आया था। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के अनुसार, पटना के रामकृष्णनगर थाना अंतर्गत नंदलाल छपरा स्थित लर्न ब्वायज हास्टल एंड प्ले स्कूल से बरामद अधजले प्रश्नपत्र का सीरियल कोड हजारीबाग के ओएसिस स्कूल का ही है। इसका सत्यापन कर लिया गया है। प्रथम दृष्टया इसी परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र के पोलीबैग, मूल प्रश्नपत्र की पैकिंग एवं संबंधित पैकिंग ट्रंक में छेड़छाड़ पाया गया है। इस मामले में देवघर से गिरफ्तार पांच आरोपितों को रविवार को जेल भेज दिया गया। इनमें पंकु कुमार, परमजीत सिंह उर्फ बिट्टू, चिंटू उर्फ बलदेव कुमार, काजू उर्फ प्रशांत कुमार और राजीव कुमार उर्फ कारू शामिल हैं।

जांच टीम के अनुसार, प्रश्नपत्र के परिवहन और भंडारण के लिए तय सुरक्षा मानकों का अनुपालन पूर्ण रूप से नहीं किया गया। जांच की जा रही है कि प्रश्नपत्र की पैकिंग में किस स्तर पर चूक हुई है। इसको लेकर संबंधित परीक्षा केंद्र, स्टेट बैंक आफ इंडिया की शाखा और कुरियर कंपनी ब्लू डार्ट के दफ्तर में संबंधित कर्मियों का बयान लिया गया है।

देवघर से गिरफ्तार चिंटू को वाट्सएप पर मिला था साल्वड पेपर का पीडीएफ : ईओयू के अनुसार, देवघर के देवीपुर फार्म हाउस से पकड़ा गया बलदेव उर्फ चिंटू पूरे प्रकरण के मुख्य सूत्रधारों में है। वह संजीव कुमार उर्फ लुटन मुखिया गिरोह से जुड़ा है। ज्ञात हुआ है कि परीक्षा के दिन पांच मई की सुबह चिंटू के मोबाइल पर इसी गिरोह ने हल प्रश्नपत्र की पीडीएफ फाइल भेजी थी। स्कूल में रखे वाई-फाई प्रिंटर से इसका प्रिंट निकाला गया। इसके बाद अभ्यर्थियों का ग्रुप बनवाकर उन्हें उत्तर सहित प्रश्न रटवाए गए थे।

प्रश्नपत्र रटाने वाली जगह लर्न ब्वायज हास्टल एंड प्ले स्कूल की गोपनीयता बनाए रखने के लिए स्कूल से करीब दो किलोमीटर दूर एक ड्राप आफ प्वाइंट बनाया गया था। यहां से परीक्षार्थियों को स्कूल तक ले जाने के लिए जिस टैक्सी का उपयोग किया गया था, पुलिस ने उसे भी बरामद कर लिया है। संबंधित टैक्सी ड्राइवर सह मालिक मुकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह बिहारशरीफ का रहने वाला है।

ट्रांसपोर्टर की भूमिका संदिग्ध : एक ट्रांसपोर्टर की भूमिका संदिग्ध मिली है। ट्रांसपोर्टर ब्लू डार्ट के माध्यम से ही परीक्षा के दो दिन पहले तीन मई को बुलकेट (प्रश्नपत्र) हजारीबाग पहुंचा था। लेकिन, ट्रक सीधे बैंक न पहुंचाकर उसे छह किमी दूर हजारीबाग बाईपास में अपने दफ्तर में रोक लिया। पांच परीक्षा केंद्रों के लिए वहां नौ ट्रंक में बुकलेट उतारने के बाद उसे बैट्री संचालित रिक्शे से बैंक पहुंचाया गया।

परीक्षा से एक दिन पहले पटना में जला हुआ बुकलेट (नंबर 6136488) बरामद हुआ था। यह बुकलेट हजारीबाग के ओएसिस स्कूल को आवंटित था। तहकीकात में सामने आया है कि इसी बुकलेट नंबर पर ओएसिस स्कूल में एक छात्रा ने परीक्षा दी थी। इस विद्यालय का संचालक मो. एहसान सीबीएसई का कोआर्डिनेटर भी है।

नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार आरोपित अपना चेहरा छिपाते नजर आए • एएनआइ

15 परीक्षार्थियों की भी मिली विवरणी, चार से हुई पूछताछ

एनटीए से अबतक 15 परीक्षार्थियों के रोल कोड की विवरणी ईओयू को मिली है। इनमें से चार से पूछताछ की जा चुकी है। शेष 11 अभी पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं। एनटीए की ओर से उपलब्ध कराए गए रेफरेंस प्रश्नपत्र की प्रति का मिलान अधजले पेपर से किया गया है। अब इसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

सरकार ठोस तथ्यों के साथ संसद में दे सकती है जवाब

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों पर विपक्ष के तीखे रुख को देखकर सरकार भी अब इससे जुड़े आरोपों पर पूरे तथ्यों के साथ जवाब देने की तैयारी में है।

धर्मेंद्र प्रधान • फाइल फोटो

संसद सत्र शुरू होने से एक दिन पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि संसद में यदि यह मुद्दा आया तो वह और तथ्यों के साथ इसका जवाब देंगे। यह भी बताएंगे कि 1986 में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अलग से एक एजेंसी के गठन की जो सिफारिश की गई थी, उस पर 30 वर्षों तक अमल क्यों नहीं हुआ।

शिक्षा मंत्री रविवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। कहा कि अब तक उनके सामने जो चार विषय आए थे, उन सभी पर उन्होंने कार्रवाई की है। इनमें पहला ग्रेस मार्क्स का था। मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने तुरंत इसकी समीक्षा की और पाया कि परीक्षा में ग्रेस मार्क्स देने की कभी कोई परंपरा नहीं थी। परीक्षा देर से शुरू होने पर सिर्फ समय देने की व्यवस्था थी। एनटीए ने कैट से जुड़े अदालत के एक फैसले के आधार पर यह व्यवस्था अपनाई थी। ऐसे में जिन छात्रों ने कम समय मिलने की शिकायत की थी, उन्हें ग्रेस मार्क्स दे दिए गए थे। एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के सामने ग्रेस मार्क्स को रद करने का प्रस्ताव दिया। साथ ही इन छात्रों को फिर से परीक्षा देने का भी मौका दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी सहमति दी। दूसरा विषय था एनटीए के शीर्ष नेतृत्व की लापरवाही का, जिसके चलते एनटीए के डीजी को हटा दिया गया है। तीसरा विषय था एनटीए में सुधार का। इसे लेकर एक कमेटी गठित की गई है, जो दो महीने में अपनी रिपोर्ट देगी। चौथा विषय था कि इन गड़बड़ियों की सीबीआइ से जांच कराने का। मंत्रालय ने यूजीसी नेट और नीट-यूजी दोनों ही मामलों में सीबीआइ जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं, एनटीए में सुधार को लेकर गठित कमेटी सोमवार से अपना काम शुरू कर देगी।

मोदी सरकार का शीर्ष नेतृत्व ले नीट घोटाले की जिम्मेदारी : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद एनटीए की नौकरशाही में फेरबदल को लेकर मोदी सरकार पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि इसकी जिम्मेदारी दूसरों पर डालने के बजाय सरकार के शीर्ष नेतृत्व को खुद लेनी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि एनटीए को एक स्वायत्त निकाय बताया गया लेकिन असल में इसे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुटिल हितों को पूरा करने के लिए बनाया गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम नरेन्द्र मोदी पेपर लीक गिरोह और शिक्षा माफिया के आगे बेबस हैं। वहीं, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरी शिक्षा प्रणाली को माफिया और भ्रष्टाचारियों के हवाले कर दिया है।

अयोध्या में हल्की बारिश में ही धंस गया रामपथ

संवाद सूत्र, जागरण • अयोध्या : रामनगरी अयोध्या के प्रवेश द्वार सआदतगंज से लेकर नयाघाट के बीच करोड़ों रुपये की लागत से नवनिर्मित रामपथ प्री-मानसून बरसात भी नहीं झेल सका। यह जगह-जगह धंस गया है और इसके किनारे जलभराव भी हो गया है। इतना ही नहीं पुनर्विकसित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की चहारदीवारी भी पहली बरसात में ढह गई।

रामपथ की बनावट पर लोगों ने पहले ही सवाल उठाया था और वर्षा में इससे होने वाली मुसीबत की ओर ध्यानाकर्षण भी कराया था, लेकिन तब अति आत्मविश्वास एवं निर्माण की जल्दी में लोक निर्माण विभाग एवं प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया था। इस जल्दबाजी का दुष्परिणाम पहली बरसात में ही जगह-जगह धंसे रामपथ और जलभराव के रूप में सामने आ गया है। बरसात का पानी रामपथ के किनारे बने नाले में न जाकर घरों व दुकानों में भर रहा है। गोदनहर का पुरवा के पास सर्विस लेन क्षतिग्रस्त हो गई और राठहवेली में इमामबाड़ा के पास रोड धंस गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीती 30 दिसंबर को पुनर्विकसित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया था।

रिकाबगंज के पास रामपथ पर बना गड्ढा • जागरण

रिकाबगंज में बरसात से धंसा रामपथ • जागरण

इसरो का हौसला बढ़ाएगा यह मिशन

प्रथम पृष्ठ से आगे

पुष्पक ने स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का बखूबी प्रदर्शन किया। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने ऐसे जटिल मिशन में सफलता का सिलसिला बरकरार रखने के प्रयासों के लिए टीम को बधाई दी है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक डा. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने कहा कि मिशन में लगातार मिल रही सफलता भविष्य के कक्षीय पुनः प्रवेश मिशनों के लिए इसरो का हौसला बढ़ाने वाली है।

आरएलवी लेईएक्स-01 और लेईएक्स-02 मिशनों की सफलता के बाद आरएलवी लेईएक्स-03 ने अधिक चुनौतीपूर्ण स्थितियों और अत्यधिक तेज हवा की स्थिति में आरएलवी की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का पुनः प्रदर्शन किया। लेईएक्स-02 को 150 मीटर की क्रास रेंज से छोड़ा गया था, जबकि इस बार क्रास रेंज का बढ़ाकर 500 मीटर कर दिया गया। इस सफल मिशन में जे. मुथुपांडियन मिशन निदेशक हैं और बी.कार्तिक यान निदेशक हैं।

गौरतलब है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यान ने कई मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों में आरएलवी क्षमता प्रदर्शित की है। अमेरिकी प्राइवेट कंपनी स्पेसएक्स फाल्कन 9 और फाल्कन हेवी राकेट के साथ आंशिक रूप से इस सिस्टम को प्रदर्शित कर रही है। यह कंपनी अब पूरी तरह से आरएलवी मिशन स्पेस शटल स्टारशिप पर काम कर रही है। चीन भी आरएलवी विकसित करने के लिए प्रयासरत है।

एलईएक्स-02 मिशन के पंखयुक्त ढांचे और उड़ान प्रणालियों का किया उपयोग: आरएलवी-एलईएक्स-03 मिशन ने एलईएक्स-02 मिशन के पंखयुक्त ढांचे और उड़ान प्रणालियों का बिना किसी संशोधन के पुनः उपयोग किया। यह विभिन्न मिशनों के लिए उड़ान प्रणालियों के पुनः उपयोग के लिए इसरो की डिजाइन क्षमता की मजबूती को दर्शाता है। आरएलवी-एलईएक्स मल्टी-सेंसर फ्यूजन का उपयोग करता है, जिसमें इनर्शियल सेंसर, रडार अल्टीमीटर, फ्लश एयर डाटा सिस्टम, स्यूडोलाइट सिस्टम और नाविक जैसे सेंसर शामिल हैं। इस मिशन को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आइएसटीआरएसी), सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) एसएचएआर के साथ मिलकर पूरा किया। मिशन में वायुसेना, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान, हवाई वितरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला, आइआइटी-कानपुर, भारतीय तेल निगम और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से समर्थन मिला।

थरूर के 'उत्तर प्रदेश किसे कहते हैं' पर बिफरी भाजपा

नई दिल्ली, आइएएनएस : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर इंटरनेट मीडिया पर उत्तर प्रदेश की आपत्तिजनक परिभाषा देकर भाजपा के निशाने पर आ गए हैं। वायरल हो चुकी इस पोस्ट को थरूर ने शानदार बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाले उत्तर प्रदेश पेपर लीक होने के मामले पर तंज किया। थरूर की साझा की पोस्ट में पहले एक सवाल किया। सवाल : उत्तर प्रदेश किसे कहते हैं? इसका जवाब था : एक प्रदेश जहां उत्तर परीक्षा से पहले पता चल जाते हैं। इसके जवाब में भाजपा नेताओं ने उन्हें आदतन आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला करार दिया।

कांग्रेस नेता शशि थरूर इतने पर ही नहीं थमे और उन्होंने 'हैशटैग परीक्षा पर चर्चा' के जरिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा चूंकि पीएम मोदी परीक्षा शुरू होने से पहले छात्रों से मुलाकात करते हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने थरूर की पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, 'मैं अपने प्रदेश को नीचा दिखाने में कोई हास्य नहीं देखता। ऐसी अभद्र टिप्पणी से उत्तर प्रदेश के अपमान की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।' इसीतरह भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने एक्स पर जवाब दिया कि साथी भारतीयों को नीचा दिखाने की ऐसी शर्मनाक और मूर्खतापूर्ण राजनीति नहीं देखी।

कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद बोले- 'मैं अपने प्रदेश को नीचा दिखाने में हास्य नहीं देखता'

हरियाणा में ओबीसी क्रीमीलेयर की वार्षिक आय सीमा अब आठ लाख होगी

जासं, गुरुग्राम: हरियाणा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को मिलने वाले आरक्षण में क्रीमीलेयर की वार्षिक आय सीमा को छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये किया जाएगा। केंद्र सरकार की तर्ज पर इसमें वेतन और कृषि से होने वाली आय को शामिल नहीं किया जाएगा। यह घोषणा सीएम नायब सिंह सैनी ने रविवार शाम आयोजित समरसता सम्मेलन में की।

सैनी ने कहा कि ग्रुप ए और बी के पदों में पिछड़े वर्गों के बैकलाग को प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही भरा जाएगा। विस चुनाव में भी ओबीसी वर्ग के उन नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो जीत सकते हैं। वह भाजपा के ओबीसी मोर्चा की ओर से तिकोना पार्क में आयोजित सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

पाञ्चजन्य ने तानाशाह हिटलर से की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की तुलना

नेमिष हेमंत • जागरण

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुखपत्र मानी जाने वाली पत्रिका ने आपातकाल के बहाने राहुल गांधी को घेरा
- कहा, केंद्र पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी दादी द्वारा लोकतंत्र की हत्या की चर्चा नहीं करते

नई दिल्ली: आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुखपत्र मानी जाने वाली पत्रिका पाञ्चजन्य ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख कर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की घेराबंदी की है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव में मौजूदा सरकार पर संविधान बदलने की चाहत रखने का आरोप लगाया था। पाञ्चजन्य के आने वाले अंक के संपादकीय में कटाक्ष करते हुए कहा गया है कि आज राहुल गांधी घूम-घूम कर कह रहे हैं कि केंद्र सरकार संविधान बदलना चाहती है, लेकिन वे अपनी दादी इंदिरा गांधी की चर्चा कभी नहीं करते, जिन्होंने आपातकाल लागू कर पूरे लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। वहीं, पत्रिका के आने वाले अंक के कवर पेज पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तुलना तानाशाह हिटलर से की गई है।

संपादकीय में पाञ्चजन्य के संपादक हितेश शंकर ने लिखा है कि एक ऐसा दौर, जब शासन का अहंकार जनमानस पर कहर बनकर टूटा। उन यातनाओं के बारे में सोचकर आज भी सिहरन होती है। 21 महीने के उस कालखंड में निरंकुश शासन ने प्रत्यक्ष रूप से जो किया, उसे न तो भूला जा सकता है और न ही भूलना चाहिए। आगे लिखा कि वास्तव में इंदिरा गांधी को संविधान के तिरस्कार की शिक्षा अपने पिता जवाहर लाल नेहरू से मिली थी, जिन्होंने कहा था कि यदि संविधान कांग्रेस की नीतियों के विपरित जाता हैं, तो उसे बदलकर अपने अनुकूल बनाया जाना चाहिए। लेख में सिलसिलेवार तरीके से बताया गया कि कैसे, इंदिरा गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के तीन फैसलों को पटल दिया। न्यायमूर्ति एएन रे का जिक्र करते हुए बताया गया है कि कैसे केशवानंद मामले में भारती मामले में अपेक्षित फैसला नहीं आने पर प्रधानमंत्री कार्यालय से न्यायमूर्ति उनको फोन कर पूछा था कि उन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद स्वीकार है? उन्हें यह सोचने के लिए मात्र दो घंटे का समय दिया गया और तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों को दरकिनार कर उनको 26 अप्रैल 1973 को पद पर नियुक्त कर दिया गया।

न्याय प्रक्रिया में तानाशाही को लेकर मनमानी जारी रही, आगे 1975 में संविधान में 39वां और 41वां संशोधन किया, जिसमें यह व्यवस्था की गई कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को अदालत में किसी भी आधार पर न तो चुनौती दी जा सकती है न ही मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। इसी तरह सरकार के पक्ष में फैसला देने पर एमएच बेग को देश का मुख्य न्यायाधीश बना दिया गया। बाद में भी उन्हें लाभ मिला।

लेख में बताया गया है कि इंदिरा गांधी को इस बात का भान था कि जिस तरह मोतीलाल नेहरू व गांधी जी के सहयोग से उनके पिता जवाहर लाल कांग्रेस और भारतीय जनता पर थोप दिए गए थे और नेहरू के एकाधिकार व उनके प्रति चाटुकारिता की परंपरा के चलते ही इंदिरा भी सरकार पर थोपी गई थीं। इसलिए, उन्हें मालूम था कि इस अनैतिक परंपरा के बूते खुद भी संविधान पर अपनी मनमर्जी थोप सकती है और उन्होंने ऐसा किया भी।

****

देश-विदेश जागरण

जान इस्नर-निकोलस माहुत के बीच हुआ सबसे लंबा टेनिस मैच

2010 में आज ही लंदन में विंबलडन टूर्नामेंट में जान इस्नर और निकोलस माहुत के बीच इतिहास का सबसे लंबा टेनिस मैच खेला गया था। यह मैच 11 घंटे, पांच मिनट तक चला। मुकाबला 22 जून को शुरू होकर आज खत्म हुआ था। यह महामुकाबला इस्नर ने जीता।

लंदन में किया गया होम वीडियो रिकार्डर का पहला प्रदर्शन

1963 में आज ही लंदन में पहली होम वीडियो रिकार्डिंग डिवाइस का प्रदर्शन हुआ। इसका आविष्कार नार्मन रदरफोर्ड और माइकल टर्नर ने किया था। इसकी कीमत उस समय 60 पाउंड थी और एक बार में 20 मिनट का वीडियो रिकार्ड किया जा सकता था।

ओंकारनाथ ठाकुर का संगीत सुन भाग गई थी मुसोलिनी की अनिद्रा

महान संगीतज्ञ ओंकारनाथ ठाकुर का जन्म 1897 में आज ही बड़ौदा राज्य में हुआ था। आजादी की पहली सुबह रेडियो पर उनकी आवाज में ही वंदे मातरम गीत का प्रसारण किया गया था। 1933 में ठाकुर यूरोप की यात्रा पर थे। उन्होंने राग 'पुरिया' गाकर अनिद्रा से परेशान इटली के तानाशाह मुसोलिनी को भी सुला दिया था। इससे प्रभावित होकर मुसोलिनी ने उन्हें एक संगीत विश्वविद्यालय के निदेशक के पद के लिए नियुक्ति पत्र दे दिया था। वह इसे ठुकरा कर भारत लौट आए थे।

इधर-उधर की

भारी भरकम बिजली बिल ने दिलाई मोमबत्ती की याद

जसवीर को मिला 45 हजार से ज्यादा का बिल ● इंटरनेट मीडिया

नई दिल्ली, जेएनएन: कई बार गलत मीटर रीडिंग या दूसरी वजहों से लोगों का बिजली बिल काफी अधिक आ जाता है। उपभोक्ताओं का अपना बिजली बिल सही कराने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। ऐसे ही एक मामले में गुरुग्राम स्थित कंपनी ज्वाइन हुड एप के को फाउंडर जसवीर को उस समय तगड़ा झटका लगा, जब उनको 45,491 रुपये का बिजली बिल मिला। यह बिल दो माह का था। जसवीर सिंह ने एक्स पर बिल साझा करते हुए लिखा है, 'बिजली का बिल चुका दिया है अब मोमबत्ती पर स्विच करने के बारे में सोच रहा हूं।' एक यूजर ने लिखा है कि बिल भारत के ज्यादातर हिस्सों में एक छोटे परिवार के एक माह के खर्च के बराबर है। हालांकि बहुत से इंटरनेट यूजर पूछ रहे हैं कि जसवीर सिंह के घर का आकार का क्या है और उनका बिजली का खर्च कितना है।

खाना लेने जुटे फलस्तीनियों पर बमबारी, आठ की मौत

यरुशलम, रायटर : गाजा सिटी के नजदीक स्थित ट्रेनिंग कालेज में बने राहत सामग्री वितरण केंद्र पर रविवार को इजरायल के हवाई हमले में आठ फलस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच मिस्र सीमा पर स्थित रफाह में इजरायली टैंक अब शहर के अंदर तक पहुंच गए हैं। वहां पर बीते डेढ़ महीने से इजरायली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच भीषण लड़ाई चल रही है। गाजा में इजरायली हमलों से अक्टूबर 2023 से लेकर अभी तक कुल 37,600 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

हज के दौरान गर्मी से अब तक 1,301 जायरीन की मौत

- हज में इस साल लगभग 20 लाख जायरीन शामिल हुए थे
- हजयात्रा के दौरान 98 भारतीयों की भी मौत

काहिरा, रायटर : इस साल सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से मरने वालों की संख्या 1,301 हो गई है। इस दौरान 98 भारतीयों की भी मौत हुई है। मरने वालों में अधिकतर मिस्र के नागरिक थे।

सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्री फहद अल-जलाजेल ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि जायरीन की मौत बिना आराम किए धूप में लगातार लंबा सफर करने के कारण हुई। मरने वालों में कई जायरीन बुजुर्ग है और कई पहले से ही पुरानी और गंभीर बीमारियों से पीड़ित पाए गए हैं। लगभग 83 प्रतिशत मौतें उन लोगों की हुईं जो हजयात्रा करने के लिए अधिकृत नहीं थे। सूत्रों के अनुसार हज में इस साल 20 लाख जायरीन शामिल हुए थे। मरने वालों में इंडोनेशिया, ट्यूनीशिया, जार्डन, ईरान और सेनेगल के नागरिक भी थे।

मक्का में हज के दौरान तापमान 52 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था ● फाइल फोटो

अमेरिका में भी भीषण गर्मी

लास एंजिलिस, आइएएनएस : अमेरिका भीषण गर्मी की चपेट में है। मौसम पूर्वानुमान केंद्र (डब्ल्यूपीसी) ने शनिवार को कहा कि "हीटवेव" से फिलहाल राहत की उम्मीद नहीं है। नेशनल इंटीग्रेटेड हीट हेल्थ इंफार्मेशन सिस्टम के अनुसार, गर्मी से 11.5 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। एरिजोना की राजधानी फीनिक्स में इस सप्ताह तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। अलर्ट में कहा कि उत्तरी कैलिफोर्निया की सैक्रामेंटो घाटी में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है।

अमेरिका में 600 राउंड गोलीबारी, 13 घायल

मोंटगोमरी, एपी : अमेरिकी राज्य अलबामा की राजधानी मोंटगोमरी में एक पार्टी के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी में नौ लोग घायल हो गए। यहां पर 600 राउंड से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। गोलीबारी के बाद मची अफरा-तफरी में चार अन्य लोग घायल हो गए। इसके अलावा ओहियो प्रांत की राजधानी कोलंबस में एक संदिग्ध ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 10 लोगों को घायल कर दिया। न्यूयार्क के रोचेस्टर इलाके में एक पार्क में गोलीबारी की घटना में छह लोग घायल हो गए। मोंटगोमरी के मेयर स्टीवन एल रीड ने कहा कि पुलिस विभाग, एफबीआइ और अन्य एजेंसियां गवाहों और संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। घायलों में किसी की स्थिति गंभीर नहीं है।

चीनी तटरक्षक से झड़प, फिलीपींस ने कहा, वह पीछे नहीं हटेगा

मनीला, एपी : फिलीपींस के राष्ट्रपति ने रविवार को कहा कि उनका देश किसी भी विदेशी शक्ति के आगे न तो झुकेगा और न ही कभी युद्ध भड़काएगा। उनका यह बयान दक्षिण चीन सागर में चीनी तटरक्षक बल और फिलीपींस के नौसैनिकों में झड़प के बाद सामने आया है। इस दौरान दो सैन्य बोट को छुरा, कुल्हाड़ियों व हथौड़ों से क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर अपने शीर्ष जनरलों और रक्षा प्रमुख के साथ पश्चिमी द्वीप प्रांत पलावन उन नौसैनिकों से मिलने और उन्हें पदक प्रदान करने के लिए पहुंचे। यह घटना तब हुई, जब फिलीपींस की नौसेना सेकेंड थामस शोल पर जरूरी सामानों की आपूर्ति कर रही थी।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर (फाइल) ● एपी

सार्वजनिक किए वीडियो में चीनी तटरक्षक फिलीपींस की नौसेना की बोट पर लकड़ी के पट्टे से हमला कर रहे हैं। चीनी सरकार ने कहा कि उसके तटरक्षक को कार्रवाई करनी पड़ी, क्योंकि फिलीपींस की नौसेना ने चेतावनी की परवाह नहीं की।

सुकमा में आइईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान बलिदान, धमतरी में एक नक्सली ढेर

रविवार दोपहर बाद करीब तीन बजे नक्सलियों की बिछाई आइईडी से हुआ विस्फोट

नईदुनिया टीम, रायपुर : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार दोपहर करीब तीन बजे नक्सलियों की बिछाई गई आइईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान बलिदान हो गए। मृतकों में वाहन चालक विष्णु आर केरल के त्रिवेंद्रम व आरक्षक शैलेंद्र उत्तर प्रदेश के कानपुर के निवासी थे। उधर, धमतरी जिले में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) से मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया है। घटनास्थल से हथियार भी मिले हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आइईडी विस्फोट में जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलवाद के खात्मे तक हम चुप नहीं बैठेंगे।

पुलिस ने बताया कि राजधानी रायपुर से करीब 400 किमी दूर सुकमा के जगरगुंडा थाना अंतर्गत सिलगेर कैंप और टेकलगुडेम के बीच आइईडी विस्फोट हुआ। सीआरपीएफ की 201 कमांडो बटालियन फार रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) का काफिला रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) के तहत ड्यूटी पर था। काफिले में बाइक और ट्रक शामिल थे। ट्रक में राशन ले जाया जा रहा था। नक्सलियों ने टेकलगुडेम कैंप के कुछ पहले तिम्मापुरम गांव के पास रास्ते में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से पहले से ही आइईडी बिछा रखी थी, जिससे गुजरते विस्फोट हुआ और ट्रक के परखच्चे उड़ गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल का दस्ता मौके पर पहुंच गया है। जवानों के शव जंगल से बाहर निकाल लिए गए हैं। इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। बता दें कि इस वर्ष अब तक नक्सली हमले में छत्तीसगढ़ में 12 जवान बलिदान हुए हैं। इनमें से तीन का बलिदान आइईडी विस्फोट में हुआ। उधर, सुरक्षा बल की कार्रवाई में बीते छह महीने के दौरान 130 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं।

बलिदानी जवान शैलेंद्र ● सौ. पुलिस

बलिदानी जवान विष्णु ● सौ. पुलिस

- बलिदानियों में से एक शैलेंद्र कानपुर के निवासी
- आरओपी ड्यूटी पर था कोबरा का काफिला

नक्सली ठिकाने से मिले नकली नोट

नईदुनिया प्रतिनिधि, सुकमा : छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के ठिकाने से पहली बार नकली नोट छापने के उपकरण और नकली नोट मिले हैं। पुलिस ने शनिवार को भेजी थाना क्षेत्र के ग्राम कोराजगुड़ा के जंगल में आपरेशन चलाकर पेड़ों के पीछे छिपाकर रखे कलर प्रिंटर मशीन, इन्वर्टर, कलर इंक और 50, 100, 200 व 500 रुपये के नकली नोट बरामद किए। इसके साथ ही भरमार बंदूक, वायरलेस सेट, मैग्जीन, नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले काले कपड़े व भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। एसपी किरण चव्हाण ने दावा किया कि वर्ष 2022 में नक्सली संगठन ने एरिया कमेटी के हर सदस्य को नकली नोट छापने का प्रशिक्षण दिया था। साप्ताहिक बाजारों में नोट खपाने की भी सूचना मिलती रही है।

नक्सलियों से बरामद नकली नोट, छापने के उपकरण व अन्य सामग्री ● सौ. पुलिस

पाकिस्तानी सेना ने अब आतंकियों को थमाए चीन निर्मित दूरसंचार उपकरण

- चीनी 'अल्ट्रासेट' से भेजे संदेश पकड़ नहीं पाती भारतीय एजेंसियां
- सोपोर और पुंछ में मारे गए आतंकियों से मिले थे ये उपकरण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू : पाकिस्तानी सेना कश्मीर में आतंक को जिंदा रखने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही। यही वजह है कि चीन निर्मित आधुनिक सैन्य दूरसंचार उपकरण 'अल्ट्रासेट' को आतंकियों तक पहुंचा दिया है। यह उपकरण चीन से पाकिस्तानी सेना ने खरीदे थे और अब इनका इस्तेमाल आतंकी कर रहे हैं। हाल में कश्मीर और पुंछ क्षेत्र में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों से यह उपकरण बरामद हुए हैं। इन उपकरणों में रेडियो सेट की तरह संदेश भेजने और काल करने की सुविधा भी है और सीधे चीन के सेटेलाइट से कोड भाषा में संदेश प्रेषित करते हैं। इस वजह से भारतीय एजेंसियां इन्हें नहीं पकड़ पातीं। ऐसे में यह नई चुनौती बनकर उभरे हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब इनका तोड़ खोजने में लगी हैं।

इस वर्ष 26 अप्रैल को बारामुला के सोपोर में मारे गए दो आतंकियों और उससे पूर्व पुंछ के सुरनकोट में हुई मुठभेड़ में ढेर चार विदेशी आतंकियों से ये अल्ट्रा सेट से बरामद हुए थे। स्पष्ट है कि पाकिस्तानी सेना जम्मू-कश्मीर में अस्थिरता और हिंसा के लिए आतंकियों को प्रशिक्षण से लेकर घुसपैठ कराने, गोला-बारूद व हथियार उपलब्ध कराने के साथ ऐसे दूरसंचार उपकरण भी उपलब्ध करवा रही है, जो वह स्वयं इस्तेमाल करती है।

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि चीन की सेना गुलाम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी सेना के लिए स्टीलहेड बंकर बनाने, मानव रहित हवाई व लड़ाकू वाहन उपलब्ध करवाने, इन्क्रिप्टेड संचार टावर लगाने के साथ ही भूमिगत फाइबर केबल बिछाने में सहयोग दे रही है। चीन की सेना ने पाकिस्तान सेना की रडार क्षमता बढ़ाने के लिए जे-वाई और 'एचजीआर श्रृंखला के आधुनिक रडार सिस्टम उपलब्ध करवाए हैं। इतना ही नहीं, नियंत्रण रेखा के पार कुछ हिस्सों में चीन में बने एसएच-15 होवित्जर तोपें भी देखी गई हैं।

रेडियो तरंगों पर कार्य करता है यह अल्ट्रा सेट : अल्ट्रा सेट रेडियो तरंगों के आधार पर काम करता है। हर उपकरण चीन के सेटेलाइट से जुड़ा रहता है। कोई भी दो अल्ट्रा सेट आपस में सीधे नहीं जुड़े होते। ऐसे में इनसे भेजे गए संदेश भारतीय सेना की पकड़ में नहीं आते।

उत्तरी कश्मीर के उड़ी सेक्टर में एक आतंकी का शव बरामद

उत्तरी कश्मीर में बारामुला जिले के उड़ी सेक्टर में घुसपैठरोधी अभियान के दौरान रविवार को सुरक्षा बलों ने एक आतंकी का शव बरामद किया। शनिवार को यहां घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना के जवानों ने मार गिराया था। मारे गए दूसरे आतंकी का शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। पूरे क्षेत्र में अभी तलाशी अभियान व्यापक स्तर पर जारी है। घुसपैठ का यह प्रयास उड़ी सेक्टर के गौहालन क्षेत्र में हुआ था।

****

नईदिल्ली, सोमवार, 24 जून, 2024

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

दिल्ली/दक्षिणी दिल्ली

www.jagran.com

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ स्वीकार नहीं : याज्ञवल्क्य शुक्ल

हम लोग वक्त को बदलते हैं : डा. 19/ सुधांशु त्रिवेदी

प्रणाम

वर्कशाप

- इंडिया हैबिटेट सेंटर के महोगनी में अस्मिता थिएटर ग्रुप की ओर से थिएटर वर्कशाप। सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक। वर्कशाप 30 जून तक लगेगी।

दैनिक जागरण कार्यालय

स्थानीय ब्यूरो
प्यारे लाल भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग, आइटीओ, दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली
50, ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेट, फेज-3, नई दिल्ली-20

प्रिय पाठकगण,
आप एक जागरूक शहरी के रूप में दैनिक जागरण अखबार व अपने समाज की आंख व कान बन सकते हैं। अपने शहर की जिन समस्याओं, मुद्दों व बातों को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, हमें बताएं। हम समाचार पत्र के माध्यम से आपकी आवाज को उन लोगों तक ले जाएंगे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।

संपर्क करें: 8175813532, 9873737460

ईमेल : reporter@nda.jagran.com

अगर आपको अपना प्रिय समाचार पत्र दैनिक जागरण मिलने में कोई परेशानी हो रही है तो कृपया हमें जरूर बताएं।
9873067812
8076941298

एक नजर में

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 53 गिरफ्तार

नई दिल्ली : सार्वजनिक स्थान पपर शराब पीने वाले लोगों के खिलाफ सेंट्रल जिला पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया और 53 आरोपितों को गिरफ्तार किया। वह सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करते पाए गए। पुलिस अधिकारी का कहना है कि शनिवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक रूप से शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया।विभिन्न थानों की पुलिस ने पार्कों, खाली भवनों, डार्क स्पाट आदि की जांच की। (जासं)

12 वीं कक्षा में सफल छात्रों को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली : कूचा पाती राम स्थित पंचायती धर्मशाला में संयुक्त धानक धानका समाज महासंघ की ओर से 12 वीं कक्षा में सफल हुए छात्रों को सम्मानित किया गया। 60 छात्रों संस्था की ओर सम्मानित कर उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। संस्था के आनंद पचेरवाल ने कहा कि इससे छात्रों का मनोबल बढ़ता है और वह सफलता के लिए प्रेरित होते हैं और पढ़ाई में मेहनत करते हैं। (जासं)

छावला में फुटबाल ग्राउंड का किया गया उद्घाटन

पश्चिमी दिल्ली: छावला गांव में फुटबाल ग्राउंड का उद्घाटन पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने रविवार को किया। इस ग्राउंड की शुरुआत फ्रंटियर एकेडमी द्वारा की गई है। सोलंकी ने बताया कि दिल्ली देहात में क्रिकेट के काफ़ी ग्राउंड है, लेकिन फुटबाल ग्राउंड की संख्या न के बराबर थी। यह एक अच्छी शुरुआत है। (वि)

दो किलो गांजा के साथ पकड़ा गया नाबालिग

पश्चिमी दिल्ली: उत्तम नगर थाना पुलिस ने नाबालिग को पकड़कर उसके पास से दो किलो गांजा बरामद किया है। उसे गांजा बेचने के लिए रोज के 350 रुपये दिए जाते थे। वह छोटे छोटे पैकेट में कम मात्रा में गांजा बेच रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तम नगर थाना पुलिस कर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक नाबालिग के गांजा बेचने की जानकारी मिली। घर का दरवाजा तोड़कर पुलिस ने उसे पकड़ा। जब घर की तलाशी ली तो उससे दो किलो गांजा बरामद हुआ। नाबालिग ने बताया कि उसे इलाके के नशेड़ियों को कम मात्रा में गांजा बेचने के लिए दिया जाता था। (जासं)

डीयू में पीजी की 13,500 में से 12,027 सीटें आवंटित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर (पीजी), बीटेक और पांच वर्षीय विधि कार्यक्रम में प्रवेश की पहली सूची जारी कर दी गई है। पहले चरण में पीजी की 12,027 सीटों का आवंटन हुआ है। बीटेक की 390 और विधि कार्यक्रम की 120 सीटों का आवंटन कर दिया गया है। अब विद्यार्थी 26 जून तक आवंटन स्वीकृत कर सकते हैं। 28 जून तक फीस जमा कर प्रवेश को पक्का कर सकते हैं।

डीयू ने पीजी की 13,500, बीटेक की 360 और बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी की 120 सीटों पर प्रवेश की घोषणा की थी। अब इनके आवंटन जारी किए गए हैं। पीजी में 2231 विद्यार्थियों ने आवंटन को स्वीकृत किया है। बीटेक में 14 और विधि कार्यक्रम में 24 विद्यार्थियों ने आवंटन को स्वीकार किया है। इससे पहले पीजी की सीटों के लिए 85,144 विद्यार्थियों ने आवेदन किए गए। एक सीट के लिए छह आवेदन किए गए हैं। इसी तरह बीटेक में

पीजी, बीटेक और विधि कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पहले चरण की सीट आवंटन सूची जारी, दो चरण और बचे हैं प्रवेश के

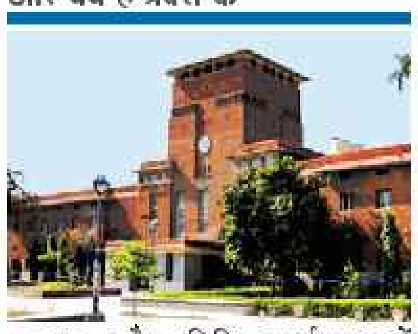

6,333 और विधि कार्यक्रम में 4,635 विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे। पीजी में 82 विषयों के लिए प्रवेश सीयूईटी अंकों के आधार पर दिए जा रहे हैं। बीटेक में प्रवेश जेईई मेन की रैंकिंग के आधार पर दिए जा रहे हैं। विधि कार्यक्रम में प्रवेश के लिए क्लेट की रैंक को मान्य किया गया है। डीयू ने पिछले साल ही बीटेक और पांच वर्षीय विधि कार्यक्रम की शुरुआत की है। इसमें बीटेक में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स में 120-120 सीटों पर और बीए और बीबीए एलएलबी के

360 बीटेक की सीटों के लिए किए गए 390 आवंटन

120 सीटों का आवंटन किया गया विधि कार्यक्रम के लिए

लिए 60-60 सीटों के लिए प्रवेश की शुरुआत की गई है। प्रवेश के दो चरण और बचे हैं, लेकिन उससे पहले बीटेक और विधि कार्यक्रम में सीटों के आवंटन पूरे हो चुके हैं। अब दूसरे चरण की प्रवेश सूची दो जुलाई को जारी की जाएगी। विद्यार्थियों को सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) के डैशबोर्ड पर आवंटन दिखाई देंगे। पीजी और बीटेक कार्यक्रम के लिए 11 जुलाई को मिड एंट्री की व्यवस्था की गई है। खेल और पाठ्येत्तर गतिविधियों व सुपरन्यूमैरी सीटों के साथ प्रवेश के तीसरा चरण की पहली सीट आवंटन सूची 16 जुलाई को जारी की जाएगी। विधि कार्यक्रम में मिड एंट्री की व्यवस्था नहीं रखी गई है।

छात्रों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

जासं, नई दिल्ली: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार से दिल्ली विश्वविद्यालय में सीयूईटी के तहत होने वाले परास्नातक प्रवेश में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। छात्र प्रवेश प्रक्रिया में कोई भी समस्या होने पर इन नंबरों पर काल करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

डीयू में पीजी एडमिशन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में छात्रों को प्रवेश संबंधी कोई समस्या का सामना न करना पड़े, इसको ध्यान में रखते हुए एबीवीपी ने पांच नंबर 9810850652, 9667874087, 9519870289, 7905491058 और 6306781349 जारी किए हैं, तो वहीं विश्वविद्यालय के विधि संकाय में प्रवेश संबंधी सहायता के लिए तीन नंबर 7081839396, 6232437200 एवं 7982243341जारी किए हैं। छात्र इन सभी नंबरों पर फोन करके मदद ले सकते हैं।

डीएसईयू में दो से तीन गुना बढ़ी फीस, हर साल 10 प्रतिशत की होगी बढ़ोतरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू) ने अपने कोर्सों की फीस में दो से तीन गुना की बढ़ोतरी की है। इससे आर्थिक रूप से वंचित छात्र चिंतित हो गए हैं और उनकी पढ़ाई पर संकट खड़ा हो गया है। दूसरी ओर, विश्वविद्यालय ने अकादमिक परिषद की बैठक में हर साल 10 प्रतिशत फीस बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव पास किया है। यह फैसला आने वाले वक्त में छात्रों के लिए और मुश्किल खड़ी करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि फंड की कमी के चलते यह फैसला लिया गया है। हालांकि, फैसला वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों पर लागू नहीं होगा।

डीएसईयू में 14 डिप्लोमा कोर्स चलाए जाते हैं। छात्रों का कहना है कि पिछले वर्ष तक 8,500 रुपये फीस लगती थी। नवीन सत्र से इसे बढ़ाकर प्रतिवर्ष 33 हजार रुपये कर दिया है। आर्यभट्ट इंस्टीट्यूट अशोक विहार के एक छात्र ने कहा, दूसरे डिप्लोमा की फीस 33 हजार तक की गई है, जबकि आर्किटेक्चर की फीस को विशेषतौर पर बढ़ाकर 63 हजार कर दिया गया है। इतनी फीस बढ़ोतरी पड़ोसी राज्यों में भी नहीं है। हरियाणा में तो पांच हजार रुपये तक ही फीस लगती है। मेधावी छात्रों को 50 हजार रुपये तक प्रदान किए जाते हैं। डिप्लोमा करने वे छात्र आते हैं, जिनको रोजगार की जल्द जरूरत होती है और वे मोटी फीस नहीं भर सकते। ऐसे सैकड़ों छात्र डीएसईयू में पढ़ रहे हैं। वे तो अगले वर्ष प्रवेश ही नहीं लेंगे। जब इंस्टीट्यूट डीटीई के तहत आते थे तब इनकी फीस आठ हजार रुपये प्रति वर्ष सभी डिप्लोमा कोर्स की थी। तब ऐसी बढ़ोतरी नहीं देखी जाती थी। डीएसईयू के तहत आने के बाद फीस में बढ़ोतरी की जा रही है। पूरे मामले पर डीएसईयू के कुलपति प्रो. अशोक नगावत ने कहा, सरकार से जो ग्रांट मिल रही है, उससे संस्थानों में ढांचागत विकास के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। इसलिए अकादमिक परिषद में दो से तीन गुना फीस बढ़ोतरी पर मुहर लगाई गई है। हर साल 10 प्रतिशत बढ़ोतरी पर स्वीकृति मिली है। कोशिश की जा रही है कि सीएसआर से फंड लिया जाए, जिससे जरूरतमंद छात्रों की स्कालरशिप देकर सहायता की जा सके। इन रुपयों का उपयोग शिक्षकों की सैलरी या एलटीसी देने में नहीं किया जाएगा। अगर कोई रियायत मिलती है, तो अकादमिक परिषद में फीस को घटाया भी जा सकता है। उन्होंने कहा, कुछ नए कोर्स शुरू किए गए हैं। इससे खर्च बढ़ा है। प्रयोगशालाओं की सुविधा बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा, तीन साल बाद फीस बढ़ाई गई है। नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट प्रतिशत 10 प्रतिशत फीस बढ़ोतरी किए जाने के फैसले की निंदा की है।

बिन दरवाजे व पानी के महिला शौचालय

हैदरपुर, केएन काटजू मार्ग, प्रशांत विहार और पीतमपुरा के शौचालय बदहाल

जागरण पड़ताल

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली: रोहिणी और केशवपुरम नगर निगम क्षेत्र में कई जगह सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि इस्तेमाल की गुंजाइश ही खत्म हो गई है। कई जगह तो महिला शौचालय के दरवाजे गायब हैं, या टूटे हैं। कहीं पानी है तो नल नहीं है और कहीं नल है तो पानी नहीं है। कुछ ऐसे शौचालय मिले, जहां टायलेट सीट गायब हो गई। बड़ी संख्या में सार्वजनिक शौचालयों के दरवाजे गायब हो चुके हैं, जहां बचे हैं उनमें से भी अधिसंख्य टूटे हुए हैं। यहां तक कि महिला शौचालयों के दरवाजे टूटे पाए गए।

रोहिणी और केशवपुरम नगर निगम क्षेत्र के सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति व सुविधाओं का दैनिक जागरण ने जायजा लिया। कुछ जगह सार्वजनिक शौचालयों में सुविधाएं ठीक पाई गईं, वहीं कई स्थानों पर स्थिति इस कदर खराब पाई गई कि सुविधाओं के अभाव में लंबे समय से लोगों ने इन शौचालयों का इस्तेमाल करना बंद कर दिया है। या यूं कह सकते हैं कि सार्वजनिक शौचालय अपना अस्तित्व ही खो चुके हैं। बचा हुआ ढांचा व अवशेष बताते हैं कि यहां कभी सार्वजनिक शौचालय होते थे।

पीतमपुरा: जीपी-ब्लाक झुग्गी: पीतमपुरा के जीपी-ब्लाक की झुग्गी बस्ती की करीब पांच साल पहले महिला शौचालय बनाए गए थे। दो-ढाई साल चलने के बाद सुविधाओं के अभाव में धीरे-धीरे इनका इस्तेमाल बंद हो गया। केवल एक शौचालय का दरवाजा बचा है, बाकी के टूट चुके हैं। फिलहाल इन शौचालयों मे न सीट हैं और न पानी व बिजली। ज्योति और सोनिया ने बताया कि इन शौचालयों के स्थान पर मोबाइल टायलेट लगा दिए, लेकिन ये शौचालय उतने कारगर नहीं हैं, जितने पक्के शौचालय थे।

हैदरपुर: नहर के पास: हैदरपुर झुग्गी बस्ती के लिए नहर किनारे 10 शौचालय बनाए गए हैं। लेकिन, किसी पर भी दरवाजे नहीं बचे हैं। लोगों का कहना है कि कुछ दरवाजे टूट गए और बाकी लोग चुरा ले गए। ये शौचालय महिला और पुरुष के लिए बनाए गए थे। सालभर पहले सारे दरवाजे गायब हो चुके हैं। दरवाजों से पहले नल और टौंटी गायब हो गए थे। टायलेट सीट में कूड़ा-कचरा इतना भर चुका है कि सीट नजर नहीं आ रही।

पीतमपुरा जीपी ब्लाक झुग्गियों का बदहाल शौचालय ● जागरण

प्रशांत विहार में पीवीआर के सामने चारों शौचालय बदहाल

रोहिणी सेक्टर-14 प्रशांत विहार में पीवीआर के सामने सेंट्रल मार्केट में चार शौचालय हैं। चारों में न टायलेट सीट हैं, न पानी और न ही नल है। जबकि शौचालय की छत पर पानी के लिए टंकी रखी है। चारों शौचालय के दरवाजे भी नीचे टूटे हुए हैं। मार्केट में काम करने वाले संजय ने बताया कि शौचालय में कोई सुविधा नहीं है, इसलिए इसका कोई इस्तेमाल नहीं करता है। कई महीनों से शौचालय बदहाल हैं।

> रोहिणी नगर निगम क्षेत्र में शौचालयों में जो भी कमियां हैं, उन्हें चिन्हित किया जाएगा और पूरी रिपोर्ट तैयार कर सभी खामियों को दूर कराया जाएगा। इस काम को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।
> **-होशियार सिंह,** स्वच्छता अधीक्षक, नगर निगम, रोहिणी जोन

> केशवपुरम जोन में कुछ शौचालय नगर निगम की देखरेख में हैं और कुछ की जिम्मेदारी डूसिब के पास है। नगर निगम के अंतर्गत आने वाले शौचालयों का निरीक्षण कराने के बाद ही इस बारे में कुछ कह पाएंगी।
> **-वंदना राव,** उपायुक्त, केशवपुरम नगर निगम जोन

केएन काटजू मार्ग पर गंदगी से भरी है टायलेट सीट

केएन काटजू मार्ग पर ईएसआई अस्पताल के सामने बस क्यू शेल्टर के पास राहगीरों की सुविधा के लिए महिला और पुरुष शौचालय बनाए गए हैं। पुरुष शौचालय के दोनों दरवाजों का नीचे से करीब एक चौथाई हिस्सा टूटा हुआ है तो महिला शौचालय के गेट का भी कुछ हिस्सा टूटा हुआ है। बदहाली का यह है कि शौचालय के भीतर टायलेट सीट इस्तेमाल लायक नहीं है। कूड़े-गंदगी से टायलेट सीट भरी है। शौचालय में नल-पानी की कोई व्यवस्था नहीं है।

लुटियंस दिल्ली के कई सार्वजनिक शौचालय बदहाल, लोग हैं परेशान

- स्वच्छ सर्वेक्षण में सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति से बिगड़ी है एनडीएमसी की रैंकिंग
- कई स्थानों पर शौचालयों में पानी की कमी और हाथ धोने के लिए नहीं होता साबुन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली से ही स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत हुई थी, लेकिन लुटियंस दिल्ली में सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति बिगड़ती ही जा रही है। कई स्थानों पर सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति ही खराब है। इसकी वजह से लोगों को परेशानी तो होती ही है, साथ ही नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की छवि भी धूमिल हो रही है, जबकि स्वच्छ भारत अभियान के बाद सबसे ज्यादा अच्छी स्थिति एनडीएमसी के सार्वजनिक शौचालयों की होती थी। तीन-चार साल में इसकी स्थिति में बहुत ही ज्यादा गिरावट आई है। अब किसी सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने जाएं तो इसकी गारंटी नहीं है कि वह सही अवस्था में मिले।

दैनिक जागरण ने मध्य दिल्ली में एनडीएमसी के सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया। जहां पर कहीं टायलेट सीट टूटी हुई मिली तो कहीं पर नल और पानी दोनों ही गायब थे। कई शौचालयों में लाइट खराब होने से लेकर लाइट कम जलने की भी बात है। हैंडवाश के नाम पर पानी मिला हैंडवाश होता है, जिससे हाथ कैसे साफ होते होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। कापरनिक्स मार्ग स्थित एनडीएमसी के सार्वजनिक शौचालय में टायलेट सीट टूटी हुई थी। इससे इसे उपयोग ही नहीं किया जा सकता है। इसी प्रकार हिमाचल भवन के पास बने एनडीएमसी के सार्वजनिक शौचालय के नल में पानी ही नहीं था और नल भी टूटा हुआ था।

एनडीएमसी को दी गई प्रतिक्रिया में एक या दो नहीं, बल्कि 21 सार्वजनिक शौचालय इस माह गंदे मिले। अगर इस वर्ष की बात करें तो लोगों ने 271 सार्वजनिक शौचालयों में गंदगी की शिकायत की है। उल्लेखनीय है कि एनडीएमसी इलाके में 243 पीटीयू (पब्लिक टायलेट) और 33 सीटीयू (सामुदायिक टायलेट) हैं।

कापरनिक्स लेन स्थित शौचालय में लगी टूटी सीट ● जागरण

हिमाचल भवन के पास शौचालय में लगा पानी का नल टूटा हुआ और इसमें पानी भी नहीं आ रहा है ● जागरण

> कई जगह पर टायलट में पानी भरने वाली मोटरें खराब हैं तो कई पर एक्जास्ट फैन नहीं है। महिला शौचालयों में सफाईकर्मी पहले महिला ही होती थी, लेकिन अब कई जगह पर उन्हें हटा दिया गया। कई जगह पर तैनात कर्मी पैसे की भी मांग करते हैं, जबकि सेवा पूरी तरह निश्शुल्क है।
> **- प्रीतम धारीवाल,** अध्यक्ष, राजधानी नागरिक कल्याण समिति

> पहले सार्वजनिक शौचालयों को ठीक कराया था। एक-एक शौचालय का मैंने निरीक्षण किया था। इसके बाद इनकी स्थिति ठीक हुई थी। पानी की कमी की वजह से हो सकता है कि फिर समस्या आई हो। मैं जाकर इनकी स्थिति को देखूंगा। **-सतीश उपाध्याय,** उपाध्यक्ष, एनडीएमसी

रेरा में पंजीकरण के लिए 4,350 फ्लैटों के लिए प्रक्रिया शुरू

राज्य ब्यूरो ● नई दिल्ली : रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) की आपत्तियों के बाद कोई भी एजेंसी उसके साथ पंजीकरण के बिना आवास परियोजनाओं में फ्लैट नहीं बेच सकती है। दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआइआइडीसी) ने लगभग 4,350 फ्लैटों के लिए औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये फ्लैट उत्तर पश्चिमी दिल्ली के बवाना में आवंटित और खाली पड़े हैं।

अधिकारियों के अनुसार ये फ्लैट 2010-11 में उन हजारों श्रमिकों की आवास आवश्यकताओं के लिए बनाए गए थे, जो बवाना, नरेला और आसपास के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों में कार्यरत होंगे। सूत्रों ने बताया कि डीएसआइआइडीसी को 21वीं सदी के पहले दशक में जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन के तहत 34,260 कम लागत वाले घर बनाने के लिए कहा गया था, जिनमें से 17,660 पूरे हो चुके थे और 16,600 अधूरे थे। एजेंसी ने कुछ सौ फ्लैट आवंटित किए थे और उनमें से कुछ को झुग्गीवासियों को आवंटन के लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) ने अपने कब्जे में ले लिया था। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने 2022 में दो अलग-अलग आवासीय इलाकों में 27 से 32 वर्ग मीटर के बीच के 4,348 फ्लैट बेचने की कोशिश की थी और उनके लिए विज्ञापन भी दिया था, लेकिन रेरा ने इस पर आपत्ति जताई थी।

अब, रेरा की शर्तों को पूरा करने के लिए डीएसआइआइडीसी ने दिल्ली नगर निगम, दिल्ली शहरी कला आयोग, दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली जल बोर्ड से आवश्यक अनुमोदन और गैर-आपत्ति प्रमाण पत्र के लिए साइट योजना और अन्य चित्र तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए सलाहकारों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। 2022 में रेरा की आपत्ति के बाद डीएसआइआइडीसी ने तर्क दिया था कि ये फ्लैट 2010 के आसपास बनाए गए थे, जब नियामक प्राधिकरण की कल्पना भी नहीं की गई थी, लेकिन उसके तर्क खारिज कर दिए गए थे।

झपटमारों के गिरोह का भंडाफोड़, आठ पकड़े

जासं, नई दिल्ली: सेंट्रल जिले की एएटीएस ने झपटमार/वाहन चोर व चोरी के सामान को खरीदने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान भलस्वा डेरी के समीर, सलमान,गांधी मार्केट के अलजुबैर, नावेद उर्फ जावेद, आइपी एस्टेट के नदीम उर्फ फरदीन, बवाना जेजे कालोनी के इरफान उर्फ इमरान अली, शेख कमरुल व कृष्णा नगर के कृष के रूप में हुई। उनके पास से 90 मोबाइल, पांच दोपहिया वाहन व सोने के गहने बरामद किए गए हैं। आरोपित पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपितों की गिरफ्तारी से 35 आपराधिक मामलों को हल कर लिया गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि दस जून को आइपी इस्टेट थाना पुलिस को झपटमारी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि सुबह जब वह कश्मीरी गेट से आटो में सवार होकर अपने घर जा रही थी तो जैसे ही वह आइटीओ रेड लाइट पर पहुंची तो बाइक पर सवार होकर तीन लड़के आए।

आइआइसीसी के चुनाव में दांव आजमाएगा एमआरएम

नेमिष हेमंत ● जागरण

- जीते तो बतौर डाक्टर पहले अध्यक्ष होंगे कैंसर विशेषज्ञ माजिद अहमद तालिकोटी
- विपक्ष में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद के पैनल के उतरने की है चर्चा

2,000 से अधिक हैं मतदाता

11 अगस्त 2024 को होना है आइआइसीसी का चुनाव

नई दिल्ली: देश-विदेश में प्रतिष्ठित इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर (आइआइसीसी) के चुनाव में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) भी दांव आजमाएगी। लोधी रोड स्थित इस सेंटर के लिए हर पांच वर्ष में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के साथ ही 11 सदस्यों का चुनाव होता है। इस बार इसका चुनाव 11 अगस्त को है।

माजिद अहमद तालिकोटी ● जागरण

पिछले चार चुनाव से अध्यक्ष पद उद्योगपति सिराजुद्दीन कुरैशी जीत रहे थे। इस बार इस पद के लिए एमआरएम के राष्ट्रीय संयोजक माजिद अहमद तालिकोटी ने दावेदारी ठोकी है। मूलरूप से कनार्टक के तालिकोटी का कैंसर सर्जन के रूप में बड़ा नाम हैं।

माना जा रहा है कि इस चुनाव में उनका सामना कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद से हो सकता है, जो इसके पहले वर्ष 2014 में भी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़े थे। इसी तरह वर्ष 2019 के चुनाव में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों को सिराजुद्दीन कुरैशी से हार का सामना करना पड़ा था।

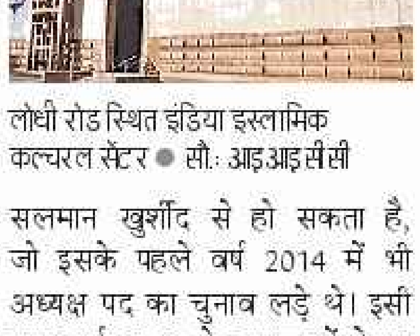

लोधी रोड स्थित इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर ● सौ.: आइआइसीसी

इस बार उम्र अधिक होने की वजह से कुरैशी अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। वह तालिकोटी के पैनल में ही बोर्ड आफ ट्रस्टी के सदस्य पद के लिए चुनावी मैदान में उतरेंगे। वैसे, अभी तक विपक्षी पैनल की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन डा. माजिद अहमद तालिकोटी की दावेदारी के साथ ही आइआइसीसी का यह चुनाव भाजपा-संघ बनाम कांग्रेस पार्टी का होना संभव हो रहा है, क्योंकि एमआरएम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीबी माना जाता है।

इस चुनाव में दो हजार मतदाता भाग लेंगे, जिसमें, पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई व डा. कर्ण सिंह, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला और गुलाम नबी आजाद, सांसद तारिक अनवर, स्तंभकार शाहिदी सिद्दकी समेत देश-विदेश के नेता, नौकरशाह, बुद्धिजीवी व उद्योगपति इसके सदस्य हैं। कई अनिवासी भारतीय भी इसके सदस्य हैं।

इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर के एसोसिएशन का गठन पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पहल पर वर्ष 1981 में हुई थी। हमदर्द के संस्थापक हकीम अब्दुल हमीद इसके पहले अध्यक्ष थे।

वर्ष 2006 में इस सेंटर का उद्घाटन कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया था। एमआरएम के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, संगठन की तरफ से तालिकोटी का नाम आगे किया गया, जिसके पैनल में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल हैं।

उनमें से एक पूर्व अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी भी हैं, जो इस बार बोर्ड आफ ट्रस्टी के रूप में चुनाव लड़ेंगे। संघ के करीबी होने के सवाल पर माजिद तालिकोटी ने कहा कि उनके संबंध सबसे हैं।

वह यह चुनाव धार्मिक सद्भाव को बढ़ाने, आपसी दूरियों को मिटाने तथा संस्कृति, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे मुद्दे पर समाज को जागरूक करने के लिए लड़ रहे हैं। सिराजुद्दीन कुरैशी के अनुसार, यह चुनाव सेंटर को राजनीतिकरण से बचाने के लिए भी है।

****

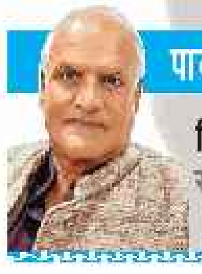

पावस-गीत
गिरीश पंकज
रायपुर, छत्तीसगढ़

उतरे बादल...

तप्त-धरा से नेह लुटाने,
दूर गगन से उतरे बादल।
नाच रहा मन-मोर सभी का,
और विहंसते सगरे बादल।

बहुत झुलसती रही विरहिणी,
प्रिय ने कितना तरसाया।
लेकिन समय बदलता भी है,
मिलन-पर्व आखिर आया।
'प्यार' प्रेयसी को बांटा तो,
और अधिक फिर निखरे बादल।

देख मिलन यह चक्षुप्रफुल्लित,
हर तरुवर-खग हर्षाया।
भेजे थे मनुहार अनगिनत,
अब जाकर अवसर आया।
आतुर होकर धाये आखिर,
भूल गए सब नखरे बादल।।

आए हैं ये पाहुन आकुल,
कुछ पल प्रीत लुटाएंगे।
धरा बावरी नाचेगी, ये -
अगले सावन आएंगे।
परदेसी हैं चातुर्मासी,
कहां बाद में ठहरे बादल।।

girishpankaj1@gmail.com

दैनिक जागरण हिंदी हैं हम

भाषा की पाठशाला
कमलेश कमल
नई दिल्ली

आजके शब्द : नीति, राजनीतिक और राजनैतिक

नीति : 'नी' धातु का अर्थ है- ले जाना, नेतृत्व करना, पहुंचाना। 'नी' (नी + क्विप्) जब समास के अंत में प्रयुक्त होता है, तब भी नेता अथवा पथप्रदर्शक का अर्थ देता है; जैसे सेनानी (सेना का नेता अथवा पथप्रदर्शक), ग्रामणी (व्याकरणिक नियम से 'न' का णहुआहै; ग्रामणी ग्राम का नेता होता है) इत्यादि। नीत शब्द के निम्नलिखित अर्थ हैं- 1. ले जाया गया, पहुंचाया गया, नेतृत्व किया गया 2. लब्ध, प्राप्त 3. सही, भली-भांति व्यवहृत इत्यादि। अस्तु, अर्थ की दृष्टि से 'नीति' शब्द का प्रयोग राजनय, योजना, निर्देशन, प्रबंधन, दिग्दर्शन, आचरण, कूटयुक्ति इत्यादि के लिए होता है। नीति से निर्मित कुछ अन्य महत्वपूर्ण शब्द हैं- नीतिकुशल (नीतियों के क्रियान्वयन में दक्ष), नीतिकौशल, नीतिज्ञ (नीति का ज्ञानी), नीतिज्ञता, नीतिविद् (नीतिविषयक विद्वान्), नीतिघोष इत्यादि।

राजनीतिक और राजनैतिक : दोनों शुद्ध शब्द हैं; परंतु दोनों के अर्थ भिन्न हैं। नीति के साथ विशेषण बनानेवाले 'इक' प्रत्यय अथवा संस्कृत का 'ठक्' प्रत्यय जोड़ने से शब्द बनेगा 'नैतिक'। नैतिक से पूर्व 'राज' जोड़कर समास करें तो 'राजनैतिक' शब्द बनता है। इसका अर्थ है- राज अथवा राजा का नैतिक दायित्व, कर्तव्य। वहीं 'राजनीति' समस्तपद के साथ 'इक' प्रत्यय जोड़ें तो 'राजनीतिक' बनेगा। इसका अर्थ है- 'राजनीति से संबद्ध'। यहां आरंभ में 'आ' स्वर पहले से है; इसलिए आदिवृद्धि होती नहीं दिखती। समाज से सामाजिक (अ-आ), नीति से नैतिक (नी-नै), लोक से लौकिक (लो-लौ) बनता है; लेकिन यहां पहले से राजनीति है तो यह 'राजनीतिक' हो जाएगा। जब राज अथवा राजा के 'नैतिक' कर्तव्यों वा दायित्वों की नहीं, बल्कि राजनीति की चर्चा होती है तो 'राजनीतिक' शब्द का प्रयोग करना उचित होगा।

kamalkeekalam@gmail.com

कृतिकार
जयकृष्ण वाजपेयी
कोलकाता, बंगाल

संन्यासी विद्रोह की पृष्ठभूमि पर उपन्यास आनंद मठ लिखकर बंकिम चंद्र चटर्जी ने स्वाधीनता आंदोलन में प्राण डाल दिए। वंदेमातरम गाकर क्रांतिकारी फांसी के तख्ते पर झूल जाते थे। बंकिम ने अपने कृतित्व से देशभक्ति को धर्म में और धर्म को देशभक्ति में बदल दिया। यह बंकिम के महान योगदानों में से एक है। आज के युग में बंकिम की प्रासंगिकता की खोज करता आलेख...

बंकिम चंद चटर्जी (26 जून, 1838 - 8 अप्रैल, 1894)

बंकिम ने दिया देशभक्ति को नया आयाम

हमारे देश को स्वतंत्र हुए 76 वर्ष बीत चुके हैं। आज देशहित व राष्ट्रप्रेम पर व्यक्तिगत हित और राजनीतिक स्वार्थ भारी होता जा रहा है। लोगों को धर्म, जाति और संप्रदायों में बांटकर अपना-अपना हित साधने के प्रयास हो रहे हैं। राष्ट्र विरोधी तत्व सक्रिय हो रहे हैं। ऐसे में हमें उन मनीषियों की याद आना स्वाभाविक है, जिन्होंने अपने विचारों, लेखनी और संदेशों से जनमानस में देशप्रेम और राष्ट्रवाद का बीज बोया था। बंकिम चंद्र चटर्जी देशप्रेम और राष्ट्रवाद के ऐसे ही प्रणेता थे, जिन्होंने हमें राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' दिया।

आगामी 26 जून को हम बंकिम की 186वीं जयंती मना रहे हैं तो एक और बंकिम की आवश्यकता महसूस हो रही है। प्रख्यात उपन्यासकार, कवि, गद्यकार और पत्रकार बंकिम चंद्र ने अपनी ओजपूर्ण लेखनी और विचारों से देश में राष्ट्रीय जागृति और स्वतंत्रता संग्राम को गति देने के साथ-साथ सामाजिक आदर्शों व देशभक्ति को नया आयाम दिया। बंकिम ने स्वतंत्रता और राष्ट्रवाद के अपने विचारों को साहित्य के रूप में 'आनंदमठ', 'देवी चौधुरानी', 'धर्मतत्व', 'कृष्ण चरित्र' जैसी कई रचनाओं से अभिव्यक्त किया। अंग्रेजी हुकूमत की व्यवस्था का हिस्सा होने के बावजूद उन्होंने अपने क्रांतिकारी विचारों को लोगों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके लिए देशभक्ति केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि सबसे बड़ा धर्म था।

बंकिम ने अपनी रचना 'धर्मतत्व' में लिखा है, 'मैंने भी समझ लिया है कि आत्मरक्षा से स्वजनों की रक्षा बड़ा धर्म है, लेकिन स्वजनों की रक्षा से और बड़ा धर्म देश की रक्षा है।' यहां तक कि ऋषि अरविंद भी कहते थे कि बंकिम चंद्र की लेखनी में देशभक्ति धर्म सबसे बड़ा विचार है। रामायण में उल्लेखित है, 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'-अर्थात जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है।

बंकिम ने 'मेरा दुर्गोत्सव' आलेख में देश को मां दुर्गा बताते हुए उनसे घर आने का आह्वान किया था। उन्होंने लिखा था-'देश ही माता है, देश ही स्वर्ग है, देश ही धर्म है, देश ही भगवान है, देश ही ज्ञान, भक्ति, जीवन, हृदय और शक्ति है। देश सिर्फ मां नहीं है, वह दुर्गति नाशिनी दुर्गा है।' उनके अनुसार धर्म मानवता का विकास है और उनकी पुस्तक 'धर्मतत्व' में भी मानवता के उसी विकास की चर्चा है। वे लिखते हैं-'राष्ट्रधर्म की रक्षा के बिना भारत की समृद्धि नहीं हो सकती है, यह हमारा दृढ़ विश्वास है।'

धर्म की उनकी व्याख्या भारत के कल्याण के लिए है। उनके राष्ट्रधर्म में भौतिकवाद, जातिवाद, कर्मकांडवाद या वैदिक यज्ञों के लिए कोई स्थान नहीं है, न ही उनके अनुसार शास्त्रोक्त नियम अचूक या अपरिवर्तनीय हैं। उनके अनुसार, धर्म वेद में नहीं, लोकहित में है। वहीं दूसरी ओर 'आनंदमठ' उपन्यास को बंकिम की राष्ट्रवादी भावना की सुनहरी फसल कहा जाता है। उन्होंने इसके माध्यम से न केवल देशभक्ति की भावना जाग्रत की, बल्कि नया दर्शन और आदर्शवाद प्रस्तुत किया। यहां उनके लिए एकमात्र देवी जननी जन्मभूमि है। उन्होंने इसमें हिंदू-मुस्लिम के बजाय एक ही धर्म 'राष्ट्रधर्म' को स्थापित किया। बंकिम ने तो देशभक्ति को धर्म में और धर्म को देशभक्ति में बदल दिया है। देशभक्ति को धर्म के स्तर तक ऊपर उठाना भारतीय इतिहास में बंकिम चंद्र के महान महत्वपूर्ण मौलिक योगदानों में से एक है। संस्कृत और बांग्ला में लिखा उनका गीत 'वंदे मातरम' तो राष्ट्रप्रेम की मिसाल बन गया।

आज के परिप्रेक्ष्य में बंकिम के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता अधिक है, क्योंकि क्षेत्रवाद, जातिवाद व संप्रदायवाद को मिटाने के लिए ऐसी ही वैचारिकी कारगर हो सकती है।

jaikrishna@kol.jagran.com

बंकिम का गीत वंदे मातरम

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम
शस्यश्यामलां मातरम। वंदे मातरम।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम
सुहासिनी सुमधुर भाषिणीम
सुखदां वरदां मातरम। वंदे मातरम।
सप्तकोटि कंठ कल-कल निनाद कराले
द्विसप्तकोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बोले मा तुमि अबले।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम। वंदे मातरम।
तुमि विद्या, तुमि धर्म, तुमि हृदि, तुमि मर्म
त्वं हि प्राणा: शरीरे, बाहुते तुमि मा शक्ति,
हृदये तुमि मा भक्ति,
तोमारई प्रतिमा गडि मंदिरे-मंदिरे।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी, कमला
कमलदलविहारिणी, वाणी विद्यादायिनी,
नमामि त्वां, नमामि कमलाम
अमलां अतुलाम। सुजलां सुफलां मातरम।

संगीतायन
सुनंदा शर्मा
नोएडा, उत्तर प्रदेश

अध्यात्म में रचा-बसा बनारस घराना

वाराणसी क्षेत्र में शास्त्रीय संगीत की जो धारा बहती है, उसमें भक्ति भी है, जीवन दर्शन भी है और मस्ती भी। इन्हीं भावों के साथ जीता है बनारस घराना।

जब संगीत जगत के सुदूर देशों में कोई कलाकार सर्वश्रेष्ठ हो जाता था तो संगीत सिद्धि को परखने वाराणसी आता था। अगर यहां के कलाकारों ने उसे सराह दिया तो वह पूरे जगत में मान्य हो जाता था। बनारस में अंतर्मन तक जाती उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की शहनाई, सारंगी, रविशंकर जी का सितार, पखावज, तबले की थाप और मंदिर की घंटियों के बीच ध्रुपद, खयाल, ठुमरी, कौल, कलवाना, दादरा, टप्पा, चैती में रससिक्त आवाजें। गंगा जी के घाटों की सीढ़ियों तक पहुंचती हुई बनारसी गलियां प्रायः झंकृत रहती हैं, मौज-मस्ती और इत्मीनान से। इसी सब का दर्पण है बनारस घराना। स्वयं शंकर जी के मुख से प्रथम स्वर ॐ यहीं निकला था। राग भैरव अर्थात शंकर जी की स्थली है बनारस। छंद प्रबंध से लेकर ठुमरी तक, अगणित गायकियां बनारस घराने का शृंगार हैं। जहां बना है रस, वही है बनारस। महान कलाकार विदुषी गुरु मां गिरिजा देवी जी ने अपने गुरु पं. सरजू प्रसाद मिश्र, पं. श्रीचंद्र मिश्र जी से शिक्षा लेने के उपरांत सारनाथ में दो वर्ष एकांत में रहकर संगीत साधना की। बनारस में गुरु जी के घर कई बार पं. किशन महाराज जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। उनसे सुना कि उन्होंने तबले की शिक्षा प्राप्त करने के बाद संकटमोचन मंदिर के पीछे बने कमरे में दो वर्ष रहकर संगीत की तपस्या की थी। संगीत-तपस्या बनारस घराने के हर कलाकार का मूल गुण है। चारों पट की गायकी बनारस घराने की पहचान है। शास्त्रीय संगीत के अनुशासन की शक्ति के साथ उपशास्त्रीय संगीत की विभिन्न गायकियों का सौंदर्य, भाव, लहजा और कहन बनारस घराने की शान है।

मुगल काल में टप्पा गायकी के जनक मियां गुलाम नबी शौरी कुछ समय बनारस में रहे और टप्पा शैली बनारस घराने का अभिन्न अंग बना। हालांकि मुगलकाल में गायिकाओं का अस्तित्व संकट में आया था। कुलीन घरों ने युवतियों के लिए संगीत निषेध कर दिया था, पर गायिकाओं ने पुनः संगीत को उच्च स्थान तक पहुंचाया और उसे गरिमा प्रदान की। बनारस घराने का शास्त्रीय संगीत तपस्या में तपकर सुरों के माध्यम से अध्यात्म की ओर जाने का मार्ग है।

sunandash@gmail.com

वर्ग पहेली-2670

बाएं से दाएं
1. नीचे से ऊपर जाना, प्रगति करना (4) I 2. जल तथा स्थल दोनों पर बहने वाला (5) I 5. कुल, खानदान, गोत्र (2) I 6. अधोगति, नाश (3) I 9. धब्बा, लांछन (3) I 11. छाती पीटने वाला (4) I 13. वकील का काम है .... करना (4) I 14. क्रूर हृदय, निष्ठुर (3) I 17. पंकज, जलज (3) I 18. गौरव, वैभव ठाठ (2) I 20. नाटकों की रचना करने वाला (5) I 21. झगड़ा, विवाद, हुज्जत (4) I

ऊपर से नीचे
1. खुद को ही धोखा देने वाला (5) I 2. फेन, उबाल, झाग (3) I 3. संन्यासी, योगी, जितेंद्रिय, ब्रह्मचारी (2) I 4. घुंघरू, नूपुर (4) I 7. किसी जिले का यह भाग तहसीलदार के अधीन रहता है (4) I 8. सोना, धतूरा (3) I 10. खोल, आवरण, छिलका, नगाड़ा (3) I 12. अपूर्ण, अधूरा (4) I 15. विश्वसनीय, सच्चा, अच्छे नीयत का (5) I 16. डर से संकुचित स्थान में छिपना (4) I 17. कमी, न्यूनता (3) I 19. दलदल, कीचड़ (2) I

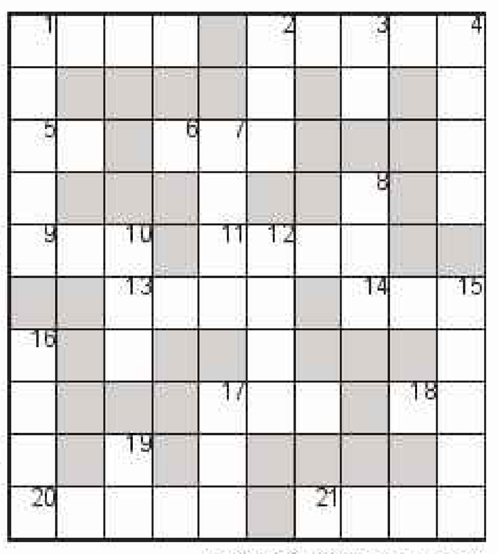
© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

जागरण सुडोकू-2670

6		5		9		3		1
	4			1				
9		1	3		4	6	7	
5			9			2		4
	1				8	7		
2		9		4			5	
1		7	8			4	6	
		2		7				3
4	9		1		2		8	

कल का हल

3	2	9	8	6	7	4	1	5
6	4	5	1	3	2	7	9	8
1	7	8	5	4	9	2	6	3
7	6	3	9	5	8	1	4	2
5	9	1	2	7	4	8	3	6
2	8	4	3	1	6	9	5	7
8	3	6	4	2	1	5	7	9
9	1	7	6	8	5	3	2	4
4	5	2	7	9	3	6	8	1

आज का भविष्यफल- 24 जून, 2024 सोमवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष तृतीया। आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक। आज का दिशाशूल : पूर्व। आज की भद्रा : दोपहर 02 बजकर 25 मिनट से रात्रि के 01 बजकर 24 मिनट तक। विशेष : द्वितीया तिथि की क्षय।

कल 25 जून, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : गणेश चतुर्थी व्रत
पंचक : रात्रि के 01:50 बजे से 30 जून को प्रातः 07:34 बजे समाप्त।
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तत्पश्चात पंचमी श्रवण नक्षत्र तत्पश्चात धनिष्ठा नक्षत्र वैधृति योग तत्पश्चात विषकुंभ योग मकर में चंद्रमा तत्पश्चात कुंभ में।

मेष : दूसरे से सहयोग लेने में सफल होंगे। प्रयास में सफलता मिलेगी।
वृष : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
मिथुन : कर्मक्षेत्र में बाधा आएगी। मौसम के रोग के प्रति सचेत रहें।
कर्क : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
सिंह : मन खिन्न हो सकता है। भाग्य प्रबल होने से विरोधी परास्त होगा।
कन्या : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। कार्य संपन्न होगा।
तुला : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
वृश्चिक : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। भागदौड़ रहेगी।
धनु : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आशातीत सफलता मिलेगी।
मकर : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
कुंभ : बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। जीवन सुखमय होगा।
मीन : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। चल या अचल संपत्ति में सफलता मिलेगी।

एक नजर में

उत्तराखंड चैलेंजर्स ने जीता आइडब्ल्यूपीएल का खिताब

नई दिल्ली: भारतीय व्हीलचेयर प्रीमियर लीग (आइडब्ल्यूपीएल) के पांचवें सीजन के फाइनल मुकाबले में मुंबई टाइटंस को पांच विकेट से पराजित कर उत्तराखंड चैलेंजर्स ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। टास जीतकर उत्तराखंड चैलेंजर्स ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहिद अंसारी के 67 व परशुराम देसले के नाबाद 33 रन की मदद से निर्धारित 15 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तराखंड की टीम ने एक ओवर शेष रहते हुए पांच विकेट गंवाकर 149 रन बनाए और चैंपियन ट्राफी पर कब्जा किया। शाहिद को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। (जासं)

उम्दा गेंदबाजी से चमके युग, गौरव व अरुण

नई दिल्ली : डीडीसीए टी-20 लीग के तहत राजधानी के विभिन्न मैदानों पर प्रतिदिन रोमांचक मुकाबले खेले जा रहे हैं। एक मुकाबले में बाएं हाथ के स्पिनर युग गुप्ता और गौरव सरोहा की गेंदबाजी व आर्यन गौड़ के 70 रन की मदद से लिटिल मास्टर क्लब ने दिल्ली वंडर्स को छह विकेट से हराया। युग ने 16 रन देकर तीन व गौरव ने 24 रन देकर दो विकेट चटकाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली वंडर्स ने आठ विकेट खोकर 129 रन बनाए। जवाब में लिटिल मास्टर क्लब ने चार विकेट खोकर 130 रन बना दिए।

बिहार के साहित्यकार राम निवास शर्मा को ज्ञान विभूषण सम्मान

वि ,नई दिल्ली : बिहार के साहित्यकार राम निवास शर्मा को उनकी रचना आत्म नियंत्रण : स्वयं को जानें, स्वयं को पहचानें के लिए ज्ञान विभूषण सम्मान- 2024 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मिला। उनकी पुरस्कृत पुस्तक जीवन को श्रेष्ठ बनाने, करने और श्रेष्ठ पाने के साथ स्वयं को जानने, नियंत्रित करने, शांत रहने और मौन धारण करने के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है।

राम निवास शर्मा

गठबंधन टूटा, आस बरकरार...

लोकसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद दिल्ली में साथ चुनाव लड़ने का गठबंधन आप और कांग्रेस दोनों ने ही तोड़ दिया है, लेकिन ऐसा लगता है कि दोनों के मन में कोई कसक अभी भी बाकी है। शायद इसीलिए अब भी प्रदेश कांग्रेस जहां खुलकर आप के विरोध में नहीं आ रही है, वहीं आप भी अलग-अलग मुद्दों पर कांग्रेस का समर्थन चाह रही है। जल संकट को लेकर अभी तीन-चार दिन पूर्व ही आप सांसद संजय सिंह ने इंडी गठबंधन से समर्थन की गुहार लगाई, तो दो दिन पहले आप सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी उम्मीद भरे शब्दों में बयान दिया कि इस मामले में प्रदेश कांग्रेस को हमें अपना समर्थन देना चाहिए। वैसे प्रतिक्रिया स्वरूप बयान तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव का भी आ चुका है कि जनहित में पार्टी किसी का भी समर्थन करने को तैयार है, बशर्ते उस पर राजनीति नहीं हो। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि सियासी जल संकट के दौरान सियासत और पानी का कौन-सा रंग देखने को मिलता है।

नेताजी को जनता से शिकायत

आम तौर पर जनता को नेताओं से शिकायत होती है। परंतु, इन दिनों तीसरी बार उत्तर-पूर्वी दिल्ली से लोकसभा पहुंचने वाले मनोज तिवारी जनता के साथ ही मीडिया से शिकायत कर रहे हैं। उनका कहना है कि आम नागरिक को यह मालूम नहीं है कि कौन-सा काम किस सरकार या जनप्रतिनिधि का होता है। यही कारण है कि लोग दिल्ली सरकार और नगर निगम के अंतर्गत आने वाले काम सांसद के सामने रखते हैं। मीडिया भी जनता को जागरूक नहीं करती है। उन्होंने इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने की भी बात करते हैं। उनकी बात कुछ हद तक सही भी है, लेकिन इसके लिए वह, उन जैसे अन्य नेता व राजनीतिक दल भी जिम्मेदार हैं। वह तीसरी बार सांसद चुने गए, दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे हैं। इसके बावजूद अपने क्षेत्र के लोगों को यह नहीं बता सके हैं कि कौन सा काम किसका है।

किसका आंकड़ा सही है

इस गर्मी में दिल्ली का राजनीतिक तापमान भी चढ़ा हुआ है। उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक घमासान कुछ कम होगा, परंतु यह और बढ़ रहा है। घमासान भी इस गर्मी में पानी को लेकर है। एक तरफ दिल्ली के बड़े क्षेत्र में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं सरकार व राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाने और समस्या के लिए जिम्मेदार ठहराने में व्यस्त हैं। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी आंकड़े पेश कर हरियाणा पर कम पानी देने का आरोप लगाते हुए अनशन कर रही हैं। वहीं, हरियाणा सरकार अपने आंकड़े प्रस्तुत कर आतिशी पर प्रचार के लिए राजनीति करने का आरोप लगा रही है। भाजपा भी हरियाणा सरकार के समर्थन में खड़ी है। अब प्यासी जनता को समझ नहीं आ रहा है कि किसके आंकड़े सही है। उसे आंकड़े नहीं पानी की जरूरत है।

जब बाहर आते-आते रह गए नेताजी

नेताजी तिहाड़ जेल से बाहर आ रहे थे, सभी खुश थे, घर के लोग, पार्टी के नेता कार्यकर्ता और समर्थक, सभी की खुशी इसलिए थी कि नेताजी यानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लान्ड्रिंग मामले में निचली अदालत से जमानत जो मिल गई थी। कुछ समय बाद उन्हें जेल से बाहर आना था। मगर ईडी ने रंग में भंग कर दिया। ईडी इस मामले को लेकर हाई कोर्ट गई और सीएम का बाहर आना रुक गया है। इसे लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं में अब मायूसी है और उन्हें इस बात का डर सता रहा है कि कहीं हाई कोर्ट इस मामले में कोई अलग फैसला न दे दे। उनके डर का कारण इस मामले में ईडी की अत्यधिक सक्रियता भी है। ईडी ने हाई कोर्ट में जिस तरह से बहस की है, उससे कार्यकर्ताओं को साफ दिख रहा है कि वह सीएम साहेब की जमानत किसी भी स्तर पर नहीं चाहती है।

30 जून तक रजिस्ट्रेशन शुल्क में उठाए 50% का लाभ

● एलन दिल्ली में टैलेंटेक्स लांच, आनलाइन-आफलाइन होगी परीक्षा

वि.दिल्ली: एलन टैलेंटेक्स-2025 की घोषणा दिल्ली में एलन के नोएडा सेक्टर-62 स्थित कैंपस में बुकलेट, वेबसाइट व पोस्टर विमोचन के साथ की गई। इस अवसर पर एलन के जोनल हेड एंड वाइस प्रेसिडेंट अमित मोहन अग्रवाल ने कहा कि आनलाइन और आफलाइन दोनों मोड में होने वाली इस परीक्षा में पांचवीं से 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं। एलन टैलेंटेक्स के लिए 30 जून तक आवेदन करने पर रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50 प्रतिशत का लाभ दिया जा रहा है। आनलाइन परीक्षा पांच से 20 अक्टूबर के मध्य विभिन्न स्लाट में होगी, वहीं आफलाइन परीक्षा 13 अक्टूबर को होगी।

एलन दिल्ली में टैलेंटेक्स-2025 के लिए बुकलेट जारी किया गया ● सौ.: आयोजक

मनोरंजन

सात सवाल

बड़े सपनों ने दी अच्छी जिंदगी

अभिनेत्री मोना सिंह ने साल 2009 में प्रदर्शित फिल्म थ्री इडियट्स से फिल्मों में कदम रखा था। पिछले 15 वर्षों में उन्होंने हालिया प्रदर्शित फिल्म मुंजा समेत सिर्फ छह फिल्में की। अब तक 80 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी मुंजा से मोना का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर भी लगातार काम कर रही मोना से बातचीत :

● **पिछले 15 वर्षों में सिर्फ छह फिल्में ही की, क्या फिल्मों से मनपसंद आफर नहीं मिले या प्राथमिकताएं अलग रहीं?**
-मैंने कभी किसी प्रोजेक्ट को सिर्फ फिल्म या उसमें किसी बड़े स्टार को देखकर हां नहीं बोला। मैं हमेशा देखती हूं कि बतौर कलाकार मैं उसमें क्या कर रही हूं और दर्शकों के नजरिए से यह प्रोजेक्ट कैसा है? अगर मुझे किसी प्रोजेक्ट में कुछ अलग या चुनौतीपूर्ण नहीं दिखता है, तो मैं मना कर देती हूं। इसीलिए मैंने बहुत कम फिल्में की हैं।

● **अभिनेत्री लारा दत्ता ने कहा था कि उम्र बढ़ने के साथ उनके लिए विकल्प बढ़ गए हैं, क्या आप अपने लिए भी ऐसा कुछ देखती हैं?**
-मैं जिस तरह का काम करना चाहती थी वो टीवी में नहीं हो रहा था, 30 साल की उम्र में भी। वो सब मुझे डिजिटल प्लेटफार्म पर मिला है। यहां लेखकों, निर्माताओं और कलाकारों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए ढेर सारे पंख मिल गए हैं। मैं स्वयं को भाग्यशाली मान रही हूं कि मुझे 40 वर्ष की उम्र पार करके भी इतनी चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने के मौके मिल रहे हैं। इस उम्र के पार कलाकार के अंदर का डर और असुरक्षा की भावना खत्म हो जाती है।

● **आपने डर और असुरक्षा की भावना का जिक्र किया, वो किन चीजों को लेकर होती है?**
-मेरा डर था कि पता नहीं काम मिलेगा या नहीं मिलेगा। कलाकारों की अपनी असुरक्षा की भावना होती है कि आगे जाकर पता नहीं क्या होगा? टीवी में अब कुछ नया बचा नहीं है, जो कुछ नया कर सकूं और फिल्मों में ऐसे अनोखे विषय बनते नहीं है। तो डर था कि कलाकार आगे क्या करेगा? मुझे खुशी है कि भारत में डिजिटल प्लेटफार्म आने के बाद लोगों ने इसे खुले दिल से स्वीकार किया। इससे कलाकारों को काम मिलेगा या नहीं, वाली असुरक्षा की भावना खत्म हो गई है।

● **बिना किसी बड़े स्टार या बड़े बजट के मुंजा की इतनी बड़ी सफलता का क्या कारण देखती हैं?**
-मैं हमेशा से यही मानती आई हूं कि फिल्म का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा कहानी होती है। कहानी को निर्देशक कितने अच्छी तरीके से पर्दे पर दर्शाता है वो मायने रखता है। जब मुंजा की तरह किसी क्षेत्रीय कहानी पर आधारित या कुछ अनोखी फिल्में बनती है तो उन्हें देखने दर्शक अपने परिवार और बच्चों के साथ जाते हैं। यही कारण है कि यह फिल्म चल रही है।।

● **पढ़ने के अलावा क्या कुछ लिखने का भी शौक है?**
-लिखना मुझे पसंद नहीं है, क्रिएटिव क्षेत्र में लिखने का काम मेरे पति बहुत अच्छा करते हैं। मैं किताबें बहुत पढ़ती हूं। मैं क्राइम, कामेडी, हल्की फुल्की कहानियां, सेहत और यात्रा से जुड़ी हर तरह की किताबें पढ़ना पसंद करती हूं। मुझे सफर करने का, खाना बनाने का और गाना गाने का भी शौक है।

● **क्या आगे गायिकी को भी पेशेवर तौर पर अपनाने की तैयारी है?**
-अब तो बहुत सारे कलाकार गा भी रहे हैं। हाल में फिल्म चमकीला में परिणीति चोपड़ा ने काफी अच्छा गाया है। मेरे माता-पिता को भी हमेशा लगता था कि मैं भी अपना कोई रिकार्ड निकालूं, अपना एल्बम रिकार्ड करूं। उम्मीद करती हूं कि मैं भी किसी गायक के साथ मिलकर कुछ रिकार्ड कर सकूं। मुझे मौका मिला तो मैं जरूर करूंगी।

(दीपेश पांडेय)

आपने इंस्टाग्राम बायो में स्वयं को रीडर, ड्रीमर, स्टार गेजर और ट्रैवलर के बाद, सबसे अंत में एक्टर बताया है। क्या अभिनय आपकी सबसे आखिरी प्राथमिकता है?
(हंसते हुए) मैंने वह तो ऐसे ही मस्ती में लिखा है। मुझे बहुत से लोगों ने बोला भी है कि आप उसको बदल क्यों नहीं रही हैं, आपको एक्टर सबसे पहले लिखना चाहिए, फिर मन में आता है कि मैं खुद से ही एक्टर क्या बताऊं। हां, मैं अपनी जिंदगी में ड्रीमर (सपने देखने वाली) जरूर रही हूं। जिंदगी में बड़े सपने देखा, इसीलिए इतनी अच्छी जिंदगी मैं जी रही हूं। इसलिए मैं ड्रीमर सबसे पहले लिखती हूं।

अभिनय के साथ-साथ गायिकी का शौक भी रखती हैं मोना ● टीम मोना »

कंगना के जवाब के बाद अन्नू ने मांगी माफी

बीते दिनों चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत को एक महिला सीआइएसएफ ने थप्पड़ मारा था। कलाकारों के साथ ऐसे बर्ताव पर हाल ही में जब अभिनेता अन्नू कपूर से फिल्म हमारे बारह की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पूछा गया तो उन्होंने तपाक से कहा था कि यह कंगना जी कौन हैं? बहुत सुंदर हैं क्या? अब इस पर कंगना ने पलटवार किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी में अन्नू के बयान वाली क्लिप को साझा करते हुए लिखा क्या आप अन्नू जी से सहमत हैं कि हम एक सफल महिला से नफरत करते हैं? अगर वह सुंदर है तो उससे ज्यादा नफरत करते हैं और अगर वह पावरफुल है तो उससे भी ज्यादा नफरत करते हैं? क्या यह सच है। कंगना के इस जवाब के बाद अन्नू ने इंस्टाग्राम स्टोरी में कंगना को प्रिय बहन संबोधित करते हुए लिखा कि मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से कुछ अर्थ का अनर्थ निकाल रहे हैं। उन्होंने लिखा कि मेरे लिए प्रत्येक स्त्री आदरणीय है। फिल्में, टीवी, ओटीटी, न्यूज चैनल या समाचारपत्र नहीं पढ़ता इसलिए आप चाहें तो मुझे मूर्ख बुला सकती हैं। मूर्ख होना अपराध नहीं है। आगे उन्होंने लिखा कि किसी व्यक्ति विशेष या स्थान या वस्तु को न जानना अपराध नहीं होता।

अन्नू ने पूछा था यह कंगना जी कौन हैं?
● @annukapoor (इंस्टाग्राम)

****

एक नजर में

'सफाई पर अधिकारियों को दें निरीक्षण के निर्देश'

नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने निगमायुक्त अश्वनी कुमार को पत्र लिखकर आप के शासन में दिल्ली में चरमराई सफाई व्यवस्था की ओर उनका ध्यान आकृष्ट किया है। कपूर ने पत्र में लिखा कि दिल्ली में सड़कों की साइड एवं सेंट्रल वर्ज पर कूड़े के ढेर लगे हैं। दिल्ली में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल हो गया है। कपूर ने निगमायुक्त से मांग की है कि वरिष्ठ अधिकारियों को सफाई निरीक्षण व निगरानी के निर्देश दें। (जासं)

प्रवीण शंकर कपूर

बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से आटो सवार की मौत

गुरुग्राम: सेक्टर 17/18 थाना क्षेत्र में शनिवार रात दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर पीछे से आई बीएमडब्ल्यू (एक्स 5) कार की टक्कर से आटो पलट गया। आटो में सवार युवक-युवती व ड्राइवर घायल हो गए। अस्पताल में युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रामपुर निवासी गुरुसेवक सिंह गुरुग्राम के डीएलएफ फेज तीन के यू ब्लाक में रहते थे। वह शनिवार रात सहकर्मी नीतू कुमारी के साथ आटो से एयरटेल कंपनी जा रहे थे। हाईवे पर सेक्टर 17/18 क्षेत्र में पीछे से आई तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने आटो को टक्कर मार दी। कार चालक मौके से फरार हो गया। इसमें गुरुसेवक, नीतू व आटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को आसपास के लोग निजी अस्पताल ले गए, जहां गुरुसेवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य दोनों का इलाज चल रहा है। अभी आरोपित कार चालक की पहचान नहीं हो पाई है। गुरुसेवक के भाई सुखदेव सिंह की शिकायत पर कार चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। (जासं)

दूध लेने गए युवक को पीटा, दुकान में भी की तोड़फोड़

पूर्वी दिल्ली: नंद नगरी इलाके में रंजिश में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। दुकान से दूध लेने गए युवक को एक आरोपित ने जमकर लात घूसों से पीट दिया। आरोप है युवक को घायल करने के बाद आरोपित अपने स्वजन के साथ पीड़ित के परिवार की कपड़ों की दुकान पर पहुंचा और वहां तोड़फोड़ की। नंद नगरी थाना ने अंश गोयल की शिकायत पर मारपीट समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। पीड़ित अंश अपने परिवार के साथ नंद नगरी में रहता है। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि वह बी ब्लाक में दूध लेने के लिए मोटरसाइकिल से गया था। वहां हितेश आया और उसे खींचकर बाइक से उतारा और जमकर पीटा। पीड़ित को दूसरी मोटरसाइकिल पर फेंक दिया। नुकीले हथियार से उसपर वार कर दिया। (जासं)

हम लोग वक्त को बदलते हैं: डा. सुधांशु

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. सुधांशु त्रिवेदी, साथ में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व अन्य ● सौजन्य: भाजपा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर अरुण जेटली स्टेडियम के पास पार्क में लगी उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करभाजपा नेताओं ने उन्हें याद किया। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. सुधांशु त्रिवेदी कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर त्रिवेदी ने कहा कि आज जो विपक्ष में लोग बैठे हैं वह समय के साथ बदलते हैं, लेकिन हम लोग समय ही बदलते हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिर्फ हमारी पार्टी के संस्थापक ही नहीं, बल्कि देश के पहले राजनीतिक बालिदानी थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु को जवाहर लाल नेहरू सरकार की लापरवाही बताते हुए उन्होंने कहा कि जब मुखर्जी के परिवार के सदस्यों ने उनकी मृत्यु पर जांच की मांग की तो तत्कालीन नेहरू सरकार ने मना कर दिया था। उन्होंने कहा जनसंघ के समय से अब तक यानी 73 वर्षों में भाजपा का कश्मीर को लेकर जो रुख था, आज भी हम उसी पर आगे बढ़ रहे हैं। 2019 में जब हमें पूर्ण बहुमत मिला तो हमने कश्मीर से दो विधान दो संविधान की प्रथा को न सिर्फ समाप्त किया, बल्कि अनुच्छेद 370 को भी हटाया।

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे विचारवादी व्यक्ति थे, जिन्होने 52 वर्ष की अल्प आयु में देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने बंगाल और पंजाब को भारत से अलग होने से बचाया और जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए थे।

कूड़े पर आमने-सामने फरीदाबाद व गुरुग्राम के अधिकारी

दीपक पांडेय ● जागरण

- गुरुग्राम ने फरीदाबाद का कूड़ा बंधवाड़ी में गिराने से किया मना
- अभी फरीदाबाद में तैयार नहीं हो पाया है निस्तारण प्लांट

बंधवाड़ी सेंटर के बाहर खड़े कूड़े के ट्रक ● सौ.-निगम कर्मचारी

फरीदाबाद: बंधवाड़ी में कूड़े से भरे ट्रक खाली करने को लेकर फरीदाबाद और गुरुग्राम के नगर निगम के अधिकारियों के बीच रार नजर आने लगी है। गुरुग्राम नगर निगम के एसडीओ ने बंधवाड़ी में फरीदाबाद से गए कूड़े से भरे ट्रकों को खाली कराने से मना कर दिया है। इस कारण से शहर के डंपिंग स्टेशन से कूड़ा भरकर ले गए पांच ट्रक पांच घंटे तक बंधवाड़ी के बाहर ही खड़े रहे।

कूड़ा गिराने को लेकर आपस में दोनों नगर निगमों के अधिकारियों की काफी बहस भी हुई, लेकिन नतीजा नहीं निकला। हालांकि फरीदाबाद निगम के अधिकारी कूड़ा डंप न होने की वजह बंधवाड़ी में मशीन खराब होने का तर्क देते रहे। सूत्रों के अनुसार, गुरुग्राम नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि फरीदाबाद नगर निगम अपना निस्तारण केंद्र खुद तैयार करे, बंधवाड़ी में पहले से काफी कूड़ा एकत्र हो गया है। वहां अब और जगह नहीं है।

850 टन कूड़ा निकलता है प्रतिदिन: औद्योगिक नगरी से प्रतिदिन 850 टन कूड़ा निकलता है। यह कूड़ा डोर टू डोर कलेक्शन और खत्तों से ले जाकर डंपिंग स्टेशन पर डाला जाता है। फिर डंपिंग स्टेशन से कूड़ा उठाकर बंधवाड़ी ट्रक में माध्यम से ले जाया जाता है। अभी तक इको ग्रीन कंपनी डोर टू डोर कलेक्शन और खत्तो से कूड़ा डंपिंग स्टेशन तक पहुंचाने का काम कर रही थी। इसके बाद डंपिंग स्टेशन से कूड़ा बंधवाड़ी ले जाया जाता था, लेकिन फरवरी माह में इको ग्रीन को सरकार की ओर से काम बंद करने का नोटिस जारी कर दिया गया था। इसके बाद कंपनी ने भी कूड़े का उठान काफी कम कर दिया था। पिछले दिनों सरकार ने इको ग्रीन के साथ अनुबंध भी खत्म कर दिया है, हालांकि इको ग्रीन कंपनी ने हाई कोर्ट से स्टे ले लिया है।

> मेरी जानकारी में ऐसा कोई मामला नहीं है। अगर ऐसा है तो दोनों जिलों के निगम अधिकारी बात कर कोई रास्ता निकालेंगे।
>
> **-गौरव अंतिल,** अतिरिक्त आयुक्त, नगर निगम फरीदाबाद

इधर, अब नगर निगम ही खत्तों से कूड़े का उठान कर रहा है। प्राइवेट ठेकेदार की सहायता से डंपिंग स्टेशन से कूड़ा बंधवाड़ी ले जाया जा रहा है।

नगर निगम की योजना के मुताबिक, पांच निस्तारण केंद्र तैयार किए जाने थे, पर अभी तक सिर्फ प्रतापगढ़ में ही निस्तारण केंद्र तैयार हो पाया है। लोगों के विरोध के कारण नगर निगम अन्य किसी स्थान पर निस्तारण केंद्र तैयार नहीं कर पाया है।

कोरियर से ड्रग्स भेजने का आरोप लगा ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

चीन का नागरिक कर रहा था खाते का संचालन, 38 लाख रुपये पुलिस ने किए फ्रीज

पुलिस गिरफ्त में बदमाश ● सौजन्य- पुलिस

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: पूर्वी जिले के साइबर सेल थाना पुलिस ने कोरियर से ड्रग भेजने का आरोप लगाकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छह आरोपितों को पांच राज्यों से गिरफ्तार किया है। यह ठग मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर वारदात को अंजाम देते थे। इनकी पहचान दिल्ली के सुलेमान नगर निवासी विशाल जोशी, रोहतक के गांव खेड़ी निवासी सम्राट, रोहतक निवासी अंश उर्फ अंशु, मध्यप्रदेश निवासी सत्येंद्र ढाका, महाराष्ट्र निवासी वेदांत प्रभार और बलिया निवासी प्रांजल साहनी के रूप में हुई है। अंश के बैंक खाते का इस्तेमाल बैंकाक में बैठा चीन का नागरिक कर रहा था। गत 29 अप्रैल को इस खाते से 3.20 करोड़ रुपये की लेनदेन हुई थी। पुलिस ने इस बैंक खाते में 38 लाख रुपये की रकम फ्रीज करवाई है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर आरोपितों के खिलाफ 72 ठगी की शिकायतों की लिंक मिली है।

जिला पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि 29 अप्रैल को वसुंधरा एन्क्लेव निवासी दिपांशु वैद्य ने धोखाधड़ी की शिकायत पुलिस को दी थी। पीड़ित ने बताया कि उसके पास अज्ञात नंबर से काल आया और कालर ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। पीड़ित से कहा कि वह एक कोरियर विदेश भेज रहा है। जिसमें ड्रग व अन्य प्रतिबंधित सामग्री है। गिरफ्तारी का डर दिखाकर पीड़ित से ढाई लाख रुपये वसूल कर लिए। मामले की जांच में सामने आया कि पीड़ित से ठगी गई रकम रोहतक के रहने वाले अंश के खाते में गई थी। जांच में पता चला 29 अप्रैल को इस बैंक खाते में 3.20 लाख रुपये इधर से उधर हुए हैं। पुलिस ने बैंक से खाते को फ्रीज करवाया। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस से खाताधारक व उसके सहयोगी सम्राट को पहले गिरफ्तार किया।

क्रिप्टो करेंसी में घाटा हुआ तो करने लगे ठगी: पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपितों ने बताया कि उन्हें क्रिप्टो करेंसी में 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। उन्होंने अपने साथी प्रांजल साहनी के बारे में बताया। पुलिस ने उसे टेक्निकल सर्विलांस के जरिये लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। बाद में अन्य आरोपितों को दबोच लिया। सभी आरोपित शेयर ट्रेडिंग करते हैं। टेलीग्राम ग्रुप पर आरोपित मिले थे।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर युवक से 3.51 लाख रुपये की ठगी

जासं, पूर्वी दिल्ली: शिव विहार इलाके में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर एक युवक से 3.51 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कोकोइन एप के जरिये ठगों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित बिपिन मिश्रा की शिकायत पर उत्तर पूर्वी जिले के साइबर सेल थाना ने धोखाधड़ी की धारा में प्राथमिकी की है। पुलिस बैंक खातों की पड़ताल करके ठगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बिपिन मिश्रा अपने परिवार के साथ शिव विहार में रहता है। पुलिस को दी गई शिकायत में उसने बताया कि गत 17 मार्च को उसके वाट्सएप नंबर पर आनलाइन जाब को लेकर एक मैसेज आया। पीड़ित ने उस नंबर पर बात की तो उसने अपना नाम बख्शी बताते हुए एक कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उसने पीड़ित से आनलाइन रेटिंग देने का काम बताया। पीड़ित उसके झासे में आ गया।

बिटक्वाइन पर मोटे मुनाफे के चक्कर में 27 लाख रुपये गंवाए

जासं, फरीदाबाद: बिटक्वाइन में निवेश करके मोटा मुनाफा कमाने के चक्कर में युवक और युवती ने 27 लाख रुपये गंवा दिए। सेक्टर-दो निवासी प्रीति बीसला ने बताया कि 28 मई को उनका जानकार नाहर सिंह चौहान मिलने के लिए घर पर आया था। बातचीत के दौरान उनके फोन पर बिटक्वाइन में निवेश करके मोटा मुनाफा कमाने का मैसेज आया। उन्होंने नाहर सिंह को बताया तो दोनों ने आनलाइन बिटक्वाइन ट्रेडिंग पर कुछ पैसा लगाने बारे में योजना बनाई। इसको लेकर उन्होंने मैसेज भेजने वाले ठग से भी बातचीत कर ली। ठग ने उनकी टेलीग्राम में आइडी बनाकर कर पंजीकरण कर लिया।

इसके बाद नाहर सिंह ने निवेश के लिए 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए, जिस पर उनको 307 रुपये का मुनाफा हुआ। उसके बाद युवती प्रीति ने 50 हजार रुपये निवेश किए। जिस पर युवती को चार घंटे बाद उनका मुनाफा होकर 59579 रुपये मिले। उसके बाद युवक व युवती लगा कि उनको अच्छा मुनाफा मिल रहा है। इस पर दोनों ने 27.78 लाख रुपये निवेश कर दिया। इतने पैसे निवेश करने पर उनके पोर्टल पर 3.77 लाख का मुनाफा दिखा रहा था।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ स्वीकार नहीं: याज्ञवल्क्य शुक्ल

याज्ञवल्क्य शुक्ल ●

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं की जांच को सीबीआइ को सौंपे जाने का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षाओं के संबंध में किसी भी गड़बड़ी को एबीवीपी स्वीकार नहीं करेगी। यह छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। इस प्रकरण में शामिल संस्थाओं और व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

पिछले महीने नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता सामने आने के बाद एबीवीपी ने एनटीए के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया था। पूरे देश में प्रदर्शन किए गए। सूरत में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एबीवीपी ने केंद्रीय और राज्य स्तर पर आयोजित परीक्षाओं में नकल, पेपर लीक, भ्रष्टाचार व उत्तरपुस्तिकाओं की जांच में उदासीनता आदि महत्वपूर्ण समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए, लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 के पालन के लिए स्वायत्त एवं स्वतंत्र केंद्रीय जांच एजेंसी बनाने की दिशा में उचित कदम उठाने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा, कुछ समय से केंद्र एवं राज्य परीक्षाओं में पेपर लीक एवं अनियमितताएं चिंताजनक हैं। इससे मेधावी एवं छात्रों का भविष्य संकट में आ रहा है। इसको लेकर लंबे समय से एबीवीपी एनटीए की कार्य प्रणाली का विरोध करते हुए सुधार की मांग करती रही है। शिक्षा संबंधी अनियमितता, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और यह अस्वीकार्य है। केंद्र सरकार की ओर से सीबीआइ जांच कराने के फैसले का हम स्वागत करते हैं।

मोबाइल की स्क्रीन पर पिस्टल के साथ लगाई हुई थी फोटो, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: मालवीय नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को मोबाइल की स्क्रीन पर पिस्टल के साथ फोटो लगाना भारी पड़ गया। उसी फोटो ने युवक व उसके दोस्त को जेल पहुंचा दिया। रोको टोको अभियान के तहत पुलिस ने दोनों आरोपितों को पिस्टल व छह कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान आंबेडकर नगर निवासी दीपक मीणा व इसके दोस्त राजेश के रूप में हुई है।

जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि पुलिस ने अपराध पर अंकुश लगाने के लिए रोको टोको अभियान चलाया हुआ है। शनिवार को मालवीय नगर थाना की टीम ने खिड़की एक्सटेंशन में पिकेट लगाया हुआ था। उसी दौरान पुलिस की नजर स्कूटी पर सवार दो संदिग्धों पर पड़ी। पुलिस ने उन्हें रोका। पुलिसकर्मियों ने राजेश के मोबाइल पर पिस्टल के साथ उसकी फोटो देखी। पिस्टल के बारे में जब पुलिसकर्मियों ने उससे पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे सका।

संसाधनों के बिना साल में दो बार दाखिले का डूटा ने किया विरोध

जासं, नई दिल्ली: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से साल में दो बार दाखिला देने की अधिसूचना पर दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने एतराज जताया है। डूटा ने यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि डीयू और इसके कालेजों में भौतिक संसाधनों की कमी, शिक्षण तथा गैर-शिक्षण पदों की कमी के चलते इस तरह के बदलाव लागू कर पाना संभव नहीं है।

प्रो. एके भागी ●

डूटा के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने कहा, डीयू और इसके कालेजों में आर्थिक रूप से पिछड़े (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त सीटों की वृद्धि हुई, लेकिन विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। डीयू और संबद्ध कालेजों को अवसंरचना व अतिरिक्त शैक्षणिक पदों के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली है। स्नातक स्तर पर चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष के विस्तार की शुरुआत के लिए कालेजों में अतिरिक्त संसाधनों तथा शिक्षण स्टाफ की आवश्यकता है, जिसे जल्द पूरा करना चाहिए। डूटा ने यूजी व पीजी पाठ्यक्रमों में 25 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस सीटों के विस्तार के बदले अतिरिक्त शिक्षण पदों की तत्काल मंजूरी की मांग भी की है। डूटा ने पत्र में दिल्ली सरकार के वित्त पोषित कालेज के संदर्भ में मांग की है कि यूजीसी डीयू को इन कालेजों नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दे।

समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर की पुस्तकों का किया गया विमोचन

समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर की पुस्तकों का विमोचन करते अतिथिगण ● सौ. आयोजक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: 'समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर के लेखों पर आधारित दो पुस्तक 'समस्या और समाधान' व 'आमजन और राजनीति' का विमोचन कांस्टीट्यूशन क्लब में किया गया। इस मौके पर उत्तरप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष लक्ष्मी दास, राज्यसभा के सदस्य संजय सिंह, राजनाथ शर्मा (बाराबंकी) उपस्थित रहे। रघु ठाकुर ने कहा कि हिंदुस्तानी संसद के चरित्र को बदलने के लिए जरूरी है कि संसद गरीब के साथ एकाकार हो। जो सांसद निधि आमदनी का जरिया बन गई है उसकी समाप्ति की जरूरत है। भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए कई स्तरों पर प्रयास की जरूरत है।

युवती की मौत, स्वजन ने घर में ही दफना दिया शव

इसी गड्ढे में युवती को दफनाया गया था ● सौजन्य: पुलिस पीआरओ

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: धौज गांव में 17 वर्षीय युवती की घर में संदिग्धावस्था में मौत हो गई। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचित किए बिना अथवा कब्रिस्तान ले जाने के बजाय घर में ही छह फीट का गड्ढा खोद कर शव को दफना दिया। करीब 10 महीने पहले की इस घटना का अब पता चला, जब नवयुवती के सऊदी अरब में रहने वाले पिता ने ई-मेल भेजकर इसकी शिकायत पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य को दी। सूचना मिलने पर पुलिस आयुक्त ने अधीनस्थ अधिकारियों को मामले की जांच के लिए कहा। पुलिस ने नवयुवती के स्वजन को थाने बुलाया और पूछताछ की।

घटना की पुष्टि होने क बाद सहायक पुलिस आयुक्त महेश श्योराण, पुलिस की एफएसएल टीम तथा धौज थाना प्रभारी शमशेर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने गड्ढा खोदा तो नवयुवती का कंकाल मिला। कंकाल के साथ चप्पल भी मिली। कंकाल बाहर निकाल कर जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है। कंकाल की जांच के लिए अब इसे नूंह स्थित नल्हड़ मेडिकल कालेज भेजा जाएगा। पुलिस आनर किलिंग के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है, क्योंकि युवती के पिता ताहिर ने हत्या का ही आरोप लगाया है। वैसे पुलिस ने अभी तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है।

यह है मामला: पुलिस के अनुसार, धौज गांव में हनीफा बेगम परिवार सहित रहती है। इसके चार बेटे व चार बेटियां हैं। हनीफा का पति ताहिर सऊदी अरब में ट्रक चलाता है और वहीं पर 12 साल से रह रहा है। हनीफा की पति ताहिर से अनबन चल रही है। इसलिए कई वर्षों से यहां नहीं आया है। केवल फोन पर एक बहन से बात करता रहता था। हनीफा की एक बेटी परवीना भी थी। बताया जाता है वह एक वर्ष पहले किसी लड़के के साथ चली गई थी। बाद में वापस आ गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, परवीना को उसके रिश्तेदार ताने मारने लगे। इससे वो परेशान रहती थी। 10 महीने पहले उसकी संदिग्धावस्था में मौत हो गई। इस घटना से स्वजन बेहद परेशान हो गए। उन्हें लगा कि यदि किसी को बताया, तो गांव में रहना मुश्किल हो जाएगा। आरोप है कि इसलिए युवती की मां व परिवार के अन्य सदस्यों ने शव को घर के एक कमरे में गड्ढा खोदकर दबा दिया।

पिता ने खोला राज

इधर, ताहिर की कई महीने से अपनी बेटी परवीना से बात नहीं हुई थी, तो उसे शक हुआ। उसने अपनी बहन से इस बारे में बात की, तो कुछ बातों पर शक हुआ। इसके बाद ताहिर ने पुलिस आयुक्त को शिकायत भेजी। पुलिस आयुक्त के निर्देश के बाद घटना से पर्दा उठा। परिवार के सदस्यों से जब पूछताछ हुई, तो पुलिस टीम को जवाब मिला कि परवीना ने फांसी लगाई थी। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में उपस्थित बड़खल तहसील के नायब तहसीलदार उमेश कसाना की निगरानी में सारी कार्रवाई हुई।

डीएसए की 'ए' डिवीजन लीग में नोएडा सिटी की तीसरी जीत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में डीएसए की 'ए' डिवीजन लीग खेली जा रही है। रविवार को पहले मुकाबले में मनीष सुयाल और रित्विक आनंद के शानदार गोल से नोएडा सिटी एफसी ने बंगादर्शन एफसी को 2-1 के अंतर से परास्त कर लीग के सुपर सिक्स मुकाबले में लगातार तीसरी जीत हासिल की। पराजित टीम की ओर से इकलौता गोल शोभित भंडारी के नाम रहा। दिन के दूसरे मुकाबले में नार्दन यूनाइटेड एफसी ने फौजान के गोल से हाप्स एफसी को 1-0 से हराकर पहली बार जीत हासिल की।

नोएडा सिटी और बंगादर्शन के बीच कांटे का मुकाबला रहा। नोएडा सिटी ने पिछड़ने के बाद रफ्तार पकड़ी और तीसरी जीत के साथ खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाया। हालांकि बंगादर्शन ने 16वें मिनट में शोभित के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन नोएडा सिटी ने फिर से मुकाबले पर पकड़ बना ली। विजेता टीम ने नौ अंक जुटा लिए हैं। लगातार दो मुकाबले गंवा चुकी नार्दन यूनाइटेड ने रविवार को दम दिखाया। पहले हाफ में मोहम्मद फौजान खान ने गोल किया। फौजान ने रक्षापंक्ति को छकाते हुए बाक्स के ऊपर से शाट खेला।

वहीं शनिवार को खेले गए मुकाबले में एमिटी इंडियन नेशनल ने नार्दन यूनाइटेड एफसी को दो गोल से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की थी। विजेता टीम की ओर से विनय और अमन कुमार ने जबकि पराजित टीम की तरफ से हेमंत ठाकुर ने गोल किए।

अमन को बर्गर किंग में बुलाने वाली युवती कटड़ा में दिखी

- कटड़ा रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में युवती भागकर मुंबई जाने वाली ट्रेन में सवार होती दिखी
- गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की बेहद करीबी बताई जा रही है युवती अनु

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली: राजौरी गार्डन के बर्गर किंग हत्याकांड मामले में फरार चल रही युवती को आखिरी बार जम्मू के कटड़ा रेलवे स्टेशन पर देखा गया है। कटड़ा रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में युवती भागकर मुंबई जाने वाली ट्रेन में सवार होती दिखाई दे रही है। यह ट्रेन गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब कटरा से निकली थी।

सूत्रों के अनुसार, जो युवती भाग रही है उसका नाम अनु है। सुबह नौ बजकर 22 मिनट पर अनु ने कटड़ा इलाके के गेस्ट हाउस के वाईफाई से अपना मोबाइल कनेक्ट किया था। इसके बाद वो जल्दबाजी में स्टेशन पहुंची और ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ी। सीसीटीवी फुटेज में अनु ट्राली बैग के साथ स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए भागती नजर आ रही है। अनु गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की बेहद करीबी बताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने इस बारे में कुछ जानकारी नहीं दी है। 18 जून की रात को अनु ने अमन को काल कर बर्गर किंग बुलाया था। यहां पर दो बदमाशों ने पिस्टल निकालकर करीब 40 राउंड फायरिंग की थी और अमन को मौत के घाट उतार दिया था। अमन के साथ आई अनु भी मौके से फरार हो गई। सूत्रों की माने तो युवती अनु ने ही अमन को यहां पर बुलाया था। वह अमन का मोबाइल भी उठाकर भाग गई थी।

प्रथम पुण्यतिथि

स्वर्गीय चमन लाल जैन
(01.01.1950 से 24.06.2023)
आपकी यादें और आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहेंगे।
श्रद्धानवत
दया जैन एवं सम्पूर्ण जैन परिवार
ई-ब्लॉक, शास्त्री नगर, गाजियाबाद

युवाओं को नशे से बचाने के लिए किया गया वाकथान

इंडिया गेट पर वाकथान को हरी झंडी दिखाते विशेष आयुक्त एचआर एसके गौतम और विशेष आयुक्त स्पेशल सेल आरपी उपाध्याय ● सौजन्य: दिल्ली पुलिस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार मादक पदार्थों के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति पर सख्ती से काम कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मादक पदार्थों को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस समस्या के निदान के लिए सभी कानून प्रवर्तन संस्थाओं को कठोर व कारगर कदम उठाने के लिए निर्देश दिए हैं। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के मार्गदर्शन में दिल्ली पुलिस की ओर से इसे कार्यान्वित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रविवार सुबह 'नशा मुक्त भारत पखवाड़ा' के तहत इंडिया गेट से कर्तव्यपथ थाने तक वाकथान आयोजित किया गया। वाकथान के दौरान अभिनेता रणविजय सिंह, फिटनेश विशेषज्ञ व स्वच्छता अभियान प्रतिनिधि अंकित बंयापुरिया, क्रिकेट कोच संजय भारद्वाज, राष्ट्रीय एथलीट मनोज आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के विशेष पुलिस आयुक्त एसके गौतम (एचआर) ने इंडिया गेट पर 'जिंदगी को कहें हां, नशे को ना' आदर्श वाक्य के साथ वाकथान को हरी झंडी दिखाई। वाकथान में करीब पांच से छह हजार लोगों ने भाग लिया।

उन्हें नशीले पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में वर्तमान पीढ़ी के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए बुलेटिन बोर्ड, पोस्टर और बैनर प्रदर्शित किए। वाकथान के परिभागियों को क्यूआर कोड के द्वारा ई-सर्टिफिकेट भी जारी किए गए। जिसका समापन पुलिस स्टेशन कर्तव्यपथ पर हुआ।

एसके गौतम ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह मादक पदार्थों का इस्तेमाल न करें। नशा प्रतिदिन हमारे समाज की एक समस्या बनती जा रही है, जिस पर काबू पाना बेहद आवश्यक है। अध्ययनों से पता चला है कि दौड़ लगाना, पैदल चलना, योगाभ्यास आदि शारीरिक व्यायाम नशामुक्ति में बहुत मददगार हो सकते हैं। अतः दिल्ली पुलिस का इस वाकथान आयोजन का उद्देश्य आम जनता विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहकर अच्छे स्वास्थ्य व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अभी तक 720 आरोपित किए जा चुके हैं गिरफ्तार

दिल्ली में सक्रिय मादक पदार्थों के तस्करों-आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए, दिल्ली पुलिस प्रतिदिन अवैध मादक पदार्थों के आपूर्तिकर्ताओं/तस्करों की गिरफ्तारी कर उनके तंत्रजाल का भंडाफोड़ भी कर रही है। चालू वर्ष में (15 जून तक), पुलिस ने 631 एनडीपीएस मामलों में 720 नार्को-अपराधियों को पकड़ा है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है। 12 जून से ही नशा मुक्त पखवाड़ा शुरू किया जाता है। 12 जून को विशेष पुलिस आयुक्त शालिनी सिंह, ओलिंपिक पदक विजेता रवि दहिया और विश्वस्तरीय कुश्ती खिलाड़ी सरिता मोर ने लाल किला से जनसंपर्क वाहन को झंडी दिखाकर पखवाड़े की शुरुआत की थी।

****

एक नजर में

झोलाछाप पर 10 हजार रुपये ठगने का आरोप

मोदीनगर: तिबड़ा रोड स्थित क्लीनिक में नार्मल डिलीवरी कराने के नाम पर झोलाछाप द्वारा युवक से 10 हजार ठग लिए गए हैं। महिला की हालत बिगड़ने पर दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आपरेशन के बाद महिला की डिलीवरी हुई। अब चिकित्सक रुपये लौटाने से इन्कार कर रहा है। गांव रोरी के दीपक की पत्नी प्रीति गर्भवती थी। दो दिन पहले प्रीति को प्रसव पीड़ा हुई। झोलाछाप ने नार्मल डिलीवरी कराने की बात कहकर 10 हजार रुपये ले लिए। (जासं)

धारदार हथियार से वारकर युवक को किया लहूलुहान

मोदीनगर: भोजपुर थाना क्षेत्र के कस्बा फरीदनगर में शुक्रवार रात धारदार हथियार से वारकर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। अमन शुक्रवार रात खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था, तभी पड़ोसी जीतू साथियों संग पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। जब अमन ने विरोध किया, तो जीतू ने उस पर धारदार हथियार से भी वार कर दिया। (जासं)

नोएडा में दो लोगों के वाहन हुए चोरी, एफआइआर दर्ज

नोएडा: कोतवाली फेज-वन में विकुल कुमार ने दर्ज कराई एफआइआर में बताया कि वह सेक्टर-16 स्थित अपनी कंपनी में काम करने के लिए आए थे। उन्होंने स्कूटी कंपनी के सामने खड़ी की थी। जिसको अज्ञात चोर लेकर फरार हो गए। कोतवाली में शिकायत में मांशी ने बताया कि सेक्टर-27 स्थित उनके घर के सामने से स्कूटी चोर लेकर भाग गए। (जासं)

पिता की डांट से नाराज बच्चा घर छोड़कर गया

नोएडा: कोतवाली फेज-वन में हरौला के मोहम्मद आरिफ ने दर्ज कराई गुमशुदगी में बताया कि उनका दस वर्षीय बेटा उनके डांटने से नाराज होकर सात जून से घर से कहीं चला गया है। उन लोगों ने उसको काफी तलाश किया, लेकिन अभी तक उसका कोई पता नहीं चल पाया है। पीड़ित ने बताया कि पूर्व में भी बेटा नाराज होकर घर से गया था, लेकिन जल्द वापस आ गया था। (जासं)

15 वर्षीय किशोरी घर से हुई लापता, गुमशुदगी दर्ज

नोएडा: नोएडा के कोतवाली सेक्टर-63 में गांव वाजिदपुर के एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 15 वर्षीय बेटी 15 जून से घर से बिना बताए चली गई है। उन लोगों ने अपनी बच्ची को काफी तलाश किया, लेकिन अभी तक उसका कोई पता नहीं चल पाया है। नोएडा पुलिस ने किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। (जासं)

राष्ट्रीय राजधानी में लाल बत्ती पर स्टाप लाइन के उल्लंघन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले साल के मुकाबले 32% की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली यातायात पुलिस के आंकड़ों के हिसाब से इस साल स्टाप लाइन उल्लंघन के सबसे ज्यादा मामले दक्षिणी दिल्ली स्थित डिफेंस कालोनी में सामने आए हैं। यहां अब तक 2,37,976 मामले स्टाप लाइन उल्लंघन के दर्ज किए गए हैं। इसी अवधि में 2023 में ये मामले 1,80,538 थे। दूसरी ओर, मयूर विहार में 33,077 मामले सामने आए हैं, जो कि दूसरा सर्वाधिक है। इसी साल अप्रैल में भी जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार यही दोनों इलाके पहले और दूसरे स्थान पर थे। वहीं, त्रुटि वाले नंबर प्लेट के मामलों में 286 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

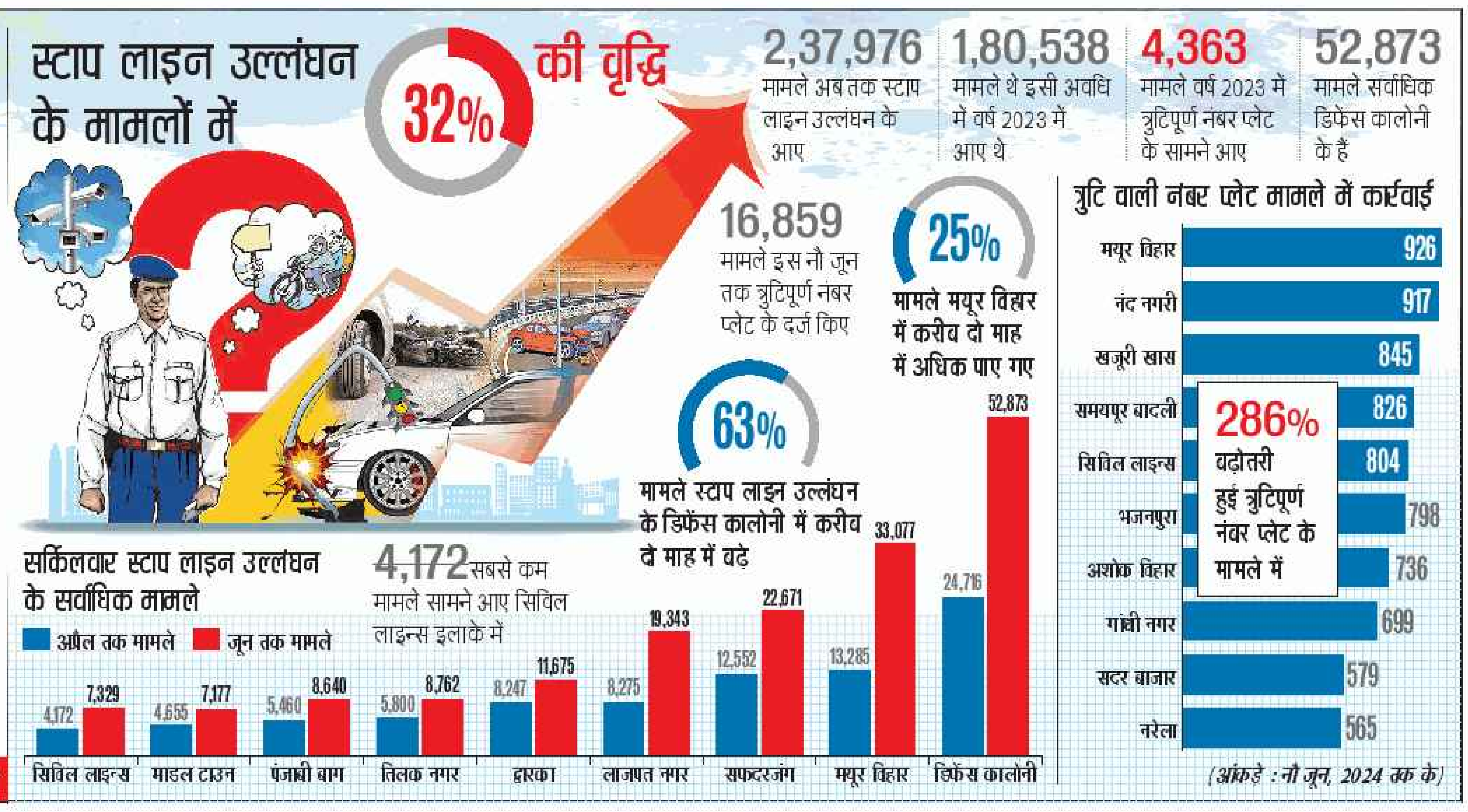

प्रस्तुतिः राकेश कुमार जागरण इन्फो

लूट का सोना खरीदने में दिल्ली के दो सराफ धरे

जासं, आगरा: चार माह पूर्व कैंट स्टेशन पर ट्रेन में पुलिस अधिकारी बनकर ढाई किलो सोने की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। सर्राफ के कर्मचारी से जेवरात लूट का सूत्रधार कर्मचारी का परिचित था। बैंक के लाकर में रखा गया डेढ़ किलो सोना पुलिस ने बरामद कर लिया है। बाकी सोना बेचकर खरीदे गए दो प्लाट के कागजात भी बरामद किए हैं। पुलिस ने सोना खरीदने वाले दिल्ली के मोहन गार्डन निवासी सर्राफ त्रिलोचन भल्ला और दिल्ली के संत नगर निवासी सराफ मानव मेहता को गिरफ्तार किया है।

जयपुर निवासी मनीष की मंसा ज्वेलर्स नाम से कंपनी है। उन्होंने मार्च में दारोगा बनकर कर्मचारी प्रदीप सिंह से दो सौ ग्राम से ज्यादा वजन के सोने के जेवरात की लूट का केस दर्ज कराया था। मनीष का कहना था कि जनवरी में प्रदीप कोलकाता जेवरात लेकर गया था। ट्रेन से लौटते समय कैंट स्टेशन पर दो युवक आए। बैग लेकर भाग गए।

10 हजार भवनों में ही वर्षा जल संचयन

दंड के प्रविधान को स्थगित कर छूट देने पर दिल्ली जल बोर्ड का अधिक ध्यान

अजय राय • जागरण

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में पानी की बढ़ती समस्या को देखते हुए वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को वर्षों पहले पहचान लिया गया, पर इसकी कागजी खानापूरी पर ध्यान ज्यादा है। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार, राजधानी में सिर्फ 10,321 भवनों में ही वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) की व्यवस्था है। इसमें सरकारी व आम नागरिकों के भवन शामिल हैं। इस योजना के तहत दिल्ली में पानी के शुल्क में दस प्रतिशत छूट दी जाती है। बीते छह वर्षों में जल बोर्ड ने छूट के रूप में 150 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की है। कार्रवाई की बात करें तो लगातार स्थगन के बीच फिर से एक से 31 मार्च तक दंड के प्रविधान को स्थगित कर दिया गया था। जल बोर्ड के अनुसार, उसके बाद जुर्माना लगाने का आदेश जारी नहीं हुआ है। ऐसे में डीजेबी कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

रसातल में जाते भूजल स्तर को सुधारने के लिए, जुलाई 2012 में यह तय किया गया कि 100 वर्गमीटर या अधिक के प्लाट के लिए, जिसमें वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था की गई है, उसे कुल बिल राशि में 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। तय नियमों के मुताबिक नगर निगम भी किसी घर या मकान का नक्शा तभी पास करता है जब उसके लिए जगह चिह्नित की गई होती है। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार, उसके व अन्य सरकारी विभागों द्वारा उनके अंतर्गत आने वाले भवन या कार्यालय और विद्यालयों व कालेजों में 7,121 और आम नागरिकों द्वारा अपने भवनों में लगभग 3200 वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था अब तक की गई है। डीजेबी ने अपने 594 प्रतिष्ठानों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लागू की है। 4,549 स्कूल-कालेजों में 4,144 में वर्षा जल संरक्षण प्रणाली (आरडब्ल्यूएच) लगा दी गई है। 405 में इस पर काम चल रहा है। वहीं, नगर निगम ने अपने 1,676 इमारतों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था की है। निगम ने हाल ही में कोर्ट में हलफनामा देकर बताया भी था कि ये सभी कार्य कर रहे हैं। द्वारका उपनगरी में सबसे अधिक लगभग 354 हाउसिंग सोसाइटियां हैं और सभी में आरडब्ल्यूएच की व्यवस्था है।

वर्ष 2023 में भूजल रिचार्ज की स्थिति

जिला	वर्षा से भूजल रिचार्ज
मध्य	353.61
पूर्वी	125.33
नई दिल्ली	1013.75
उत्तर	2265.74
उत्तर-पूर्वी	144.98
उत्तर-पश्चिमी	1153.44
शाहदरा	114.34
दक्षिण	1134.78
दक्षिण-पूर्वी	621.53
दक्षिण-पश्चिमी	3259.4
पश्चिम	1484.22
नजूल भूमि	333.57
कुल	12004.7

नोट : आंकड़े हेक्टेयर मीटर में

जल संचयन की व्यवस्था • फाइल फोटो

7 हजार सरकारी व आम लोगों ने भवनों में लगभग 3,200 ही वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था की

150 करोड़ रुपये से अधिक की छूट दी बीते छह वर्षों में जल बोर्ड ने

दिल्ली जल बोर्ड ने कितनी छूट दी

अवधि	राशि (करोड़ रुपये में)
जुलाई 2017 से मार्च 2018	13.6
अप्रैल 2018 से मार्च 2019	21.44
अप्रैल 2019 से मार्च 2020	23.32
अप्रैल 2020 से मार्च 2021	27.88
अप्रैल 2021 से मार्च 2022	20.22
अप्रैल 2022 से मार्च 2023	47.45
कुल	153.91

क्यों जरूरी है वर्षा जल संचयन

वर्षा जल संचयन भूजल स्तर को कम होने के बजाय और अधिक बनाए रखने में सक्षम बनाता है। कई देश, विशेष रूप से शुष्क वातावरण वाले देश, स्वच्छ पानी के सस्ते और विश्वसनीय स्रोत के रूप में वर्षा जल संचयन का उपयोग करते हैं। दिल्ली में गिरते भूजल स्तर को देखते हुए इसकी बेहद जरूरत है। वर्षा के समय में यहां अधिकांश पानी बह कर नदी में चला जाता है।

किसी भी श्रेणी का उपभोक्ता हो, सबके लिए शुल्क में डेढ़ गुना वृद्धि का किया गया है प्रविधान

सभी उपभोक्ताओं के लिए चाहे वे किसी भी उपभोक्ता श्रेणी में आते हों, शुल्क में डेढ़ गुना बढ़ोतरी के रूप में वर्षा जल संचयन संबंधी दंड लागू होगा, यदि उनके पास 500 वर्ग मीटर या इससे बड़ा प्लाट हो और उन्होंने एक जुलाई, 2017 तक वर्षा जल संचयन प्रणाली लागू न की हो। वर्षा जल संरक्षण संबंधी दंड को इंजिनियरिंग शाखा ने जुलाई 2023 में 30 सितंबर, 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया, लेकिन उसके बाद की स्थिति को दिल्ली जल बोर्ड स्पष्ट नहीं कर पा रहा है। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार इस वर्ष एक से 31 मार्च तक जुर्माना संबंधी प्रविधान स्थगित था और उसके बाद जुर्माना लगाने संबंधी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है।

यातायात के टूटते नियम...

आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती है, इसकी रोकथाम के लिए सरकार तरह-तरह प्रयास करती रहती है और लोगों को जागरूक भी करती है, लेकिन इसके बावजूद कई बार लोग लापरवाही करते हैं, जो कि दुर्घटना का कारण बन सकता है। ऐसा ही देखने को मिला दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर खिचड़ीपुर के पास जहां दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध का बोर्ड (नीले रंग का, दाएं तरफ) लगे होने के बावजूद जान जोखिम में डालकर एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया वाहन चलाते सवार • पारस कुमार

नोएडा में कार से स्टंट, वीडियो प्रसारित

जागरण संवाददाता, नोएडा: शहर की विभिन्न जगह पर अलग-अलग कार से स्टंट के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए हैं। ट्रैफिक पुलिस की ओर से कार के नंबर के आधार पर वाहनों की पहचान की जा रही है।

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित एक 13 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि काले रंग की कार से चालक डीएनडी टोल बूथ के समीप कार से स्टंट कर रहा है। इससे सड़क पर चल रहे दूसरे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। इसी तरह 15 सेकेंड की कार में काले रंग की एक स्कार्पियो और एक फार्च्यूनर कार को चालक द्वारा डिवाइड पर पहिया चढ़ाकर चलाजा रहा है। 15 सेकेंड के दूसरे वीडियो में एक सफेद रंग की और एक काले रंग की स्कार्पियो कार से सेक्टर-125 स्थित यूनिवर्सिटी के समीप स्टंट किया जा रहा है।

13 सेकेंड के एक वीडियो में लाल व सफेद रंग की स्विफ्ट कार से बीच सड़क पर स्टंट किया जा रहा है। सात सेकेंड के एक वीडियो में सेक्टर-125 स्थित एमिटी वि. के पास कार से स्टंट किया जा रहा है।

स्टंट करता चालक • सौ. इंटरनेट मीडिया

आजादी के बाद सबसे बड़ा संरक्षण कार्य

राजों की बावली

वी के शुक्ला • जागरण

नई दिल्ली: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) महरौली के पुरातत्व पार्क में स्थित सभी स्मारकों का संरक्षण कार्य कराएगा। इसमें जमाली कमाली स्मारक, बलबन का मकबरा, राजों की बावली व गंधक की बावली आदि शामिल हैं। एएसआइ ने राजों की बावली में आजादी के बाद सबसे बड़ा संरक्षण कार्य शुरू कराया है। बावली की दशा बदली जा रही। बावली की संरचना 15वीं और 16वीं शताब्दी के दौरान बनी अन्य बावली के समान है।

महरौली स्थित इस बावली के अन्य भागों में संरक्षण कार्य किया ही जा रहा है। मुख्य कुएं का दो मंजिल गहराई तक पानी भी निकाला गया है। यह काम पूरा हो जाने पर इसका पानी का स्रोत खोल दिया जाएगा।

बता दें कि दिल्ली कभी भी प्रचुर पानी वाला शहर नहीं था और पानी का प्रमुख स्रोत यमुना होने के बावजूद दिल्ली को हमेशा जल संकट का सामना करना पड़ा। मध्यकाल में राजाओं ने जल संकट से निपटने को पूरी दिल्ली में बावली का निर्माण करवाया। चिलचिलाती गर्मी में ये बावली सिंचाई और जल भंडार के रूप में काम करती थीं।

महरौली स्थित स्मारक राजों की बावली में संरक्षण कार्य करते श्रमिक • विपिन शर्मा

- जमाली कमाली स्मारक, बलबन का मकबरा, राजों की बावली व गंधक की बावली का भी होगा संरक्षण कार्य

राजों की बावली को राजों की बेन भी कहा जाता है

राजों की बावली को राजों की बेन भी कहा जाता है, यह महरौली पुरातत्व पार्क में स्थित है। इसका निर्माण 1506 ई. में दिल्ली सल्तनत के लोदी वंश के प्रशासक दौलत खान द्वारा करवाया गया था। राजों की बावली के परिसर में एक मस्जिद और एक मकबरा है। राजों की बावली का नाम राजबीर या 'मिस्त्री' से लिया गया है। यह शब्द राजमिस्त्री के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसे यह नाम 20वीं सदी की शुरुआत में इस क्षेत्र में स्थायी रूप से आने वाले राजमिस्त्रियों के कारण मिला।

रिश्वत लेते गिरफ्तार अफसरों की जमानत अर्जी पर सुनवाई आज

जासं, गाजियाबाद: सीबीआइ की एंटी करप्शन ब्रांच की गाजियाबाद शाखा द्वारा शुक्रवार शाम आगरा के प्रधान डाकघर में रिश्वत लेते पकड़े गए सीनियर पोस्टमास्टर देवेंद्र कुमार व पब्लिक रिलेशन इंस्पेक्टर राजीव दुबे को सोमवार को सीबीआइ की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। दोनों के अधिवक्ता जमानत अर्जी पेश करेंगे, जिस पर सीबीआइ की अदालत में सुनवाई होगी।

शनिवार को अदालत ने दोनों आरोपितों को दो दिन के लिए जेल भेजने के आदेश दिए थे। सीबीआइ लोक अभियोजक ने बताया कि आगरा के प्रधान डाकघर में देवेंद्र कुमार सीनियर पोस्ट मास्टर और राजीव दुबे पब्लिक रिलेशन इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। प्रधान डाकघर में ही सीबी सिंह बाबू के पद पर हैं। सीबी सिंह पर परीक्षा कराने के लिए आए सरकारी रुपयों में हेराफेरी करने का आरोप है।

स्मारकों में प्रवेश के लिए टिकट बुकिंग को बनाएंगे सरल

वी के शुक्ला • जागरण

नई दिल्ली: एएसआइ के स्मारकों में सुविधाएं पब्लिक फ्रेंडली होंगी, टिकट बुकिंग से लेकर स्मारकों के महत्व और इतिहास को समझाने के लिए अब अधिक से अधिक इंटरनेट मीडिया का सहारा लिया जाएगा। स्मारकों में प्रवेश के लिए टिकट बुकिंग को आसान बनाया जाएगा। एएसआइ द्वारा बनाए गए एप को भी पब्लिक फ्रेंडली बनाया जाएगा। स्मारकों पर इंटरनेट की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्मारकों पर व्यवस्थाएं इस तरह की जाएंगी कि भीषण गर्मी या ठंड में भी पर्यटक वहां पर पहुंचने पर बोझिल न हों, बल्कि स्मारकों के महत्व को समझते हुए आनंद का अनुभव करें। जिन स्मारकों में पर्यटकों को दूर-दूर तक पैदल चलना पड़ता है, वहां बैट्री कार उपलब्ध कराई जाएंगी।

नव नियुक्त केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के निर्देश के बाद एएसआइ इस योजना पर काम करने जा रहा है। मंत्री पद संभालने के बाद शेखावत शनिवार को दिल्ली के स्मारकों का निरीक्षण करने पहुंचे। सुबह आठ बजे पहले उन्होंने कुतुबमीनार परिसर में भ्रमण किया, यहां के स्मारकों के बारे में जानकारी ली, वह कुतुबमीनार परिसर के सभी प्रमुख भागों में गए, यहां लगे लौह स्तंभ के इतिहास और महत्व के बारे में जाना। उन्होंने अनंगताल के बारे में भी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पुराना किला में निरीक्षण किया। उन्होंने पांडवों की राजधानी रही इंद्रप्रस्थ को ढूंढने के लिए 1954-55 और 1969 से 1972 तक एएसआइ के पूर्व महानिदेशक प्रो बी बी लाल द्वारा कराई गई खोदाई स्थलों को देखा।

उन्होंने पिछले साल इसी परियोजना के तहत कुंती मंदिर के पास एएसआइ के निदेशक वसंत स्वर्णकार द्वारा पिछले साल कराई गई खोदाई स्थल का भी मौका मुआयना किया। उन्होंने खोदाई से संबंधित अत्याधुनिक सुविधाएं लिए जाने पर भी बल दिया। इस दौरान एएसआइ के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत ने एएसआइ द्वारा स्मारकों में कराए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां पर एक नया संग्रहालय बनाने की भी तैयारी है। जहां पर विदेश से वापस आई धरोहर को प्रदर्शित किया जाएगा।

- एएसआइ का प्रयास, पब्लिक फ्रेंडली होंगी स्मारकों में सुविधाएं
- स्मारकों के महत्व को समझते हुए पर्यटक आनंद का अनुभव करेंगे
- नव नियुक्त केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के निर्देश के बाद एएसआइ इस योजना पर काम करने जा रहा है
- मंत्री पद संभालने के बाद शेखावत शनिवार को दिल्ली के स्मारकों का निरीक्षण करने पहुंचे

पुराना किला में निरीक्षण करते केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत • सौ. एएसआइ

गाजीपुर की तीनों मंडियों की आय में हो रही वृद्धि

गाजीपुर की तीनों मंडियों की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। दिल्ली कृषि विपणन बोर्ड के रिकार्ड पर नजर डालें तो आवक बढ़ने से मंडी शुल्क के कलेक्शन में इजाफा हो रहा है। दूसरी ओर खर्च कम करके मंडियों के खजाने को नुकसान से बचाया जा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि एक दशक पहले तीनों मंडियां संचालित करना घाटे का सौदा हुआ करता था। लेकिन बेहतर प्रबंधन के चलते मंडियां लाभकारी संस्थान साबित हो रही हैं। वर्ष 2023-24 की आय भी बेहतर रही है, लेकिन उसके परिणाम जारी होना बाकी है। रिकार्ड के अनुसार, गाजीपुर फल एवं सब्जी मंडी व गाजीपुर फूल मंडी ने वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में दो गुना से अधिक आय अर्जित की है। इसी तरह गाजीपुर मुर्गा व मछली मंडी ने पांच गुना से अधिक आय कमाई है।

प्रस्तुतिः आशीष गुप्ता जागरण इन्फो

पूर्वी दिल्ली में स्थित है गाजीपुर की सब्जी मंडी • जागरण आर्काइव

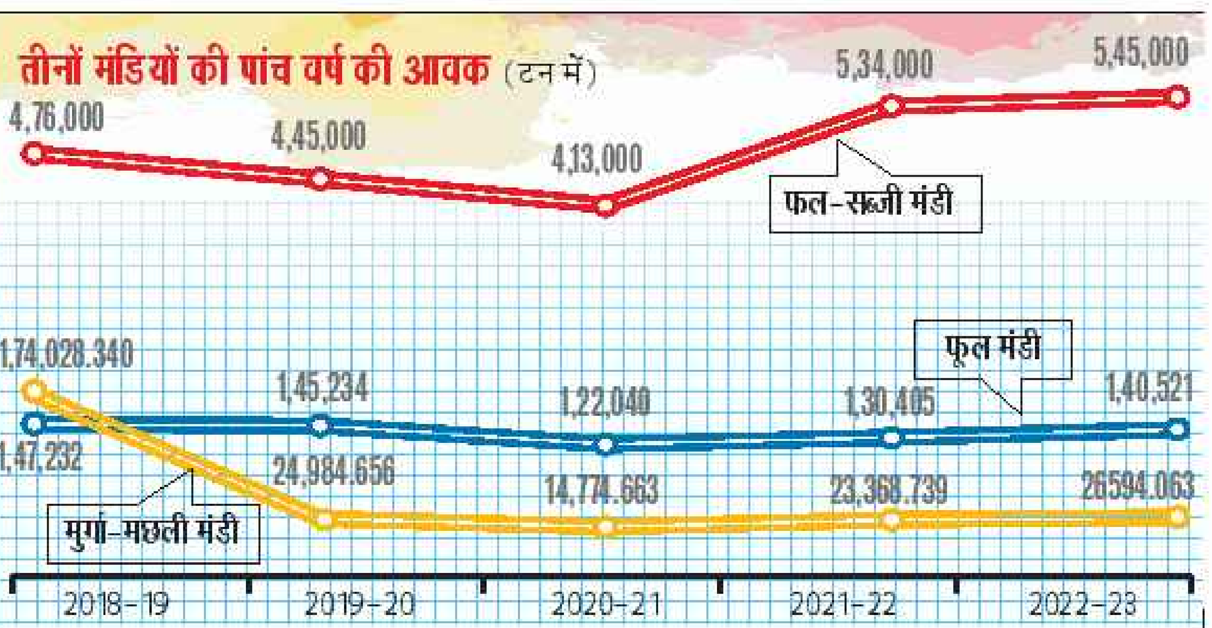

11,000 टन - वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में गाजीपुर फल एवं सब्जी मंडी में आवक इतनी अधिक रही

3223.324 टन - वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में गाजीपुर फूल मंडी में आवक इतनी अधिक रही

हस्तकला एक्सपो में तीन हजार से अधिक प्रदर्शक होंगे शामिल

जासं, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 24 से 26 जून तक इंडियन हैंडीक्राफ्ट्स एंड गिफ्ट फेयर का आयोजन होगा। एक्सपो में देशभर से तीन हजार से अधिक प्रदर्शक अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। मेले में 90 से अधिक देशों के खरीदार शामिल होंगे। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फार हैंडीक्राफ्ट्स की ओर से मेले का आयोजन किया जा रहा है।

पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए मेले में तीन हजार करोड़ के करीब कारोबार हुआ था। इसमें दिल्ली, मुंबई, जयपुर, मेरठ, मुरादाबाद, फरीदाबाद, भदोई, श्रीनगर, गुरुग्राम, कोलकाता, वाराणसी, असम, मणिपुर, और केरल समेत देश के सभी प्रमुख शहरों और उत्पाद क्लस्टर के लगभग 200 उत्पादक और कारीगर एकत्रित होंगे। ईपीसीएच अध्यक्ष दिलीप बैद ने बताया कि ईपीसीएच ने अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं, उनके आनलाइन पोर्टलों, वेब बैनर आदि के जरिये दुनियाभर में व्यापक डिजिटल प्रमोशन और प्रचार अभियान चलाया है।

एक्सपो मार्ट के चेयरमैन और ईपीसीएच के चीफ मेंटर डा. राकेश कुमार ने कहा भारत के प्रमुख उत्पादकों के प्रदर्शन किए जाने के अलावा समूचे भारतीय कारीगरों के शिल्प को दर्शाने वाले क्षेत्रीय थीम एरिया विदेशी खरीदारों के लिए आकर्षण के केंद्रों में से एक होंगे।

24 से 26 जून तक ग्रेटर नोएडा में एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होगा आयोजन

90 से अधिक देशों के खरीदार इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होंगे शामिल

****